वार्षिक रिपोर्ट

2022-2023

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 द्वारा स्थापित)

राया-सुचानी (बागला), जिला सांबा - 181143,

जम्मू (जम्मू और कश्मीर)

01923-249660 वेबसाइट: www.cujammu.ac.in

विश्वविद्यालय के माननीय कुलाध्यक्ष

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

भारत के राष्ट्रपति

विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति

श्री गोपालास्वामी पार्थसारथी

माननीय कुलाधिपति

कुलपति का संदेश

विशेष रूप से विविध जीवंत रंगों वाले इस वर्ष में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की 11वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना सम्मान और सौभाग्य की बात है, जब भारत ने आजादी के अमृत काल में सबसे सफल जी 20 प्रेसीडेंसी की मेजबानी करके विश्व गुरु के रूप में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। शैक्षिक परिदृश्य पर, प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली को एकीकृत करने और उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर जोर देने के साथ गुरु-शिष्य परंपरा के पुनरुत्थान को मजबूत करने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) - 2020 का कार्यान्वयन युगांतकारी और अभूतपूर्व दोनों है।

11वां वार्षिक प्रतिवेदन सत्र 2022-2023 के लिए शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान परिणामों और नवीन शिक्षा पद्धतियों में हमारी पहल और उपलब्धियों का एक विस्तृत विवरण प्रस्तुत करती है। रिपोर्ट शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुसंधान पर विश्वविद्यालय के मजबूत पक्ष को प्रस्तुत करती है। वर्तमान में, विश्वविद्यालय 23 विभागों के तत्वावधान में 17 स्नातकोत्तर, 21 अनुसंधान-उन्मुख, 04 पंचवर्षीय उपाधि, 04 चार वर्षीय इंजीनियरिंग उपाधि; 01 चार वर्षीय एकीकृत, और 03 व्यावसायिक प्रकार और 03 प्रमाणपत्र स्तर के 55 पाठ्यक्रम प्रस्तावित है । विश्वविद्यालय को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से वित्त पोषण के साथ सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र स्थापित करने का गौरव भी प्राप्त है।

बाधाएं एवं रुकावटें जो संस्थान की उत्पत्ति और विकास का अभिन्न अंग हैं, विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित विभिन्न पाठ्यक्रमों के आवेदकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि संकाय की शिक्षण एवं अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। प्रितिवेदन की अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय ने 22 पीएचडी उपाधियां प्रदान की हैं, विश्वविद्यालय अनुसंधान के लिए विभिन्न निधियन एजेंसियों से संसाधन जुटाने में सक्षम है। सीयूजे संकाय को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप, परियोजना पूंजी और मान्यता से सम्मानित किया गया है एवं लगातार अनुसंधान, परामर्श और गतिविधियों के माध्यम से विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं। वर्तमान में, संकाय सदस्यों द्वारा शैक्षणिक और सामाजिक प्रासंगिकता की 95 से अधिक प्रमुख/छोटी अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की गई हैं। संकाय सदस्य राष्ट्रीय उच्च गणित बोर्ड, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार, एसईआरबी, यूजीसी, आईसीपीआर, आईसीएमआर, आईसीएसएसआर, डीएसटी, आईयूएसी, कपड़ा मंत्रालय, डीआरडीओ, जेकेपीसीबी, डीईआईटीवाई, राष्ट्रीय विकास फाउंडेशन जम्मू, सीएसटीईपी, एमएसएमई, भारत सरकार, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार, ईडीआईआई, अहमदाबाद, उपभोक्ता मामले मंत्रालय, यूनेस्को और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय जैसी विभिन्न पूंजी एजेंसियों से करोड़ों अतिरिक्त पूंजी जुटाने में सक्षम हैं।

एनईपी-2020 के जनादेश के अनुरूप भारतीय चरित में निहित सर्वश्रेष्ठ वैश्विक शिक्षा पद्धतियों के परिवर्तनकारी शिक्षा के मंत्र को विश्वविद्यालय द्वारा अपनाया गया है । इसलिए, सीयूजे परिवर्तनकारी शिक्षा पर केंद्रित है जिससे शिक्षार्थियों को स्थानीय और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक मूल ज्ञान, मूल्य, दृष्टिकोण और कौशल प्रदान किया जा सके।

जाहिर तौर पर परिसर और छात्रावासों में वाई-फाई, एक स्वचालित पुस्तकालय, बुनियादी खेल सुविधाएं, योग कक्षाएं, क्लब, थर्सडी माइंड मीट फोरम, शोधार्थियों के लिए 3 एमटी प्रतियोगिता आदि जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं और बुनियादी ढांचे हैं। जो शिक्षा के लिए आवश्यक है। विश्वविद्यालय अपने छात्रों को प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और प्रतिष्ठित नियुक्तियां प्रदान करता है। ये अनुभव छात्रों को महत्वपूर्ण लाभ देते हैं और उन्हें किसी भी प्रकार की प्रतियोगिता के लिए तैयार होने में मदद करते हैं।

विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के बाद से शीर्ष उद्योग/शैक्षणिक निकायों की सदस्यता प्राप्त करने के अलावा कई प्रतिष्ठित शैक्षणिक, अनुसंधान संस्थानों और कॉर्पोरेट निकायों जैसे संयुक्त राष्ट्र अकादमिक, इसरो, डीआरडीओ, इम्पैक्ट, भारतीय उद्योग परिसंघ, स्टार हेल्थ इंश्योरेंस, एआईएमए, आईएसटीडी, जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, कील यूनिवर्सिटी जर्मनी, यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी, सीयूएचपी, सीयूके, डरबन यूनिवर्सिटी ऑफ प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर इसरो, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार, विश्वमंगल्य छात्र सभा और आईआईटी रोपड़ के साथ 48 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

छात्रों और स्थानीय लोगों में उद्यमशीलता कौशल विकसित करने के लिए राष्ट्रीय एजेंडे और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप, विश्वविद्यालय ने स्टार्ट-अप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल और यूनिवर्सिटी बिजनेस इनक्यूबेशन केंद की स्थापना की है। विश्वविद्यालय का विकास स्पष्ट रूप से शिक्षा एवं अध्ययन, गुणवत्ता अनुसंधान और प्रकाशन के क्षेत्र में हुई वृद्धि के रुप में देखा जा सकता है। यह प्रगतिशील विकासात्मक प्रवृत्ति बुनियादी ढांचे और सहायक सुविधाओं, मूडल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, स्मार्ट-क्लासरूम, सेमिनार कक्ष आदि में दिखाई देता है।

विश्वविद्यालय संकाय विश्वविद्यालय के आदेश के अनुरूप अखिल भारतीय मूल्यों का प्रतिनिधित्व करती है। इसी प्रकार, विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले विश्वविद्यालय के छात्र भी देश के विभिन्न हिस्सों से आते हैं और भारतीय परंपरा और संस्कृति की समृद्धि को दर्शाते है तथा कई सांस्कृतिक समारोहों के माध्यम से अध्ययन और शिक्षण के अनूठे मिश्रण के साथ एक प्रेरक शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र के साथ परिसर जीवन को समृद्ध करते हैं।

डिजिटल शिक्षा-शिक्षण प्रक्रिया के वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, विश्वविद्यालय ने पेपरलेस और कैशलेस बनने के लिए कई डिजिटल पहल करने का दावा किया है। ढांचागत विकास, अंतर्राष्ट्रीय छात्रवृत्तियां; प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला; संकाय प्रेरण और विकास कार्यक्रम; डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण कक्षाएं; आईआईएसटी और प्लेसमेंट जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में छात्रों के लिए प्रशिक्षण पिछले वर्षों में अन्य उल्लेखनीय गतिविधियाँ गुणवत्ता सुधार उपायों पर केंद्रित रही हैं।

मुझे उम्मीद है कि सभी हितधारकों के निरंतर प्रयासों से, विश्वविद्यालय का दृष्टिकोण साकार होता रहेगा। निरंतर प्रयास, प्रोत्साहन, सौहार्द और सद्भावना के साथ, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय निस्संदेह आने वाले वर्ष में सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

जय हिन्द!

प्रो.संजीव जैन

विषय-सूची

क्रम सं	शीर्षक	पृष्ठ सं
1.	**जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के दस वर्ष**	08
2.	**विश्वविद्यालय निकाय**	29
3.	विश्वविद्यालय कोर्ट	29
4.	कार्यकारिणी परिषद	32
5.	योजना मंडल	33
6.	अकादमिक परिषद	34
7.	वित्त समिति	36
8.	**विश्वविद्यालय के अधिकारी**	37
9.	**शैक्षणिक सत्र 2022-2023 के दौरान छात्रों का विवरण**	38
10.	**वित्त एवं लेखा विभाग**	47
11.	**हिंदी प्रकोष्ठ**	48
12.	यातायात सेवाएं	51
13.	**स्वास्थ्य केंद्र**	52
14.	**एनसीसी**	54
15.	**समितियाँ एवं प्रकोष्ठ**	57
16.	**सामुदायिक विद्यालय**	64
17.	**विद्यालय तथा विभाग**	78
18.	**भाषा विद्यालय**	79
19.	हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग	80
20.	अंग्रेजी विभाग	86
21.	**आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय**	93
22.	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	94
23.	गणित विभाग	108
24.	भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग	111
25.	रसायन शास्त्र एवं रसायनिक विज्ञान विभाग	119
26.	नैनो विज्ञान एवं पदार्थ विभाग	125
27.	**जीव विज्ञान विद्यालय**	132
28.	पर्यावरण विज्ञान विभाग	133
29.	प्राणि विज्ञान विभाग	148
30.	वनस्पति विज्ञान विभाग	151

31.	अणु जैविक विज्ञान केंद्र	157
32.	पृथ्वी विज्ञान विभाग	163
33.	**व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय**	166
34.	मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार	167
35.	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	171
36.	विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	180
37.	**मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय**	206
38.	अर्थशास्त्र विभाग	207
39.	लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग	210
40.	समाज कार्य विभाग	215
41.	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र	217
42.	**शिक्षा विद्यालय**	224
43.	शैक्षिक अध्ययन विभाग	225
44.	**ज्ञान प्रबंधन, सूचना एवं मीडिया अध्ययन विद्यालय**	235
45.	जन संचार एवं नवीन मीडिया विभाग	236
46.	**राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय**	238
47.	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग	239
48.	**छात्रावास**	251
49.	**अभियांत्रिकी अनुभाग**	255
50.	**अधिष्ठाता छात्र कल्याण**	259
51.	**कर्मचारियों की सूची**	263

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के तहत 2011 में स्थापित, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय भारत के जम्मू, कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश के सांबा जिले में स्थित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित और विनियमित किया गया है।

विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों में विभिन्न डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है। इनमें कला, मानविकी, विज्ञान, वाणिज्य, प्रबंधन, शिक्षा, भाषा और इंजीनियरिंग एवं अन्य पाठ्यक्रम शामिल हैं। शैक्षणिक पाठ्यक्रमों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों के बीच अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए निर्माण किया गया है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के अनुरूप संशोधित किया गया है।

संकाय की ताकत में अनुभवी आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, शोधकर्ता और विद्वान शामिल हैं जो विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान करते हैं। विश्वविद्यालय में छात्रों और संकाय की सीखने और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, आईसीटी-सक्षम कक्षा-कक्ष, अत्याधुनिक अवसंरचनात्मक सुविधाएं हैं।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का विशाल परिसर जम्मू के सांबा जिले में 609 एकड़ में फैला हुआ है, जिससे छात्रों के लिए छात्रावास और मनोरंजक सुविधाओं सहित बुनियादी और आधुनिक सुविधाओं से सहित, शिक्षा के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान किया जाता है।

समग्र और परिवर्तनकारी शिक्षा प्रदान करने के लिए, कई सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन, साहित्यिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल गतिविधियां विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कैलेंडर की विशेषता हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय कौशल वृद्धि और अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण के अलावा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया पर बल देता है।

इसके अलावा, विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परंपराओं पर पर्याप्त जोर देने के साथ अनुसंधान, नवाचार, ऊष्मायन को बढ़ावा देता है और पूरे क्षेत्र और राष्ट्र के बौद्धिक और सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देता है।

स्थापना और मुख्य आदर्श

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय 08 अगस्त, 2011 को केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 (केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधिनियम 2009 के नियम संख्या -25 के तहत) स्थापित किया गया था जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का परिसर सांबा जिला के गांव बागला, राया -सुचानी में निर्माणाधीन एवं विकसित हो रहा है, जो जम्मू शहर से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर है।

विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य, बुद्धिर्ज्ञानेन शुद्ध्यति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का एक शक्तिशाली भविष्यवादी मंत्र है जो विश्वविद्यालय के उद्देश्य के साथ बहुत अच्छी तरह से मेल खाता है, जिसका अर्थ है, ज्ञान मन को परिष्कृत, शुद्ध और तेज करता है। विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह निम्नानुसार दर्शाया गया है :

उगता सूरज, बरगद का पेड़ और अनंत आकाश प्रकृति के कुछ सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं, जो इसके सार का प्रतीक हैं और मानव जाति को जीवन के सृजन शीलता को अपनाने, ज्ञान प्राप्त करने और शांति और समृद्धि प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। इन तत्वों को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक प्रतीक के रूप में एक साथ व्यवस्थित किया गया है।

बरगद के पेड़ की पृष्ठभूमि में उगता हुआ सूर्य अंधकार पर विजय का प्रतीक है - अज्ञान पर ज्ञान की विजय है। छात्र प्रकाश में रहकर, ज्ञान प्राप्त करेंगे और बुद्धिमान बनेंगे।

प्रतीक का यह भाग उद्घोषित करता है कि बरगद का पेड़ शुद्ध हवा प्रदान करने के लिए अशुद्धियों को छानकर शुद्ध वायु उपलब्ध करता है तथा अपनी मूल जड़ों के माध्यम से विस्तार करता है, उसी प्रकार से विश्वविद्यालय अपने छात्रों के योगदान और सहभागिता के माध्यम से संगठित विचार, अंतर कर सकने वाली योग्यता तथा आत्म-अनुशासन ओर ले जाने का संकल्प रखता है।

अनंत आकाश की विशाल चादर जिसमें सूर्य की किरणों से भरा है, उस विशाल विस्तार को दर्शाता है जो ज्ञान की प्राप्ति, वृद्धि और प्रसार के लिए उपलब्ध विशालता को दर्शाता है। विचारों के पोषण और प्रवाह के लिए एक संपूर्ण प्रतीक चिन्ह के रूप में उभरती है। विश्वविद्यालय अन्नत ज्ञान तथा बुद्धि का वास है जो अर्थ पूर्ण आत्मा-निरीक्षण के लिए मार्ग बनाता है जिनका परिणाम व्यक्तिगत ज्ञान विकास होता है।

संक्षेप में बरगद का पेड़ तथा अन्नत आकाश के संग उगता सूर्य वास्तव में विश्वविद्यालय के मूल्यों आकाक्षाओं लक्ष्यों तथा स्वाभाविक विशेषताओं को दर्शाता है तथा यह गतिवान,ज्ञानवान तथा शक्तिवान युवाओं के माध्यम से उस प्रकाशवान समाज में पदार्पण करने की इच्छा को दर्शाता है जहां वे आधुनिक संसार के नए विचारों तथा उभरती प्रवृर्तियों को अपना सकें तथा उससे उठने वाली चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए आतुरता दर्शा सकें।

दूरदर्शिता

उच्च शिक्षा का अग्रणी केंद्र होना जिससे संस्कृति, ज्ञान, दर्शन, विज्ञान और मूल्य प्रणाली को एकीकृत हो, हमारी प्राचीन अवधारणाओं को आधुनिक तथा उभरते विचारों, योग्यता प्रौद्योगिकी और प्रबंधन अभ्यास से आत्मसात करें।

उद्देश्य

- ऐसी शिक्षा प्रदान करना जो हमारे प्रतीक चिन्ह में तीन मुख्य प्रतीकों का प्रतिनिधित्व करता है; उगते सूर्य के समान इंद्रधनुषी, बरगद के समान अमर तथा आकाश के समान अनंत।
- आत्मविश्वास विकसित करना; जो अनुशासित अध्ययन से मिश्रित हो, जो अपनी शक्ति तथा दृढ़ विश्वास हेतु श्रद्धा में परिणत हो।
- संगठित विचार, आत्म-अनुशासन और विवेकशील संकाय पर जोर देकर शिक्षाविदों, प्रशासन, व्यवसाय और अनुसंधान में सतत विकास के लिए प्रतिभा विकसित करना है।
- अंतर विषय पर ध्यान केन्द्रित करना साथ ही अग्रणी संस्थानों के साथ संयुक्त शोध पर ज़ोर देना, जिसका उद्देश्य मानव संसाधन का विकास तथा नए विचारों, नवाचारों का एकीकरण हो।
- एक आधुनिक, स्थाई पर्यावरण, स्वस्थ तथा जीवंत परिसर प्रदान करना जो ग्रीन तकनीक के सिद्धांतों के अनुरूप हो।
- आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के मामलों में विशेष रूप से सभ्य समाज के मामलों में सामान्य रूप से सहयोगी प्रतिभागी बनना।

परिसर स्थल

विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्यालय परिसर स्थल, राया-सुचानी (बागला) जिला-सांबा, जम्मू-कश्मीर में स्थित है। जिसे कंप्यूटर नेटवर्किंग, फर्नीचर एवं अन्य उपकरणों की सुविधाओं के साथ कार्यात्मक बनाया गया है।

प्रस्तावित अध्ययन पाठ्यक्रम

शिक्षा तथा आलोचनात्मक सोच को प्रेरित करना जम्मू केंद्रीय विश्वअविद्यालय मुख्य चर्चा के बिंदु है । जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षाशास्त्र की परंपराओं को तोड़ने का प्रयास करता है जो अधिकांश शैक्षिक प्रणाली का प्रतीक है। मानविकी और प्राकृतिक विज्ञान, साहित्य और कला और प्रबंधकीय अभ्यास वस्तुतः अलग हैं और इस तरह के अन्तरनुभागीय दृष्टिकोण के साथ भी देखा जाता है । शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए, निम्नलिखित 54 शैक्षणिक, और

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रस्तावित किये गये थे।

स्नातक, स्नातकोतर एवं विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रमों में प्रवेश (2022-2023)

शैक्षिक सत्र के लिए संबंधित विभागों में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रविष्ट छात्रों/ शोधार्थियों का विवरण 2022-23, निम्नानुसार हैं: –

स्नातकोतर उपाधि पाठ्यक्रम (2 साल)

क्रम सं	विद्यालय	विभाग/केंद्र	प्रस्तावित पाठ्यक्रम	प्रस्तावित प्रविष्टियां	प्रविष्ट छात्र
1	व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय	एचआरएम एवं ओबी	एमबीए	40	42
		पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	एमबीए पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	30	33
		विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	एमबीए विपणन प्रबंधन	50	51
2	ज्ञान प्रबंधन, सूचना एवं मीडिया अध्ययन विद्यालय	जनसंचार एवं नवीन मीडिया	एम.ए जनसंचार एवं नवीन मीडिया	30	21
3	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	एम.टैक	25	08
		नैनो विज्ञान एवं सामग्री	एम.एस.सी सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी	20	09
		गणित	एम.ए./एम.एससी गणित	50	47
4	शिक्षा विद्यालय	शैक्षिक अध्ययन	एम.एड.	50	19
5	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय	अर्थशास्त्र	एम. ए अर्थशास्त्र	45	32
		लोकनीति एवं लोक प्रशासन	एम. ए लोकनीति एवं लोक प्रशासन	30	28
		समाज कार्य	एम. ए समाज कार्य	30	21
6	भाषा विद्यालय	अंग्रेज़ी	एम.ए. अंग्रेज़ी	40	40
		हिंदी एवं अन्य भाषाएँ	एम.ए. हिंदी	30	02
7	जीव विज्ञान विद्यालय	पर्यावरण विज्ञान	एम.एस.सी पर्यावरण विज्ञान	46	47
		आणविक जीव विज्ञान केंद्र	एम.एस.सी जैव प्रौद्योगिकी	26	27
8	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	एम. ए राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	30	21

एकीकृत यूजी-पीजी पाठ्यक्रम 5 साल

क्रम सं	विद्यालय	विभाग	प्रस्तावित प्रविष्टियां	प्रविष्ट छात्र
1	जीव विज्ञान विद्यालय	वनस्पति विज्ञान में एकीकृत एम.एस.सी पाठ्यक्रम	40	22
		प्राणि विज्ञान में एकीकृत एम.एस.सी पाठ्यक्रम	40	39
2	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	रसायन विज्ञान में एकीकृत एम.एस.सी पाठ्यक्रम	40	33
		भौतिकी में एकीकृत एम.एस.सी पाठ्यक्रम	40	39
3	शिक्षा विद्यालय	एकीकृत बीए-बी.एड	60	66

सत्र 2022-2023 के लिए पीएचडी पाठ्यक्रम

क्रम सं	विद्यालय	विभाग	प्रस्तावित प्रविष्टियां	प्रविष्ट छात्र
1.	व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	01	01
2.		विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	05	02
3.	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय	अर्थशास्त्र	02	01
4.	शिक्षा विद्यालय	शिक्षा	05	01
5.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	गणित	01	01
6.	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	03	03
7.	जीव विज्ञान विद्यालय	वनस्पति शास्त्र	01	01
8.		प्राणि विज्ञान	06	03
9.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी	04	04
10.		भौतिक विज्ञान	04	01
11.		रसायन शास्त्र	05	03
12.	भाषा विद्यालय	अंग्रेजी	04	01
13.		हिंदी	08	03

व्यावसायिक/पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्रम संख्या	विद्यालय	विभाग/केंद्र		प्रस्तावित प्रविष्टियां	प्रविष्ट छात्र
1	व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय -	सामुदायिक कॉलेज	बी.वॉक (खुदरा प्रबंधन)	30	13
			बी.वॉक (पर्यटन प्रबंधन)	30	17
			बी.वॉक (बैंकिंग और वित्त प्रबंधन)	30	32
2	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र	पीजी डिप्लोमा (भारतीय लिपि ब्राह्मी और शारदा)	20	13
			पीजी डिप्लोमा (शैव धर्म)	20	13
			पीजी डिप्लोमा (भारतीय रहस्यमय विचार)	20	06

बीटेक पाठ्यक्रम :

क्रम सं	विद्यालय	विभाग	प्रस्तावित पाठ्यक्रम	प्रविष्ठ क्षमता	प्रविष्ठ छात्र
1.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग -एविओनिक्स)	30	16
2.			बीटेक (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)	60	52
3.			बीटेक (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी - साइबर सिक्योरिटी)	60	53
4.			बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)	60	35

विश्वविद्यालय में आवश्यक अत्याधुनिक कक्षा कक्ष, कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, अनुसंधान प्रयोगशालाएं और एक केंद्रीय पुस्तकालय है। । इसमें एक विशाल कैंटीन, एक खेल का मैदान और एक स्वास्थ्य केंद्र है जिसका प्रबंधन विश्वविद्यालय

द्वारा नियुक्त वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी करते हैं। परिसर वायर्ड और वायरलेस इंटरनेट सुविधा के साथ उपलब्ध है । आभासी शिक्षण कक्ष भी स्थापित है जो अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

शैक्षणिक संरचना और पाठ्यचर्या संबंधी पक्ष

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में वर्तमान में नौ स्कूल, एक सामुदायिक कॉलेज और दो स्वतंत्र केंद्र हैं। वे भाषा, साहित्य, सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन अध्ययन, इंजीनियरिंग और विज्ञान से लेकर बहु-विषयक अनुशासन प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय नियमित आधार पर शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों में अपनी उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास करता है

शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की पाठ्यक्रम सामग्री को अपने हितधारकों को बेहतर एवं चहुमुखी ज्ञान प्रदान करके उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाय गया है। हर पाठ्यक्रम की संरचना जिसमें प्रयोगशाला प्रयोग (जहां भी लागू हो), प्रस्तुतियाँ, आंतरिक सम्मेलन, कार्य, स्व-अध्ययन और शोध प्रबंध आईसीटी सक्षम अभिनव शिक्षा और शिक्षण शामिल है। प्रत्येक पाठ्यक्रम की संरचना में आईसीटी सक्षम नवीन शिक्षण और शिक्षण ,प्रयोगशाला प्रयोग (जहां भी लागू हो), प्रस्तुतियां, विभागीय सम्मेलन, असाइनमेंट ,स्व-अध्ययन और शोध प्रबंध शामिल हैं।

प्रौद्योगिकी ,उद्योग की बदलती प्राथमिकताओं के साथ-साथ ज्ञान प्रदान करने के तरीकों और इसके कार्यान्वयन को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों को नया स्वरूप देने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पाठ्यक्रम सामग्री को अद्यतन और उन्नत

करने की ये पहल संबंधित केंद्रों और विभाग के अध्ययन बोर्डों द्वारा देश, भर के विभागाध्यक्ष शैक्षणिक और वैज्ञानिक संस्थानों से प्राप्त विशिष्ट बाहरी सदस्यों के सुझाव के साथ किया जाता है। इस अभ्यास का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले पाठ्यक्रमों के लिए अत्याधुनिक निष्पादन और लाभ प्रदान करना है। यह राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के संदर्भ में रोजगार प्रदत्त योग्यता और सामाजिक और आर्थिक प्रासंगिकता पर जोर देने के साथ विश्वविद्यालय के स्नातकों को विश्व स्तर पर सक्षम बनाना है।

च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, योजना की स्थापना प्रारंभ के समय से ही की गई है, विश्वविद्यालय अपने पाठ्यक्रमों में पर्याप्त गुंजाइश के साथ कोर अनिवार्य, कोर इलेक्टिव और फाउंडेशन पाठ्यक्रमों के रूप में विभागों और केंद्रों के पाठ्यक्रमों में अंत: अनुशासनात्मक आवश्यक अकादमिक लचीलेपन को शामिल करता है।

विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रम संरचना और सामग्री पर छात्रों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए एक जगह पर एक औपचारिक तंत्र स्थापित किया गया है। छात्रों से प्राप्त प्रतिक्रिया एवं बाहरी विशेषज्ञों के अवलोकन और सुझावों का विश्लेषण कर पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र को संशोधित और अद्यतन करने के लिए ठोस आधार प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय की स्थापना के दस्तावेज़ में उल्लिखित उद्देश्यों और दायित्वों के अनुरूप, विश्वविद्यालय आंतरिक सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा, जैसे क्षेत्रों में पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है और अनुसंधान करता है।

शिक्षा – शिक्षण एवं मूल्यांकन

विश्वविद्यालय अपने सभी अकादमिक और मूल्यांकन कार्यों में पारदर्शिता अपनाता है और सभी उपलब्ध शैक्षणिक पाठ्यक्रमों का व्यापक प्रचार सुनिश्चित करता है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश अखिल भारतीय स्तर पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का संचालन करने वाले नए स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय है। पूरी प्रक्रिया की निगरानी केंद्रीय प्रवेश समिति द्वारा की जाती है जिसमें परीक्षा नियंत्रक ,विद्यालयों के अधिष्ठाता ,विभिन्न विद्यालयों के संकाय सदस्य और एससी ,एसटी ,ओबीसी ,महिला और अल्पसंख्यक की श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रत्येक सदस्य शामिल होते हैं। विश्वविद्यालय नए विद्यार्थियों को जिस पाठ्यक्रम का चयन किया गया है उसकी विशेषताएं और पाठ्यक्रम पूरा होने पर उसके अवसर के बारे में अवगत कराने के लिए शैक्षणिक सत्र की

शुरुआत में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करता है।

सभी विद्यालयों द्वारा शैक्षणिक कैलेंडर का पालन किया जा रहा है और सीखने की प्रक्रिया को छात्र-केंद्रित बनाने के लिए सभी संभव उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं। अधिकांश शिक्षण-अधिगम पद्धतियां आईसीटी आधारित हैं। चौबीसों घंटे लैन कनेक्टिविटी के माध्यम से सभी छात्रों के लिए ई-लर्निंग सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं। संकाय सदस्य शिक्षार्थियों के बीच रचनात्मकता की संस्कृति सुनिश्चित करते हैं।

शिक्षकों को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो उन्हें प्रतिष्ठित शिक्षाविदों के साथ परिचर्चा करने में सक्षम बनाता है।

विश्वविद्यालय केंद्रीय स्तर पर निरंतर आंतरिक मूल्यांकन और सत्र के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा बाहरी मूल्यांकन के माध्यम से छात्रों की प्रगति का मूल्यांकन करके परीक्षा की एक पारदर्शी और मानक प्रणाली का अनुपालन करता है। छात्रों के मूल्यांकन के लिए यूजीसी के दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है।

अनुसंधान एवं विकास

अनुसंधान एवं विकास पर विश्वविद्यालय का मुख्य बल है। कई विभाग और केंद्र अंतःविषय दृष्टिकोण के साथ अनुसंधान पाठ्यक्रम प्रस्तावित करते हैं। अनुसंधान परियोजनाओं के सुचारू कार्यान्वयन की सुविधा के लिए ,विश्वविद्यालय:

- विभिन्न विषयों में प्रस्ताव प्रस्तुतियों को प्रोत्साहन और सहायता प्रदान की जाती है।
- जांचकर्ताओं द्वारा की गई मंजूरी/खरीद से संबंधित प्रक्रिया को सरल किया गया है।
- समय पर अनुदान जारी करना सुनिश्चित किया जाता है।
- वित्त पोषण प्राधिकारियों को समय पर लेखा परीक्षा और उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित किया जाता है।

ढांचागत सुविधाएं, प्रकोष्ठ/केंद्र और वार्षिक गतिविधियां

- संकाय कक्ष और केबिन

संकाय के पास अच्छी तरह से सुसज्जित आईटी-सक्षम क्यूबिकल्स और वर्क स्टेशन हैं जो उन्हें अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए सभी सुविधाएं प्रदान करते हैं।

- ब्रि. राजेंद्र सिंह संगोष्ठी हॉल

  170 लोगों के बैठने की क्षमता से सुसज्जित संगोष्ठी हॉल बनाया गया है। बैठक ,सम्मेलन, शैक्षणिक गतिविधियों आदि के लिए मुख्य परिसर में सभागार स्थापित किए गए हैं।

- स्वास्थ्य केंद्र

  विश्वविद्यालय के छात्रों ,कर्मचारियों और संकाय के लिए परिसर में पूर्णकालिक वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों और नर्सिंग कर्मचारी के साथ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

- कैंटीन /कैफेटेरिया

  विश्वविद्यालय में एक विशाल ,हवादार कैंटीन है जहां छात्र और शिक्षण संकाय अपने परिसर में स्वच्छ परिस्थितियों में तैयार स्वच्छ खाने का स्वाद लेते हैं।

- छात्रावास

  विश्वविद्यालय में एक 100 बिस्तर का पुरुष छात्रावास और एक कन्या छात्रावास 100 बिस्तर निर्माणाधीन है। वर्तमान में विश्वविद्यालय ने बाहर के छात्रों को समायोजित करने के लिए जम्मू शहर में मासिक आधार पर निजी भवनों को किराए पर लिया है। उपलब्धता के आधार पर ,ये छात्रों को उनकी योग्यता और दूरी के आधार पर आवंटित किए जाते हैं।

प्रशासनिक संरचनात्मक ढ़ाचा

- कुलपति सचिवालय
- कुलसचिव का कार्यालय
- परीक्षा नियंत्रक का कार्यालय
- मानव संसाधन विंग
- समान और सेवा विंग
- डी.आई.क्यू.ए
- भाषा विद्यालय
- आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय
- प्राणि विज्ञान विद्यालय
- व्यावसाय अध्ययन विद्यालय
- मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय
- शिक्षा विद्यालय
- राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन का विद्यालय
- ज्ञान प्रबंधन, सूचना एवं मीडिया अध्ययन विद्यालय
- सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र
- शैक्षणिक एवं प्रशासनिक खण्ड
- बिग्रेडियर राजेन्द्र सिंह सभागार

- समिति कक्ष
- वर्चुअल लर्निंग रिसोर्स
- भाषा प्रयोगशाला
- केंद्रीय पुस्तकालय
- ओपन एयर वाई-फाई प्वाइंट
- ओबीसी प्रकोष्ठ
- एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी प्रकोष्ठ
- स्थानन प्रकोष्ठ
- छात्रावास
- स्वास्थ्य केंद्र
- योग केंद्र
- कैंटीन /कैफेटेरिया
- व्यायामशाला
- जम्मू एवं कश्मीर बैंक की शाखा ,एसबीआई ,एचडीएफसी बैंक और एटीएम
- विश्वविद्यालय के कन्या एवं पुरुष छात्रावास, सैनिक कॉलोनी ,जम्मू में स्थित हैं।

1. कक्षाएं और व्याख्यान शाला

विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की वर्तमान जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय में पर्याप्त संख्या में कक्षाएं और व्याख्यान शाला हैं। कक्षाएँ शिक्षण के लिए अपेक्षित अत्याधुनिक उपकरणों से अच्छी तरह से सुसज्जित हैं।

पुस्तकालय

विश्वविद्यालय में पूरी तरह से स्वचालित पुस्तकालय है। पुस्तकालय विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत अध्ययन के विभिन्न विषयों/पाठ्यक्रमों से संबंधित पर्याप्त संख्या में पुस्तकों ,पत्रिकाओं और संदर्भ पुस्तक से भरा हुआ है। ई-शोध सिंधु: कंसोर्टियम फॉर हायर एजुकेशन इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज एंड साइंस डायरेक्ट के माध्यम से सब्सक्राइब किए गए ई-जर्नल्स में प्रमुख हैं।

इसमें लगभग 31011 पुस्तकें और 261 ई-पुस्तकें हैं, और ऑनलाइन पत्रिकाओं और 5118 से अधिक ई-पत्रिकाओं की सदस्यता प्राप्त है। पुस्तकालय संचालन और सेवाओं के लिए कोहा सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पुस्तकालय को पूरी तरह से स्वचालित किया गया है। केंद्रीय पुस्तकालय पुस्तकों की चोरी की सुरक्षा के लिए आरएफआईडी प्रौद्योगिकी प्रणाली का उपयोग करता है और यह संचालन अनुभाग के लिए स्वयं चेक-इन और स्वयं चेक आउट सुविधा प्रदान करता है।

1. वर्ष 2022-23 के लिए केंद्रीय पुस्तकालय पर रिपोर्ट

2. संसाधन अद्यतन
   - पुस्तकों की संख्या--- 31011
   - थीसिस और शोध प्रबंध ---1051
   - ई-जर्नल्स---- 5118
   - प्रिंट जर्नल--- 20
3. उपयोगकर्ताओं के लिए सेवाएँ
   - ई-संसाधन सुविधा - हाँ
   - पूर्ण पाठ ई-जर्नल ---- हाँ
   - पूर्ण पाठ डेटाबेस ---- हाँ
4. कंप्यूटर प्रयोगशाला ---- हाँ
5. रिप्रोग्राफिक सेवाएं ---- हाँ
6. संदर्भ सेवाएँ --- हाँ
7. पुस्तकालय स्वचालन --- हाँ
8. सदस्यता
9. इंटरनेट और कंप्यूटिंग सुविधाएं --- हाँ
10. साइबररोम
11. केंद्रीकृत कंप्यूटर सुविधाएं
12. राउटर और स्विच और वाईफ़ाई एक्सेस पॉइंट
13. अन्य सुविधाएं

1. इंटरनेट और आईसीटी प्रयोगशालाएं

विश्वविद्यालय निर्बाध वाई-फाई कनेक्टिविटी से लैस है और छात्र परिसर में कहीं से भी अपने लैपटॉप के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए सुलभ आवश्यक सॉफ्टवेयरों से भरे उच्च अंत पीसी से लैस तीन अत्याधुनिक आईसीटी प्रयोगशालाएं भी हैं।

2. विश्वविद्यालय व्यापार ऊष्मायन केंद्र (यूबीआईसी)

विश्वविद्यालय व्यापार ऊष्मायन केंद्र (यूबीआईसी) की स्थापना की गई है और यह एमएसएमई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित नवाचार, ऊष्मायन और उद्यमिता परिषद के तत्वावधान में 2015 से कार्यात्मक है ताकि छात्रों के साथ-साथ स्थानीय आबादी के बीच उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके। ऊष्मायन केंद्र का उद्देश्य और

फोकस व्यावसायीकरण के लिए अभिनव विचारों का पोषण करना और इनक्यूबेट्स को अवसंरचनात्मक सहायता प्रदान करना है।

यूबीआईसी आवश्यक सलाह प्रदान करके, आईपी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर और उद्यमियों को रियायती दरों और आईपी संरक्षण पर विभिन्न वित्तीय संस्थानों से बीज पूंजी जुटाने में मदद करने के अलावा अपने विचारों का व्यावसायीकरण करने के लिए एक मंच प्रदान करके उभरते अभिनव उद्यमों में मौजूदा और भावी उद्यमियों के अभिनव विचारों का पोषण करता है। इसके अलावा, नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कैंपस स्टार्ट अप ट्रैक शुरू किया गया है। इस क्रम में, व्यावसायिक प्रासंगिकता वाले सर्वोत्तम अभिनव विचारों को बढ़ावा देने के लिए यूबीआईसी द्वारा 25000 रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई है। उद्यमिता के बारे में जागरूकता पैदा करने और भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए, यूबीआईसी और यूआईसी द्वारा एक व्याख्यान श्रृंखला शुरू की गई है जिसमें सफल उद्यमियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया है।

3. उद्योग-अकादमिक अंतराफलक

विश्वविद्यालय ने देश और विदेश में विभिन्न उद्योगों, प्रतिष्ठित संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं. जिनमें चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, जम्मू, वीएलसीसी, नैसकॉम फाउंडेशन, नई दिल्ली, आश्रय इनक्यूबेटर, अहमदाबाद, एएससीआई, हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन शामिल हैं। विश्वविद्यालय ने शीर्ष औद्योगिक संगठनों जैसे आईएसटीडी, आईएओटीए, सीआईआई, एनएचआरडीएन, एआईएमए, संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक प्रभाव (यूएनएआई) आदि की सदस्यता भी प्राप्त की है। इस समझौते ने छात्रों और संकाय के लाभ के लिए एक मजबूत उद्योग-अकादमिक अंतराफलक बनाया है। विश्वविद्यालय ने प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला शुरू की है जिसमें प्रमुख व्यक्तित्वों और विशेषज्ञों को छात्रों और संकाय के साथ बातचीत के लिए समय-समय पर आमंत्रित किया जाता है।

विश्वविद्यालय ने उद्योग की जमीनी स्तर की समझ के प्रति पेशेवरों को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से एक अद्वितीय कॉर्पोरेट विसर्जन और नेतृत्व विकास कार्यक्रम भी शुरू किया है जो वास्तविक समय के वातावरण के साथ शिक्षा को जोड़ने का प्रयास करता है।

4. सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय परिसर में खेल और अन्य सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं। इनमें क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन और बास्केटबॉल जैसे बाहर खेले जाने वाले खेल शामिल हैं। इसके अलावा, टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम जैसे भीतर खेजे जाने वाले खेलों के लिए सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

5. एनएसएस गतिविधियां

2015 में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्रों के सामुदायिक विकास और जागरूकता कार्यक्रमों जैसी सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में संलग्न करने के लिए बनाई गई थी। इकाई ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 120 से अधिक स्वयंसेवकों को नामांकित किया है। इसने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया है: रक्तदान शिविर, पीआरए (भागीदारी ग्रामीण मूल्यांकन) के तहत दौरा, युवा महोत्सव में भागीदारी, गणतंत्र दिवस समारोह, डिजिटल इंडिया कार्यशाला आदि।

6. संयुक्त प्रशिक्षण कक्षाएं

विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के बाहर के छात्रों को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और पीडब्ल्यूडी छात्रों के लिए सीटों की उचित संख्या के साथ संयुक्त केंद्रीय और राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षाओं की प्रशिक्षण कक्षाएं भी प्रदान कर रहा है।

7. योग में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय ने छात्रों के लाभ के लिए शैक्षणिक सत्र 2018 से योग में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा भी शुरू किया है।

8. उड़ान

विश्वविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव उड़ान का आयोजन करता है जिसमें छात्र गायन, नृत्य, पेंटिंग, रंगोली बनाने, वाद-विवाद, स्केचिंग आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं।

9. उच्च शिक्षा के लिए छात्रों की प्रगति

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कई छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय, हनयांग विश्वविद्यालय (दक्षिण कोरिया), ईएनएससीबीपी बोर्डो (फ्रांस), जामिया मिलिया इस्लामिया, पंजाबी विश्वविद्यालय, मन्नू (हैदराबाद), एस्टोनिया विश्वविद्यालय, आईआईटी जोधपुर, एनआईटी श्रीनगर, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, आईआईटी इंदौर आदि जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च उपाधियां प्राप्त कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के छात्र इन सभी प्रतिष्ठित संस्थानों से अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करके अपने रोजगार में उत्कृष्टता दिखा रहे हैं।

10. परिवहन सुविधा

विश्वविद्यालय के छात्रों को मुख्य परिसर से राया और वापस आने के लिए शटल सेवा प्रदान कर रहा है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को कर्मचारी बस सेवा भी प्रदान कर रहा है।

11. सम्मेलन कक्ष की सुविधा

विश्वविद्यालय में 50 से 200 व्यक्तियों की बैठने की क्षमता के साथ सम्मेलनों, कार्यशालाओं और सेमिनारों के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित सम्मेलन कक्ष उपलब्ध है।

12. गैर नेट छात्रवृत्ति

पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए नामांकित सभी छात्र यूजीसी गैर नेट छात्रवृत्ति पहल के माध्यम से मासिक छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए पात्र हैं। विश्वविद्यालय समय-समय पर निर्धारित छात्रवृत्ति के लिए संबंधित वित्त पोषण निकायों द्वारा दिशानिर्देशों का पालन करता है।

13. अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और छात्राओं के लिए कल्याणकारी योजनाएं

भारत सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अधिसूचित और कार्यान्वित की गई कल्याणकारी योजनाओं का विश्वविद्यालय में अनुसरण किया जाता है और समय-समय पर घोषित योजनाएं विश्वविद्यालय में लागू की जाती हैं।

14. शारीरिक शिक्षा निदेशालय

खेल और शारीरिक शिक्षा निदेशालय शारीरिक गतिविधियों की अनिवार्य आवश्यकता को संबोधित करता है और वार्षिक खेल उत्सव कॉम्बेटिका का आयोजन करता है, जिसमें छात्र उत्साह के साथ भाग लेते हैं। परिसर में एक व्यायामशाला सुविधा उपलब्ध है। विश्वविद्यालय ने खेल सुविधाओं के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई),

गांधीनगर के साथ भी करार किया है।

15. नियुक्ति प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय ने एक नियुक्ति और प्रशिक्षण प्रकोष्ठ की स्थापना की है जो विश्वविद्यालय और संभावित भर्तीकर्ताओं के बीच अंतराफलक के लिए उत्तरदायी है।

पूर्व नियुक्ति प्रक्रिया और कौशल विकास गतिविधियाँ:

नियुक्ति से संबंधित गतिविधियाँ:

रिज्यूम बिल्डिंग कार्यशाला - सीवी लेखन की बारीकियों को समझाने के लिए टी एंड पी कार्यालय द्वारा रिज्यूम बिल्डिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें छात्रों के साथ चर्चा की गई थी। इस कार्यशाला में भर्ती अभियानों में पूछे गए प्रासंगिक प्रश्नों के उत्तर तैयार करने के तरीके पर प्रासंगिक विषयों को शामिल किया गया है।

छात्रों को उद्योग जगत के लिए तैयार करने के उद्देश्य से उनके कौशल को बेहतर बनाने के लिए "ब्रिजिंग द गैप" कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। टी एंड पो जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए इंड स्विफ्ट लेबोरेटरीज (बीएसई लिमिटेड) की टीम के सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया। इस इवेंट में सॉफ्ट स्किल्स, प्रमुख भर्ती विशेषताएं और वेतन की अपेक्षा और कैरियर विकास सत्रों का प्रबंधन किया गया था।

प्रस्तावित प्रशिक्षण

कंपनी का नाम	दी जाने वाले प्रशिक्षण की संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	वृत्ति
कपसन	8	बी.वॉक (खुदरा)	बिक्री का 1%
एपीएमएल	7	एमबीए मार्केटिंग /	19हजार
इज माई ट्रिप	10	एमबीए-पर्यटन	12हजार
इज माई ट्रिप	4	बी.वॉक पर्यटन	8हजार
एजाइल पूंजी	24	एमबीए	5000 रुपये तक

छात्र सहायता: नियुक्ति प्रकोष्ठ ने कंपनियों का डेटाबेस बनाए रखा है जो उन छात्रों को उपलब्ध कराया जाता है जिन्हें अपनी पसंद के क्षेत्रों में इंटर्नशिप खोजने के लिए सहायता की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, जिनकी नियुक्ति प्रकोष्ठ के माध्यम से नहीं की जाती है उन्हें कंपनियां आवश्यकताओं के अनुसार ऑफ कैंपस नियुक्ति सहायता भी प्रदान की जाती है। नियुक्ति गतिविधियों के समापन भाग के रूप में, प्रकोष्ठ ने छात्र की गुणवत्ता में निरंतर वृद्धि को सक्षम करने के लिए संस्थान का दौरा करने वाली कंपनियों द्वारा भरे जाने वाले संरचित प्रश्नावली के माध्यम से एक औपचारिक प्रतिक्रिया तंत्र शुरू किया है। नियुक्ति प्रकोष्ठ छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता है।

क्रम सं.	आयोजन की तारीख	कंपनी का नाम	उपस्थित विद्यार्थी	चयनित
1.	30 दिसम्बर	सतगुरु यात्रा	14	4
2.	23 जनवरी	आईसीआईसी फाउंडेशन	26	0
3.	23 फरवरी	केंट	16	8
4.	23 जनवरी	प्लेनट स्पार्क	21	1
5.	दिसम्बर 22	ज़िग्राम	16	0
6.	23 फरवरी	ए ए आर के ग्लोबल	21	1
7.	23 जनवरी	आल स्टेटस	16	0
8.	23 मार्च	इंडिया मार्ट	11	5
9.	मार्च	प्रीवेस्ट डेनप्रो	10	3
10.	18 मार्च	रु बॉस	8	जारी
11.	मार्च	अल्ट्राटेक पीपीटी	94	पीपीटी सत्र
12.	फ़रवरी	इंटेलिपट	4	1
13.	एमएससी गणित	कोड क्यूटाइन	20	जारी
14.	अप्रैल	एक्ट 21 इंटरव्यू	9	0
15.	23 अप्रैल	अल्ट्रा टेक ड्राइव	48	प्रतीक्षा
16.	अप्रैल	मॉरिस मीडिया	4	0
17.	15 दिसंबर	कपसन	20	8
18.	13 दिसम्बर	ईज माई ट्रिप	30	12

19.	15 मार्च	आई नेचर	4	1

2022-2023 के दौरान नियुक्ति की मुख्य विशेषताएं

एस. क्रम संख्या	प्रस्तावित उच्चतम वेतन	फर्म का नाम	पाठ्यक्रम का नाम
1.	7.25 लाख	इंटेलिपट	एमबीए-विपणन
2.	6.5 लाख	प्लेथनट स्पा र्क	एमबीए-विपणन
3.	5.2 लाख	आईनेचर	एम.टेक (सीएस-आईटी)
4.	4.65 लाख	वेदांत	बी.एसी रसायन विज्ञान /
5.	4 लाख	ए ए आर के ग्लोबल	एम.टेक (सीएस-आईटी)
6.	3.6 लाख	केंट	एमबीए-विपणन
7.	3.6 लाख	सतगुरु ट्रेवल	एमबीए-पर्यटन
8.	3.6 लाख	सीडीजी विश्वविद्यालय	एम.टेक (सीएस-आईटी)
9.	3.3 लाख	इंडिया मार्ट	एमबीए-विपणन /सामान्य
10.	3.0 लाख	इंडिया मार्ट	एमबीए-विपणन /सामान्य
11.	2.7 लाख	वाया इएनएस	एम.ए. अंग्रेजी
12.	2.52	वाया इएनएस	एम.ए. अंग्रेजी
13.	1.5 लाख	रवेंभेल	एम

प्रस्तावित नौकरियों की संख्या:

प्रस्तावित की गई नौकरियों की संख्या	कंपनी का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	पैकेज/रेंज (रु. लाख प्रति वर्ष)
1	इंटेलिपट	एमबीए-विपणन	7.25 लाख
1	प्लेथनट स्पा र्क	एमबीए-विपणन	6.5 लाख
1	आईनेचर	एम.टेक (सीएस-आईटी)	5.2 लाख
11	वेदांत	बी.एसी रसायन विज्ञान /	4.65 लाख
1	ए ए आर के ग्लोबल	एम.टेक (सीएस-आईटी)	3.5 से 4 लाख
8	केंट	एमबीए विपणन	4.2 लाख
2	सतगुरु ट्रैवल	एमबीए-पर्यटन	3.6 लाख
3	सीडीजी विश्वविद्यालय	एम.टेक (सीएस-आईटी)	3.6 लाख
5	इंडिया मार्ट	एमबीए मार्केटिंग /	3 लाख-3.3 लाख
2	इएनएस के माध्यम से	एम.ए. अंग्रेजी	2.7 लाख- 2.52 लाख
1	रवेंभेल	एम.एस.सी रसायन विज्ञान	1.5 लाख

छात्रों के नाम और उनके वेतन:

क्रम सं.	नाम	विभाग	कंपनी	वृत्ति	पैकेज
1 .	बंदना देवी	एमबीए-टीटी	सतगुरु यात्रा		3.6 लाख
2 .	सिमरन कौर	एमबीए-टीटी	सतगुरु यात्रा		3.6 लाख
3 .	शिवानी चरक	एमबीए-टीटी	इज माई ट्रिप	12हजार	पीपीओ (25 हजार)
4 .	अमरजीत नाविक	एमबीए-टीटी	इज माई ट्रिप	12हजार	पीपीओ
5 .	सुभम यादव	एमबीए-टीटी	सतगुरु यात्रा	गिरावट आई	8.5 लाख
6 .	वरुण शर्मा	एमबीए-टीटी	इज माई ट्रिप		पीपीओ
7 .	विवेक गुप्ता	एमबीए-टीटी	इज माई ट्रिप		पीपीओ
8 .	सत्यम पठानिया	एमबीए-टीटी	इज माई ट्रिप		पीपीओ
9 .	नवास पी अब्बास	एमबीए-टीटी	सतगुरु यात्रा	गिरावट आई	8.5 लाख
10 .	संदीप सिंह	एमबीए-टीटी	इज माई ट्रिप	12हजार	पीपीओ
11 .	संदेश गुप्ता	एमबीए-टीटी	इज माई ट्रिप	12हजार	पीपीओ
12 .	अभिषेक बंदराल	एमबीए-टीटी	इज माई ट्रिप	12हजार	पीपीओ
13 .	डॉ. सामवेल येहिया	एमबीए-टीटी	इज माई ट्रिप	12हजार	पीपीओ
14 .	रोहित शर्मा	एमबीए-टीटी	इज माई ट्रिप	12हजार	पीपीओ
15 .	असफर खान	बी.वॉक टीटी	इज माई ट्रिप	8हजार	पीपीओ (21,500)
16 .	हर्ष	बी.वॉक टीटी	इज माई ट्रिप	8हजार	पीपीओ (21,500)
17 .	एम. रघुराम	बी.वॉक टीटी	इज माई ट्रिप	8हजार	पीपीओ (21,500)
18 .	वानी बिलाल	बी.वॉक टीटी	इज माई ट्रिप	8हजार	पीपीओ (21,500)
19 .	आशीष मेनिया	एमबीए-एमएम	केंट	3.6 लाख	4.2 लाख
20 .	मोहित कुमार	एमबीए-एमएम	केंट	3.6 लाख	4.2 लाख
21 .	अभय शर्मा	एमबीए-एमएम	केंट	3.6 लाख	4.2 लाख
22 .	हरजाप	एमबीए-एमएम	केंट	3.6 लाख	4.2 लाख
23 .	आयुष्मान	एमबीए-एमएम	केंट	3.6 लाख	
24 .	निखिल मालवीय	एमबीए-एमएम	केंट	3.6 लाख	4.2 लाख
25 .	अंकित कुमार	एमबीए-विपणन	केंट	3.6 लाख	4.2 लाख
26 .	शेख खाजा मसर अली	एमबीए-एमएम	केंट	3.6 लाख	4.2 लाख
27 .	पुरुषार्थ शर्मा	एमबीए-एमएम	प्लेथनट स्पा र्क		6.5 लाख
28 .	सोहेल अहमद	बी.एसी रसायन विज्ञान	वेदांत		4.65 लाख

29 .	अदिति शवीर भट	बी.एसी रसायन विज्ञान	वेदांत		4.65 लाख
30 .	विंधी शर्मा	बी.एसी रसायन विज्ञान	वेदांत		4.65 लाख
31 .	जानवी महाजन	बी.एसी रसायन विज्ञान	वेदांत		4.65 लाख
32 .	पल्लवी शर्मा	बी.एसी भौतिकी	वेदांत		4.65 लाख
33 .	मोहम्मद इदरीस	बी.एसी भौतिकी	वेदांत		4.65 लाख
34 .	अजितेश संब्याल	बी.एसी भौतिकी	वेदांत		4.65 लाख
35 .	वरुण चौधरी	बी.एसी भौतिकी	वेदांत		4.65 लाख
36 .	मंता शर्मा	बी.एसी भौतिकी	वेदांत		4.65 लाख
37 .	अजय सुरेश	बी.एसी भौतिकी	वेदांत		4.65 लाख
38 .	ज़ाहिदा हमाद	बी.एसी भौतिकी	वेदांत		4.65 लाख
39 .	वर्षा	एम.ए. अंग्रेजी	वाया एंस		2.7 लाख
40 .	इर्फा	एम.ए. अंग्रेजी	वाया एंस		2.52 लाख
41 .	इनाम उल हक	एम.टेक (सीएस-आईटी)	सी.डी.विश्वविद्यालय		3.6 लाख
42 .	इशरत गुल	एम.टेक (सीएस-आईटी)	सी.डी.विश्वविद्यालय		3.6 लाख
43 .	आदिल हुसैन राथर	एम.टेक (सीएस-आईटी)	सी.डी.विश्वविद्यालय		3.6 लाख
44 .	राघवेंद्र चौधरी	एम.एस.सी रसायन विज्ञान	रवेंभेल		1.5 लाख
45 .	सिद्धांत संब्याल	एम.टेक (सीएस-आईटी)	ए ए आर के ग्लोबल		4 लाख
46 .	चंदा कुमारी	एमबीए-विपणन	इंटेलिपट		7.25 लाख
47 .	रमीज बशीर भट्ट	एमबीए-विपणन	अग्रवाल पैकर्स	19K	पीपीओ
48 .	दिवेश गावशिंदे	एमबीए-विपणन	अग्रवाल पैकर्स	19K	पीपीओ
49 .	आकाश मंगोत्रा	एमबीए-विपणन	अग्रवाल पैकर्स	19K	पीपीओ
50 .	शुभम कुमार	एमबीए-विपणन	अग्रवाल पैकर्स	19K	पीपीओ
51 .	नवनीत कुमार	एमबीए-विपणन	अग्रवाल पैकर्स	19K	पीपीओ
52 .	अभिषेक आनंद	एमबीए-विपणन	अग्रवाल पैकर्स	19K	पीपीओ
53 .	आशीष तिवारी	एमबीए-विपणन	अग्रवाल पैकर्स	19K	पीपीओ
54 .	आशुतोष	एमबीए-विपणन	इंडियामार्ट		3.00 लाख
55 .	शंभू शुक्ला	एम.टेक (सीएस-आईटी)	आईनेचर		5.2 लाख
56 .	अखिल खजूरिया	एमबीए-एचआर	इंडियामार्ट		3.00 लाख
57 .	प्रदीप विश्वकर्मा	एमबीए-विपणन	इंडियामार्ट		3.3 लाख
58 .	विवेक	एमबीए-एचआर	इंडियामार्ट		3.3 लाख
59 .	कुमार सानू	एमबीए-एचआर	इंडियामार्ट		3.3 लाख

दक्षता उपाय (30 अप्रैल 2023 तक):

टीपीओ ने पूर्व छात्रों के संपर्क में रहने और उत्तीर्ण छात्रों को सफलतापूर्वक नियुक्ति के लिए एक प्रक्रिया स्थापित की है। वीआईए ईएनएस, रेवेनभेल जैसी कंपनियों में सक्रिय रूप से 5 छात्रों और अन्य प्रक्रिया में है को रखा गया है।

एम.टेक, एमबीए और एमएसडब्ल्यू के लिए आयोजित भर्ती अभियान के लिए एएआरके, फ्लिपकार्ट, अल्ट्रा-टेक सीमेंट, एलएंडटी और सेव द चिल्ड्रन (एनजीओ) से परिणाम की प्रतीक्षा है। यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि वार्षिक रिपोर्ट के उद्देश्य से 8 अगस्त, 2022 से डेटा लिया गया है।

शैक्षिक पाठ्यक्रमों का बल

उच्च शिक्षा में सुधार के एजेंडे, नई शिक्षा नीति 2020 और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के अनुभवों से सीखने से निर्देशित, विश्वविद्यालय ने नीचे दिए गए अनुसार कई नवाचार प्रस्तावित किए हैं:

- **सत्र-आधारित शैक्षणिक कैलेंडर**

  विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक पाठ्यक्रम, एकीकृत स्नातकोत्तर उपाधि, स्नातकोत्तर उपाधि और पीएचडी पाठ्यक्रम यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित किए जाते हैं और शिक्षण दिवसों की प्रभावी संख्या और शिक्षण अधिगम इनपुट के संदर्भ में वैश्विक प्रथाओं के अनुरुप निर्मित किए जाते हैं। पीएचडी पाठ्यक्रम में सभी भर्ती उम्मीदवार छह महीने की अवधि के अनिवार्य पाठ्यक्रम से गुजरते हैं।

- **व्यापक विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली पर आधारित कार्यक्रम**

  विश्वविद्यालय ने यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) को अपनाया है और रिपोर्ट की अवधि के दौरान एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के लिए एक खाका तैयार किया है।

- **अध्ययन पाठ्यक्रमों को निर्मित करने में अभिनव दृष्टिकोण**

  विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले अध्ययन कार्यक्रमों को छात्रों को उनके संबंधित क्षेत्रों में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से निर्मित किया गया है। सामग्री, मोड और सीखने की गति में व्यापक विकल्प रखने के लिए शिक्षार्थी की जरूरतों और अपेक्षाओं को समायोजित करने के लिए पारंपरिक शिक्षक केंद्रित दृष्टिकोण के विपरीत शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

- **अध्ययन के अंतर-अनुशासनात्मक कार्यक्रम**

  विश्वविद्यालय के अकादमिक विभागों को बुनियादी विषयों के आसपास निर्माण किया गया है ताकि संकाय सदस्यों को अनुसंधान के अपने विशेष क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाया जा सके। विश्वविद्यालय के अध्ययन का प्रत्येक कार्यक्रम अंतर-अनुशासनात्मक है जो छात्रों को विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा प्रस्तावित किए गए विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों से आवश्यक संख्या में क्रेडिट जमा करने का अधिकार देता है।

- **सभी शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया**

  विषयों और सभी स्तरों पर अध्ययन के सभी कार्यक्रमों में छात्रों का मूल्यांकन क्विज़, असाइनमेंट, स्वतंत्र कार्यों, समूह कार्य, मध्य-सत्र और अंत-सत्र परीक्षाओं के आधार पर निरंतर आंतरिक मूल्यांकन के माध्यम से किया जाता है। प्रत्येक विभाग निरंतर आंतरिक मूल्यांकन के तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए गतिविधियों की सूची में से न्यूनतम चार गतिविधियों की प्रस्तावित करता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में निम्नलिखित शामिल हैं:

निरंतर आंतरिक मूल्यांकन	25%
मिड-सत्र परीक्षा	25%

अंतिम सत्र परीक्षा 50%

- **पीएच.डी. पाठ्यक्रम**

  विश्वविद्यालय में पूर्णकालिक / अंशकालिक पीएचडी पाठ्यक्रम हैं जिनका उद्देश्य अनुसंधान कौशल को तेज करना, शिक्षण क्षमताओं को तैयार करना, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान प्रकाशनों का निर्माण करना और सेमिनार / सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी करना है।

सर्वोत्तम प्रथाएं

- प्रवेश परीक्षा और प्रवेश प्रक्रियाओं का पूर्ण स्वचालन
- परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय का स्वचालन
- परिणामों की समय पर घोषणा
- पाठ्यक्रम का नियमित अद्यतन
- सीबीसीएस का सभी विद्यालयों में पालन किया गया आईसीटी सक्षम शिक्षण - अधिगम
- अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तुतियों के लिए संकाय को वित्तीय सहायता
- चिकित्सा सुविधा और प्रतिपूर्ति – स्वयं और परिवार
- अस्पताल में भर्ती होने के दौरान कैशलेस सुविधा सहित चिकित्सा सहायता के लिए तीन प्रमुख अस्पतालों के साथ समझौता
- एम्बुलेंस की सुविधा
- छुट्टी यात्रा रियायत - स्वयं और परिवार
- योग केंद्र
- राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली
- कैरियर उन्नति योजना
- अध्ययन अवकाश
- संकाय सदस्यों को अकादमिक भागीदारी के लिए यात्रा अनुदान
- तीन मिनट की थीसिस प्रतियोगिता
- लेखक श्रृंखला की स्मृति
- साप्ताहिक सेमिनार
- थर्सडी माइंड मीट

छात्र और कर्मचारी शिकायत निवारण

- छात्र कल्याण के अधिष्ठाता, का कार्यालय
- एससी/एसटी संपर्क अधिकारी
- समान अवसर सेल
- ओबीसी संपर्क अधिकारी
- यौन उत्पीड़न के निवारण के लिंग संवेदीकरण समिति
- शिकायत निवारण समिति

विश्वविद्यालय निकाय

विश्वविद्यालय का कोर्ट

संविधि में निहित प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय का कोर्ट का गठन:

i.	कुलाधिपति	**श्री गोपालस्वामी पार्थसारथी** पदेन सदस्य
ii.	कुलपति	**प्रो.संजीव जैन** पदेन सदस्य
iii.	सम कुलपति	पदेन सदस्य
iv.	सभी अधिष्ठाता,	पदेन सदस्य
v.	कार्यकारी परिषद के दो सदस्यों को कार्यकारी परिषद द्वारा नामित किया जाएगा।	1. **प्रो. उदय प्रताप सिंह** आचार्य और एंथ्रोपोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ 2. **प्रो. सुशील कुमार गुप्ता,** आचार्य, कृषि वानिकी प्रभाग, कृषि संकाय, एसकेयूएएसटी-जम्मू
vi.	सभी विभागाध्यक्ष (एचओडी)	**सदस्य** पदेन अधिकारी
vii.	कुलाधिपति द्वारा नामित किए जाने वाले चार सदस्य *(मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पत्र F.No 52-7/2013-सीयू-III दिनांक 26.07.2018 के तहत चार सदस्यों को नामित किया गया।*	**1. डॉ. बंदना पांडे** पूर्व निदेशक, एचआरडीसी, गुरु जंबेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार **2. डॉ. अलका शर्मा** बिजनेस स्कूल, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू। **3. प्रो. गीता सिंह** निदेशक, उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय 4. **(डॉ.) जी मुस्तफा शाह** प्राणि विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय।
viii.	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण	**सदस्य** पदेन अधिकारी
ix.	कुलसचिव	**सदस्य- सचिव** पदेन अधिकारी
x.	पुस्तकालयाध्यक्ष	**सदस्य** पदेन अधिकारी

xi.	कुलानुशासक	**सदस्य** पदेन अधिकारी
xii.	परीक्षा नियंत्रक	**सदस्य** पदेन अधिकारी
xiii.	वित्त अधिकारी	**सदस्य** पदेन अधिकारी
निदेशकों/प्रधानाचार्यों/आचार्यों में से शिक्षकों के प्रतिनिधि		
xiv.	दस आचार्य जो प्रमुख/अधिष्ठाता, नहीं हैं, लेकिन वे आचार्य /निदेशक/प्राचार्य का दर्जा रखते हैं। प्रत्येक स्कूल/केंद्र/कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने वाले कुलपति द्वारा बारी-बारी से आचार्यों /निदेशकों/प्राचार्यों को नामित किया जाएगा। अभ्यावेदन प्रत्येक विभाग/स्कूल/केंद्र को दिया जाएगा। रोटेशन तब तक जारी रहेगा जब तक सभी को प्रतिनिधित्व नहीं मिल जाता।	1. **रिक्त** 2. **रिक्त** 3. **रिक्त** 4. **रिक्त** 5. **रिक्त** 6. **रिक्त** 7. **रिक्त** 8. **रिक्त** 9. **रिक्त** 10. **रिक्त**
xv.	दो सह आचार्य जो शिक्षण विभागाध्यक्ष नहीं हैं। एसोसिएट आचार्यों को बारी-बारी से प्रत्येक स्कूल/केंद्र/कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने वाले कुलपति द्वारा नामित किया जाएगा। अभ्यावेदन प्रत्येक विभाग/स्कूल/केंद्र को दिया जाएगा। रोटेशन तब तक जारी रहेगा जब तक सभी को प्रतिनिधित्व नहीं मिल जाता।	1. **डॉ. ऋचा कोठारी** सह आचार्य पर्यावरण विज्ञान विभाग 2. **डॉ. सूरम सिंह** सह आचार्य भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग
xvi.	बारी-बारी से दो सहायक आचार्य, कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे।	1. **डॉ. संजय कुमार शर्मा** सहायक आचार्य गणित विभाग 2. **डॉ. वंदना शर्मा** सहायक आचार्य हिंदी विभाग
शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के प्रतिनिधि		
xvii.	शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के तीन सदस्य, समूह 'ए' कर्मचारियों से एक, समूह 'बी' कर्मचारी से एक और समूह 'सी' से एक सदस्य, कुलपति द्वारा रोटेशन के आधार पर नामित किए जाएंगे।	समूह 'ए' 1. **मोहम्मद इकबाल** उप कुलसचिव समूह 'बी' 2. **श्री उदय वीर सिंह जामवाल,** सहायक समूह 'सी'

		3. श्रीमती ख्यामा शर्मा अवर श्रेणी लिपिक
व्यवसायों और विशेष हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति		
xviii.	उद्योग, वाणिज्य, ट्रेड यूनियन, बैंकिंग, कृषि, स्वास्थ्य और संस्कृति, वित्तीय संस्थानों, कानूनी, नौकरशाह, पुलिस/सेना, प्रख्यात शिक्षाविदों, इंजीनियरिंग/वास्तुकला, मीडिया, टीवी/फिल्म, समाज कार्य, कॉर्पोरेट आदि के प्रतिनिधियों सहित विद्वान व्यवसायों और विशेष हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले छह व्यक्तियों को कार्यकारी परिषद द्वारा नामित किया जाएगा।	1. **श्री अशोक भान** संरक्षक, आईआईपीए जम्मू-कश्मीर क्षेत्रीय शाखा, जम्मू जम्मू-कश्मीर के पूर्व पुलिस महानिदेशक 2. **अध्यक्ष** जम्मू एवं कश्मीर बैंक 3. **श्री सोनम वांगचुक** मुख्य समन्वयक और संस्थापक सदस्य, हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव, लद्दाख 4. **श्री कैलाश कुमार पाठक** निदेशक, भविष्य प्रौद्योगिकी प्रबंधन निदेशालय (डीएफटीएम), डीआरडीओ 5. **प्रो. अनिल के. गुप्ता** संस्थापक, मधुमक्खी नेटवर्क, एसआरआईएसटीआई, जीआईएएन और राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन 6. **श्री संजय काचरू** पूर्व संपादकीय सलाहकार, न्यूज 18 नेटवर्क और पूर्व उपाध्यक्ष (मीडिया), रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड
कुलाधिपति के नामित व्यक्ति		
xix.	कुलपतियों और प्रख्यात शिक्षाविदों में से कुलाधिपति द्वारा नामित किए जाने वाले दो व्यक्ति।	**1. प्रो. अमिताभ मट्टू** स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय पूर्व कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय। **2. प्रो. वरुण साहनी** कुलपति, गोवा विश्वविद्यालय।
xx.	एक पूर्व छात्र और छात्र परिषद प्रतिनिधि।	पूर्व छात्रा **डॉ. मीनाक्षी राणा** छात्र परिषद के प्रतिनिधि **सुश्री मीनाक्षी देवी** हिंदी विभाग

कार्यकारी परिषद

कार्यकारी परिषद की संरचना	कार्यकारी परिषद के सदस्य
क) कुलपति	अध्यक्ष (पदेन)
ख) सम कुलपति	सदस्य *(रिक्त)*
ग) सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, एमएचआरडी, भारत सरकार या उसका नामांकित व्यक्ति संयुक्त सचिव के पद नीचे के नहीं	*सदस्य (पदेन)*
घ) अध्यक्ष, यूजीसी या उनके नामांकित व्यक्ति	**आचार्य अनु जी. अग्रवाल परिचालन अनुसंधान विभाग गणितीय विज्ञान के संकाय दिल्ली विश्वविद्यालय**
(ङ) राज्य सरकार के सचिव उच्च शिक्षा से संबंधित मामलों से संबंधित	सदस्य *(पदेन)*
च) कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किए जाने वाले शिक्षाविदों में विशिष्ट चार व्यक्ति *(दिनांक 18.02.2019 के एमएचआरडी लेटे संख्या 52-1/2019-सीयू-III के तहत)*	सदस्य ***(रिक्त)***
	सदस्य ***(रिक्त)***
	सदस्य ***(रिक्त)***
	सदस्य ***(रिक्त)***
छ) तीन प्रख्यात शिक्षाविद जो विश्वविद्यालय की सेवा में नहीं हैं, उन्हें कार्यकारी परिषद द्वारा अनुशंसित पैनल में से एमएचआरडी द्वारा नामित किया जाएगा;	सदस्य ***(रिक्त)***
	सदस्य ***(रिक्त)***
	सदस्य ***(रिक्त)***
ज) कुलाध्यक्ष द्वारा कोर्ट द्वारा नामित कोर्ट का एक सदस्य	सदस्य ***(रिक्त)***
1) वरिष्ठता के अनुसार बारी-बारी से अध्ययन विद्यालय के तीन अधिष्ठाता	1.**प्रो. देवानंद** अधिष्ठाता, आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय
	2.**प्रो. बी एस भाऊ** विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग
	3. प्रो.रसाल सिंह अधिष्ठाता, भाषा विद्यालय
जे) एक आचार्य जो अधिष्ठाता, नहीं है, कुलपति द्वारा वरिष्ठता के अनुसार बारी-बारी से नामित किया जाएगा।	**आचार्य दीपक पठानिया** अधिष्ठाता, जीव विज्ञान विद्यालय
एक सह आचार्य जो अधिष्ठाता, नहीं है कुलपति द्वारा नामित वरिष्ठता के अनुसार बारी-बारी से	**डॉ. अजय कुमार शर्मा** गणित विभाग
ल) कुलसचिव	सचिव *(पदेन)*

योजना बोर्ड

1.	कुलपति	पदेन अधिकारी	अध्यक्ष
2.	सम कुलपति	--	सदस्य
3.	रोटेशन के आधार पर वरिष्ठता के आधार पर विद्यालयों के दो अधिष्ठाता	**प्रो. जया भसीन** अधिष्ठाता, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय	सदस्य
		बी.एस. भाऊ अधिष्ठाता, जीव विज्ञान विद्यालय	सदस्य
4.	शिक्षा प्रक्रिया और विकास में विशेष रुचि रखने वाले व्यक्तियों में से नामित किए जाने वाले छह व्यक्ति उच्च शैक्षणिक मानकों के हैं, जिनमें से: चार को कार्यकारी परिषद द्वारा नामित किया जाएगा और	**श्री परीक्षित कौल** वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सहयोग सेवाएं, अदनानी समूह **डॉ. श्रीनिवास रेड्डी** निदेशक, आईआईएम, जम्मू **आचार्य एम.एन. खान** एफएमएसआर, एएमयू सिविल विभागाध्यक्ष इंजीनियरिंग, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, चक भलवाल, जम्मू	
	कुलपति द्वारा दो नाम	**जम्मू-कश्मीर के प्रधान सचिव,** कौशल विकास विभाग, जम्मू एवं कश्मीर संघ शासित प्रदेश **श्री अमित शर्मा** निदेशक और साइबर सलाहकार, डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, भारत	
5.	वित्त अधिकारी	पदेन अधिकारी	सदस्य
6.	कुलसचिव	पदेन अधिकारी	सदस्य सचिव

अकादमिक परिषद

क)	कुलपति	**प्रो.संजीव जैन** माननीय कुलपति,
ख)	समकुलपति	रिक्त
ग)	अध्ययन विद्यालय के अधिष्ठाता,	i. **प्रो. देवानंद** अधिष्ठाता, आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय अधिष्ठाता, ज्ञान प्रंबंधन, सूचना एवं मीडिया अध्ययन विद्यालय ii. **प्रो. जया भसीन** अधिष्ठाता, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय iii. **प्रो.बी.एस. भाऊ** अधिष्ठाता, जीव विज्ञान विद्यालय अधिष्ठाता, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय iv. **प्रो. सुनील धर** अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यालय v. **प्रो. मुश्ताक अहमद** अधिष्ठाता, मानविकी और सामाजिक अध्ययन स्कूल vi. **प्रो. रसाल सिंह** अधिष्ठाता, भाषा विद्यालय
घ)	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण	**प्रो.रसाल सिंह**
ङ)	कुलानुशासक	**डॉ. बच्चा बाबू** सहायक आचार्य, जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग
च)	पुस्तकालयाध्यक्ष	**प्रो.बी.एस. भाऊ** विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग
छ)	कोर्ट के निर्वाचित सदस्यों में से कोर्ट का एक सदस्य कोर्ट द्वारा नामित किया जाएगा	**प्रो. वरुण साहनी** पूर्व कुलपति, गोवा विश्वविद्यालय
ज)	वरिष्ठता और रोटेशन के आधार पर दस शिक्षण विभागाध्यक्ष को कुलपति द्वारा नामित किया जाएगा	I. विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान बिभाग II. विभागाध्यक्ष, सीएसआईटी विभाग III. विभागाध्यक्ष, गणित विभाग IV. विभागाध्यक्ष, शैक्षिक अध्ययन विभाग V. रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष VI. विभागाध्यक्ष, विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग VII. विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग VIII. विभागाध्यक्ष, नैनो विज्ञान विभाग IX. रिक्त X. रिक्त
झ)	वरिष्ठता और रोटेशन के आधार पर कुलपति द्वारा नामित किए जाने वाले केंद्रों के पांच	I. **निदेशक** तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र

	निदेशक, यदि कोई हों।	II. **निदेशक** आणविक जीव विज्ञान केंद्र
ञ)	कुलपति द्वारा नामित वरिष्ठता और रोटेशन के आधार पर प्रत्येक स्कूल से दो आचार्य, जो विद्यालयों के अधिष्ठाता, या विभागों/केंद्रों के प्रमुख नहीं हैं और कार्यकारी परिषद के सदस्य नहीं हैं।	i. **रिक्त** ii. **रिक्त**
ट)	दो सह आचार्य, जो ऊपर (सी), (डी), और (ई) में शामिल नहीं हैं, या विभागाध्यक्ष नहीं हैं या कार्यकारी परिषद के सदस्य नहीं हैं, वरिष्ठता के अनुसार बारी-बारी से कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाएंगे।	i. **डॉ. सूरम सिंह** सह आचार्य, भौतिकी विभाग ii. **डॉ. शशांक शुक्ला** सह आचार्य, हिंदी विभाग
ठ)	दो सहायक आचार्य, जो कार्यकारी परिषद के सदस्य नहीं हैं, वरिष्ठता के अनुसार बारी-बारी से कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाएंगे।	i. **डॉ. पविंदर सिंह** गणित विभाग ii. **डॉ. नीलिका अरोड़ा** एचआरएम एवं ओबी विभाग
ड)	दस व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय की सेवा में नहीं हैं, शैक्षिक प्रगति, विकास और उद्योग लिंकेज में उनके विशेष ज्ञान के लिए अकादमिक परिषद द्वारा चुने गए	i. **प्रो. मो.मियां** पूर्व कुलपति, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय ii. **प्रो. मनोज धर** पूर्व, कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय iii. **प्रो. सुषमा यादव** पूर्व, कुलपति, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, हरियाणा iv. **प्रो. मनोज गौड़** निदेशक, आईआईटी जम्मू v. **आर. एन. के. बामजई** पूर्व कुलपति, एसएमवीडीयू vi. **आचार्य पुलिन बी. नायक** अर्थशास्त्र विभाग,दिल्ली विश्वविद्यालय vii. **आचार्य अशोक ओगरा** निदेशक, एपीजे जनसंचार विद्यालय, नई दिल्ली viii. **एस. के. शर्मा** पूर्व विभागाध्यक्ष विधि विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय ix. **आचार्य रोमेश चंदर** विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय x. श्री धनंजय सिंह

		महानिदेशक – राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास नेटवर्क
ढ)	कुलसचिव	सचिव (पदेन)

वित्त समिति

i) कुलपति	**अध्यक्ष** (पदेन)
ii) सम कुलपति	**सदस्य** (पदेन)
iii) एक व्यक्ति को कोर्ट द्वारा नामित किया जाना है (31 को कोर्ट के अध्यक्ष द्वारा नामित) अगस्त, 2020)	**प्रो. अमिताभ मट्टू** अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र संगठन और निरस्त्रीकरण जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली - 110067
iv) कार्यकारी परिषद द्वारा नामित तीन व्यक्ति, जिनमें से कम से कम एक कार्यकारी परिषद का सदस्य होगा। (ई.सी. अपने 15 में) 10.12.2019 को आयोजित बैठक (आइटम नंबर 13) ने वीसी को तीन सदस्यों को नामित करने के लिए अधिकृत किया)	(i) **प्रो. सुशील कुमार गुप्ता** आचार्य, कृषि वानिकी विभाग कृषि संकाय एसकेयूएएसटी - जम्मू (कार्यकारी परिषद के सदस्य) (ii) **आचार्य एम. आई. हक** पूर्व अधिष्ठाता, और अध्यक्ष, व्यापार प्रबंधन विभाग, प्रबंधन अध्ययन और अनुसंधान संकाय, एएमयू, अलीगढ़ (iii) **प्रो. आलोक मोहन शेरी** राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान फरीदाबाद, नई दिल्ली
v) कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किए जाने वाले तीन व्यक्ति। (एमएचआरडी पत्र एफ.54-1/2014-सीयू III दिनांक: 8 जनवरी, 2019)	(i) **संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार** एमएचआरडी, या वित्त ब्यूरो (सीयू के साथ काम करने वाले), एमएचआरडी से उनके नामांकित व्यक्ति अवर सचिव के स्तर से नीचे नहीं हैं। (ii) **संयुक्त सचिव (सीयू), एमएचआरडी,** या उसका नामांकित व्यक्ति प्रशासनिक ब्यूरो से अवर सचिव के स्तर से नीचे नहीं है। (iii) संयुक्त सचिव (सीयू), यूजीसी या कोई अन्य अधिकारी जो अध्यक्ष, यूजीसी द्वारा नामित अवर सचिव के स्तर से नीचे नहीं है।
vi) वित्त अधिकारी	सचिव (पदेन)

विश्वविद्यालय के अधिकारी

विद्यालयों के अधिष्ठाता

क्रम सं	विद्यालय का नाम	अधिष्ठाता, का नाम
1.	व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय	प्रो. जया भसीन
2.	ज्ञान प्रबंधन, सूचना और मीडिया अध्ययन विद्यालय	प्रो. देवानंद
3.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	प्रो. देवानंद
4.	शिक्षा विद्यालय	डॉ. सुनील धर
5.	मानविकी और सामाजिक अध्ययन विद्यालय	प्रो. मुश्ताक अहमद
6.	भाषा विद्यालय	प्रो. रसाल सिंह
7.	जीव विज्ञान विद्यालय	प्रो.बृज मोहन सिंह भाऊ
8.	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय	प्रो.बृज मोहन सिंह भाऊ

केंद्र के निदेशक

क्रम सं	विद्यालय का नाम	केंद्र का नाम	निदेशक का नाम
1.	जीव विज्ञान विद्यालय	आणविक जीव विज्ञान केंद्र	प्रो. मुश्ताक अहमद
2.	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र	डॉ. रौची चौधरी

शैक्षणिक सत्र 2022-2023 के दौरान छात्रों का विवरण

स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश (2022-2023)

शैक्षिक सत्र के लिए संबंधित विभागों में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रविष्ठ छात्रों/शोधार्थियों का विवरण 2022-23, निम्नानुसार हैं: –

स्नातकोतर उपाधि पाठ्यक्रम (2 साल)

क्रम सं	विद्यालय	विभाग/केंद्र	प्रस्तावित पाठ्यक्रम	प्रविष्ठ क्षमता	प्रविष्ठ छात्र
1	व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय	एचआरएम एवं ओवी	एमबीए	40	42
		पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	एमबीए पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	30	33
		विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	एमबीए विपणन प्रबंधन	50	51
2	ज्ञान प्रबंधन, सूचना एवं मीडिया अध्ययन विद्यालय	जनसंचार एवं नवीन मीडिया	एम.ए जनसंचार एवं नवीन मीडिया	30	21
3	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	एम.टैक	25	08
		नैनो विज्ञान एवं सामग्री	एम.एस.सी सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी	20	09
		गणित	एम.ए./एम.एससी गणित	50	47
4	शिक्षा विद्यालय	शैक्षिक अध्ययन	एम.एड.	50	19
5	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय	अर्थशास्त्र	एम. ए अर्थशास्त्र	45	32
		लोकनीति एवं लोक प्रशासन	एम. ए लोकनीति एवं लोक प्रशासन	30	28
		समाज कार्य	एम. ए समाज कार्य	30	21
6	भाषा विद्यालय	अंग्रेज़ी	एम.ए. अंग्रेजी	40	40
		हिंदी एवं अन्य भाषाएँ	एम.ए. हिंदी	30	02
7	जीव विज्ञान विद्यालय	पर्यावरण विज्ञान	एम.एस.सी पर्यावरण विज्ञान	46	47
		आणविक जीव विज्ञान केंद्र	एम.एस.सी जैव प्रौद्योगिकी	26	27
8	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	एम. ए राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	30	21

एकीकृत यूजी-पीजी पाठ्यक्रम 5 साल

क्रम सं	विद्यालय	विभाग	प्रविष्ठ छात्र	प्रविष्ठ छात्र
1	जीव विज्ञान विद्यालय	वनस्पति विज्ञान में एकीकृत एम.एस.सी पाठ्यक्रम	40	22
		प्राणि विज्ञान में एकीकृत एम.एस.सी पाठ्यक्रम	40	39
2	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	रसायन विज्ञान में एकीकृत एम.एस.सी पाठ्यक्रम	40	33
		भौतिकी में एकीकृत एम.एस.सी पाठ्यक्रम	40	39
3	शिक्षा विद्यालय	एकीकृत बीए-बी.एड	60	66

सत्र 2022-2023 के लिए पीएचडी पाठ्यक्रम

क्रम सं	विद्यालय	विभाग	प्रविष्ठ क्षमता	प्रविष्ठ छात्र
1.	व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	01	01
2.		विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	05	02
3.	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय	अर्थशास्त्र	02	01
4.	शिक्षा विद्यालय	शिक्षा	05	01
5.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	गणित	01	01
6.	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	03	03
7.	जीव विज्ञान विद्यालय	वनस्पति विज्ञान	01	01
8.		प्राणि विज्ञान	06	03
9.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी	04	04
10.		भौतिक विज्ञान	04	01
11.		रसायन शास्त्र	05	03
12.	भाषा विद्यालय	अंग्रेज़ी	04	01
13.		हिंदी	08	03

पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्रम संख्या	विद्यालय	विभाग/केंद्र		प्रविष्ठ क्षमता	प्रविष्ठ छात्र
1	व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय -	सामुदायिक कॉलेज	बी.वॉक (खुदरा प्रबंधन)	30	13
			बी.वॉक (पर्यटन प्रबंधन)	30	17
			बी.वॉक (बैंकिंग और वित्त प्रबंधन)	30	32
2	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र	पीजी डिप्लोमा (भारतीय लिपि ब्राह्मी और शारदा)	20	13
			पीजी डिप्लोमा (शैव धर्म)	20	13
			पीजी डिप्लोमा (भारतीय रहस्यमय विचार)	20	06

बीटेक पाठ्यक्रम :

क्रम सं	विद्यालय	विभाग	प्रस्तावित पाठ्यक्रम	प्रविष्ठ क्षमता	प्रविष्ठ छात्र
1.	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग - एवियोनिक्स)	30	16
2.			बीटेक (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)	60	52
3.			बीटेक (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी - साइबर सिक्योरिटी)	60	53
4.			बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)	60	35

स्नातक उपाधि पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रविष्ठ छात्रों का लिंगवार, श्रेणीवार और राज्यवार प्रतिनिधित्व:

(श्रेणीवार – एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी):

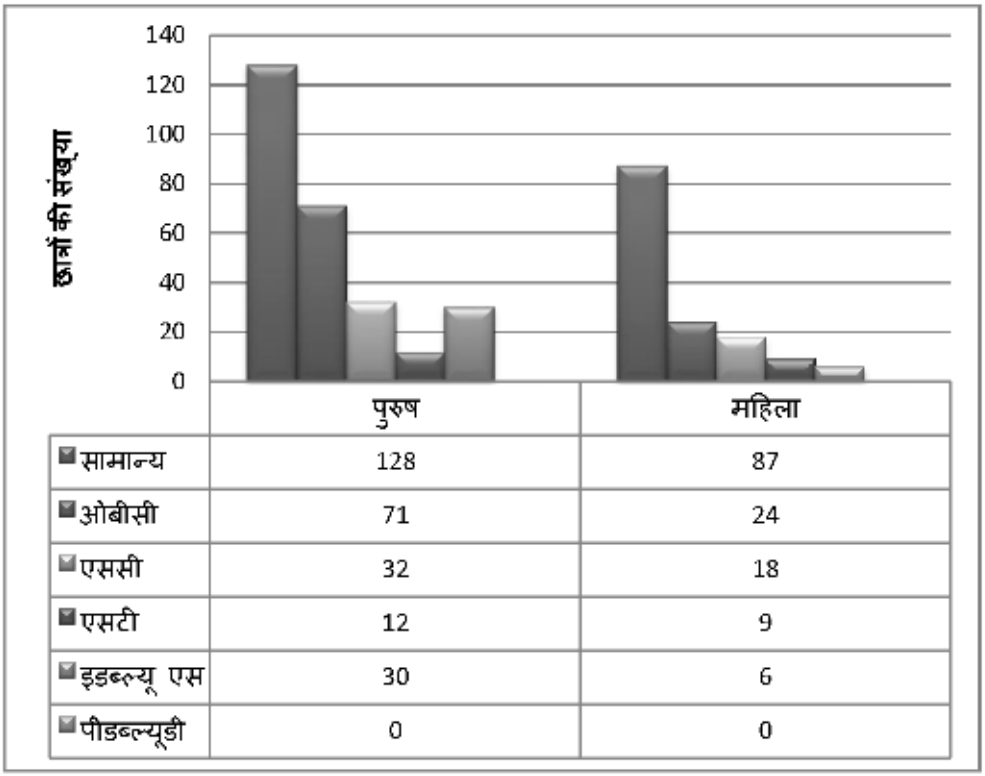

	पुरुष	महिला
सामान्य	128	87
ओबीसी	71	24
एससी	32	18
एसटी	12	9
इडब्ल्यू एस	30	6
पीडब्ल्यूडी	0	0

स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रविष्ठ छात्रों का लिंगवार, श्रेणीवार और राज्यवार प्रतिनिधित्व:

(श्रेणीवार – लिंग, एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी):

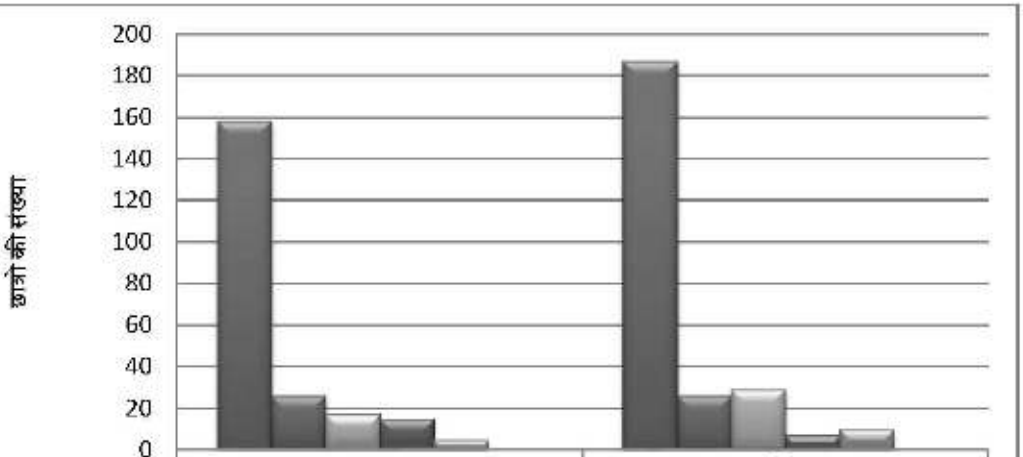

	पुरुष	महिला
सामान्य	158	187
ओबीसी	26	26
एससी	17	29
एसटी	15	7
इडब्ल्यू एस	5	10
पीडब्ल्यूडी	0	0

पीएचडी पाठ्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रविष्ठ छात्रों का लिंगवार, श्रेणीवार और राज्यवार प्रतिनिधित्व:

(श्रेणीवार – लिंग, एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी):

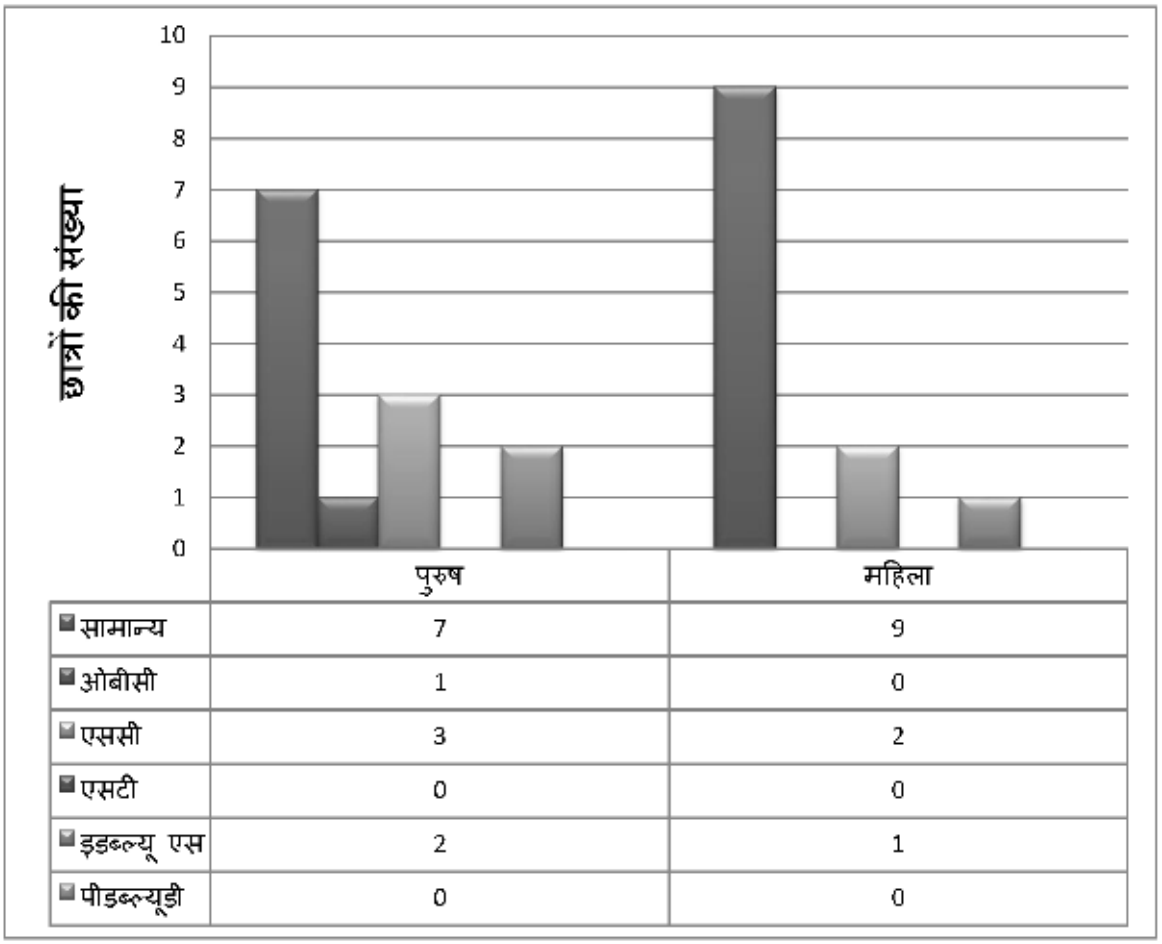

	पुरुष	महिला
सामान्य	7	9
ओबीसी	1	0
एससी	3	2
एसटी	0	0
इडब्ल्यू एस	2	1
पीडब्ल्यूडी	0	0

स्नातक पाठ्यक्रम 2022-23 में प्रविष्ठ छात्रों का राज्यवार प्रतिनिधित्व

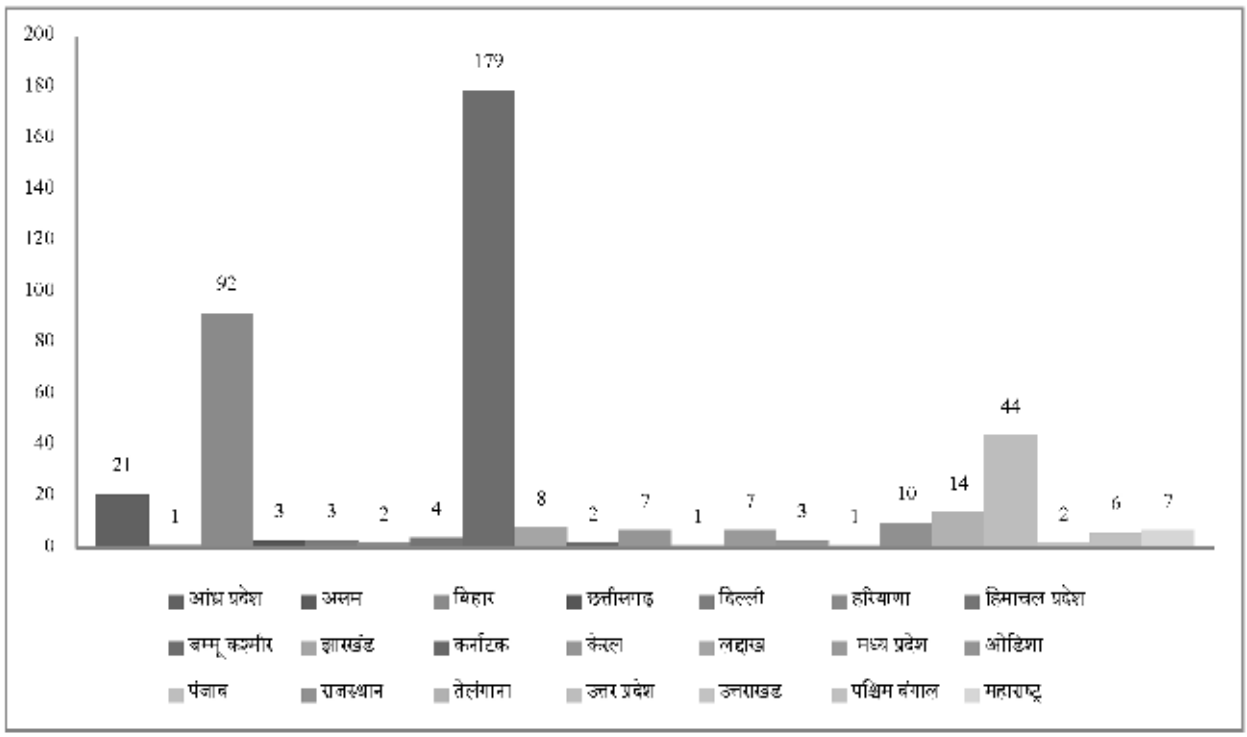

स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम 2022-23322 में प्रविष्ठ छात्रों का राज्यवार प्रतिनिधित्व

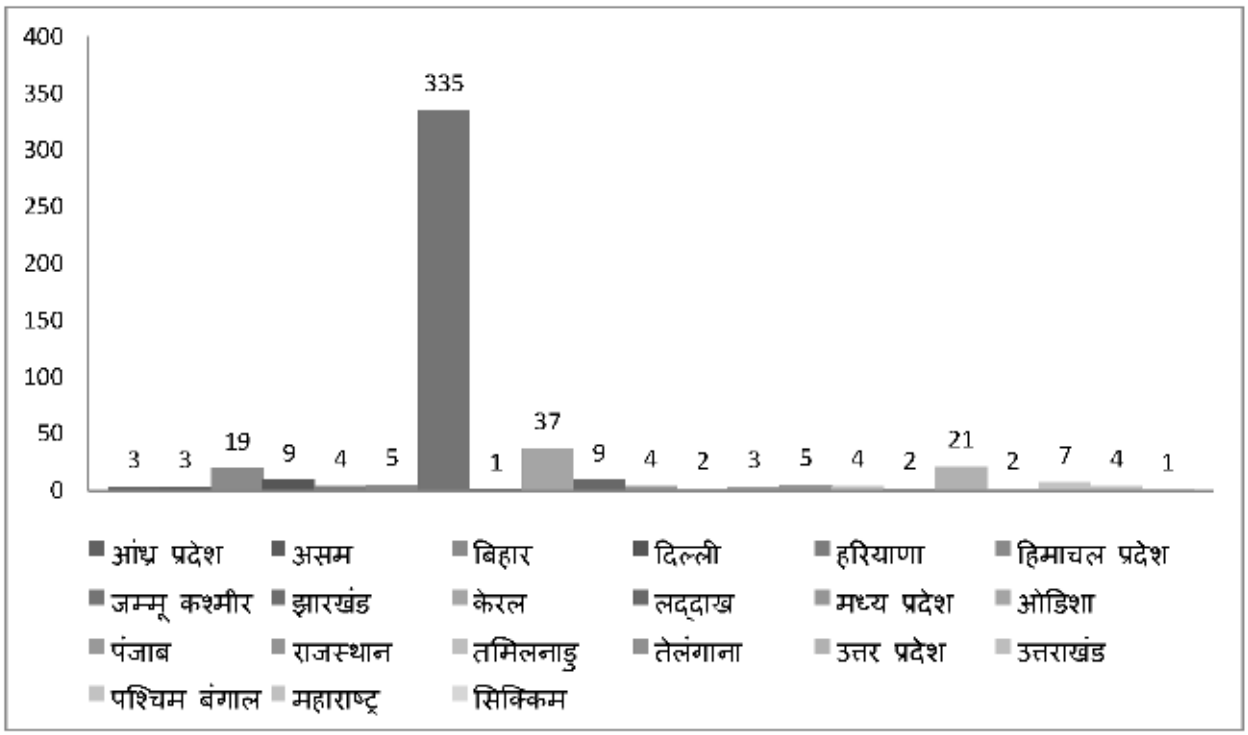

पीएचडी पाठ्यक्रम 2022-2023 में प्रविष्ठ छात्रों का राज्यवार प्रतिनिधित्व

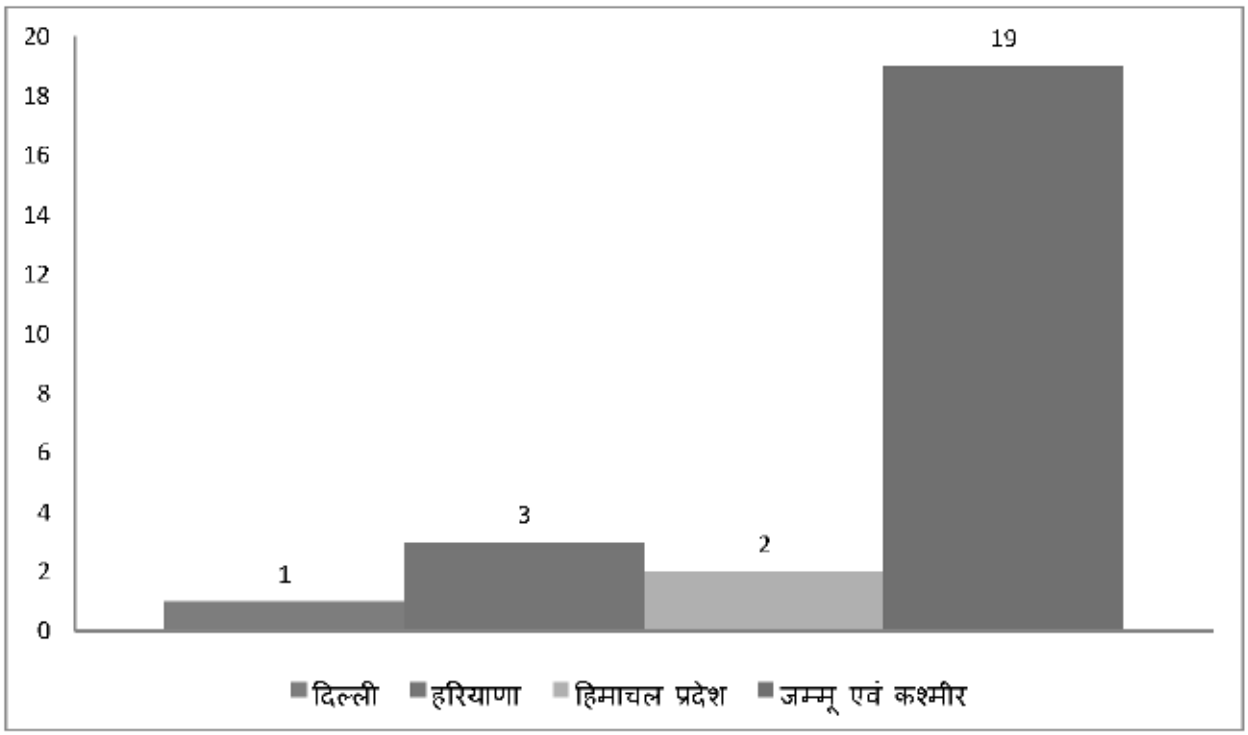

वित्त और लेखा विंग

वित्त विंग केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के संगत अध्यादेशों के प्रावधानों के अनुसार तथा वित्त समिति और कार्यकारी परिषद के निर्देशों के तहत कार्य करता है। विंग के दिन-प्रतिदिन के कार्य का पर्यवेक्षण माननीय कुलपति के निर्देशन में वित्त अधिकारी द्वारा किया जाता है। विंग विश्वविद्यालय की निधियों पर सामान्य पर्यवेक्षण करता है और भारत सरकार के प्रासंगिक नियमों के ढांचे के भीतर विश्वविद्यालय की वित्तीय नीति के बारे में माननीय कुलपति, वित्त समिति और कार्यकारी परिषद को सलाह देता है। इसके अलावा, यह सक्षम प्राधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य वित्तीय कार्य करता हैं। विंग के मुख्य कार्य में वित्त समिति और कार्यकारी परिषद की देखरेख में वार्षिक बजट तैयार करना, आंतरिक नियंत्रण, आंतरिक लेखा परीक्षा और भुगतानों की प्रक्रिया शामिल है। विश्वविद्यालय का वार्षिक लेखे हर साल वित्त समिति और कार्यकारी परिषद के निर्देशन में वित्त विंग द्वारा तैयार किया जाता है। विश्वविद्यालय के वार्षिक खातों की लेखा परीक्षा हर साल भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा की जाती है। लेखापरीक्षित वाषक लेखा ओं को पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) के साथ कोर्ट, वित्त समिति और कार्यकारी परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है और इसके बाद इसे संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया जाता है।

विंग में जिम्मेदारियों को चार डेस्कों को सौंपा गया है: बजट और लेखा अनुभाग, बिल और भुगतान अनुभाग, वित्त अनुभाग और आंतरिक लेखा परीक्षा अनुभाग। वर्तमान में, वित्त विंग में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए एक अनुभाग अधिकारी और 03 कर्मचारी प्रतिनियुक्त हैं।

प्रमुख विशेषताएं:

क) विश्वविद्यालय ने वित्त वर्ष 2019-20 से 100 प्रतिशत कैशलेस लेनदेन के लिए शिक्षा मंत्रालय (एमओई) द्वारा निर्धारित लक्ष्य को हासिल कर लिया है।

ख) सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) को लागू किया गया, जो भुगतान जारी करने और ट्रैक करने के लिए लेखा महानियंत्रक (सीजीए) द्वारा विकसित एक वेब आधारित ऑनलाइन सॉफ्टवेयर है।

ग) विश्वविद्यालय ने पीएफएमएस पोर्टल के माध्यम से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा आयोजित ट्रेजरी एकल खातों (टीएसए) से भुगतान के संवितरण को लागू किया है।

घ) विश्वविद्यालय ने सभी लेखा परीक्षा अपत्तियों को संबोधित करने के लिए एक स्थायी लेखा परीक्षा समिति का गठन किया है।

ङ) वित्त विंग के प्रयास से शिक्षा मंत्रालय (एमओई) से 123.00 करोड़ रुपये का एचईएफए सावधि ऋण स्वीकृत किया गया ।

च) टैली सॉफ्टवेयर के माध्यम से डिजिटल कैश बुक बनाए रखना।

छ) वित्त विंग वित्तीय प्रबंधन और लेखा प्रणाली के पूर्ण कंप्यूटरीकरण पर काम कर रहा है।

ज) 100 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं के लिए लेखांकन, उनकी छात्रवृत्ति का वितरण और उपयोग प्रमाण पत्र जारी करना।

हिंदी प्रकोष्ठ

वर्ष 2014 में हिंदी अधिकारी की नियुक्ति के साथ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी सेल की स्थापना की गई है। हिंदी प्रकोष्ठ की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी राजभाषा नियमों से संबंधित आदेशों और निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना और विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों में हिंदी का उपयोग सुनिश्चित करना है। हिंदी प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के सभी विभागों/अनुभागों को अनुवाद से संबंधित प्रशासनिक सहायता, प्रशिक्षण और अन्य सुविधाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के साथ ही संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा बना दिया गया और भारत सरकार को हिंदी के प्रयोग के स्तर को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी सौंपी गई। उसके बाद राजभाषा अधिनियम 1963 लागू हुआ। राजभाषा अधिनियम लागू होने के बाद, राजभाषा नियम 1976 लागू किए गए थे। गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग हिंदी को राजभाषा के रूप में प्रयोग करने के लिए लगातार आदेश जारी करता रहता है।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गृह मंत्रालय के आधिकारिक भाषा विभाग द्वारा जारी आदेशों, नियमों और संकल्पों को पूरा करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय में हिन्दी प्रकोष्ठ की स्थापना की गई ताकि सरकारी कार्यों में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग सुनिश्चित किया जा सके।

उद्देश्य

हिंदी सेल का उद्देश्य है कि सभी को सरकार की भाषा नीति और राजभाषा नियमों की जानकारी हो और विश्वविद्यालय के किसी भी कार्य में भाषा संबंधी कोई बाधा न हो। हम पढ़ते हैं, भाषाएँ सीखते हैं और राजभाषा नियमों का पालन करते हैं लेकिन आनंद के साथ।

1. विश्वविद्यालय, प्रयोगशालाओं/विभागों/अनुभागों और कार्यालयों में संघ की राजभाषा नीति के आधार पर अनुरोध, प्रेरणा और प्रोत्साहन के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को निरन्तर बढ़ावा देना।

2. राजभाषा हिन्दी के प्रयोग हेतु विश्वविद्यालय के सभी विद्यालयों/विभागों/अनुभागों/कार्यालयों को आवश्यक निर्देश एवं मार्गदर्शन देना।

3. विश्वविद्यालय में संघ की राजभाषा नीति, कार्यक्रमों एवं संबंधित गतिविधियों का प्रचार-प्रसार कर हिन्दी के अधिकतम प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना।

4. विश्वविद्यालय में संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की स्थिति की निगरानी और समीक्षा करना।

5. राजभाषा हिन्दी से संबंधित अधिनियम/नियम/आदेश/अनुदेश के समुचित अनुपालन के उद्देश्य से कार्यकरण में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना।

6. पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए राजभाषा हिन्दी के प्रयोग हेतु उपलब्ध तकनीकी सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग करना।

विजन: विश्वविद्यालय को राजभाषा हिन्दी के प्रयोग के क्षेत्र में उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में स्थापित करना ताकि यह अपनी विश्वव्यापी प्रतिष्ठा के अनुरूप अन्य शिक्षण संस्थाओं के लिए आदर्श एवं अनुकरणीय बन सके।

मिशन

प्रेरणा, प्रोत्साहन और प्रशिक्षण के माध्यम से अधिकारियों और कर्मचारियों के हिंदी ज्ञान को बढ़ाना और हिंदी के प्रति प्रेम और अपनेपन की भावना जागृत करना।

राजभाषा प्रकोष्ठ के प्रमुख कार्य और गतिविधियां

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में संघ के आधिकारिक कार्य को हिंदी में संचालित करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को लागू करना।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में आयोजित करना, कार्यवृत्त तैयार करना और इसे विश्वविद्यालय में प्रसारित करना।
- हिंदी त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट को समेकित करना और इसे राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति को भेजना।
- हिंदी सम्मेलनों/कार्यशालाओं का आयोजन
- हिंदी पत्रिका 'उत्कार वाहिनी' का प्रकाशन।
- विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए आवश्यक परिपत्र जारी करना।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों/कार्यालयों/अनुभागों/प्रभागों से प्राप्त हिंदी त्रैमासिक प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा करना और उस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करना।
- शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त आदेशों/अनुदेशों का अनुपालन करना और पत्राचार आदि का जवाब देना।
- अधिकारियों/कर्मचारियों के हिंदी ज्ञान से संबंधित रोस्टर तैयार करना।
- अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यकतानुसार हिन्दी में प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
- हिंदी दिवस/सप्ताह/पखवाड़े का आयोजन और इसके दौरान विभिन्न कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं का आयोजन
- हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों/शाखाओं को पुरस्कृत करना।
- राजभाषा के संबंध में विश्वविद्यालय के विभागों/कार्यालयों/अनुभागों/प्रभागों का निरीक्षण करना।
- अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलनों में जम्मू/केंद्रीय विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करना।
- हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों/अनुदेशों/दिशा-निर्देशों आदि के बारे में विश्वविद्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों को सूचित करना।

हिंदी पखवाड़ा-

वर्ष के दौरान 2022हिंदी पखवाड़े के दौरान विश्वविद्यालय में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं –

1. भाषण प्रतियोगिता 15.09.2022

2. हिंदी पत्र और प्रारूप लेखन प्रतियोगिता 16.09.2022

3. कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग 21.09.2022

4. हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता 27.09.2022

5. स्व-लिखित हिंदी कविता पाठ 27.09.2022

27 जून, 2022 को केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों/संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों/उपक्रमों/संस्थानों में हिंदी के प्रयोग के संबंध में संसदीय राजभाषा समिति द्वारा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया है।

2022-2023 के लिए विश्वविद्यालय परिवहन सेवाओं पर रिपोर्ट

1. विश्वविद्यालय परिवहन सेवाओं में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए वाहन - शटल सेवाएं प्रदान करना शामिल है:

   विश्वविद्यालय ने निविदा के माध्यम से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए शटल बस सेवा के रूप में छह बसों का इस्तेमाल किया, ताकि छात्रों को राया मोड़ से जम्मू मुख्य विश्वविद्यालय मुख्य परिसर तक ले जाया जा सके और वापस लाया जा सके। नियमित समय अंतराल पर छात्रों को लेने और छोड़ने के लिए बसों ने सुबह में 12 और शाम को 12 फेरे लगाते हैं।

2. विभिन्न कार्यक्रमों/समारोहों आदि के दौरान बाहरी विशेषज्ञों, अतिथियों सहित विश्वविद्यालय के अतिथियों के लिए वाहनों को किराए पर लेना।

   विश्वविद्यालय ने निविदा के माध्यम से विभिन्न विभागाध्यक्ष /अनुभाग प्रमुखों से प्राप्त मांग-पत्र के अनुसार वाहनों को किराए पर लेने के लिए मैसर्स न्यू जेएवाई केए टूर एंड ट्रैवल्स (एल । होने के नाते) फर्म की दरों को मंजूरी दे दी है ताकि विभिन्न आधिकारिक उद्देश्यों के लिए विश्वविद्यालय में आने वाले विश्वविद्यालय के अतिथियों, परीक्षकों, विशेषज्ञों आदि को परिवहन प्रदान किया जा सके।

3. विश्वविद्यालय के स्वामित्व वाली बसों का रखरखाव जिसमें माननीय कुलपति का आधिकारिक वाहन, कुलसचिव का आधिकारिक वाहन, दो एम्बुलेंस, एक कर्मचारी बस और एक डिस्पैच मोटरबाइक शामिल है।

   विश्वविद्यालय परिवहन अनुभाग नियमित रूप से ईंधन उपयोग (डीजल / पेट्रोल), वाहनों के माइलेज, सेवा की देखभाल और वाहनों के बीमा आदि के संबंध में विश्वविद्यालय के स्वामित्व वाले वाहनों की लॉग बुक की जांच करता है। यह खंड विश्वविद्यालय के स्वामित्व वाले वाहनों के रखरखाव और मरम्मत का भी ध्यान रखता है।

खरीद प्रक्रिया का विवरण

खरीद शाखा सीधे कुलसचिव कार्यालय के तहत काम करती है और इसका नेतृत्व उपकुलसचिव (खरीद) द्वारा किया जाता है, जिसमें दो कर्मचारी हैं, एक अनुभाग अधिकारी के स्तर पर और दूसरा सहायक / एलडीसी होता है। यह अनुभाग विश्वविद्यालय के लिए केंद्रीकृत खरीद, कोटेशन आधार के माध्यम से खरीद, जीईएम पोर्टल के माध्यम से खरीद और ई-विज़ार्ड के माध्यम से ई-टेंडर के माध्यम से खरीद का कार्य किया जाता है। इसके अलावा, यह अनुभाग विभिन्न विभागाध्यक्ष के जीईएम खातों के निर्माण के लिए भी उत्तरदायी है। यह अनुभाग उन सेवाओं का भी ध्यान रख रहा है जिनमें टिकटों की बुकिंग, होटलों की बुकिंग और आवश्यकतानुसार विश्वविद्यालय के मेहमानों को वाहन प्रदान करना और रिकॉर्ड बनाए रखना और तदनुसार बिलों का भुगतान करना शामिल है। इसके अलावा, यह अनुभाग विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जा रही विभिन्न बैठकों /कार्यक्रमों के दौरान भी व्यवस्था करता है।

स्वास्थ्य केंद्र

क्रम संख्या	कार्यक्रम	विवरण
क)	स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 2022-2023	1. श्री माता वैष्णो देवी नारायण सुपर स्पेशलिटी अस्पताल कटड़ा के सहयोग से 20 अप्रैल 2022 को नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 425 मरीज उपस्थित थे। 2. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा जिला स्वास्थ्य विभाग और जिला सांबा के आपदा प्रबंधन विभाग के सहयोग से 26 और 27 जुलाई, 2022 को दो दिवसीय बूस्टर खुराक शिविर और आयुष्मान भारत कार्ड शिविर का आयोजन किया गया। 3. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र द्वारा 29 सितंबर 2023 को श्री माता वैष्णो देवी नारायण सुपर स्पेशलिटी अस्पताल कटरा के साथ स्त्री रोग शिविर का आयोजन किया गया था।
ख)		
ग)	स्वास्थ्य में उपलब्ध सुविधाएं केंद्र	1. रोगी मॉनिटर (बीपीएल) 2. स्टैंड के साथ बीपी उपकरण 3. मरीजों का बिस्तर 4. ड्रिप स्टैंड 5. ई.सी.जी. मशीन (बीपीएल) पूरी तरह से स्वचालित 6. डिजिटल (रक्त ग्लूकोज मॉनिटर) 7. दृष्टि बॉक्स (दूरी और पास) 8. व्हील चेयर 9. स्ट्रेचर 10. रोगी स्क्रीन 11. ऑक्सीजन सिलेंडर (छोटा, मध्यम) 12. परीक्षा कोच (रोगी) 13. ऊंचाई मापने वाले स्टैंड 14. ड्रेसिंग के लिए सर्जिकल उपकरण 15. ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ एम्बुलेंस 16. स्प्लिंट्स

		17. सर्वाइकल कॉलर 18. ड्रेसिंग ड्रम 2 19. ओटोस्कोप 20. ओवन 21. , आटोक्लेव । 22. अलग रोगी अवलोकन कक्ष 23. थर्मल स्कैनर 4,बीपी उपकरण 24. सेमी ऑटो ब्लड एनालाइजर 25. ओवन 26. पल्स ऑक्सीमीटर 27. ऑक्सीजन कंसंट्रेटर 28. रैपिड एंटीजन टेस्टिंग किट। (05-01-2022 को खरीदा गया) 29. मनोवैज्ञानिक परामर्श 1 30. आपातकालीन दवाएं
घ)	2022-2023 के दौरान की गई अन्य गतिविधियां	शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित कोविड-19 पर ऑनलाइन सत्र में लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया।

सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर

यह प्रस्तुत किया गया है कि जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का स्वास्थ्य केंद्र श्री के सहयोग से (संकाय, कर्मचारियों और छात्रों) के लाभ के लिए 24 मई 2023 को माता वैष्णो देवी नारायण सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल कटरा के डॉ. अश्विनी कुमार (चिकित्सक विशेषज्ञ) अपनी टीम के साथ एक सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने की योजना बना रहा है।

एनसीसी

एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कैडेटों ने अपनी चमक बिखेरी:

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेटों ने जम्मू-कश्मीर के अन्य 56 शैक्षणिक संस्थानों के साथ विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों में भाग लिया। निशानेबाजी प्रतियोगिता में कैडेटों ने स्वर्ण पदक जीतकर नाम रोशन किया। सांस्कृतिक प्रतियोगिता में भी कैडेटों ने स्वर्ण पदक जीते।

अगस्त 2022-अक्टूबर 2022:

डॉ. पंकज मेहता ने ओटीए कैम्पटी में 90 दिनों का कठोर पीआरसीएन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया, और एनसीसी, 4 जम्मू-कश्मीर बटालियन एनसीसी में एएनओ (रैंक-लेफ्टिनेंट) के रूप में कमीशन प्राप्त किया।

8 नवंबर 2022: डोगरा लॉ कॉलेज, 4 जम्मू-कश्मीर बटालियन एनसीसी में रक्तदान शिविर

4 जेके बटालियन एनसीसी ने डोगरा लॉ कॉलेज, बड़ी ब्रह्मणा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के 25 एनसीसी कैडेटों ने एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता के साथ अभियान में भाग लिया और और रक्तदान किया, जिसे 4 जेएंडके बटालियन एनसीसी द्वारा गांधी नगर अस्पताल, जम्मू के सहयोग से आयोजित किया गया था।

27 नवंबर 2022: जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 74 एनसीसी दिवस मनाया

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की एनसीसी इकाई ने ऑनलाइन गूगल प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल माध्यम में 74 एनसीसी दिवस मनाया। इस कार्यक्रम का आयोजन एएनओ लेफ्टिनेंट के संरक्षण में कैडेटों द्वारा किया गया था।

26 जनवरी 2023: जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की एनसीसी इकाई (4 वीं जम्मू-कश्मीर बटालियन) ने 74 गणतंत्र दिवस मनाया

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की एनसीसी इकाई (4 वीं जम्मू एवं कश्मीर बटालियन) ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के ध्वज क्षेत्र के पास 74 गणतंत्र दिवस मनाया। कार्यक्रम का आयोजन एनसीसी कैडेटों द्वारा एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता के संरक्षण में किया गया था।

फरवरी 2023: एनसीसी बी और सी सर्टिफिकेट परीक्षा

4 जेएंडके बटालियन के लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता बैंड सी सर्टिफिकेट परीक्षा में बोर्ड के सदस्य थे, उन्होंने 17-24 फरवरी 2023 तक एनसीसी कैंपिंग ग्राउंड, नगरोटा, जम्मू में सीएटीसी शिविर में भाग लिया। इस परीक्षा में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभी एनसीसी कैडेटों ने परीक्षा उत्तीर्ण की जो एनसीसी-बी और एनसीसी-सी प्रमाणपत्र परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय का 100% परिणाम है।

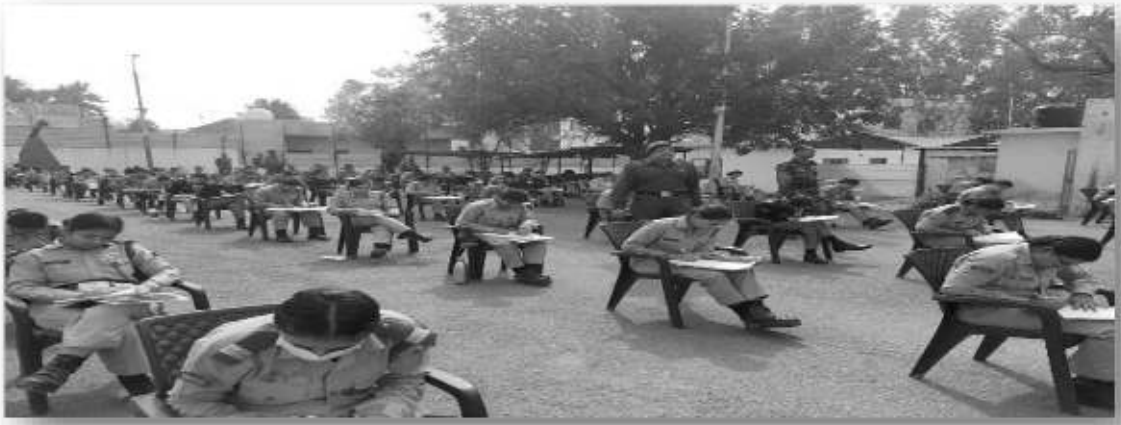

20 मार्च 2023: जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में एनईपी-2020 के अनुसार एनसीसी को एक वैकल्पिक विषय के रूप में प्रस्तावित किया गया

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विभिन्न विभागों में स्नातक छात्रों द्वारा लिए जाने वाले एक खुले वैकल्पिक/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम के रूप में एनसीसी की शुरुआत की और यह पहल करने वाला केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। अकादमिक परिषद ने 28.02.2023 को आयोजित अपनी 16वीं बैठक में यूजी कार्यक्रम के दूसरे सत्र के लिए एनसीसी वैकल्पिक पाठ्यक्रम की पाठ्यक्रम योजना और पाठ्यक्रम को मंजूरी दे दी है।

समितियां और प्रकोष्ठ

क) शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और छात्रों के लिए शिकायत निवारण समिति:

विश्वविद्यालय में कर्मचारियों और छात्रों के लिए एक अलग शिकायत निवारण समिति है। समिति को व्यक्तिगत रूप से या समूह के रूप में सीधे प्रभावित करने वाले मामलों के संबंध में लिखित शिकायतों और याचिकाओं को स्वीकार करने और शिकायतों की जांच करना और सिफारिशें करना और संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट करना; या अन्यथा उन पर विचार करने का अधिकार है।

ख) एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी सेल:

विश्वविद्यालय ने नियुक्तियों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/पीडब्ल्यूडी के लिए भारत सरकार और यूजीसी दिशानिर्देश, 2006 (विश्वविद्यालयों में भारत सरकार की आरक्षण नीति के कार्यान्वयन के लिए) के अनुसार आरक्षण नीति लागू की है। दिशानिर्देशों के अनुरूप, विश्वविद्यालय ने एससी/एसटी, ओबीसी और पीडब्ल्यूडी के लिए संपर्क अधिकारी नामित किया है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश, रोजगार और अन्य शिकायतों से संबंधित समुदाय / श्रेणी के उम्मीदवारों के मुद्दों की देखरेख के लिए एससी / एसटी / पीडब्ल्यूडी प्रकोष्ठ और ओबीसी प्रकोष्ठ की स्थापना की है।

क) विश्वविद्यालय के सभी विभागों के प्रवेश के समय छात्रों के श्रेणी प्रमाण पत्र सत्यापन किए गए हैं।

ख) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की उपलब्ध सीटों के संबंध में प्रवेश के दौरान प्रश्नों का मौके पर ही समाधान किया गया।

ग) प्रत्येक समिति में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर प्रवेश समितियों/भर्ती समितियों को तैयार और संशोधित किया गया है।

घ) विश्वविद्यालय रोस्टर पर समय-समय पर बैठकें आयोजित की गई हैं।

ङ) विश्वविद्यालय रोस्टर में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को शामिल करने के लिए भी बैठक आयोजित की गई है।.

ग) यौन उतपीड़न के निवारण हेतु लिंग संवेदीकरण समिति (जीएससीएएसएच):

विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों, संकायों, छात्रों और शोधार्थियों के लिए एक अनुकूल कार्यस्थल वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो किसी भी प्रकार के शारीरिक, मानसिक या यौन उत्पीड़न से मुक्त है।

जीएससीएएसएच (यौन उत्पीड़न के खिलाफ लिंग संवेदीकरण) जीएससीएएसएच और आईसीसी (आंतरिक शिकायत समिति) के शीर्ष निकाय के साथ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में काम कर रहा है। यह संवेदीकरण कार्यक्रम और परामर्श सहित विभिन्न गतिविधियों के आयोजन में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। प्रत्येक चरण में महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखा गया है।

ओबीसी सेल

1.	डॉ. श्वेता यादव सहायक आचार्य	संपर्क अधिकारी

	पर्यावरण विज्ञान विभाग	
2.	डॉ. सुशांत नाग सहायक आचार्य अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
3.	डॉ. सलिल सेठ सहायक आचार्य विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग	सदस्य

एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी सेल

1.	डॉ. सुजाता कुंदन सहायक आचार्य रसायन विज्ञान विभाग	-	एससी/एसटी के संपर्क अधिकारी
2.	डॉ. विनय कुमार शुक्ला सहायक आचार्य हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग	-	पीडब्ल्यूडी के संपर्क अधिकारी
3.	श्री अनिल कुमार भारती सहायक आचार्य अर्थशास्त्र विभाग	-	सदस्य

कर्मचारी शिकायत निवारण समिति

क्रम सं	**संयोजन**	**नाम और पदनाम**
1.	अध्यक्ष (कुलपति द्वारा नामित)	प्रो. मुश्ताक अहमद अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक अध्ययन स्कूल
2.	शिक्षणेत्तर समुदाय के पांच प्रतिनिधि लिंग, अल्पसंख्यक, एससी, एसटी, ओबीसी का प्रतिनिधित्व करते हैं।	सुश्री शफला परिहार उपकुलसचिव (महिला प्रतिनिधि)
		श्री संजीव गुप्ता निजी सचिव
		श्री अविनाश कण्डवाल सहायक (ओबीसी प्रतिनिधि)
		श्रीमती मोनिका कलसी

		सहायक (एससी प्रतिनिधि)
		श्री तलविंदर सिंह प्रयोगशाला सहायक (अल्पसंख्यक प्रतिनिधि)
3.	कुलसचिव या उसका नामिती समिति का सदस्य-सचिव होगा	श्री शैलेन्द्र सलाथिया सहायक कुलसचिव

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन निदेशालय (डीआईक्यूए)

1.	कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2.	प्रो. देवानंद अधिष्ठाता, आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ नॉलेज प्रबंधन एंड इंफॉर्मेशन साइंसेज	सदस्य
3.	बी.एस. भाऊ अधिष्ठाता, जीव विज्ञान विद्यालय अधिष्ठाता, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय अधिष्ठाता, अनुसंधान अध्ययन पुस्तकालयाध्यक्ष, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
4.	प्रो. सुनील धर अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यालय विभागाध्यक्ष, पृथ्वी विज्ञान	सदस्य
5.	प्रो. मुश्ताक अहमद अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय विभागाध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभागाध्यक्ष, अणुजैविकी विज्ञान केंद्र	सदस्य
6.	प्रो.रसाल सिंह अधिष्ठाता, भाषा विद्यालय अधिष्ठाता, छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग विभागाध्यक्ष, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग	सदस्य
7.	डॉ. वंदना शर्मा विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग	सदस्य

8.	प्रो.यशवंत सिंह विभागाध्यक्ष, सीएस और आईटी विभाग	सदस्य
9.	डॉ. जे.एन. बालिया विभागाध्यक्ष, शैक्षिक अध्ययन विभाग	सदस्य
10.	मोहम्मद इकबाल उपकुलसचिव	सदस्य
11.	ए. अनिल सूरी बीबीआईए के अध्यक्ष और गुणवत्ता विशेषज्ञ	सदस्य
12.	आचार्य एम.एन. खान एफएमएसआर, एएमयू	सदस्य
13.	एल.के. वर्मा पूर्व अधिष्ठाता, शिक्षा संकाय और सीओई, जेयू	सदस्य
14.	डॉ. संजय कुमार सहायक आचार्य, गणित विभाग	सदस्य
15.	डॉ. शाहिद मुश्ताक सहायक आचार्य, एचआरएम एवं ओबी विभाग	सदस्य
16.	श्री विकास गुप्ता सहायक कुलसचिव	सदस्य
17.	प्रो. जया भसीन निदेशक, डीआईक्यूए	सदस्य सचिव

विश्वविद्यालय भवन समिति

केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को सामान्य विकास सहायता के लिए अध्यादेश संख्या 20 और यूजीसी दिशानिर्देश, खंड संख्या 5.5, 5.6 और 5.11 के अनुसरण में, जैसा कि समय-समय पर संशोधित किया गया है, माननीय कुलपति ने पिछली समितियों का कार्यकाल पूरा होने पर विश्वविद्यालय भवन समिति का पुनर्गठन किया है:

	संयोजन	सदस्य का नाम	
i.	माननीय कुलपति	पदेन अधिकारी	अध्यक्ष
ii.	कुलपति द्वारा नामित विश्वविद्यालय योजना बोर्ड का सदस्य	मेहराज - उद-दीन, कुलपति, कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
iii.	उपयोगकर्ता विभाग के विभागाध्यक्ष	आचार्य देवानंद, अधिष्ठाता, आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान	सदस्य
iv.	विश्वविद्यालय के दो शिक्षक कुलपति द्वारा नामित, आचार्य के पद से नीचे नहीं हैं	1. प्रो.जया भसीन, अधिष्ठाता, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय 1. दीपक पठानिया, ईवीएस विभाग	सदस्य सदस्य
v.	विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी	विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी	सदस्य
vi.	विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रिंसिपल या पास के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज से	डॉ. संजीव कुमार गुप्ता, विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग, जीसेट	सदस्य
vii.	सीपीडब्ल्यूडी या राज्य पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता (सिविल) या उनके प्रतिनिधि जो अधीक्षण अभियंता के पद से नीचे नहीं हैं	रविंदर मंसोत्रा, अधीक्षण अभियंता, पीडब्ल्यू (आर एंड बी) जम्मू-कठुआ सर्कल	सदस्य
viii.	सीपीडब्ल्यूडी/राज्य पीडब्ल्यूडी/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता/अधीक्षण अभियंता (सिविल)	श्री किरण विटल सेवानिवृत्त जेएमसी आयुक्त	सदस्य
ix.	सीपीडब्ल्यूडी या राज्य पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण/कार्यकारी अभियंता (विद्युत)	सुधीर गुप्ता, सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता, जम्मू-कश्मीर विद्युत विकास विभाग।	सदस्य
x.	सीपीडब्ल्यूडी या राज्य पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण/कार्यकारी अभियंता (लोक स्वास्थ्य)	श्री वी. के. अबरोल, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता,	सदस्य

		पीएचई/पूर्व सचिव, जल नियामक प्राधिकरण	
xi.	विश्वविद्यालय के इंजीनियर	श्री विशाल बड़गोत्रा कार्यकारी अभियंता	सदस्य
xii.	विश्वविद्यालय का सबसे वरिष्ठ वास्तुकार (जहां यह मौजूद है), अन्यथा एक मुख्य वास्तुकार या आस-पास के विश्वविद्यालय / कॉलेज से समान स्तर का व्यक्ति	श्री एस.आर.सिक्का, मैसर्स सिक्का एसोसिएट्स नई दिल्ली के मुख्य वास्तुकार	सदस्य
xiii.	चीफ आर्किटेक्ट/डिप्टी चीफ आर्किटेक्ट या किसी केंद्रीय या राज्य विभाग से समकक्ष दर्जे का व्यक्ति	श्री अशोक महाजन, मुख्य वास्तुकार, जम्मू और कश्मीर	सदस्य
xiv.	विश्वविद्यालय के वरिष्ठतम भूनिर्माण विशेषज्ञ (जहां यह मौजूद है), अन्यथा किसी पड़ोसी संस्थान / सरकारी विभाग / सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से या सीमित अवधि के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सलाहकार के रूप में काम पर रखा गया हो।	श्री सीएम सेठ, सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी, जम्मू-कश्मीर सरकार	सदस्य
xv.	विश्वविद्यालय के कुलसचिव	पदेन अधिकारी	सदस्य-सचिव

2. भवन समिति की बैठक आयोजित करने के लिए भवन समिति के 50% सदस्य कोरम का गठन करेंगे। हालांकि, कम से कम दो इंजीनियरों और एक वास्तुकार की उपस्थिति आवश्यक है।

समान अवसर प्रकोष्ठ

क्रम सं	नाम और पदनाम	
	प्रो. जया भसीन विभागाध्यक्ष, मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग	भेदभाव निरोधक अधिकारी
	डॉ. जे.एन. बालिया सह आचार्य, शैक्षिक अध्ययन विभाग	सदस्य
	डॉ. श्वेता कोहली सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
	डॉ. शाहिद मुश्ताक सहायक आचार्य, विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग	सदस्य
	डॉ. सुजाता कुंदन सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान एवं रसायन शास्त्र विभाग	सदस्य
	डॉ. संजय कुमार सहायक आचार्य, गणित विभाग	सदस्य

सामुदायिक कॉलेज

संक्षिप्त परिचय :-

सामुदायिक कॉलेज ने स्वास्थ्य एवं सौन्दर्य में कौशल आधारित पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्रदान करने के इरादे से 2015 में काम करना शुरू किया। पाठ्यक्रम उद्योग प्रशिक्षण भागीदारों के सहयोग से प्रस्तावित किया गया था। पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप भारतीय राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और सेक्टर स्किल काउंसिल के परामर्श से निर्मित किया गया है, जो एक योग्यता-आधारित ढांचा है जो ज्ञान, कौशल और योग्यता के स्तरों की एक श्रृंखला के अनुसार सभी योग्यताओं का आयोजन करता है।

वर्तमान में कॉलेज एकाधिक प्रवेश और निकास के विकल्प के साथ यूजी स्तर / विभिन्न एनएसक्यूएफ स्तरों पर 03 व्यावसायिक उपाधि कार्यक्रम प्रदान कर रहा है। इन स्तरों को सीखने के परिणामों के संदर्भ में परिभाषित किया जाता है जो शिक्षार्थी के पास होना चाहिए, भले ही वे औपचारिक, गैर-औपचारिक या अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से प्राप्त किए गए हों। साठ प्रतिशत पाठ्यक्रम कौशल आधारित और चालीस प्रतिशत सामान्य शिक्षा है। कॉलेज युवाओं को कुशल बनाने की चुनौती को पूरा करने की दिशा में काम कर रहा है, जिससे समाज में सामाजिक-आर्थिक उत्थान और परिवर्तन के लिए एक स्थायी उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो सके। कॉलेज ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके, प्रशिक्षण और नियुक्ति के लिए उद्योग के साथ संबंध स्थापित करके, सहयोगी क्षमता निर्माण कार्यक्रम और आउटरीच गतिविधियों का संचालन करके कई पहल की हैं। एक और उल्लेखनीय विशेषता यह है कि कॉलेज ने सरकारी और निजी सेटअप में छात्रों के नियुक्ति में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

दूरदृष्टि

वैश्विक स्तर पर नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं द्वारा भरोसेमंद एक अग्रणी कौशल विकास और रोजगार योग्यता भागीदार बनना।

मिशन

हमारा मिशन व्यक्तियों को उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने और उन्हें स्थायी आजीविका प्रदान करने के लिए सुसज्जित करना है जिससे युवाओं के लिए वास्तविक प्रभाव प्रदान किया जा सके। हम सभी उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी और कुशल उपयोग सुनिश्चित करके उच्च गुणवत्ता वाले कौशल विकास पहल प्रदान करके इस राष्ट्र निर्माण मिशन को प्राप्त करेंगे। .

- प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रम :–

(i) बी.वॉक (बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं),
(ii) बी.वॉक (खुदरा प्रबंधन)
(III) बी.वॉक (पर्यटन प्रबंधन)

➢ **संकाय विवरण :–**

क्रम.सं	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
01	प्रो.जया भसीन	विभागाध्यक्ष	एचआरएम / विपणन
02	डॉ. अमित गंगोटिया	सहायक आचार्य	पर्यटन
03	डॉ. नीलिका अरोड़ा	समन्वयक, बी.वॉक (खुदरा प्रबंधन)	एचआरएम/विपणन
04	डॉ. गौहर रसूल	समन्वयक, बी.वॉक (खुदरा प्रबंधन)	एचआरएम/विपणन
05	श्री आसिफ अली	समन्वयक, बी.वॉक (बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं)	वित्त/विपणन
06	डॉ. नरेश कुमार	समन्वयक, बी.वॉक (बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं)	विपणन/वित्त
07	डॉ. रंजीत के. रमन	सहायक आचार्य	पर्यटन
08	श्री राहुल ठाकुर	समन्वयक, बी.वॉक (पर्यटन प्रबंधन)	पर्यटन
08	श्री कोहित तारगोत्रा	अतिथि संकाय	विपणन/वित्त
09	सुश्री विभु जौहर	अतिथि संकाय	विपणन/वित्त
10	सुश्री परमदीप कौर	अतिथि संकाय	विपणन/वित्त
11	श्री केतन भट्ट	अतिथि संकाय	पर्यटन

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार/कार्यशालाएं/राष्ट्रीय संगोष्ठी/**

❖ **सामुदायिक महाविद्यालय में मनाई गई विश्वकर्मा दिवस/जयंती**

सामुदायिक कॉलेज ने बीएफएसआई सेक्टर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से विश्वकर्मा दिवसजयंती / मनाई। भगवान विश्वकर्मा को वास्तुकला और इंजीनियरिंग का देवता माना जाता है।

स्टार हेल्थ एंड अलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के जम्मू एवं कश्मीर के सहायक जोनल मैनेजर श्री करण पासी ने सभा को संबोधित किया। उनके संबोधन में व्यावसायिक शिक्षार्थियों के लिए बैंकिंग उद्योग में उपलब्ध अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया गया। जम्मू-कश्मीर के क्षेत्रीय प्रबंधक विक्रांत खजूरिया और सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक अजय वर्मा ने भी सभा को संबोधित किया।

❖ **विश्व निवेशक सप्ताह**, 14 **अक्टूबर** 2022

सामुदायिक कॉलेज ने विश्व निवेशक सप्ताह, 2022 मनाया। प्रतिभूति बाजार नियामक के रूप में, सेबी प्रतिभूति आयोगों के अंतर्राष्ट्रीय संगठन (10एससीओ) का सदस्य है। विभिन्न निवेशक शिक्षा और जागरूकता पहलों को और अधिक गति देने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभूति आयोग संगठन (आई0एससीओ) के तत्वावधान में हर साल, दुनिया भर में, विश्व निवेशक सप्ताह मनाया जाता है। निवेशक सप्ताह, 2022 मनाने के लिए ऑनलाइन माध्यम में बीएसई के सहयोग से कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

19.10.2022 को सामुदायिक कॉलेज में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज ने इंटरपोल में भारत के योगदान के बारे में सामान्य जागरूकता अभियान बढ़ाने के लिए छात्रों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की। उक्त प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सीबीआई से प्राप्त प्रश्न बैंक पर आधारित थी। कार्यक्रम में लगभग 84 विद्यार्थियों ने भाग लिया। बी वॉक (खुदरा प्रबंधन) तीसरे सत्र के श्री पुरूषोत्तम कुमार के नेतृत्व वाली टीम ने प्रथम पुरस्कार जीता, इसके बाद श्री मोहम्मद यासीन बी वॉक (बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ) पांचवें सत्र और श्री जतिन भगत, बी वॉक (खुदरा प्रबंधन) तीसरे सत्र ने दूसरा पुरस्कार जीता। टीमों में बी वॉक (बीएफएस) पांचवें सत्र से सुश्री नंदनी, श्री अतुल शर्मा, बी वॉक (बीएफएस) तीसरे सत्र से श्री बी

श्रीनिवास, श्री निपुण पराशर और बी वॉक (खुदरा प्रबंधन) तीसरे सत्र से सुश्री श्रुति ने तीसरा पुरस्कार साझा किया। यहां यह उल्लेख करना उचित है कि सरकार के प्रयासों के कारण इंटरपोल की 90वीं वार्षिक आम सभा नई दिल्ली में आयोजित की गई और मेजबान सीबीआई (कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग) होगी और इंटरपोल में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

कम्युनिटी कॉलेज ने 1-4 नवंबर 2022 तक बी वॉक (खुदरा प्रबंधन), बी वॉक (बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं) और बी वॉक (पर्यटन प्रबंधन) के नव प्रवेशित छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के पहले दिन प्रो.संजीव जैन , माननीय कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने छात्रों का स्वागत किया और उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा पेश किए गए कौशल आधारित कार्यक्रमों के साथ-साथ शिक्षार्थियों के लाभ के लिए विश्वविद्यालय द्वारा दी गई सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्वविद्यालय का प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक शिक्षार्थी को अपना अनुभव और सीखना वास्तव में फायदेमंद, यादगार और समृद्ध लगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य ऐसे कौशल विकसित करना है जो उन्हें न केवल सीखने के उनके चुने हुए क्षेत्र में पारंगत बनाता है बल्कि उन्हें उनके जीवन को सामाजिक रूप से मूल्यवान और संतोषजनक बनाने के लिए मूल्यों और क्षमताओं से भी लैस करता है। सीसी की प्रिंसिपल प्रो. जया भसीन ने छात्रों के साथ बातचीत की और उन्हें उनके लिए उपलब्ध क्षेत्र विशिष्ट अवसरों के बारे में बताया। डॉ नीलिका अरोड़ा, कार्यक्रम समन्वयक बी वॉक खुदरा प्रबंधन , श्री आसिफ अली, कार्यक्रम समन्वयक बी वॉक बीएफएस और श्री राहुल ठाकुर, कार्यक्रम समन्वयक बी, वोक टूरिज्म मैनेजमेंट ने व्यावसायिक शिक्षार्थियों के साथ बातचीत की और उन्हें पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी। डॉ. शाहिद मुश्ताक ने उन्हें एनएसक्यूएफ स्तरों और विभिन्न कार्य भूमिकाओं के बारे में जानकारी दी जिसके लिए उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा। सुश्री सुरभि कोहली बाम्बा, सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनर ने सॉफ्ट स्किल्स और व्यक्तित्व विकास, मानवीय मूल्यों पर सत्र का संचालन किया। उन्होंने विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित कीं जिनके माध्यम से शिक्षार्थी अपने संचार कौशल को बढ़ाते हुए अपना आत्मविश्वास बढ़ाने में सक्षम हुए।

उद्योग प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

कॉलेज द्वारा प्रस्तावित बी वॉक बैंकिंग

और वित्तीय सेवा कार्यक्रम के शिक्षार्थियों के लिए सक्षम कार्यक्रम के तहत उद्योग प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। पाठ्यक्रम में सामान्य रूप से बीमा क्षेत्र और विशेष रूप से स्वास्थ्य बीमा में अभ्यास, सिद्धांत और व्यावहारिक कौशल का संयोजन शामिल होगा। यहां यह उल्लेख करना उचित है कि सीसी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने स्टार हेल्थ एंड अलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, चेन्नई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। तीसरे और पांचवें सत्र से लगभग 60 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया। प्रो. जया भसीन, प्रिंसिपल, सीसी और पाठ्यक्रम निदेशक ने प्रतिभागियों और संसाधन व्यक्तियों श्री रजनीश, राजेश महाजन और स्टार हेल्थ एंड अलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के श्री विक्रांत खजूरिया का स्वागत किया। सह-पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. शाहिद मुश्ताक ने कार्यक्रम की कार्यवाही का संचालन किया और जानकारी दी। प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम के लाभ के बारे में बताया गया। बीवोक (बीएफएस) के समन्वयक श्री आसिफ अली ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

❖ "पूंजी बाजार में निवेश और जीवन विकल्प" पर वेबिनार

सामुदायिक कॉलेज, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने वैल्यू आइडियाज इन्वेस्टमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो.संजीव जैन के संरक्षण में "पूंजी बाजार में निवेश और रोजगार विकल्प" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर श्री जगधारिणी संपतकुमार, प्रतिभूति बाजार, चेन्नई मुख्य वक्ता थे। जगधारिणी ने पूंजी बाजार में विभिन्न निवेश और रोजगार विकल्पों के बारे में चर्चा की और प्रतिभागियों को सुरक्षा बाजार से निपटने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन के लिए 90 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 79 ने वेबिनार में भाग लिया। इससे पहले सीसी की प्रिंसिपल प्रो.जया भसीन ने सीसी के नोडल अधिकारी डॉ. शाहिद मुश्ताक के साथ रिसोर्स पर्सन, फैकल्टी मेंबरों, प्रतिभागियों और वैल्यू आइडियाज इन्वेस्टमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। डॉ. शाहिद मुश्ताक ने बताया कि यह उन लोगों के लिए एक अच्छी नींव प्रदान करेगा जो वित्तीय सेवाओं और प्रतिभूति बाजारों में रोजगार बनाने की इच्छा रखते हैं। कार्यक्रम का संयोजन प्रो.जया भसीन की देखरेख में वैल्यू आइडियाज इन्वेस्टमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के रिलेशनशिप मैनेजर डॉ. शाहिद मुश्ताक, सुश्री अथिथ्या जेआरपी और अन्य टीम सदस्यों द्वारा किया गया।

❖ सामुदायिक कॉलेज ने फ्रेशर्स-कम-फेयरवेल पार्टी आयोजित की

सामुदायिक कॉलेज, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय) ने नए बैच के छात्रों का स्वागत करने और अंतिम वर्ष के छात्रों को विदाई देने के लिए फ्रेशर्स-कम-फेयरवेल पार्टी "एलीट-2022" मनाई। एलीट-2022 का अनावरण जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो.संजीव जैन के आशीर्वाद से किया गया। डॉ. अजय कुमार सिंह, निदेशक, सीसीआरसी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति के साथ कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

❖ कोना-कोना शिक्षा के तहत युवा नागरिक कार्यक्रम के लिए वित्तीय शिक्षा पर कार्यशाला

सामुदायिक कॉलेज ने वित्तीय शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कोटक सिक्योरिटीज सीएसआर पहल कोना कोना शिक्षा के तहत युवा नागरिक कार्यक्रम के लिए वित्तीय शिक्षा प्रमाणन पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस पहल के एक भाग के रूप में निवेशक जागरूकता फैलाने और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यक्रम का व्यापक उद्देश्य युवा निवेशकों के बीच धन कौशल प्रदान करना और उनके दिन-प्रतिदिन के जीवन में वित्तीय अनुशासन विकसित करना था।

श्री अनिल शर्मा, विशेषज्ञ प्रशिक्षक, सहायक महाप्रबंधक और कार्यालय प्रभारी, सेबी जम्मू ने कार्यशाला के दौरान निवेश के महत्व, वित्तीय निवेश के अवसरों, प्रतिभूति बाजारों में निवेश करने की प्रक्रिया और पूर्व-आवश्यकताओं, प्राथमिक बाजारों में निवेश, द्वितीयक बाजारों में निवेश, म्यूचुअल फंड का परिचय और उनमें निवेश करने के तरीकों, प्रतिभूति बाजारों में निवेश करते समय सावधानियों और प्रतिभूति बाजारों में कैरियर पर विचार-विमर्श किया। छात्रों ने बहुत उत्साह दिखाया और कार्यशाला के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने प्रभावी वित्तीय प्रबंधन के लिए आवश्यक शर्तें सीखीं। यह एक उपयोगी ज्ञान साझा करने का अनुभव था। शिक्षार्थी यह समझने की क्षमता विकसित करने में सक्षम थे कि पैसा कैसे काम करता है, कोई इसे कैसे बनाता है, प्रबंधित करता है और निवेश करता है, और दूसरों की मदद करने के लिए भी इसे खर्च करता है। दो दिवसीय कार्यशाला की मेजबानी प्रो.जया भसीन और डॉ. शाहिद मुश्ताक ने की. समारोह का समापन अंत में सीसी के संकाय सदस्य श्री कोहित तरगोत्रा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ.

❖ उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम कार्यशाला का आयोजन-सह-09-02-2023 को किया गया

कम्युनिटी कॉलेज ने वित्तीय शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कोटक सिक्योरिटीज सीएसआर पहल कोना कोना शिक्षा के तहत युवा नागरिकों के लिए वित्तीय शिक्षा प्रमाणन कार्यक्रम पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस पहल के एक भाग के रूप में निवेशक जागरूकता फैलाने और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का व्यापक उद्देश्य युवा निवेशकों को धन कौशल प्रदान करना और उनके दैनिक जीवन में वित्तीय अनुशासन विकसित करना था। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ प्रशिक्षक, सहायक महाप्रबंधक और कार्यालय प्रभारी सेबी जम्मू रिसोर्स पर्सन श्री अनिल शर्मा ने निवेश के महत्व, वित्तीय निवेश के अवसर, प्रतिभूति बाजारों में निवेश करने की प्रक्रिया और पूर्व-आवश्यकताएं, प्राथमिक बाजारों में निवेश, द्वितीयक बाजारों में निवेश पर विचार-विमर्श किया। , म्यूचुअल फंड का परिचय और उनमें निवेश करने के तरीके, सिक्योरिटीज मार्केट में निवेश करते समय सावधानियां और सिक्योरिटीज मार्केट में करियर, छात्रों ने बहुत उत्साह दिखाया और कार्यशाला के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने प्रभावी वित्तीय प्रबंधन के लिए आवश्यक शर्तें सीखीं। यह ज्ञान साझा करने का एक उपयोगी अनुभव था। शिक्षार्थी यह समझने की क्षमता विकसित करने में सक्षम थे कि पैसा कैसे काम

करता है, कोई इसे कैसे बनाता है, प्रबंधित करता है और निवेश करता है, और इसे दूसरों की मदद के लिए खर्च भी करता है। दो दिवसीय कार्यशाला की मेजबानी प्रो. जया भसीन और डॉ. शाहिद मुश्ताक ने की। समारोह अंततः सीसी के संकाय सदस्य श्री कोहित तारगोत्रा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ।

- **सामुदायिक कॉलेज ने बी.वॉक (टीएम), तृतीय सत्र के लिए 13-12-2022 कैंपस नियुक्ति ड्राइव को आयोजित की**

कम्युनिटी कॉलेज, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय) ने भर्ती एजेंसी ईज माई ट्रिप के साथ बी वॉक (पर्यटन प्रबंधन) के छात्रों के लिए एक कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया। ईज माई ट्रिप कॉरपोरेट्स को

संपूर्ण यात्रा समाधान प्रदान करने के लिए तीन अलग-अलग वितरण चैनलों वाला एक प्रतिष्ठित उद्यम है। ईज माई ट्रिप की एक टीम ने कॉलेज का दौरा किया और छात्रों के साथ बातचीत की और उन्हें पर्यटन और यात्रा उद्योग के क्षेत्र में देश में कैरियर के अवसरों के बारे में बताया। बातचीत के बाद कैंपस भर्ती अभियान चलाया गया जिसमें बीवोक (टीएम), तीसरे सेमेस्टर के 04 छात्रों का चयन किया गया। चयनित उम्मीदवारों में श्री वानी बिलाल, श्री हर्ष परिहार, असफ़र खान और एम रघुराम शामिल हैं। अपने स्वागत भाषण में कम्युनिटी कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. जया भसीन ने विशेष रूप से व्यावसायिक शिक्षार्थियों के लिए कॉलेज में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभा को सूचित किया कि कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव जैन की समग्र देखरेख में आयोजित किया गया था, जो कॉलेज के पास-आउट छात्रों को समय पर उद्योग में उचित स्थान पाने के लिए बहुत उत्सुक थे। अतिथियों और अभ्यर्थियों का स्वागत करते हुए, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के टीपीओ श्री विराज मंगोत्रा ने कहा कि कोविड के बाद के युग में, बाजार संचालित प्रशिक्षण और छात्रों को उनकी उचित तकनीकी भूमिकाओं में समय पर नियुक्ति समय की मांग है। कार्यक्रम समन्वयक श्री राहुल ठाकुर ने शिक्षार्थियों के बीच सूचना प्रौद्योगिकी और भाषा दक्षता, संचार कौशल, मात्रात्मक योग्यता, कार्य और जीवन कौशल जैसे 21 वीं सदी के मूलभूत कौशल विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि उन्हें अत्यधिक प्रतिस्पर्धी वैश्विक नौकरी बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने और बनाए रखने में मदद मिल सके। बीवीओसी उपाधि पाठ्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. शाहिद मुश्ताक ने नौकरी बाजारों के बदलते परिदृश्य और तेजी से बदलते समय और रुझानों के अनुरूप व्यावसायिक

शिक्षार्थियों को तैयार करने की आवश्यकता के बारे में बात की। श्री विराज मगोत्रा, टीपीओ ने श्री राहुल ठाकुर और डॉ. शाहिद मुश्ताक के साथ पूरे कार्यक्रम का समन्वय किया।

❖ बी.वॉक (खुदरा प्रबंधन) की नियुक्ति ड्राइव आयोजित की

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव जैन के संरक्षण में बिजनेस डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव के पद के लिए कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया के माध्यम से अग्रणी रिटेल कंपनी कैपसंस द्वारा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की गई। प्रो.संजीव जैन ने सफल अभियान के संचालन के लिए टीपीओ और कॉलेज के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को अग्रणी रिटेल कंपनी में प्लेसमेंट के लिए बधाई दी। यह अभियान कम्युनिटी कॉलेज और टीपीओ ऑफिस जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किया गया था। कैप्सन एक भारतीय समूह है, जिसका मुख्यालय भारत के मोहाली में है। कैप्सन उत्तर भारत में अपने ग्राहकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड बेचने वाला पहला भारतीय संगठन है और शॉप इन शॉप अवधारणा और आधुनिक रिटेल पेश करने वाली पहली खुदरा श्रृंखला भी है। यह सभी आयु समूहों के लिए सबसे आधुनिक और वैश्विक ब्रांडेड कपड़ों के लिए "वन-स्टॉप डेस्टिनेशन" है। यह एमाजोन (सैलर फलैक्स) , फलिपकार्ट (लाइट), पेटीएम के साथ प्रमुख विक्रेता

भी है। टाटा क्लिक लाइमरोड, फर्स्ट क्राई आदि जैक एंड जोन्स, वेरो मोडा, एरो, इज़ोड, अमांटे, पेपे जीन्स, यूएस पोलो असन, फ्लाइंग मशीन, इंडियन टेरेन, एड हार्डी, एयरोपोस्टेल कैप्सन के तहत कुछ ब्रांड हैं। प्रक्रिया कंपनी के अधिकारियों श्री अनुज परमार, सीनियर एचआर मैनेजर और श्री मनीष डंगवाल, सीनियर एमजीआर ऑपरेशंस द्वारा व्यक्तिगत साक्षात्कार के बाद प्री-प्लेसमेंट संबोधन के साथ शुरू हुई। प्लेसमेंट ड्राइव में बी वॉक खुदरा प्रबंधन के छात्रों को आकर्षक पैकेज पर प्लेसमेंट मिला। इससे पहले, कम्युनिटी कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. जया भसीन, कम्युनिटी कॉलेज के नोडल अधिकारी डॉ. शाहिद मुश्ताक के साथ कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नीलिका अरोड़ा और डॉ. गौहर रसूल ने विश्वविद्यालय की ओर से पूरी टीम का औपचारिक स्वागत किया। श्री विराज मगोत्रा, टीपीओ ने पूरे कार्यक्रम का समन्वयन किया।

बी.वॉक बीएफएस 6वें सत्र के लिए नियुक्ति प्रक्रिया आयोजित की

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो.संजीव जैन के संरक्षण में पीआई पद के लिए कैंपस नियुक्ति प्रक्रिया के माध्यम से आईसीआईसीआई फाउंडेशन की एक प्रमुख सीएसआर पहल आईसीआईसीआई फाउंडेशन द्वारा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामुदायिक कॉलेज में नियुक्ति ड्राइव आयोजित की गई थी। प्रो.संजीव जैन ने सफल अभियान के लिए टीपीओ और कॉलेज के प्रयासों की सराहना की और अग्रणी कंपनी में नियुक्ति के लिए छात्रों को बधाई दी। यह अभियान सामुदायिक कॉलेज और जम्मू के टीपीओ कार्यालय केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किया गया था। आजीविका को सक्षम करने के आदर्श वाक्य के साथ आईसीआईसीआई फाउंडेशन, आईसीआईसीआई बैंक के भीतर स्थापित एक सामाजिक पहल समूह है। सुश्री प्रिया ने आईसीआईसीआई फाउंडेशन के मानव संसाधन प्रमुख के साथ अभियान का समन्वय किया। कौशल विकास और टिकाऊ आजीविका आईसीआईसीआई फाउंडेशन द्वारा प्रदान की जाती है। टीम द्वारा समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार किए गए थे। नियुक्ति ड्राइव में, बी. वॉक खुदरा प्रबंधन और बैंकिंग और फाइनेंस के छात्रों को एक आकर्षक पैकेज पर रखा गया। इससे पहले सामुदायिक कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो.जया भसीन, सामुदायिक कॉलेज के नोडल अधिकारी डॉ. शाहिद मुश्ताक ने कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नीलिका अरोड़ा, डॉ. गौहर रसूल, डॉ. नरेश कुमार और श्री आसिफ अली के साथ विश्वविद्यालय की ओर से पूरी टीम का औपचारिक स्वागत किया। टीपीओ विराज मगोत्रा ने पूरे आयोजन का समन्वय किया।

❖ जम्मू के सामुदायिक कॉलेज केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 25 जनवरी 2023 को नियुक्ति ड्राइव का आयोजन किया

एक अग्रणी बीमा कंपनी स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामुदायिक कॉलेज में नियुक्ति ड्राइव आयोजित की गई थी। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो.संजीव जैन के संरक्षण में व्यवसाय विकास कार्यकारी और विकास अधिकारी के पद के लिए कैंपस नियुक्ति प्रक्रिया। प्रो.संजीव जैन ने अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए टीपीओ और कॉलेज के प्रयासों की सराहना की और अग्रणी कंपनी में नियुक्ति के लिए छात्रों को बधाई दी। यह अभियान सामुदायिक कॉलेज और जम्मू के टीपीओ कार्यालय केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किया गया था। भारत के पहले स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा प्रदाता के रूप में 2006 में परिचालन शुरू करते हुए, स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड स्वास्थ्य, व्यक्तिगत दुर्घटना और विदेशी यात्रा बीमा आदि में स्टर्लिंग सेवाएं प्रदान कर रही है। हमारे प्रयास हमेशा सेवा उत्कृष्टता और उत्पाद नवाचार पर रहे हैं, जिसमें हमारे ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। स्टार हेल्थ के पास सभी को पूरा करने के लिए उत्कृष्ट उत्पाद हैं, चाहे वह व्यक्ति, परिवार या कॉर्पोरेट घराने हों। नियुक्ति ड्राइव में, बी वॉक बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं के छात्रों को एक आकर्षक पैकेज पर रखा गया। इससे पहले सामुदायिक कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो.जया भसीन, सामुदायिक कॉलेज के नोडल अधिकारी डॉ. शाहिद मुश्ताक ने कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नीलिका अरोड़ा, डॉ. गौहर रसूल और आसिफ अली के साथ कॉलेज की ओर से पूरी टीम का औपचारिक रूप से स्वागत किया। डॉ. शाहिद मुश्ताक और श्री विराज मगोत्रा, टीपीओ ने सामुदायिक कॉलेज के प्रिंसिपल की देखरेख में पूरे कार्यक्रम का समन्वय किया।

❖ **कम्युनिटी कॉलेज, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने को बीवोक बी 2023 फरवरी 7 खुदरा प्रबंधन , छठे सेमेस्टर के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया।**

शॉपर्स स्टॉप की ओर से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कम्युनिटी कॉलेज में प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की गई। शॉपर्स स्टॉप पूरे परिवार की जरूरतों को पूरा करने वाले परिधान, इत्र, सहायक उपकरण, सौंदर्य प्रसाधन, जूते, घरेलू सजावट और साज-सज्जा के लिए अग्रणी अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय ब्रांडों का घर है। यह अपने ग्राहकों को एक यादगार अंतरराष्ट्रीय खरीदारी अनुभव प्रदान करना चाहता है। मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव के पद के लिए कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव जैन के संरक्षण में आयोजित की गई थी। प्रो. संजीव जैन ने सफल अभियान के संचालन के लिए कॉलेज के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को अग्रणी कंपनी में प्लेसमेंट के लिए बधाई दी। इस अभियान की शुरुआत कम्युनिटी कॉलेज सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू द्वारा की गई थी। प्लेसमेंट ड्राइव में बी वॉक रिटेल मैनेजमेंट और बैंकिंग एंड फाइनेंस के छात्रों को आकर्षक पैकेज पर प्लेसमेंट मिला। इससे पहले, कम्युनिटी कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. जया भसीन, कम्युनिटी कॉलेज के नोडल अधिकारी डॉ. शाहिद मुश्ताक के साथ कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नीलिका अरोड़ा, डॉ. गौहर रसूल, डॉ. नरेश कुमार और श्री आसिफ अली ने विश्वविद्यालय की ओर से पूरी टीम का औपचारिक स्वागत किया।

❖ **प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन**

संकाय सदस्यों, छात्रों और शोधार्थियों ने 27-01-2023 को परीक्षा पे चर्चा 2023 में भाग लिया।

27-01-2023 को आयोजित परीक्षा पे चर्चा 2023 के छठे संस्करण में सामुदायिक कॉलेज के संकाय सदस्यों और छात्रों की भागीदारी देखी गई। इस पहल के तहत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हर साल परीक्षा पे चर्चा सत्र के माध्यम से छात्रों से बातचीत करते हैं, जो उन छात्रों के लिए बेहद मददगार साबित होता है, जो परीक्षा की तैयारी के दौरान भारी दबाव और तनाव से गुजरते हैं। इस बातचीत के माध्यम से, छात्रों को दबाव से निपटने और जीवन के कई अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में पता चलता है। छात्रों को सहज बनाने के लिए आयोजित की गई यह बातचीत शिक्षकों और अभिभावकों के लिए भी मददगार साबित हुई है। अपने उद्घाटन के बाद से 'परीक्षा पे चर्चा' न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर के छात्रों के लिए फायदेमंद साबित हुई है। पीएम ने बातचीत को बहुत जीवंत बना दिया जिससे शिक्षार्थियों को परीक्षा के दबाव से सही दिशा में निपटने में मदद मिली। प्रधानमंत्री ने विभिन्न दबावों से निपटने के लिए रचनात्मक और अनूठे विचार साझा किए, जिनसे एक छात्र कई पहलुओं में खुद को साबित करने की प्रक्रिया से गुजरता है।

➢ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सामुदायिक कॉलेज द्वारा प्रिंसिपल, सीसी और नोडल ऑफसर, सीसी की समग्र देखरेख में सामाजिक इंटर्नशिप की गई। बी.वॉक (खुदरा प्रबंधन), बी.वॉक (बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं) और बी.वॉक (पर्यटन प्रबंधन) के छात्रों ने आउटरीच गतिविधि में भाग लिया।

➢ क्षेत्र दौरे शैक्षिक यात्रा को आयोजित / औद्योगिक यात्रा /क्षेत्र दौरा

सामुदायिक कॉलेज ने 09-02-2023 को जम्मू एवं कश्मीर उद्यमिता विकास संस्थान (जेकेईडीआई), बाड़ी ब्राह्मणा क्षेत्रीय परिसर में बी.वॉक खुदरा प्रबंधन और बी.वॉक बैंकिंग और वित्तीय सेवा पाठ्यक्रमों के व्यावसायिक शिक्षार्थियों के क्षेत्र दौरे का आयोजन किया।

सामुदायिक कॉलेज का यह प्रयास है कि वह शिक्षार्थियों में उद्यमशीलता की भावना पैदा करने और उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने की क्षमता का उपयोग करने के लिए इस प्रकार के एक्सपोजर / फील्ड दौरे आयोजित करे। यात्रा के दौरान शिक्षार्थियों ने र फॉर इनोवेशन, ऊष्मायन एंड बिजनेस मॉडलिंग (सीआईआईबीएम) का दौरा किया ताकि यह पता चल सके कि ऊष्मायन केंद्र युवाओं को नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी निर्माता बनने की सुविधा कैसे प्रदान करता है। कार्यक्रम जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो.संजीव जैन के संरक्षण में आयोजित किया गया और सीसी की प्रिंसिपल प्रो.जया भसीन की देखरेख में बी.वॉक कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. शाहिद मुश्ताक ने दौरे का समन्वय किया। श्री केतन भट और श्री कोहित तरगोत्रा इस प्रयास में छात्रों की सहायता की।

➢ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर :02

❖ सामुदायिक कॉलेज, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ दिसंबर, 2022 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामुदायिक कॉलेज ने स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। चेन्नई में छात्र प्रशिक्षण और नियुक्ति, कौशल विकास, कार्यकारी विकास/क्षमता निर्माण कार्यक्रम, संयुक्त व्याख्यान और/या संगोष्ठियों/संगोष्ठियों/सम्मेलनों/उद्योग बैठकों आदि का आयोजन और व्यावसायिक

शिक्षार्थियों के लिए संयुक्त प्रमाणन/उद्योग प्रायोजित प्रमाणन/कार्यक्रम और पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम के विकास और आवधिक संशोधन के लिए इनपुट शामिल होंगे। समझौता ज्ञापन पर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव आचार्य यशवंत सिंह और स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के जम्मू एवं कश्मीर के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक श्री करण पासी ने कुलपति, प्रो.संजीव जैन , स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस के प्रतिनिधियों और व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के संकाय सदस्यों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। प्रो.संजीव जैन , कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह के सहयोग से छात्रों के व्यावसायिक विकास के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के अलावा शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने में मदद मिलेगी। आचार्य जैन ने कहा कि वह जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामुदायिक कॉलेज को कौशल पारिस्थितिकी तंत्र और व्यावसायिक शिक्षा में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग के साथ इस तरह के और सहयोग की उम्मीद कर रहे हैं। श्री करण पासी ने सामान्य रूप से बैंकिंग उद्योग और विशेष रूप से बीमा उद्योग में व्यावसायिक शिक्षार्थियों के लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में बात की। श्री करण पासी ने घोषणा की कि सामुदायिक कॉलेज में नामांकित व्यावसायिक शिक्षार्थियों के लिए स्टार हेल्थ द्वारा सक्षम कार्यक्रम के तहत एक उद्योग प्रमाणन पाठ्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

प्रो. यशवंत सिंह ने उपस्थित लोगों को बताया कि समझौता ज्ञापन के तहत परिकल्पित गतिविधियों की आवधिक समीक्षा के लिए एक सलाहकार समिति का गठन किया जाएगा। उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के संकाय सदस्यों और सामुदायिक कॉलेज की टीम द्वारा किए गए सहयोगात्मक कार्यों के लिए पहल की सराहना की।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत सामुदायिक कॉलेज की प्राचार्या प्रो.जया भसीन के स्वागत भाषण से हुई। इस अवसर पर उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह के उद्योग-शिक्षा सहयोग से न केवल दो साझेदार संस्थानों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी, बल्कि इससे छात्रों के व्यावसायिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

कम्यूनिटी कॉलेज के नोडल अधिकारी डॉ. शाहिद मुश्ताक ने कॉर्पोरेट सेक्टर के साथ हाथ मिलाने पर अपनी खुशी साझा करते हुए एमओयू के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह सहयोग न केवल अकादमिक पहल और औद्योगिक अभिविन्यास के माध्यम से हितधारकों के कौशल को विकसित करने में मदद करेगा, बल्कि उनके लिए नियुक्ति के नए अवसर भी प्रदान करेंगा । उन्होंने बताया कि स्टार हेल्थ द्वारा संचालित किए जाने वाले उद्योग प्रमाणन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सामुदायिक कॉलेज के 50 से अधिक छात्रों का एक बैच पहले ही पंजीकरण करा चुका है। इस अवसर पर स्टार हेल्थ, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय और सामुदायिक कॉलेज के प्रतिनिधि जो एमओयू हस्ताक्षर समारोह के दौरान उपस्थित थे, उनमें श्री संजय सहगल, श्री इंद्रप्रीत सिंह, आचार्य देवानंद, श्री एम इकबाल, डॉ. नीलिका अरोड़ा, डॉ. गौहर रसूल, डॉ. रंजीत कुमार रमन, श्री राहुल ठाकुर, डॉ. नरेश कुमार, डॉ. सलिल सेठ, डॉ. अंजू थापा शामिल थे। डॉ. शाहिद मुश्ताक और डॉ. नीलिका अरोड़ा ने प्रिंसिपल, सीसी की समग्र देखरेख में कार्यक्रम का समन्वय किया, डॉ. नीलिका अरोड़ा, कार्यक्रम समन्वयक बी.वॉक (खुदरा प्रबंधन) ने कार्यक्रम की कार्यवाही का संचालन किया।

❖ **सामुदायिक कॉलेज, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने बाड़ी ब्राह्मणा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (बीबीआईए), सिडको औद्योगिक परिसर बाड़ी ब्राह्मणा जम्मू दिसंबर, 2022 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए । सहयोग के प्रस्तावित क्षेत्र निम्नानुसार हैं:**

- स्थानीय औद्योगिक इकाइयों के औद्योगिक और एक्सपोजर दौरे
- कॉर्पोरेट विसर्जन और नेतृत्व विकास कार्यक्रम

- प्रौद्योगिकी और सामाजिक उद्यमों के क्षेत्रों में ऊष्मायन।
- परसपर स्वांदात्मक सत्र आदि के आयोजन के लिए पारस्परिक सहयोग और सहायता।
- स्थानीय औद्योगिक इकाइयों को पारस्परिक रूप से सहमत नियमों और शर्तों पर परामर्श सेवाएं।

➢ **संकाय उपलब्धि**

क्रम सं	संकाय का नाम	कार्यशालाएं/एफडीपी/ ऑनलाइन पाठ्यक्रम / सेमिनार / सम्मेलन (राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)
01	प्रो. जया भसीन	11
02	डॉ. शाहिद मुश्ताक	13
03	श्री कोहित तारगोत्रा	03
04	सुश्री विभु जौहर	02
05	सुश्री परमदीप कौर	02
06	श्री केतन भट्ट	05

श्री केतन भट्ट को मार्च 2023 में वियतनाम में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुति के लिए वित्तीय सहायता मिली

सामुदायिक कॉलेज के अतिथि संकाय श्री केतन भट्ट ने एक सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। "सहयोग संवर्धन - वियतनाम के भारत और दक्षिण मध्य प्रांत", सम्मेलन का आयोजन वियतनाम में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा किया गया था और यात्रा को इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा प्रायोजित किया गया था। श्री भट्ट की प्रस्तुति का शीर्षक "पर्यटन के नेतृत्व में समावेशी विकास: विकासशील राष्ट्रों के लिए समस्याएं और संभावनाएं" था।

- "आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर" के साथ संकाय प्रकाशन (01.04.2022 से 31.03.2023 तक)

क्रम सं	**आलेख/पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन संख्या**	**प्रकाशन का वर्ष**
01	**यात्रा उद्योग पर कोरोना वायरस महामारी का वैश्विक प्रभाव**	978-93-91932-17-6	2023
02	**यात्रा**	978-18-00377-47-9	2022

03	**कोविड संकट और पर्यटन स्थिरता: एक व्यावहारिक बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण**	2071-1050	2022
04	**पर्यटन स्थिरता और कोविड-19 महामारी: क्या कोई सकारात्मक पक्ष है?**	2071-1051	2022
05	**शैक्षणिक संस्थानों में पुस्तकालय सुरक्षा मुद्दों पर अध्ययन का बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण**	1536-7967	2022
06	**हिमाचल प्रदेश, भारत में स्नातक स्तर पर पर्यटन में व्यावसायिक शिक्षा: उद्योग की अपेक्षाओं और अकादमिक वितरण के बीच अंतर की खोज**	1448-0220	2022

विद्यालय एवं विभाग

गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

भाषा विद्यालय

- हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
- अंग्रेजी भाषा विभाग

हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

I. संक्षिप्त परिचय:-

जम्मू एवं कश्मीर राज्य के जम्मू क्षेत्र की भाषाई संरचना और स्थानीय मांग को ध्यान में रखते हुए अगस्त 2015 में हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। इस विभाग को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य इसे राष्ट्रभाषा हिंदी और साहित्य के अध्ययन और शोध के साथ-साथ अन्य भारतीय और स्थानीय भाषाओं के अध्ययन का मुख्य केंद्र बनाना था। विभाग एम. ए (हिंदी), पीएचडी (हिंदी) पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है। विभाग नए विषयों-रचनात्मक लेखन, पटकथा लेखन, पत्रकारिता, अनुवाद आदि के रोजगारपरक शिक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग हिंदी भाषा, साहित्य और अंतर-अनुशासनात्मक भारतीय भाषाओं को पढ़ाकर भारतीय सभ्यता, संस्कृति, दर्शन और सामाजिक-राजनीतिक चुनौतियों को प्रस्तावित करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग प्राचीन, मध्ययुगीन, अनुष्ठान, आधुनिक साहित्य, निबंध , भाषाई, कविता और तुलनात्मक अध्ययन आदि पर शोध कार्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग प्रतिबद्ध है कि छात्रों को सामाजिक रूप से जागरूक होना चाहिए और समाज की प्रगति के प्रति उन्मुख होना चाहिए। विभाग छात्रों की बेहतरी के लिए नियमित रूप से विभिन्न सम्मेलनों, सेमिनारों और विशेष व्याख्यान आदि का आयोजन करता है। विभाग 'रचना से मुलाकात', 'आचार्य रघुवीर व्याख्यान माला', 'काव्य-गोष्ठी' आदि जैसी विभिन्न श्रृंखलाओं का आयोजन कर रहा है। छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए, विभाग दीवार पत्रिका 'शारदा' प्रकाशित करता है। विभाग अपने छात्रों को पाठ्यक्रम और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों की इमानदारी से समीक्षा और अद्यतन के माध्यम से रोजगार बाजार और अनुसंधान में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम – एम. ए हिंदी, पीएच

संकाय का विवरण: –

क्रम.सं	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	प्रो.रसाल सिंह	आचार्य	आधुनिक कविता, भक्ति कविता, हिंदी कथा साहित्य, मीडिया अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन, पूर्वोत्तर अध्ययन, जम्मू-कश्मीर अध्ययन, समकालीन सामाजिक-राजनीतिक मुद्दे आदि।
2.	डॉ. शशांक शुक्ला	सह आचार्य	हिंदी अलोचना, हिंदी साहित्य का इतिहास, गद्य साहित्य, भारतीय साहित्य शास्त्र, हिंदी साहित्य
3.	डॉ. वंदना शर्मा	सहायक आचार्य	कथा साहित्य, हिंदी अलोचना, आधुनिक काव्य, भारतीय साहित्य, अनुवाद
4.	डॉ. विनय कुमार शुक्ला	सहायक आचार्य	आदिकालीन काव्य ईवीएम निर्गुण साहित्य, भक्तिकलीन साहित्य, संस्कृत कविता

5.	डॉ. रत्नेश कुमार यादव	सहायक आचार्य	कथा साहित्य, (हिंदी साहित्य का इतिहास, पश्चात्य काव्यशास्त्र, भारतीय साहित्य, हिंदी पत्रकारिता, हिंदी अलोचना
6.	डॉ. अरविंद कुमार यादव	सहायक आचार्य	भाषाविज्ञान और शैलीविज्ञान

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार**

क्रम सं.	**तिथि**	विषय	**प्रकार**
1.	03-04 नवंबर, 2022	स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रीय एकीकरण में हिंदी भाषा और साहित्य का योगदान	राष्ट्रीय संगोष्ठी

➢ **प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन:**

क्रम सं.	**तिथि**	**विषय**	**संसाधन व्यक्ति**
1.	16 नवंबर, 2022	कबीर की प्रसंगिता	प्रो. श्रद्धा सिंह
2.	23 फरवरी	रचना से मुलाकत	श्री ओम प्रकाश यति

➢ **विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन:**

क्रम सं.	**तिथि**	**उपाधि**	**प्रकार**
1.	14 सितंबर, 2022	काव्य कलश	काव्य गोष्ठी
2.	10 जनवरी, 2023	काव्य कलश	काव्य गोष्ठी
3.	21 फरवरी, 2023	अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस	कविता संगोष्ठी

➢ (01.04.2022 **से** 31.03.2023) **के दौरान आईआईएसएन एन"/आरआईएन नंबरके "आईएसबीएन नंबर/ साथ संकाय प्रकाशन**

डॉ. वंदना शर्मा

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1.	पंकज सुबीर की कहानियों में समकालीन प्रशंसा	2349-137X	2022
2.	स्त्री-शोषण के संदर्भ में रजनी मोरवाल की कहानियां	0975-735X	2022
3.	स्त्री पीड़ा का अख्यान 'बाबुल तेरे देश में'	2321-290X (P), 2349-980X(E)	2022
4.	सामाजिक व्यवस्था : चिंतन एवं चुनौतियाँ	0975-735X	2023
5.	आदिवासी शोषण और चेतना की गाथा ('हुल पहाड़िया' और 'महारणय में गिद्ध' के विशेष संदर्भ में)	2321-6131	2023

डॉ. विनय कुमार शुक्ला

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1.	हिंदी गज़ल में समाजिक सरोकारों की व्याप्ति	2321-1504 यूजीसी केयर सूची बद्ध	2022

संगोष्ठी में भाग लिया:

डॉ. विनय कुमार शुक्ला

क्रम सं	सेमिनार और आलेख का शीर्षक	दिनांक और वर्ष	आयोजक	प्रस्तुतकर्ता
1.	स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रीय एकीकरण में हिंदी भाषा और साहित्य का योगदान	03-04, नवंबर-2022, आईसीएसएसआर	हिंदी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	आलेख प्रस्तुत किया गया
2.	हिंदी गज़ल में राम की परिक्रमा	10-11 जून, 2022	त्रिभुवन	आलेख प्रस्तुत

			विश्वविद्यालय	किया गया

प्रकाशित पुस्तकें:

क्रम सं	पुस्तक का शीर्षक	दिनांक और वर्ष	लेखक / संपादक
1.	गज़ल पंच शतक	2022	संपादक
2.	गज़ल त्रयोदश	2022	संपादक
3.	आधी आबादी की ग़जल	2023	संपादक

डॉ. रत्नेश कुमार यादव

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1.	हिमालय पर दर-ब-दर: पौराणिक इतिहास की खोज का यात्रा	2277-4270, यूजीसी-केयर लिस्ट	2022
2.	पद्म सचदेवा का रचना संसार	2454-6283,पीयर समीक्षा	2022
3.	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के साह में राष्ट्रीय स्वाधिता एवं क्रांति का स्वर	2321-1504, यूजीसी-केयर लिस्टेड	2022
4.	डॉ. शिव बहादुर सिंह भदौरिया का काव्य संसार	2277-9264, यूजीसी-केयर लिस्ट	2023

संगोष्ठी का आयोजन:

डॉ. रत्नेश कुमार यादव

क्रम सं	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक और वर्ष	आयोजक	भूमिका
1.	स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रीय एकीकरण में हिंदी भाषा	03-04, नवंबर-2022, आईसीएसएसआर	हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग, जम्मू केंद्रीय	सम्मेलन सचिव

	और साहित्य का योगदान		विश्वविद्यालय	

संगोष्ठी में भाग लिया:

डॉ. रत्नेश कुमार यादव

क्रम सं	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक और वर्ष	आयोजक	प्रस्तुतकर्ता
1.	स्वाधीनता के संघर्ष में हिंदी का योगदान: उत्तर भारत के विशेष संदर्भ में"	14 सितंबर, 2022	हिंदी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोनो हिल्स, दोइमुख, अरुणाचल प्रदेश,	आलेख प्रस्तुत किया गया

डॉ. अरबिंद कुमार यादव

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
	'सूरज को अंगूठा' कविता के होने का अर्थ (शीर्षक पुस्तक: जितेंद्र श्रीवास्तव की प्रतिनिधि कवितायेन: एक मुल्यांकन , डॉ. चैन सिंह मीना, कलमकर पब्लिशर्स पीएल, नई दिल्ली)	987-93-92928-28-4	2022
	लौटना नहीं है' में स्त्री-जीवन (समीचिन, मुंबई (एम एस)	2250-2335	2022

सम्मेलन / संगोष्ठी में भाग लिया:

प्रस्तुत आलेख का शीर्षक	सम्मेलन का शीर्षक /	सेमिनार राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय	आयोजन	अवधि
स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी भाषा	स्वाधिनता आंदोलन और राष्ट्रीय एकीकरण में हिंदी भाषा और	राष्ट्रीय संगोष्ठी	हिंदी ईवीएम किसी भी भारतीय भाषा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय,	3-4/11/2022

	साहित्य का योगदान		सांबा (जम्मू एवं कश्मीर)	

अंग्रेजी विभाग

विभाग के संबंध में

वर्ष 2011 अंग्रेजी विभाग की स्थापना का वर्ष वही है में स्थापित विश्वविद्यालय का है। विभाग एम ए और पीएचडी स्तर पर उपाधि प्रदान करता है। विभाग में व्याख्यान, आईसीटी आधारित शिक्षण, समूह चर्चा, फिल्म स्क्रीनिंग, पेपर प्रस्तुति और बहस जैसे प्रतिभागी सत्रों के माध्यम से गहन शिक्षण अध्यापन किया जाता है। इसके अलावा, विभाग विभिन्न प्रकार के मंचों पर कक्षा के एवं कक्षा के बाहर दोनों जगह छात्रों को सलाह प्रदान प्रदान की जाती है। विस्तार व्याख्यान, संगोष्ठी, सम्मेलन और वार्तालाप अंतःविषय विषयों से पाठ्यक्रम तैयार किया जाता है । विभाग छात्रों को समकालीन संस्कृति और समाज में अन्य प्रकार की पाठ्य सामग्री के साथ साहित्य के अंतरफलक और अनुशासनात्मक कौशल के विभिन्न संभावित अनुप्रयोगों से परिचित कराने में विशिष्टता रखता है।

निम्न प्रस्तावित विभाग की विशिष्टता है:

- अनुवाद अध्ययन
- तुलनात्मक साहित्य
- संस्कृतियों में महिलाओं का लेखन

दूरदर्शिता

- विभाग को अकादमिक उत्कृष्टता, प्रासंगिक अनुसंधान और पेशेवर विशेषज्ञता के लिए एक केंद्र के रूप में कल्पना करना।

मिशन

- प्रारंभिक काल से लेकर आज तक, अंग्रेजी भाषा में लिखे गए साहित्य में भाषा की वैश्विक पहुंच और इसके सभी साहित्यिक अभिव्यक्तियों की विविधता और सीमा पर पर्याप्त ध्यान देने के साथ, विशेष रूप से उत्तर-औपनिवेशिक दुनिया में, एक संपूर्ण आधार प्रदान करना।
- छात्रों को साहित्यिक छात्रवृत्ति के उपकरणों से परिचित कराने और साहित्यिक अभिव्यक्तियों के सभी रूपों की व्याख्या और मूल्यांकन करने की उनकी महत्वपूर्ण क्षमता को तेज करने के लिए।
- छात्रों को उनकी व्यावसायिक दक्षताओं को सम्मानित करके विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के लिए तैयार करना।
- एक अच्छी तरह से संरचित पाठ्यक्रम और विश्वविद्यालय / सामुदायिक साझेदारी के माध्यम से एक वैश्विक विश्वदृष्टि को मजबूत करना।
- प्रौद्योगिकी और अंग्रेजी अध्ययन के बीच अंतराफलक को मजबूत करने के लिए।

अंग्रेजी विभाग के मुख्य क्षेत्र:

- तुलनात्मक अध्ययन
- नारीवाद / पोस्ट नारीवाद
- लिंग अध्ययन

- औपनिवेशिक/ उत्तर औपनिवेशिक
- अनुवाद अध्ययन
- सांस्कृतिक अध्ययन
- आदिवासी/दलित साहित्य
- जातीय साहित्य
- पर्यावरण अध्ययन

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

- एम ए अंग्रेजी
- पीएच.डी. पाठ्यक्रम

संकाय का विवरण: –

क्रम सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	प्रो.वंदना शर्मा	आचार्य	पोस्टकोलोनियल अध्ययन, अनुवाद अध्ययन, भारतीय साहित्य, दक्षिण एशियाई साहित्य, लिंग अध्ययन, फिल्म अध्ययन, पर्यावरण मानविकी।
2.	डॉ. राजेश के.	सह आचार्य	संचार कौशल, अकादमिक लेखन, साहित्यिक सिद्धांत, भारतीय साहित्य, दलित साहित्य, सांस्कृतिक अध्ययन
3.	डॉ. नीना गुप्ता विज	सहायक आचार्य	महिला अध्ययन, पोस्ट औपनिवेशिक अध्ययन, डायस्पोरा अध्ययन, मिथक अध्ययन, अमेरिकी साहित्य, समकालीन कथा
4.	डॉ. एम.ए.ए. फारूक		उत्तर औपनिवेशिक अध्ययन, तुलनात्मक साहित्य, उपमहाद्वीप का साहित्य
5.	डॉ. राज ठाकुर	सहायक आचार्य	महत्वपूर्ण सिद्धांत, सांस्कृतिक अध्ययन, लोकप्रिय संस्कृति, दृश्य संस्कृति
6.	डॉ. प्रवीण कुमारी	सहायक आचार्य	

➢ **विभाग में अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठियां/कार्यशालाएं/वेबिनार आयोजित**

- **1 अप्रैल, 2022:** ईएलटीएआई, जम्मू चैप्टर के सहयोग से अंग्रेजी अध्ययन भारतीय भाषाओं की तुलना में" :की फिर से कल्पनाएनइपी **2020** के कार्यान्वयन के लिए रोडमैपविषय पर एक हाइब्रिड एक दिवसीय " संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- **29 अप्रैल, 2022:** 29 अप्रैल, 2022: जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में थ्री-मिनट थीसिस प्रतियोगिता (3 एमटी) की सर्वोत्तम प्रथाओं में से एक की शुरुआत करने वाला पहला विभाग था। तीन मिनट की थीसिस प्रतियोगिता पीएचडी शोधार्थियों द्वारा किए गए रोमांचक शोध को प्रस्तुत करना है। क्वींसलैंड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित, 3एमटी शोधार्थियों के शैक्षणिक, प्रस्तुति और अनुसंधान संचार कौशल का मूल्यांकन करता है।
- **21-22 जुलाई 2022:** इकोक्रिटिकल संभाषणों की सीमाओं को फिर से तैयार करने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : साहित्यिक पर्यावरणवादऔर आवाजों की बहुलता।

- इकोक्रिटिकल निबंध और पोस्टह्यूमन टर्न पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 19-20 जनवरी, 2023

- **व्याख्यान व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन**
- प्रो. रामभाऊ बडोडे, प्रो., अंग्रेजी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई ने चुनिंदा :अफ्रीकी अमेरिकी नारीवाद" ग्रंथों से चित्रणके साथ भगिनी समाज की अवधारणापर व्याख्यान दिया "।

- जगदीश शर्मा, स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने "समकालीन समय में अनुवाद का महत्व" विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

➢ **जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन:**

- 2 अगस्त, 2022 को केवी स्कूल राया के छात्रों के लिए कक्षा नौवीं और दसवीं के लिए बोलचाल की अंग्रेजी पर सत्र।

➢ **समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए:**

- हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय और कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन
- कील विश्वविद्यालय, जर्मनी के साथ समझौता ज्ञापन

➢ **संकाय द्वारा वार्ता**

प्रो.वंदना शर्मा

- 1 जून, 2022 को Google मीट प्लेटफ़ॉर्म पर अंग्रेजी विभाग, कील विश्वविद्यालय, जर्मनी में द ब्रेस्ट स्टोरीज़ के विशेष संदर्भ में इकोफ़ेमिनिस्ट प्रतिमानों पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा 27 जुलाई से 9 अगस्त, 2022 तक आयोजित भाषाओं, तुलनात्मक साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन (भारतीय, अंग्रेजी, विदेशी और धार्मिक अध्ययन आदि) में दो सप्ताह के ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में रिसोर्स पर्सन और 27 जुलाई, 2022 को एनईपी 2020 की तुलना में अनुवाद अध्ययन विषय पर व्याख्यान दिया।

संकाय प्रकाशन

क्रम सं	**लेख /पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबी एन नंबर**	**प्रकाशन का वर्ष**
1.	प्रो. वंदना शर्मा अन्थ्रोपोसेंट्रिस्म टू बिओसेंट्रिस्म : एन इकोक्रिटिकल स्टडी ऑफ़ महाश्वेता देवी 'स बिटर साइल ". कानपूर फिलोसोफर्स , वॉल .9, अंक 1, 2022	डीओआई: 10.13140/RG.2.2.35942.91201 डीओआई: 10.13140/RG.2.2.35942.91201 आईएसएसएन	

		. 2348-8301	
2.	प्रो.वंदना शर्मा "रिक्लेमिंग एनवायरनमेंट , रेविसिटिंग मॉलडेवलपमेंट : ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ टी .एस . एलियट 'स द वास्ते लैंड एंड सराह जोसफ 'स गिफ्ट इन ग्रीन . कानपूर फिलोसोफर्स , वॉल .9, अंक 1, 2022.	आईएसएसएन 2277-7083. यूजीसी ने अप्रैल जून 2022 को मंजूरी दी	
3.	प्रो.वंदना शर्मा पैराडिगम्स ऑफ जैंडर एंड एनवायरनमेंट डिबेट इन महाश्वेता देवी 'स द हंट एंड दौलती द ब्यूटीफुल . आधुनिक साहित्य .	आधुनिक साहित्य आईएसएसएन 2277-7083। यूजीसी ने अप्रैल जून 2022 को मंजूरी दी।	
4.	प्रो.वंदना शर्मा पोस्टकोलोनिअल एसोफेमिनिस्म इन इंडिया : डिवेर्जेंट ट्राजेक्टोरिएस एंड इमर्जेंट वॉइसेस		
5.	प्रो.वंदना शर्मा कल्चरल इश्यूज इन इंग्लिश ट्रांसलेशन ऑफ़ बाबा जित्तो . आईयूपी जर्नल ऑफ़ इंग्लिश स्टडीज . स्कोपस इंडेक्स्ड , एब्सको एंड यूजीसी केयर लिस्ट	आईएसएसएन 770973372008 । मार्च 2022 https://web.p.ebscohost.com/abstract?site=ehost&scope	
6.	डॉ. नीना गुप्ता बिज 1. बिज , नीना गुप्ता . "पैन्डेमिक 2020: रथिंकिंग एथिकल क्युएस्तिओन्स ," इन एसपीएल जर्नल ऑफ़ लिटरेरी हेर्मेनेयुटिक्स , वॉल्यूम 3 अंक 1	आईएसएसएन: 2583-1674	2023
7.	बिज , नीना गुप्ता . स्टिरिंग डल रूट्स विद स्प्रिंग रेन : डेमिस्टिफयिंग वीमेन इन थे अर्ली पोएट्री ऑफ़ टी एल एलियट .	आईएसबीएन-9789387013735	2022

8.	डॉ. फारूक 1. "शोध , अपरपक्खा एंड भरोमोर क्यो गया: रीडिंग तस्लीमा नसरीन 'स क्लैशिंग नोशनस ऑफ़ ट्रेडिशन एंड मॉडर्निटी ". पृष्ठ. 60-68	आईएसएसएन: 2581-8333; प्रभाव कारक: 5.432 (एसजेआईएफ)	एसपी प्रकाशन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंग्लिश एंड स्टडीज (IJOES) एक अंतर्राष्ट्रीय पीयर-रिव्यूजर्नल वॉल्यूम -4, अंक -5 (मई अंक), 2022
9.	2. "लज्जा , फेरा एंड फोरशि प्रेमिक : अनरविलिंग तस्लीमा नसरीन 'स ह्यूमनिस्ट इम्पल्स थ्रू डेपिक्शन ऑफ़ पैथोस ." पृष्ठ. 295-299	ई-आईएसएसएन: 2348-1296, पी-आईएसएसएन: 2349:5138	विश्लेषणात्मक समीक्षा: एक अंतर्राष्ट्रीय ओपन एक्सेस पीयर-समीक्षा की गई रेफरी जर्नल. खंड 9, अंक 4, मई, 2022। प्रभाव कारक: 7.17E-
10.	3. "इस्लाम में दहेज की अवधारणा और पूर्वोत्तर भारत में इसकी प्रथाएं"। पृष्ठ 49-57	आईएसएसएन 2582 8002	अंतर्दृष्टि: कला और मानविकी के लिए अंतर्राष्ट्रीय बहुभाषी जर्नल . (पीयर रिव्यू एंड रेफरेस्ट), वॉल्यूम 2, अंक 5, जुलाई, 2022, यूनिवर्सिटी रिसर्च पब्लिकेशंस, एर्नाकुलम, केरल।
11.	4. इंटररॉगटिंग कॉन्सेप्ट्स ऑफ़ एक्विवैलेन्स एंड फिडेलिटी इन ट्रांसलेशन : द कॉन्टेक्स्ट ऑफ़ उमराओ जान अदा " पृष्ठ. 125-129	आईएसएसएन: 2456: 6683, प्रभाव कारक: 5.743	अंग्रेजी भाषा, साहित्य और भाषाविज्ञान में वैश्विक रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। विशेष अंक (पीयर-रिव्यू, रेफरी और इंडेक्स्ड) -26, अक्टूबर 2022
12.	डॉ. राज ठाकुर	आईएसएसएन	2023

	प्रकाशित शोधपत्र : उदय सिंह की फिल्म पोखरण: ए नॉवेल में डेवलपटैलिटी एंड एप्यूज स्केप्स: ए रीडिंग ऑफ न्यूक्लियर डेजर्ट स्पेस	2277-4521 (साहित्यिक आवाजा विज्ञान का वेब, ईएससीआई जर्नल)।	
13.	(स्वीकृत आलेख) "नवउदारवादी प्रजनन बाजारों में प्रजनन प्रौद्योगिकियों के जैव उपभोक्ताओं के रूप में बॉलीवुड हस्तियां: लोकप्रिय सार्वजनिक निबंध का एक अध्ययन"	सांस्कृतिक अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल . आईएसएसएन-13678779 सेज प्रकाशना युनाइटेड किंगडम। (एसएससीआई/ स्कोपस इंडेक्सेड)	2022
14.	डॉ. प्रवीण कुमारी 1. संपादित पुस्तक का सह-संपादन वायलेंस एंड जेंडर डिस्परिटीज़ अगेंस्ट वीमेन : ए ग्लोबल सिनेरियो पब्लिश्ड वाय वाइट फाल्कन पब्लिशिंग , (इंटरनेशनल).	आईएसबीएन - 13: 9781636406299	2022
15.	2. "द फियर ऑफ़ द 'ओथेरनेसस' इन फातिमा फरहीन मिर्जास 'स ए प्लेस फॉर अस " (200-16) इन द एडिटेड बुक टाइटल्ड ड्रिफ्टिंग डीएसपोरिक वॉइसेस : इनसाइट्स इनटू मल्टीफेरियस नेरेटिवस (2022) पब्लिश्ड बाय एसोसिएटेड पब्लिशिंग हाउस , इंडिया , नेशनल	आईएसबीएन 978-93-81778-93-7	

आधारिक विज्ञान एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग

- कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
- गणित विभाग
- भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग
- रसायन शास्त्र एवं रसायन विज्ञान विभाग
- सूक्ष्म विज्ञान एवं पदार्थ विभाग

कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

1. संक्षिप्त परिचय:-

आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय के तत्वावधान में कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग वर्ष 2012 में स्थापित किया गया था, अनुसंधान, आउटपुट, बाजार परिदृश्य और उद्योग आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, विभाग यूजी (B.Tech), पीजी (M.Tech) और पीएचडी पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है। विभाग शैक्षणिक सत्र 2016-17 से पीएचडी अनुसंधान प्रस्तावित पाठ्यक्रम कर रहा है, और वर्तमान में 21 शोधार्थी हैं और विभिन्न अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में शोध कर रहे हैं। एआईसीटीई अनुमोदित एम.टेक कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2017-18 से 30 की प्रवेश के साथ शुरू किया गया है। विभाग ने डीआरडीओ के मेंटरशिप के तहत कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी एंड इंजीनियरिंग (साइबर सिक्योरिटी), आईआईएसटी-इसरो की मेंटरशिप के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी (एवियोनिक्स) में बी.टेक कार्यक्रम शुरू किया है। विभाग में अनुसंधान क्षेत्रों के विभिन्न क्षेत्रों के साथ छह उच्च योग्य और अनुभवी संकाय सदस्यों की एक टीम है। कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने वर्ष 2018, 2019, 2020, 2021 और 2022 में "कम्प्यूटिंग में हालिया नवाचार" (आईसीआरआईसी) के विषय पर चार अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

2. प्रस्तावित पाठ्यक्रम :–

- ✓ बी टेक

1. कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
2. डीआरडीओ की मेंटरशिप के तहत कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (साइबर सिक्योरिटी)
3. इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग
4. आईआईएसटी- इसरो के मेंटरशिप के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी (एवियोनिक्स)

- ✓ एम(टर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीकंप्यू) टेक.
- ✓ पीएच(कीकंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगि) .डी.

3. संकाय का विवरण :–

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ. देवानंद	आचार्य	कंप्यूटर सिमुलेशन और मॉडलिंग, ऑपरेशन रिसर्च, ग्रिड और क्लाउड कंप्यूटिंग
2	प्रो.यशवंत सिंह	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	इंटरनेट ऑफ थिंग्स, साइबर फिजिकल सिस्टम, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, साइबर सुरक्षा, एससीएडीए
3	डॉ. नीरेन्द्र कुमार	सह आचार्य	रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग

4	डॉ. भावना अरोड़ा	सहायक आचार्य	सूचना और साइबर सुरक्षा, एनएलपी, डेटा माइनिंग
5	डॉ. अरविंद सेलवाल	सहायक आचार्य	बायोमेट्रिक्स और पैटर्न रिकग्निशन, मशीन लर्निंग, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, सॉफ्ट कंप्यूटिंग
6	डॉ. दीप्ति मल्होत्रा	सहायक आचार्य	ग्रिड कम्प्यूटिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग

4. विभाग में अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठियां/कार्यशालाएं/वेबिनार आयोजित

- "कम्प्यूटिंग में हाल के नवाचार" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन(आईसीआरसी-2022)

कंप्यूटिंग में हालिया नवाचारों पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरआईसी-2022) 13 - 14 मई 2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू-कश्मीर में "बेहतर डिजिटल दुनिया के लिए समावेशी नवाचार" विषय पर आयोजित किया गया था। कंप्यूटर विज्ञान एव सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आईसीआरआईसी-2022 ने शोधार्थियों , शिक्षाविदों, उद्योगपतियों और छात्रों को साइबर सुरक्षा और साइबर-भौतिक प्रणालियों में हाल की तकनीकी प्रगति में अपने अनुभव और ज्ञान को बातचीत करने और साझा करने का अवसर प्रदान किया। इंटरनेट ऑफ थिंग्स, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, बिग डेटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स क्लाउड कंप्यूटिंग, कंप्यूटर नेटवर्क और इंटरनेट टेक्नोलॉजीज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सूचना सुरक्षा, डेटाबेस और वितरित कंप्यूटिंग और डिजिटल इंडिया। अध्यक्षीय भाषण में मुख्य अतिथि जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव जैन ने शोधकर्ताओं और प्रतिभागियों को कागजात और लेखों के संदर्भ में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान आउटपुट पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए से प्रो. श्रीनिवास तल्लूरी, बार्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन से प्रो. पेटिया राडेवा और आईआईटी रूड़की से प्रो.

कुसुम दीप ने मुख्य भाषण प्रस्तुत किया। सम्मेलन सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं में कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी के सभी प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान की तलाश करता है। यह इंजीनियरिंग, डिज़ाइन और अनुसंधान में अनुभवी उद्योग, सरकार और शिक्षा जगत के विशेषज्ञों को एक साथ लाता है। देश भर के 6 विभिन्न देशों और 15 राज्यों के शोधकर्ताओं/शिक्षाविदों से 162 से अधिक पांडुलिपियाँ प्राप्त हुईं, इनमें से 35 उच्च गुणवत्ता वाले शोध लेखों को मौखिक प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया गया है। आईसीएसआईसी-2022 को एसइआरबी - विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तीय रूप से समर्थित किया गया था और तकनीकी रूप से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में लेक्चर नोट्स (एलएनईई), स्प्रिंगर द्वारा प्रायोजित किया गया था।

- **"सुरक्षा में हालिया रुझान: आईओटी, ब्लॉकचेन और साइबर सुरक्षा - (आरटीएस -2022)" पर एक सप्ताह की एफडीपी / कार्यशाला**

कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी विभाग द्वारा 19 से 23 सितंबर 2022 तक ऑफलाइन और ऑनलाइन माध्यम में "सुरक्षा में हालिया प्रगति: आईओटी, ब्लॉकचेन और साइबर सुरक्षा" पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम / कार्यशाला का आयोजन किया गया था। एफडीपी ने विभिन्न सुरक्षा मूल्यांकन उपकरणों के साथ अनुभव के साथ साइबर-भौतिक प्रणालियों और आईओटी सुरक्षा की अंतर्दृष्टि प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित किया। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के कुल 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया। ईपीएएम सिस्टम के सीनियर सिक्योरिटी सिस्टम इंजीनियर पुनीत कुमार कौशल ने साइबर हमलों और एक सुरक्षित डिजिटल दुनिया के लिए विभिन्न समाधानों के बारे में चर्चा की। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी विभागाध्यक्ष प्रो.यशवंत सिंह ने विभिन्न सुरक्षा मूल्यांकन उपकरणों के साथ आईओटी/सीपीएस के मूल सिद्धांतों पर व्याख्यान दिया। आईआईटी जम्मू के कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. गौरव वार्ष्णेय ने छात्रों को विभिन्न वेब हमलों और प्रतिवादों से परिचित कराया। डॉ. सुदीप तंवर, आचार्य, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, निरमा विश्वविद्यालय ने छात्रों को ब्लॉकचेन तकनीक से परिचित कराया और विभिन्न विकास उपकरणों और रूपरेखाओं के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम की संयोजक सहायक आचार्य डॉ. भावना अरोड़ा थीं।

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

- **जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में एमओई के विज्ञान ज्योति कार्यक्रम के तहत शैक्षिक यात्रा**

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को विज्ञानज्योति कार्यक्रम (डीएसटी के तहत) के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय, शिक्षा मंत्रालय (स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग), भारत सरकार, जिला सांबा के ज्ञान भागीदारों में से एक के रूप में चुना गया था। इस कार्यक्रम के तहत सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (जीएचएसएस) सांबा और जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) सांबा की 33 छात्राओं ने विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों, विकास और

नवाचारों से खुद को परिचित करने के लिए 29/11/2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का दौरा किया। छात्रों ने केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू परिसर में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भविष्य की आकांक्षाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न विज्ञान धाराओं की विभिन्न अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का दौरा किया। उन्होंने कलाम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, सतीश धवन सेंटर फॉर स्पेस साइंस, हिमालयन एयरोसोल रिसर्च इंस्ट्रूमेंटेशन (एचएआरआई) सुविधा और विश्वविद्यालय के अन्य महत्वपूर्ण केंद्रों का भी दौरा किया। बातचीत के दौरान, माननीय कुलपति प्रो. संजीव जैन ने इस तरह की पहल की सराहना की और लड़कियों को विज्ञान में अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। प्रभारी रजिस्ट्रार और कंप्यूटर विज्ञान और आईटी विभाग के प्रमुख प्रो.यशवंत सिंह ने छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा किए गए नवाचारों, अनुसंधान केंद्रों, सुविधाओं और पहलों के बारे में जानकारी दी। सहायक आचार्य डॉ. भावना अरोड़ा ने कार्यक्रम का समन्वयन किया। जीएचएसएस, सांबा से सुश्री आदर्श बाला और श्री राकेश कुमार, और जेएनवी, सांबा, सांबा से श्री अशोक कुमार और सुश्री वंदना शर्मा ने अपने-अपने स्कूलों से छात्रों का मार्गदर्शन किया।

- **जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में समग्र शिक्षा के वर्ष 2022-23 के लिए राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत शैक्षिक यात्रा (आरएए)**

समग्र शिक्षा के वर्ष 2022-23 के लिए राष्ट्रीय अविष्कार अभियान (आरएए) के तहत केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में अध्ययन यात्रा का आयोजन 29/03/2023 को मुख्य शिक्षा अधिकारी कठुआ, श्री पीएल थप्पा की देखरेख में जेडईओ कठुआ, श्री मनोहर लाल द्वारा किया गया था। अध्ययन यात्रा में जोन कठुआ के हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों के मेधावी छात्र शामिल थे। गवर्नमेंट एचएसएस कठेरा, गवर्नमेंट एचएसएस जखबार, गवर्नमेंट एचएस लोगेट, गवर्नमेंट एचएस भेड़ ब्लोर, गवर्नमेंट एचएस खोख्याल, गवर्नमेंट

एचएस पारलीवंड, गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल कठुआ, गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल नगरी पैरोल, गवर्नमेंट

हाई स्कूल नगरी पैरोल से कुल 100 छात्र , गवर्नमेंट हाई स्कूल लच्छीपुर, गवर्नमेंट हाई स्कूल जराई, और गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल कठुआ बॉयज़ ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हाल के रुझानों, विकास और नवाचारों से परिचित होने के लिए 29/05/2023 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का दौरा किया। इसका उद्देश्य छात्रों को उच्च संस्थानों की बेहतर समझ हासिल करने में मदद करना और छात्रों को विश्वविद्यालय, इसकी सुविधाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों के बारे में अधिक जानने और जानने में सक्षम बनाना था, डॉ भावना अरोड़ा, सहायक आचार्य , और डॉ अरविंद सेलवाल, सहायक आचार्य , ने समन्वित कार्यक्रम का आयोजन किया।

5. **संकाय उपलब्धि**

प्रो. देवानंद

- 13/05/2022 - 14/05/2022 को कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी -2022) द्वारा आयोजित "कंप्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" के सत्र अध्यक्षता की।
- 13/05/2022 – 14/05/2022 को कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी -2022) द्वारा आयोजित "कम्प्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" की आयोजन समिति के सदस्य और समीक्षक रहे ।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी विभाग द्वारा 19/09/2022 से 23/09/2022 तक आयोजित "सुरक्षा में हालिया रुझान: आईओटी, ब्लॉकचेन और साइबर सुरक्षा-(आरटीएस -2022)" पर एक सप्ताह के एफडीपी/कार्यशाला के प्रधान संरक्षक रहे ।

प्रो. यशवंत सिंह

- 13/05/2022 - 14/05/2022 को कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी -2022) द्वारा आयोजित "कंप्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" के सत्र अध्यक्षता की ।
- 13/05/2022 – 14/05/2022 को कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी -2022) द्वारा आयोजित "कम्प्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" की आयोजन समिति के सदस्य और समीक्षक रहे।
- 19/09/2022 से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी विभाग द्वारा आयोजित "सुरक्षा में हालिया रुझान: आईओटी, ब्लॉकचेन और साइबर सुरक्षा- (आरटीएस -2022)" पर एक सप्ताह की एफडीपी / कार्यशाला के संरक्षक रहे।
- 19/01/2022-21/01/2022 से शैक्षिक प्रशासन विभाग, एनआईईपीए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शैक्षणिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर कार्यशाला सह अभिविन्यास कार्यक्रम" में भाग लिया।
- दिनांक 08/02/2022 को यूजीसी-एचआरडीसी, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजित "गुणवत्ता शिक्षण और अनुसंधान में ई-संसाधन और आईसीटी" पर एक व्याख्यान दिया।
- भाग लिया और "3" हासिल किया। RD शारीरिक शिक्षा निदेशालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "वार्षिक स्पोर्ट्स मीट कोम्बाटिका 2022" पर "मैराथन" में रैंक।

- 31/01/2023 को ग्रेजुएट स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, भारत के आचार्य के पद के लिए "चयन समिति के सदस्य" के रूप में नियुक्त किया गया।
- पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंस द्वारा संयुक्त रूप से 20/02/2023 से 25/02/2023 तक आयोजित "विंटर स्कूल-2023" में "कार्बोनेशियस एरोसोल: विश्लेषणात्मक तकनीक" नामक ट्रैक के सत्र अध्यक्ष रहे।
- पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी द्वारा 20/02/2023 से 25/02/2023 तक संयुक्त रूप से आयोजित "कार्बनयुक्त एरोसोल: विश्लेषणात्मक तकनीक" नामक "विंटर स्कूल-2023" के आयोजन में "प्रशंसा प्रमाण पत्र" प्राप्त किया।
- पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंस द्वारा 20/02/2023 से 25/02/2023 तक संयुक्त रूप से आयोजित "विंटर स्कूल-2023" में "कार्बनयुक्त एरोसोल: विश्लेषणात्मक तकनीक" नामक "डीप लर्निंग का उपयोग करके एरोसोल उत्सर्जन की भविष्यवाणी" पर एक व्याख्यान दिया।
- 03/03/2023 से 05/03/2023 तक IEEE कंप्यूटर सोसाइटी, गुजरात अनुभाग द्वारा आयोजित "विंटर स्कूल ऑन साइबर सिक्योरिटी एंड ब्लॉकचेन 2023" में "एम्बेडेड और आईओटी उपकरणों के साइबर सुरक्षा प्रोफ़ाइल मूल्यांकन" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. नीरेन्द्र कुमार

- 13/05/2022 - 14/05/2022 को कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी -2022) द्वारा आयोजित "कंप्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" के सत्र अध्यक्ष
- 13/05/2022 – 14/05/2022 को कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी -2022) द्वारा आयोजित "कम्प्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" की आयोजन समिति के सदस्य और समीक्षक रहे।

डॉ. भावना अरोड़ा

- 13/05/2022 - 14/05/2022 को कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी -2022) द्वारा आयोजित "कंप्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" के सत्र अध्यक्षता की।
- 13/05/2022 – 14/05/2022 को कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी -2022) द्वारा आयोजित "कम्प्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" की आयोजन समिति के सदस्य और समीक्षक रहे।
- जॉर्जिया विश्वविद्यालय प्रणाली द्वारा आयोजित "साइबर सुरक्षा और इसके दस डोमेन" पर 7 सप्ताह की कार्यशाला में भाग लिया और अप्रैल 2022 में कोर्सेरा के माध्यम से प्रस्तावित किया गया।
- एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ द्वारा 9/05/2022 -13/05/2022 द्वारा आयोजित "सूचना सुरक्षा के लिए क्रिप्टोग्राफी" पर एक सप्ताह के एफडीपी में भाग लिया।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण महासंघ (आईसीएफ) के कोच विशिष्ट प्रशिक्षण के पहले 60 घंटों को सफलतापूर्वक पूरा किया और 13/07/2022 को कोच फॉर लाइफ इंस्टीट्यूट द्वारा प्रशासित किया गया।

- जुलाई 2022 में व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय, जम्मू और कश्मीर, भारत के जम्मू एवं कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "डेटा एनालिटिक्स के लिए आर-प्रोग्रामिंग" पर कार्यशाला में भाग लिया।
- 10/10/2022 से 24/10/2022 तक फैकल्टी इंडक्शन डेवलपमेंट प्रकोष्ठ (एफआईडीसी), जम्मू और कश्मीर, भारत के फैकल्टी इंडक्शन डेवलपमेंट प्रकोष्ठ (एफआईडीसी), जम्मू और कश्मीर, भारत के सहयोग से व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय द्वारा आयोजित "अनुसंधान पद्धति और डेटा विश्लेषण तकनीक" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 14/11/2022 को व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय और फैकल्टी इंडक्शन डेवलपमेंट प्रकोष्ठ (एफआईडीसी), जम्मू और कश्मीर, भारत के सहयोग से अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद - एडोब द्वारा आयोजित "डिजिटल रचनात्मकता कौशल" पर एफडीपी में भाग लिया।
- 19/04/2022 को जेके पुलिस अकादमी उधमपुर द्वारा आयोजित "साइबर अपराधों का इतिहास और विकास" पर व्याख्यान दिया।
- 19/04/2022 को जेके पुलिस अकादमी उधमपुर द्वारा आयोजित "साइबर अपराध और उसके प्रकार" पर व्याख्यान दिया
- 19/09/2022 से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी विभाग द्वारा आयोजित "सुरक्षा में हालिया रुझान: आईओटी, ब्लॉकचेन और साइबर सुरक्षा- (आरटीएस -2022)" पर एक सप्ताह की एफडीपी / कार्यशाला के समन्वयक रहे।
- दिनांक 29/11/2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में एमओई के विज्ञानज्योति कार्यक्रम (डीएसटी के तहत) के तहत सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (जीएचएसएस) सांबा और जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) सांबा के छात्रों के शैक्षिक दौरे के समन्वयक।
- 29/05/2023 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में समग्र शिक्षा के वर्ष 2022-23 के लिए राष्ट्रीय अविस्खार अभियान (आरएए) के तहत छात्र के शैक्षिक दौरे के समन्वयक रहे।
- साइबर सुरक्षा निर्देशों और सीईआरटी-इन एमईआईटीवाई, मई 2022 द्वारा जारी अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के संचालन के लिए समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया।
- अक्टूबर 2022 में एनआईसीएसआई के माध्यम से संसाधनों को किराए पर लेने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में आईटी प्रकोष्ठ के सदस्य के रूप में जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा नामित।

डॉ. अरविंद सेलवाल

- 13/05/2022 - 14/05/2022 को कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी -2022) द्वारा आयोजित "कंप्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" के सत्र अध्यक्षता की।
- 13/05/2022 – 14/05/2022 को कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी -2022) द्वारा आयोजित "कम्प्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" की आयोजन समिति के सदस्य और समीक्षक रहे।
- मार्च-अप्रैल 2022 के दौरान कोलोराडो विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा आयोजित "कंप्यूटर दृष्टि के लिए डीप लर्निंग एप्लीकेशन" पर छह सप्ताह का प्रमाणन पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।

- "उच्च शिक्षण संस्थान में उभरते अनुसंधान योगदानकर्ता" शिक्षा समन-2022, निखिल भारत परिषद, कोलकाता जीता।
- राष्ट्रसंत तुकादोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में 6 को "बायोमेट्रिक प्रणाली का परिचय" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया दिसंबर 2022।

डॉ. दीप्ति मल्होत्रा

- 13/05/2022 - 14/05/2022 को कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी -2022) द्वारा आयोजित "कंप्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" के सत्र अध्यक्ष
- 13/05/2022 – 14/05/2022 को कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (आईसीआरआईसी -2022) द्वारा आयोजित "कम्प्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" की आयोजन समिति के सदस्य और समीक्षक रहे।
- सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 8-12 अप्रैल, 2022 तक Dr.BR अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर में आयोजित "बिग डेटा एनालिटिक्स और आईओटी को सुरक्षित करने के लिए ब्लॉकचेन असिस्टेड फेडरेटेड मशीन लर्निंग" पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- उडेमी पर "पायथन के साथ व्याख्यायोग्य एआई (एक्सएआई) पर 60 व्याख्यान में भाग लिया।
- एमईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन के तहत जूनियर कंप्यूटर वैज्ञानिकों के पद के लिए साक्षात्कार में विशेषज्ञ के रूप में 2 जुलाई, 2022 को गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वीमेन, परेड ग्राउंड, जम्मू में आयोजित किया जाएगा।
- 18 अक्टूबर, 2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित 3 मिनट थीसिस प्रतियोगिता (3 एमटी) की कोर समिति के सदस्य।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से बीआईएस जम्मू एवं कश्मीर शाखा कार्यालय द्वारा आयोजित "रन फॉर क्वालिटी" के लिए समन्वय समिति के सदस्य।

6. **संकाय प्रकाशन**

प्रो. देवानंद

क्रम सं	**आलेख/पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर**	**प्रकाशन का वर्ष**
1	डिटेक्शन ऑफ़ चेंज इन बॉडी मोशन विद बैकग्राउंड कंस्ट्रक्शन एंड सिल्होउएटे ओरिएंटेशन : बैकग्राउंड सब्ट्रैक्शन विद जीएमएम	आईएसएसएन:2155-6377 आईएसएसएन: 2155-6385	29 जुलाई 2022
2	डी-केएपी: एक डीप लर्निंग-आधारित	आईएसबीएन:	01 मार्च 2023

	कश्मीरी सेब संयंत्र रोग पूर्वानुमान फ्रेमवर्क	9781665454025, 1665454024	

प्रो.यशवंत सिंह

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
	ए हाइब्रिड थ्रेट असेसमेंट मॉडल फॉर सिक्योरिटी ऑफ़ साइबर फिजिकल सिस्टम्स	2573-3079	1 मार्च 2023
1	इंटरऑपेरेबल एजाइल आईओटी	प्रिंट आईएसबीएन: 9781119896395 ऑनलाइन आईएसबीएन: 9781119896838	08 फरवरी 2023
2	वल्नेरेबिलिटी असेसमेंट टूल्स फॉर आईओ टी : एन एजाइल एप्रोच	प्रिंट आईएसबीएन:9781119896395 ऑनलाइन आईएसबीएन:9781119896838	08 फरवरी 2023
3	मिनिमिज़िंग कॉस्ट , एफर्ट , एंड इम्प्लीमेंटेशन कम्प्लेक्सिटी फॉर अडॉप्टिंग सिक्योरिटी रिक्वायरमेंट्स इन एन एजाइल डेवलपमेंट प्रोसेस फॉर साइबर - फिजिकल सिस्टम्स	प्रिंट आईएसबीएन:9781119896395 ऑनलाइन आईएसबीएन:9781119896838	08 फरवरी 2023
4	कम्प्यूटिंग में हाल के नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही	978-981-19-9878-2	2023
5	एजाइल सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट : ट्रेंड्स , चैलेंजेज एंड ऍप्लिकेशन्स	9781119896395	2023
6	इसम -सीपीएस : एन एनहांस्ड इंटेलीजेंट	आईएसएसएन: 2227-7390	29 दिसंबर

	सिक्योरिटी मेथोडोलोजी फॉर साइबर -फिजिकल सिस्टम्स थ्रू हाइपर -पैरामीटर ऑप्टिमाइजेशन		2022
7	ए हाइब्रिड एप्रोच फॉर एनर्जी -एफ्फिसिएंट रूटिंग इन IoT यूजिंग ड्यूटी साइकिलिंग एंड इम्प्रूवड आंट कॉलोनी	ऑनलाइन आईएसएसएन:1751-8636	8 दिसंबर 2022
8	महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे (सीपीएस) के लिए बुद्धिमान और सुरक्षित ढांचा: वर्तमान रुझान, चुनौतियां और भविष्य का दायरा।	ऑनलाइन आईएसएसएन: 1873-703एक्स प्रिंट आईएसएसएन: 0140-3664	1 सितंबर 2022
9	SALT: ट्रांसफर लर्निंग - बेस्ड थ्रेट मॉडल फॉर अटैक डिटेक्शन इन स्मार्ट होम	आईएसएसएन 2045-2322 (ऑनलाइन)	18 जुलाई 2022
10	इंटरनेट ऑफ थिंग्स के लिए कुशल और सुरक्षित मल्टी-एक्सेस एज कंप्यूटिंग	978-981-19-1142-2	3 जुलाई 2022
11	आईओटी आधारित स्मार्ट हेल्थकेयर में ऊर्जा दक्षता	978-981-19-1142-2	3 जुलाई 2022
12	पीएसजीडब्ल्यूओ: एन एनर्जी -एफ्फिसिएंट फ्रेमवर्क इन आईओटी बेस्ड एन सवर्म इंटेलिजेंस	आईएसएसएन 2210-3279 (प्रिंट)	2022
13	एन इम्प्रूवड डीप बिलीफ नेटवर्क आईडीएस ओन आईओटी-बेस्ड नेटवर्क फॉर ट्रैफिक सिस्टम्स .	आईएसएसएन: 0197-6729 (प्रिंट), आईएसएसएन: 2042-3195 (ऑनलाइन)	25 अप्रैल 2022
14	इन्टरसिओं डिटेक्शन सिस्टम	आईएसएसएन (प्रिंट): 0219-2659	9 अप्रैल

	मॉडल फॉर आईओटी नेटवर्क्स यूजिंग एन्सेम्बल लर्निंग	| आईएसएसएन (ऑनलाइन): 1793-6713	2022
15	रिव्यु ऑन सिक्योरिटी ऑफ़ इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स : सिक्योरिटी रिक्वायरमेंट्स , थ्रेट्स , एंड प्रोपोसड सोलूशन्स	978-981-19-0284-0	अप्रैल 2022
16	आईओटी में उभरते सुरक्षा मुद्दे	978-981-19-0284-0	20 अप्रैल 2022
17	स्मार्ट ट्रैफिक मॉनिटरिंग विद फोग एंड क्लाउड कंप्यूटिंग	978-981-19-0284-0	20 अप्रैल 2022
18	स्मार्ट हेल्थकेयर में सुरक्षित आईओटी संचार के लिए ब्लॉकचेन-आधारित मॉडल	978-981-19-0284-0	20 अप्रैल 2022

डॉ. नीरेन्द्र कुमार

क्रम सं	**आलेख/पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर**	**प्रकाशन का वर्ष**
1.	नोटेरिक ट्रेंड्स ऑफ़ अनमेन्ड एरियल व्हीकल (UAV) रिसर्च : ए सइंटोमेट्रिक एनालिसिस	__	अप्रैल, 2023
2	इमेज जिओ -साइट एस्टिमेशन यूजिंग कोंवोलूशनल ऑटो -एनकोडर एंड मल्टी-लेबल सपोर्ट वेक्टर मशीन	2078-2489	3 जनवरी, 2023
3	रेसिलिएन्सी एंड नॉनलीनेक्रत्य प्रोफाइल्स ऑफ़ सम क्रिप्टोग्राफ़िक फंक्शन्स	2227-7390	27 नवंबर, 2022

4	क्रिप्टएनालिसिस एंड इंप्रूवड इमेज एन्क्रिप्शन स्कीम यूजिंग इलिप्टिक कर्व एंड अफ्फिने हिल चिपर	2227-7390	19 अक्टूबर, 2022
5	डाटा एक्सचेंज टेक्निक्स फॉर इंटरनेट ऑफ़ रोबोटिक थिंग्स : रीसेंट डेवलपमेंट्स	2169-3536	26 सितंबर, 2022
6	अप्रोचेस एंड चैलेंजेज इन इंटरनेट ऑफ़ रोबोटिक थिंग्स	1999-5903	14 सितंबर, 2022
7	टेक्स्ट -बेस्ड आटोमेटिक पर्सनालिटी रिकग्निशन : रीसेंट डेवलपमेंट्स	978-981-19-1142-2	3 जुलाई, 2022

डॉ. भावना अरोड़ा

क्रम सं	**आलेख/पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर**	**प्रकाशन का वर्ष**
1	प्रेडिक्शन ऑफ़ नीड फॉर साइबर ट्रेनिंग फॉर यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूजिंग आर्टिफीसियल न्यूरल नेटवर्क्स	1877-0509	31 जनवरी 2023
2	एनालिसिस ऑफ़ वेरियस मशीन लर्निंग टेक्निक्स यूज़ड फॉर आटोमेटिक टेक्स्ट समराईजेशन	978-1-6654-7225-8	12 अक्टूबर 2022
3	कंटेंट -बेस्ड फेक न्यूज़ डिटेक्शन यूसिंग डीप लर्निंग टेक्निक्स : एनालिसिस , चैलेंजेज एंड पॉसिबल सोलूशन्स	978-1-6654-7225-8	12 अक्टूबर 2022
4	कबटिंग मल्टीमॉडल फेक न्यूज़ on सोशल मीडिया : मेथड्स , डटसेट्स , एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव	आईएसएसएन / आईएसएसएन 0942-4962 / 1432-1882	7 जुलाई 2022
5	साइबर थ्रेट इंटेलिजेंस "कम्पेरेटिव एनालिसिस ऑफ़ इटस सोर्सेज एंड पैरामीटर्स ऑफ़ इवैल्यूएशन	978-981-16-8986-4	अप्रैल 2022

डॉ. अरविंद सेलवाल

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1	डाटा -ड्रिवेन इनेबल्ड अप्प्रोचेस फॉर क्राइटेरिया -बेस्ड वीडियो सुम्मारीजातिओं : ए कम्प्रेहैन्सिव सर्वे , टेक्सोनोमी , एंड फ्यूचर डिरेक्शंस	1573-7721	2 मार्च, 2023
2	इमेज स्टेगनलयसिस यूजिंग डीप लर्निंग : ए सिस्टेमेटिक रिव्यु एंड ओपन रिसर्च चैलेंजेज	1868-5145	31 मार्च, 2023
3	ए सर्वे ओन फेस प्रेजेंटेशन अटैक डिटेक्शन मेचानिसंस : हिथेर्टो एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स	1432-1882	20 मार्च, 2023
4	सफनेट : एन एन्सेम्बल -बेस्ड एप्रोच फॉर सैफरन अडल्ट्रेशन प्रेडिक्शन यूजिंग स्टैटिस्टिकल इमेज फीचर्स	1573-7721	7 मार्च, 2023
5	फिंकत : ए नावेल एप्रोच फॉर फिंगरप्रिंट टेम्पलेट प्रोटेक्शन यूजिंग क्वाड्रंट मैपिंग वाया नॉन -इन्वेर्टिब्ले ट्रांसफॉर्मेशन	1573-7721	13 फरवरी, 2023
6	लेवेरागिंग डीप लर्निंग तो फिंगरप्रिंट स्पूफ डिटेक्टर्स : हिथेर्टो एंड फ्यूचरिस्टिक पर्सपेक्टिव्स	1793-6381	1 जनवरी, 2023
7	ए सर्वे ऑन डाटा -ड्रिवेन आईरिस स्पूफ डिटेक्टर्स : स्टेट -ऑफ़ -द -आर्ट , ओपन इश्यूज एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स	1573-7721	10 अक्टूबर, 2022
8	कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस परदिग्म्स फॉर ऑडियो -बेस्ड वीडियो समराइजेशन	978-1-6654-7224-1	12 अक्टूबर, 2022
9	ए कम्पेरेटिव एनालिसिस ऑफ़ डीप लर्निंग -बेस्ड फ्रेमवर्क्स फॉर फेस वेलिडिटि डिटेक्शन	978-981-19-3589-3	2 सितंबर, 2022
10	एन एक्सप्लोरेशन ऑफ़ प्रे -प्रोसेसिंग अप्प्रोचेस फॉर आईरिस स्पूफ डिटेक्टर्स	978-1-6654-8004-8	11 अगस्त, 2022
11	एक्सप्लोरिंग प्री -प्रोसेसिंग अप्प्रोचेस फॉर डीप लर्निंग -बेस्ड फिंगरप्रिंट स्पूफ डिटेक्शन मेक्निज़म	978-1-6654-8328-5	24 मई, 2022
12	ओन एनालिसिस ऑफ़ फेस लिवेनेस्स डिटेक्शन	978-1-6654-	27 अप्रैल, 2022

	मेचानिसंस वाया डीप लर्निंग मॉडल्स	7884-7	
13	एन एनालिसिस ऑफ़ वीडियो -बेस्ड ह्यूमन एक्टिविटी डिटेक्शन अप्रोचेस	978-1-6654-7884-7	27 अप्रैल, 2022

डॉ. दीप्ति मल्होत्रा

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
2.	ए सिस्टेमेटिक स्टडी ऑफ़ इंटेलीजेंट आटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर डिटेक्टर	ऑनलाइन: 1752-914X, आईएसएसएन प्रिंट: 1752-9131	09 मार्च, 2023
3.	अडाप्टिव कम्प्यूटेशनल सोलूशन्स तो एनर्जी एफिशिएंसी इन क्लाउड कंप्यूटिंग यूजिंग व् म कंसोलिडेशन	1886-1784[एससीआईई]	27 नवंबर, 2022
4.	ए सिस्टेमेटिक लिटरेचर रिव्यु on ट्रेडिशनल to आर्टिफिशल इंटेलिजेंस बेस्ड SBD	ऑनलाइन: 1568-4946 /	22 सितंबर, 2022
5.	डायग्नोसिस इन इंडिया : चैलेंजेज एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स डेवलपमेंट ऑफ़ एन इंटेलीजेंट विटिलिगो डिटेक्शन क्लास्सिफ़िएर	आईएसबीएन: 978-81-955020-5-9	09 सितंबर, 2022
6	रिसोर्स एफ्फिसिएंट व् म प्लेसमेंट इन क्लाउड एनवायरनमेंट यूजिंग इंप्रूवड पार्टिकल सवर्म ऑप्टिमाइजेशन	1947-8283	2022

गणित विभाग

संक्षिप्त परिचय: - गणित विभाग 2011 में केवल दो संकाय सदस्यों के साथ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ अस्तित्व में आया। वर्तमान में विभाग में पांच संकाय सदस्य हैं और विभाग दो कार्यक्रम (गणित में मास्टर उपाधि पाठ्यक्रम और गणित में पीएचडी) चला रहा है। विभाग के संकाय के पास विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता है जैसे: जटिल विश्लेषण, कार्यात्मक विश्लेषण, ऑपरेटर सिद्धांत, ऑपरेशन अनुसंधान आदि। विभाग के शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर डीएसटी, भारत सरकार ने फिस्ट कार्यक्रम के तहत 54 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। विभाग के संकाय सदस्यों के पास एनबीएचएम, परमाणु ऊर्जा विभाग और यूजीसी द्वारा वित्त पोषित 06 अनुसंधान परियोजनाएं भी हैं।

- प्रस्तावित पाठ्यक्रम : –

  क. एम.ए./एम.एससी गणित

  ख. गणित में पीएच.डी.

- संकाय विवरण: –

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	डॉ. अजय के. शर्मा	विभागाध्यक्ष	कार्यात्मक विश्लेषण, ऑपरेटर सिद्धांत, एक जटिल चर के कार्य
2.	डॉ. पविंदर सिंह	सहायक आचार्य	हिल्बर्ट फ़ंक्शंस, न्यूनतम नि: शुल्क संकल्प, वर्गीकृत बेट्टी नंबर
3.	डॉ. कमलेश कुमार	सहायक आचार्य	क्यूनिंग मॉडलिंग, गणितीय मॉडलिंग, मशीन मरम्मत समस्याएं।
4.	डॉ. संजय शर्मा	सहायक आचार्य	जटिल विश्लेषण और ऑपरेटर सिद्धांत
5	डॉ. सुमित कुमार शर्मा	अतिथि संकाय	स्टोकेस्टिक प्रक्रियाएं, पंक्तिबद्ध मॉडलिंग, ऑपरेशन अनुसंधान, ग्राहक अधीरता

- अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएँ/वेबिनार

  क) राष्ट्रीय सम्मेलन

  "गणित में हालिया प्रगति" विभाग में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 20 अक्टूबर 2022-21 अक्टूबर, 2022 को केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह सभागार में किया गया था।

  ख) राष्ट्रीय गणित दिवस:

गणित विभाग में 22 दिसम्बर 2022 को राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया।

भारत सरकार ने 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में घोषित किया। इसकी घोषणा प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह ने 26 फरवरी 2012 को मद्रास विश्वविद्यालय में उद्घाटन समारोह के दौरान की थी। भारतीय गणितीय प्रतिभा श्रीनिवास रामानुजन (22 दिसंबर 1887- 26 अप्रैल 1920) के जन्म की 125 वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए समारोह।

गणित दिवस दिन-प्रतिदिन के जीवन की स्थिति में गणित के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने और गणित का अध्ययन करने में छात्रों की रुचि पैदा करने के उद्देश्य से मनाया गया था।.

- **प्रख्यात व्याख्यान/आमंत्रित व्याख्यान**

क) आमंत्रित व्याख्यान:

प्रो. बालासुब्रमण्यम रमन, आईआईटी रोक्री, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग ने 30 सितंबर, 2022 को सुबह 11 बजे ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह ऑडिटोरियम, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में "इमेजिंग में मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग" पर व्याख्यान देने के लिए गणित विभाग का दौरा किया।

ख) आमंत्रित व्याख्यान:

प्रो. अक्षय कुमार ओझा, आईआईटी भुवनेश्वर ने 29 मार्च, 2023 को सुबह 11:30 बजे जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के गणित विभाग में "डेटा प्रबंधन" पर व्याख्यान देने के लिए गणित विभाग का दौरा किया।

➢ (01.04.2022 से 31.03.2023) "आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर" के साथ संकाय प्रकाशन

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1.	(डॉ. अजय के. शर्मा) सेमीग्रौप्स ऑफ़ कम्पोजीशन ऑपरेटर्स ऑन वेक्टर - वैल्यूड हार्डी स्पेसेस . शर्मा, अजय के; शर्मा, महक; मुसरलीन, मोहम्मद	0163-0563	2022
2.	(डॉ. अजय के. शर्मा) एसेंशियल नॉर्म ऑफ़ डिफरेंस ऑफ़ कम्पोजीशन ऑपरेटर्स फ्रॉम अनलिटिक बेसव स्पेसेस टू बलोच टाइप स्पेसेस शर्मा, अजय के; यूकी, सेई-इचिरो	1617-9447	2022
3.	(डॉ. अजय के. शर्मा) वैनिशिंग करलेसों मेझस एंड पावर कॉम्पैक्ट वेटेड कम्पोजीशन ऑपरेटर्स शर्मा, आकृति; शर्मा, अजय के.; मुर्सलीन, एम.	1029-3531	2022
4.	(डॉ. अजय के. शर्मा) वेटेड कम्पोजीशन ऑपरेटर्स बिटवीन वेटेड हार्डी स्पेसेस ऑन रूटेड ट्रीज मुथुकुमार, पी; शर्मा, अजय के; कुमार, विवेक	1660-5446	2023
5.	(डॉ. अजय के. शर्मा) एसेंशियल नॉर्म ऑफ़ वेटेड डिफ्रेंटिएशन कम्पोजीशन ऑपरेटर्स ऑन बेर्गमन स्पेसेस विद अड्मिससिबले वेइट्स फारूक, शायस्ता; शर्मा, अजय के.; मुर्सलीन, एम.	0971-3611	2023
6.	(डॉ. पविंदर सिंह) सर्टेन होमोलॉजिकल इंवरिएंट्स ऑफ़ बिपार्टीटे कंजर ग्राफ्स कुमार, अजय; सिंह, पाविंदर; वर्मा, रोहित	0219-4988	2022
7	(डॉ. संजय कुमार) करलेसों मेझस ऑन डिरिच्लेट टाइप स्पेसेस इन द कूटरनिओनिक यूनिट बॉल कुमार, संजय; शर्मा, विशाल	2662-2009	2022

भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग

विभागीय गतिविधियां

➢ विभाग के संबंध में

विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र 2016-17 में 30 छात्रों के प्रवेश के साथ पांच साल के एकीकृत एम.एस.सी भौतिकी कार्यक्रम शुरू करने के साथ की गई थी।

भौतिकी में पीएचडी पाठ्यक्रम 2018 में शुरू किया गया था।

➢ प्रस्तावित पाठ्यक्रम : एकीकृत बी.एसी (एच) -एम.एस.सी भौतिकी, पीएच.डी.

➢ संकाय विवरण: –

क्रम सं	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	आचार्य सूरम सिंह	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	सैद्धांतिक भौतिकी (परमाणु सिद्धांत)
2	प्रो. विनय कुमार	आचार्य	सामग्री विज्ञान /
3	डॉ. अमित तोमर	सहायक आचार्य	सामग्री विज्ञान (क्षार टाइटनेट्स लेयर्ड सिरेमिक)

➢ विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार

i. सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र (एसडीसीएसएस) के सहयोग से इंटर्नशिप कार्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रम

इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें जम्मू और अन्य राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया और सामग्रियों के संश्लेषण और लक्षण वर्णन से संबंधित परियोजनाएं शुरू कीं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विश्वविद्यालयों के अनुसंधान विद्वानों को परिष्कृत प्रयोगशाला उपलब्ध करवाना और उनका उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए परिचालन कार्यक्रम प्रदान किए गए थे।

जम्मू के क्लस्टर विश्वविद्यालय के छात्र इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत एसडीसीएसएस में सामग्री को संश्लेषित करना और नमूनों का एक्सआरडी करना।

भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय से एक छात्र एफटीआईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर का संचालन।

वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र नमूनों का थर्मोग्रेविमेट्रिक विश्लेषण करना।

नैनो विज्ञान एवं सामग्री विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र में नमूने का विश्लेषण

यूवी-विस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर

पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र एसडीसीएसएस में परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर सुविधा का उपयोग करना।

ii. ईआरडीएएस (पृथ्वी संसाधन डेटा विश्लेषण प्रणाली)

ईआरडीएएस (पृथ्वी संसाधन डेटा विश्लेषण प्रणाली) भू-स्थानिक सॉफ्टवेयर उत्पादों का एक सूट है जो उपयोगकर्ताओं को रिमोट सेंसिंग और अन्य स्थानिक डेटा को संसाधित करने, विश्लेषण करने और कल्पना करने की अनुमति देता है।

एसडीसीएसएस, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में रिमोट सेंसिंग लैब में ईआरडीएएस इमेजिन की स्थापना डेमो

ईआरडीएएस इमेजिन सॉफ्टवेयर पर सत्र पर प्रशिक्षण:

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र के सहयोग से भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग ने हाल ही में अपनी रिमोट सेंसिंग लैब में ईआरडीएएस सॉफ्टवेयर पर एक हैंड्स-ऑन सत्र आयोजित किया। सत्र में रिमोट सेंसिंग और इसके अनुप्रयोगों के बारे में अधिक जानने में रुचि रखने वाले छात्रों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

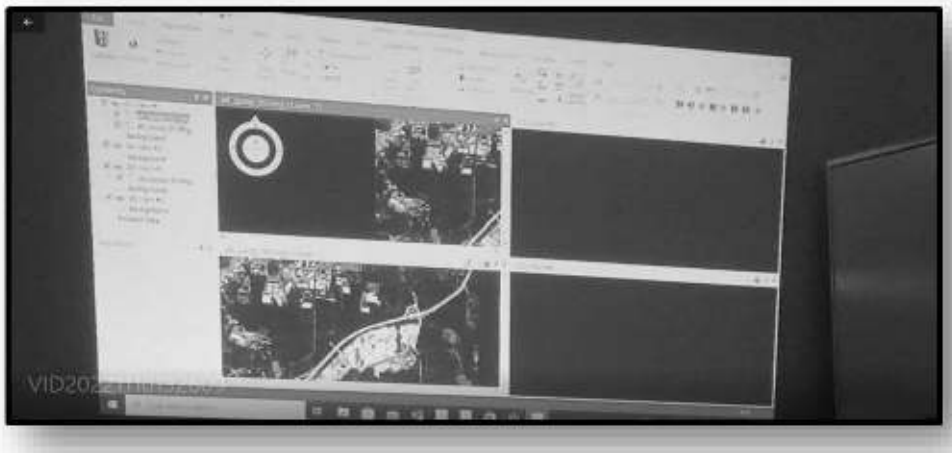

सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र, *जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में रिमोट सेंसिंग लैब में ईआरडीएएस इमेजिन सॉफ्टवेयर पर हैंड्स-ऑन सत्र में भाग ले रहे जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र।*

iii. आईजीआईएस

आईजीआईएस आपको भू-स्थानिक डेटा को मूल रूप से संग्रहीत, प्रबंधित और संपादित करने में सक्षम बनाता है। यह एक व्यापक उपकरण है जो वास्तविक समय सेंसर डेटा और बड़े डेटा सहित भू-स्थानिक डेटा प्रारूपों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए डेटा एकीकरण का समर्थन करता है। ओजीसी मानकों का अनुपालन आपको

विशेषाधिकार प्राप्त प्रमाणीकरण के माध्यम से डेटा संग्रहीत और साझा करने में सक्षम बनाता है।

एसडीसीएसएस, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में रिमोट सेंसिंग लैब में आईजीआईएस सॉफ्टवेयर की स्थापना डेमो

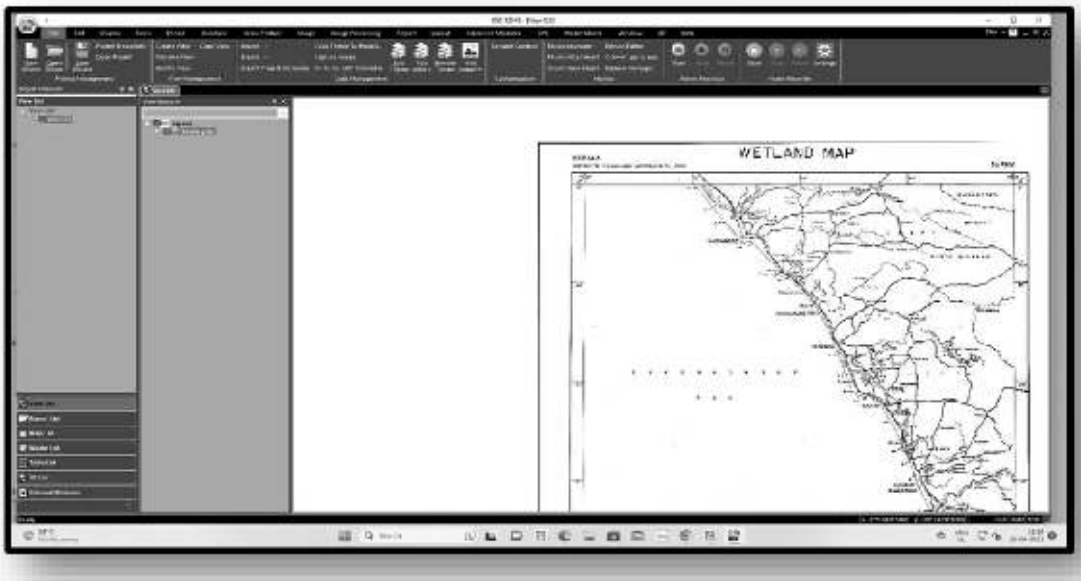

आईजीआईएस सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण : भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग ने सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से अपनी रिमोट सेंसिंग लैब में आईजीआईएस सॉफ्टवेयर के उपयोग पर एक सत्र आयोजित किया।

सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र, *जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में रिमोट सेंसिंग लैब में आईजीआईएस सॉफ्टवेयर पर हैंड्स-ऑन सत्र में भाग लेते जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र।*

स्कैनप्वाइंट जियोमैटिक्स लिमिटेड (एसजीएल) की प्रदर्शक सुश्री अमनजोत कौर, सीनियर जीआईएस विश्लेषक, जीआईएस सॉल्यूशंस ने एसडीसीएसएस के संयोजक, आचार्य विनय कुमार और एसडीसीएसएस, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में अन्य प्रतिभागियों के साथ समूह तस्वीरें खिंचवाईं।

➢ प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन

i. भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला 13 मार्च, 2023 को आर्थिक विकास और सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी।

➢ **संकाय प्रकाशन**

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक लेखक/ शीर्षक / जर्नल / अंक	लेखकों	खंड और पृष्ठ संख्या.	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1.	स्ट्रक्चरल एवोलुशन एंड शेप ट्रांसिशन्स ऑफ़ इवन -इवन न्यूट्रॉन रिच 140-150Ba नुक्ले यूजिंग त्रीआक्सीअल प्रोजेक्टेड शैल मॉडल *यूरोपीय भौतिक जर्नल ए*	रिधम बक्षी , रजत गुप्ता, अमित कुमार, सूरम सिंह, अरुण भारती, गौहर भट, जावीद शेख	58, 12	1434601X, 14346001	20 दिसंबर 2022
2.	स्टडी ऑफ़ नुक्लेअर स्ट्रक्चर ऑफ़ न्यूट्रॉन -रिच इवन -इवन टंगस्टन नुक्ले वीथिन थ्योरेटिकल फ्रेमवर्क	रजत गुप्ता, रिधम बक्षी , अमित कुमार, सूरम सिंह, अरुण	52, 5	0103-9733 (प्रिंट) 1678-4448 (वेब)	10 अगस्त 2022

	ब्राज़ीलियाई जर्नल ऑफ़ फिजिक्स	भारती, गौहर भट, जावीद शेख			
3.	थ्योरेटिकल स्टडी ऑफ़ नुक्लेअर स्ट्रक्चर प्रॉपर्टीज ऑफ़ पॉजिटिव पैरिटी स्टेट्स ऑफ़ ओड मास्स 103-117Ag नुक्ले यूरोपियन फिजिकल जर्नल ए	मानवी राजपूत, सूरम सिंह, वीरता रानी, प्रीति वर्मा, अरुण भारती, गौहर भट	58, 8	1434601X, 14346001	11 अगस्त 2022
4.	एनर्जी फ्लुक्टुएशन्स इन ओने डायमेंशनल ज़हाँग सांडपिले मॉडल जर्नल ऑफ़ स्टैटिस्टिकल मैकेनिक्स :थ्योरी एंड एक्सपेरिमेंट	नवीन कुमार, सूरम सिंह, अविनाश चंद यादव	2022, 073203	1742-5468	20 जुलाई 2022
5.	माइक्रोस्कोपिक इनसाइट्स इनटू द नुक्लेअर स्ट्रक्चर ऑफ़ 98–106Ru नुक्ले यूरोपियन फिजिकल जर्नल ए	रिधम बक्षी , रजत गुप्ता, सुरभि गुप्ता, अमित कुमार, सूरम सिंह, अरुण भारती, गौहर भट, जावीद शेख	58, 5	1434601X, 14346001	5 मई 2022
6.	KSrVO4:Tb3+ ए पोटेंशियल ग्रीन -एमिटिंग नैनोफोस्फोर कैंडिडेट फॉर वाइट लेड्स . जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स साइंस : मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स	पंकज विश्वास, विनय कुमार, कमनी पठानिया	34-149	0957-4522	17 जनवरी 2023
7.	सिंथेसिस , लुमिनेसेन्स एंड फोटोमैट्रिक इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ Sr2B2O5:Dy3+ फॉस्फर फॉर यूवी-बेस्ड वाइट ल इ डीस. *एप्लाइड फिजिक्स ए*	ईशा चरक, मोहित मन्हास, अंकुश कुमार बेदयाल, अंकुश विज, एचसी स्वार्ट, विनय कुमार	129 और 222	0947-8396	27 फरवरी 2023
8.	थेर्मोमेट्रिक एंड लुमिनेसेन्स स्टडीज ऑफ़ Eu3+ एक्टिवेटिड CaSr2(PO4)2 फॉस्फर फॉर नॉन - कांटेक्ट ऑप्टिकल थेर्मोमेट्री एंड सॉलिड स्टेट लाइटिंग ऍप्लिकेशन्स . मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स	राजन सिंह, मोहित मन्हास, अंकुश कुमार बेदयाल, फहीम दुरानी, एचसी स्वार्ट, विनय कुमार	291 और 126735	0254-0584	9 सितंबर 2022
9.	टाइटेनियम डाइऑक्साइड (TiO2) सेंसिटीज़ेड जिंक ऑक्साइड (ZnO)/कंडक्टिंग पॉलीमर नैनोकॉईट्स फॉर इम्प्रोविंग परफॉरमेंस ऑफ़ हाइब्रिड	सुरभि पठानिया, जेहोवा जिरे एल, हमार, बंदना वर्मा, तन्मय मजूमदार, विनय कुमार, पी. चिन्नामुथु	51 और 5986-6001।	0361-5235	20 जुलाई 2022

	फ्लेक्सिबल सोलर सेल्स जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स				
10.	चार्ज कम्पेंसेटेड CaSr2(PO4)2:Sm3+, Li+/Na+/K+ फॉस्फर : लुमिनेसेन्स एंड थेर्मोमेट्रिक स्टडीज . जर्नल ऑफ़ अलॉयज एंड कंपाउंड्स	राजन सिंह, अंकुश कुमार बेदयाल, मोहित मन्हास, एचसी स्वार्ट, विनय कुमार	901 और 163793	0925-8388	25 अप्रैल 2022
11.	गोल्ड (अउ)-डोप्ड लीड सल्फाइड -पॉलीविनयल अल्कोहल (PbS-PVA) नैनोकपॉईट्स फॉर हाई - परफॉरमेंस , फ्लेक्सिबल मेमरिस्टोरस . जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स	सुरभि पठानिया, जेहोवा जिरे एल. हमार, विनय कुमार, ओंकार नाथ वर्मा, तनुज कुमार, पी. चिन्नामुथु	51 और 4964-4977।	0361-5235	17 जून 2022
12.	स्ट्रक्चरल एंड लुमिनेसेन्स कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ थेर्मली स्टेबल ऑरेंज -रेड एमिटिंग LiSrP3O9:Sm3+ फॉस्फर तो फइलल थे एम्बर गैप इन व ल इ डी स .	पायल खजूरिया, मोहित मन्हास, अंकुश कुमार बेदयाल, अंकुश विज, एचसी स्वार्ट, विनय कुमार	75 और 102302	0141-9382	दिसंबर 2022
13.	डिस्प्लेस इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ थर्मोलुमिनेसेन्स रिस्पांस एंड ट्रैपिंग पैरामीटर्स ऑफ़ गामा -रे इरेडिएटेड Zn3(VO4)2 फॉस्फोरस ऐप कांफ्रेंस प्रेसीडिंग्स	अंकुश कुमार बेदयाल, अरूप कुमार कुंती, विनय कुमार, एच.सी.स्वार्ट	2357 और 070001	0094-243X	9 मई 2022

.

रसायन विज्ञान एवं रासायनिक शास्त्र विभाग

1. विभाग के संबंध में

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान एवं रासायनिक शास्त्र विभाग की स्थापना 2016 में पांच वर्षीय एकीकृत बीएससी (ऑनर्स)-एमएससी रसायन विज्ञान कार्यक्रम की शुरुआत के साथ की गई थी। यूजीसी द्वारा अनुशंसित चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) को विभाग की स्थापना के बाद से ही लागू किया गया है। इस कोर्स में बी एससी (ऑनर्स) उपाधि के साथ तीन साल पूरा करने के बाद बाहर निकलने का विकल्प है। रसायन विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम 2018-19 शैक्षणिक सत्र में शुरू किया गया था।

वर्तमान संकाय सदस्य रसायन विज्ञान के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों जैसे सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, ग्रीन केमिस्ट्री, कैटलिसिस, कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री, बायोइनऑर्गेनिक केमिस्ट्री, सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री और औषधीय रसायन विज्ञान में अत्यधिक अनुभवी और योग्य हैं। विभाग को अब तक डीएसटी-एसईआरबी, डीआरडीओ और यूजीसी सहित पूंजी एजेंसियों से ~3.52 करोड़ की कुल लागत वाली 09 बाहरी वित्त पोषित परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं, जो उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को मंजूरी देती हैं। संकाय सदस्यों द्वारा कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान को बढ़ावा मिलता है। विभाग में उपयुक्त छात्र-शिक्षक अनुपात और आधुनिक प्रयोगात्मक सुविधाओं के साथ अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ शामिल हैं। संकाय सदस्यों, स्व-प्रेरित छात्रों और उच्च मानक शिक्षण-प्रयोगशाला सुविधाओं की विशेषज्ञता के विविध क्षेत्र विभाग का सार हैं। रसायन शास्त्र एवं रसायन विज्ञान विभाग छात्रों को रसायन विज्ञान विषय के मौलिक सिद्धांतों, रासायनिक प्रक्रियाओं के वैज्ञानिक पहलुओं का गहन ज्ञान प्राप्त करने और उन्हें वास्तविक जीवन की समस्याओं में ज्ञान के अनुप्रयोग की दिशा में निर्देशित करने के लिए शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। इस छोटे से समय में, रसायन शास्त्र एवं रसायन विज्ञान विभाग को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के एक महत्वपूर्ण भाग के रूप में सराहा जा रहा है, क्योंकि विभाग अपनी यात्रा में सफलता हासिल करने का प्रयास कर रहा है। आने वाले वर्षों में यह विभाग निश्चित रूप से रसायन विज्ञान के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाएगा।

अनुसंधान महत्व क्षेत्र:

सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान, ग्रीन रसायन विज्ञान, उत्प्रेरक, समन्वय रसायन विज्ञान, जैव अकार्बनिक रसायन शास्त्र सैद्धांतिक और संगणनात्मक रसायन शास्त्र और औषधीय रसायन शास्त्र।

2. प्रस्तावित पाठ्यक्रम :

पांच साल एकीकृत B.Sc। (ऑनर्स) -एम.एससी । रसायन शास्त्र; भरती:
40 पीएच.डी. रसायन विज्ञान; सेवन: 05

3. संकाय विवरण: –

क्रम सं.	नाम	पदनाम	क्षेत्र का विशेषज्ञता
1	डॉ.वी. श्रीधरन	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	कृत्रिम कार्बनिक रसायन शास्त्र
2	डॉ. कमलेश कुमार	सह आचार्य	बहुलक विज्ञान और कार्यात्मक सामग्री
3	डॉ.सुजाता कुंदन	सहायक आचार्य	समन्वयन रसायन शास्त्रजैव अकार्बनिक रसायन शास्त्र
4	डॉ.तप्ता कंचन रॉय	सहायक आचार्य	सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री
5	डॉ.प्रिंसी गुप्ता	सहायक आचार्य	हरा रसायन शास्त्र उत्प्रेरण
6	डॉ. अक्षय कुमार	सहायक आचार्य	सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान, असममित ऑर्गेनोकैटेलिसिस

4. विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार

रासायनिक विज्ञान में हालिया प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आरएसीएस -2022), 10-11। नवंबर 2022।

5. प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन

क) केमफोरम व्याख्यान श्रृंखला -2, वक्ता: आचार्य अखिलाक साहू, हैदराबाद विश्वविद्यालय, शीर्षक: कैनेसिक-पैलेडियम उत्प्रेरित रेजियो- और स्टीरियोसेलेक्टिव डिकार्बोफंक्शनलाइजेशनऑफ अनसिमेट्रिकल एल्केनीस, 7 सितंबर 2022।

ख) केमफोरम व्याख्यान श्रृंखला -3, वक्ता: श्री। वी. जगन्नाथन, वरिष्ठ निदेशक-एचआरडी, बायोकॉन लिमिटेड, बैंगलोर, शीर्षक: कैंपस टू कॉर्पोरेट, 9 सितंबर 2022।

ग) केमफोरम व्याख्यान श्रृंखला -4, वक्ता: डॉ. सुमन चक्रवर्ती, एसएन बोस नेशनल र फॉर बेसिक साइंसेज, कोलकाता, शीर्षक: प्रोटीन एक दूसरे से कैसे बात करते हैं? एक आणविक गतिशील दृश्य, 14 सितंबर 2022।

6. क्षेत्र दौरे / औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा: हमारे विभाग के नौवीं सत्र के छात्रों ने 12 सितंबर 2022 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन (आईआईआईएम) का दौरा किया।

7. संकाय उपलब्धि (01.04.2022 से 31.03.2023)

क) डॉ. वी श्रीधरन को केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीआरएसआई) कांस्य पदक 2022 मिला है।

ख) डॉ. वी. श्रीधरन को केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीआरएसआई), 2023-2026 के काउंसिल सदस्य के रूप में चुना गया है।

8. (01.04.2022 से 31.03.2023) के दौरान "आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर" के साथ संकाय प्रकाशन

संकाय का नाम	क्रम स.	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
डॉ. श्रीधरन वी.	1	हाइब्रिड हयड्रोजेलस डेरीवेड फ्रॉम रिन्यूएबल रिसोर्सेज एस ए स्मार्ट स्टिमुली रेस्पॉन्सिव सॉफ्ट मटेरियल फॉर ड्रग डिलीवरी ऍप्लिकेशन्स र स स एडी ब. **2022, 12, 2009-2018**	2046-2069	2022
	2	*फ्लुओरेसेन्स सेंसर्स बेस्ड ऑन हयड्रोक्सीकारबाज़ोले फॉर द डेटर्मिनेशन ऑफ़ न्यूरोड़ेगेनेरशन -रिलेटेड हॉलिडे अनियंस बिओसेंसोर्स* **2022, 12, 175**	2079-6374	2022
	3	*माइक्रोवेव -असिस्टेड कॉपर (II)-काटलीज़ेड कास्केड सिकलिज़शन ऑफ़ अल्कीनेस: एक्सेस टु डेनसेली फंक्शनलिज़्ड इमिडाज़ो[***1,2-d][1,4]***ऑक्सजेपीनेस एंड इमिडाज़ो [***1,2-d][1,4]*** डिअज़ेपींस ज . ऑर्ग . केम.* **2022, 87, 8956–8969**	0022-3263	2022
	4	*करंट पर्सपेक्टिव्स ऑन द एनवायर्नमेंटल ऍप्लिकेशन्स यूजिंग कंडक्टिवे मेटल –आर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (स म ओफ स)* ज . पोरस मेटर . **2022, 29, 1689–1706**	1573-4854	2022
	5	*माइक्रोवेव -असिस्टेड ओने -पॉट टू -स्टेप इमिने फार्मेशन –हेटेरो -डील्स -एल्डर –डेटॉयलटीओं /एरोमातिजाऐशन सीक्वेंस : डायरेक्ट एक्सेस टू डिबेन्ज़ो [***b,h][1,6]*** नाफ्थीरिदिनेस ऑर्ग . बिओमोल . केम .* **2022, 20, 7472–7482**	1477-0539	2022
	6	*मेटल - एंड साल्वेंट -फ्री सिंथेसिस ऑफ़ म - टेरफेनील्स वाया आयोअधिष्ठाता -काटलीज़ेड टैंडेम फॉर्मल [***3+3***] सिक्लोड्डिशन /ऑक्सीडेशन सिन्लेट***2023, 34, 807–814**	0936-5214	2023
	7	*इंटरमोलेक्युलर ओक्सीपालडेशन-इनिटिएटेड डोमिनो सीक्वेंस : वन -पॉट , टू -स्टेप*	0040-4020	2023

		रेगिओसेलेक्टिवे सिंथेसिस ऑफ़ इसोक्विनॉलिन्स *टेट्राहेड्रॉन* **2023, 134, 133272**		
	8	*ए माइक्रोवेव -असिस्टेड इंटरमोलेक्युलर अमिनोपल्लाडेशन-ट्रिगर्ड डोमिनो सीक्वेंस : ऐन एटम इकोनोमिकल रूट ट* **5,10-** *डीहीड्रोइडेनो [***1,2-b]***इंडोल्स* *ऑर्ग . बिओमोल . केम .* **2023, 21, 3121–3131**	1477-0539	2023
	9	*पैलेडियम -काटलीज़ेड इंटरमोलेक्युलर ओक्सीपालडेशन -इनिटिएटेड कास्केड : साल्वेंट -डिपेंडेंट केमडिवेर्जेंट एप्रोच टू फंक्शनलिज़्ड बेंज़ाज़पिनेस एंड तेतरहीड्रोक्विनॉलिन्स* *केम. कम्यून .* **2023, 59, 5233–5236.**	1364-548X	2023
	10	*इलेक्ट्रानिकली रोबस्ट सेल्फ -असेंबल्ड सुपरमोलेक्युलर जेल एस ए पोटेंशियल मटेरियल इन ट्रिबोइलेक्ट्रिक नैनोजेनेटर* *केम. यूरो. जे. 2023*, *29*, **doi.org/***10.1002/***chem.***202301076*	1521-3765	2023
डॉ. सुजाता कुंदन	1	सयंमेट्रिकल सिंथेसिस एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ फाइव कोआर्डिनेट इन (**III**) पोर्फिरिंस विद सैलिसिलिक एसिड डेरिवेटिव्स : देविका शर्मा , दीपमाला गुप्ता , सुजाता कुंदन *, डॉ . गौरी . डी . बज्जू , स . रविचंद्रन ; 5(4), 2022, रसायन जर्नल ऑफ़ केमिस्ट्री	आईएसएसएन (प्रिंट): 0974-1496 आईएसएसएन (ऑनलाइन): 0976-0083	2022
		पुस्तक		
	2	बायोमास एंड बीओएनेर्जी फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट डॉ. सुजाता कुन्दन* द्वारा। पुस्तक का शीर्षक: क्लाइमेट चेंज एंड ह्यूमन हेल्थ प्रकाशक: कृपा दृष्टि प्रकाशन, पुणे, महाराष्ट्र, भारत।	(आईएसबीएन: 978-93-94570-32-0)	फरवरी, 2023
डॉ. कंचन रॉय	1	द इम्पोर्टेंस ऑफ़ इलेक्ट्रान कोरिलेशन ऑन विब्रेशनल एन हार्मोनसीटीएस एंड पोटेंशियल एनर्जी सर्फेस	2210-271X	2023
	2	सल्फोनेटेड पॉलीबेन्ज़ीमिडाज़ोले एस ए पेम इन	2574-0962	2023

		ए माइक्रोबियल फ्यूल सेल : एन एफ्फिसिएंट स्ट्रेटेजी फॉर ग्रीन एनर्जी जनरेशन एंड वेस्टवाटर क्लीनिंग		
	3	इफेक्ट्स ऑफ़ नॉन -लोकल एक्सचेंज फंक्शनलस इन द डेंसिटी फंक्शनल थेओरिएस फॉर द डिस्क्रिप्शन ऑफ़ मॉलिक्यूलर विब्रेशन्स	0973-7103	2022
	4	परफॉरमेंस ऑफ़ वाइब्रेशनल सेल्फ -कंसिस्टेंट फील्ड थ्योरी फॉर एक्यूरेट पोटेंशियल एनर्जी सर्फेस : फंडामेंटल्स , एक्ससिटेड स्टेट्स , एंड इन्टेन्सिटीज़	1520-5215	2022
	5	हैल्लोसीतेनानोटुबेस फंक्शनलिज़्ड सल्फोनिक एसिड : सिंथेसिस , स्पेक्ट्रोस्कोपिक कैरेक्टराइजेशन , कम्प्यूटेशनल स्टडीज एंड एप्लीकेशन फॉर द सिंथेसिस ऑफ़ 1,4-डाइहाइड्रोपेरिअधिष्ठाता स	1875-6255	2022
डॉ. प्रिंसी गुप्ता	1	बुक चैप्टर : पेरीडिन बेस्ड प्रोब्स एंड केमोसेंसोर्स (लेखक: पी. कुमार, बी. सयाल और पी. गुप्ता*, 445-503)	978-032-3912-21-1	एल्सेवियर बुक्स, 2023
	2	रीसेंट अडवांसमेंट्स इन द प्रिपरेशन एंड एप्लीकेशन ऑफ़ कॉपर सिंगल एटम काटलिस्ट्स (लेखक: बी. सयाल, पी. कुमार, पी. गुप्ता*, एसीएस अप्लायंट नैनो मेटर. 6: 4987-5041)	2574-0970	2023
	3	सिंथेसिस ऑफ़ **1,4**-डिस्टव्यूटेड -**1,2,3-** ट्रिएज़ोलेस यूजिंग स्टार्च -फंक्शनलिज़्ड कॉपर (**II**) एसीटेट एस ए रेसिक्लाब्ले हेटेरोगेनोस कैटेलिस्ट इन वाटर(अन्य: पी. गुप्ता, पी. कुमार, बी. सयाल, टी. शमीम, रेस. केम. इंट. 48: 4601-4615)	1568-5675	2022

नैनो विज्ञान एवं सामग्री विभाग

विभागीय गतिविधियाँ

नैनो विज्ञान और सामग्री विभाग जुलाई 2016 से कार्य कर रहा है। पहले दो साल विभाग अस्थायी शैक्षणिक ब्लॉक, सैनिक कॉलोनी जम्मू में संचालित किया गया था। वर्तमान में, यह जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर, राह्या सुचानी (सांबा), जिला बागला, जम्मू में संचालित हो रहा है। विभाग का दृष्टिकोण मानव जाति की भलाई के लिए स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक आवश्यकताओं को संबोधित करने और नैनो और सामग्री प्रौद्योगिकी में लोकाचार के साथ प्रगति के लिए युवा शोधकर्ताओं/छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए नैनो विज्ञान और सामग्री के अनुसंधान और शिक्षण में विश्व नेता बनने का है। व्यावहारिक अनुप्रयोगों के लिए नैनो/सामग्री विज्ञान पर अग्रणी अनुसंधान करने के लिए अंतःविषय अनुसंधान वातावरण में शिक्षकों, वैज्ञानिकों और छात्रों के लिए एक साझा मंच प्रदान करना विभाग का लक्ष्य है। एक प्रभावी शिक्षण और अनुसंधान वातावरण बनाएं जो नैनो विज्ञान एवं सामग्री के क्षेत्र में काम करने वाले शोधकर्ताओं के विभिन्न समूहों के बीच बातचीत और तालमेल को बढ़ावा देगा और शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और छात्रों के अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान के अवसर प्रदान करेगा।

1. **प्रस्तावित पाठ्यक्रम : विभाग पीएचडी और पीजी स्तरों पर दो पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है**

    1. पीएचडी (सामग्री विज्ञान)

    2. एम.एससी . सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी

2. **संकाय विवरण: –**

क्रम सं	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	प्रो. विनय कुमार	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	अव्यक्त फिंगरप्रिंट विकास, सतह विश्लेषण, ठोस-अवस्था प्रकाश व्यवस्था, सीआरटी फॉस्फोरस, तेज भारी आयन विकिरण और विकिरण डोसिमेट्री फॉस्फोर थर्मोमेट्री का उपयोग करके सामग्री संशोधन के लिए फ्लोरोसेंट नैनोकणों का संश्लेषण
2.	डॉ. विशाल सिंह	सहायक आचार्य	सेमीकंडक्टर भौतिकी और उपकरण। ढांकता हुआ, विद्युत गुण, और चुंबकीय सामग्री। पतली फिल्में और नैनोटेक्नोलॉजी, नैनो संरचित सामग्रियों का प्रसंस्करण और लक्षण वर्णन। विभिन्न अनुप्रयोगों, गैस सेंसर के लिए ग्राफीन और उनके व्युत्पन्न का प्रसंस्करण और लक्षण वर्णन।

3.	डॉ.प्रगति कुमार	सहायक आचार्य	सेमीकंडक्टर और धातु नैनोस्ट्रक्चर (क्यूडीएस. एनडब्ल्यू, क्यूडब्ल्यू आदि), पतली फिल्में, और नैनो कंपोजिट संरचनात्मक, ऑप्टिकल और विद्युत लक्षण वर्णन, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपकरण (फोटो डिटेक्टर, एलईडी) नैनो संरचनाओं के संवेदन गुण (तापमान, गैस, आयन)
4.	डॉ. तनुज कुमार	सहायक आचार्य	आयन किरण, तरंग, नैनो संरचना उपकरण, डायोड
5.	डॉ. पवन कुमार	सहायक आचार्य	उन्नत झरझरा सामग्री, सेंसर, बायोमटेरियल, अपशिष्ट से धन

3. **विभाग में अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठियां/कार्यशालाएं/वेबिनार आयोजित**

नैनो विज्ञान एवं सामग्री विभाग द्वारा 19-20 अक्टूबर, 2022 तक सतत विकास के लिए सामग्री पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

फोटो 4: आईसीएमएसडी-22 में समझौता ज्ञापन समारोह

4. **प्रख्यात विद्वानव्यापक व्याख्यान आयोजित: नीचे औद्योगिक - अकादमिक व्याख्यान श्रृंखला जहां दो उद्योग विशेषज्ञ द्वारा भाषण का आयोजित किया गया था:**

1. डॉ. परवीन कुमार, प्रमुख, एक्सिगो लिमिटेड, पानीपत, हरियाणा
2. डॉ. साईकल्याण, निदेशक अनुसंधान, प्रीवेस्टडेनप्रो लिमिटेड

5. **जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन:** सामाजिक वैज्ञानिक उत्तरदायित्व (एसएसआर) – डॉ. पवन कुमार की ईसीआर-एसईआरबी अनुसंधान परियोजना के तहत विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, नई दिल्ली योजना, 13 मई, 2023 को एक दिवसीय आउटरीच गतिविधि का आयोजन किया गया था

फोटो 5: स्कूली छात्रों का लैब दौरा सामाजिक वैज्ञानिक उत्तरदायित्व

फोटो 6: स्थानीय साइंस कॉलेज के छात्रों का लैब दौरा सामाजिक वैज्ञानिक उत्तरदायित्व

6. क्षेत्र दौरा / औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा: एक दिवसीय औद्योगिक यात्रा (PrevestDenPro Limited) 24 नवंबर, 2022 को विभाग द्वारा पीजी और पीएचडी छात्रों के लिए आयोजित किया गया था।

फोटो 7: एम.एससी . (सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी) छात्र, संकाय सदस्य, कर्मचारी प्रेवेस्ट डेन (प्रो) जम्मू, भारत के दौरान 24 नवंबर, 2022 में औद्योगिक दौरा।

7. समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए

विश्वविद्यालय स्तर पर विभाग द्वारा दो औद्योगिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए:

1. 28 मई, 2022 को प्रीवेस्ट डेन (प्रो) जम्मू, भारत के साथ
2. जुलाई 2022 को एक्सिगो रीसाइक्लिंग, पानीपत, भारत

8. संकाय उपलब्धि

1. डॉ. पवन कुमार स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की दुनिया भर के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में चुने गए।

9. "आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर" के साथ संकाय प्रकाशन -

क्रम सं.	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1	रूम टेम्परेचर एनहांसमेंट ऑफ़ मैग्नेटोइलेक्ट्रिक कपलिंग इन मुलती फ्रोइस नैनो कम्पोजिट ऑफ़ PbTiO3—SrFe12O19	1557-1939	2022

2.	प्रिस्टिन SnO2 एंड SnO2/rGO नैनो कंपोजिट्स : सिंथेसिस , मैक्रोस्ट्रक्चरल , ऑप्टिकल एंड इलेक्ट्रिकल करक्टेरिस्टिक्स फॉर पोटेंशियल सेंसिंग ऍप्लिकेशन्स ,	0925-9635	2023
3.	इफ़ेक्ट ऑन स्ट्रक्चरल , मॉर्फोलॉजिकल , इलेक्ट्रिकल एंड ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज ऑफ़ GdMnO3 नैनो पार्टिकल्स इनडयूस्ड बाय बिस्मुथ सब्स्टिटूशन ,	0022-2461	2023
4.	नैनो मटेरियल कम्पोजिट बेस्ड नैनो फाइबर मेम्ब्रेन : सिंथेसिस टू फंक्शनलाइजेशन फॉर वेस्टवाटर पूरीफिकेशन	978-3-030-99857-8	2022
5.	रीसेंट एडवांसेज इन पोरस कार्बन -बेस्ड इनऑर्गेनिक फ्लेक्सिबल सेंसर जर्नी फ्रॉम मटेरियल सिंथेसिस टू सेंसर प्रोटोटीपिंग	978-981-19-7187-7	2023
6.	रीसेंट एडवांसेज इन ग्राफेन ऑक्साइड -फेराइट हाइब्रिड फ्रेमवर्क एस राडार अब्सॉर्बिंग मटेरियल	978-3-030-99857-8	2023
7.	शोल -जेल ऑटो -कंबसशन सिंथेसिस ऑफ़ डबल मेटल -डोप्ड बेरियम हेक्साफेरृत नैनो पार्टिकल्स फॉर परमानेंट मैगनेट ऍप्लिकेशन्स	0022-4596	2022
8	रूम टेम्परेचर फ्रोमैग्नेटिस्म इन मेटल ऑक्सिडेंस फॉर स्पिनट्रोनिक्स : ए कम्प्रेहैन्सिव रिव्यु	1572-817X	2022
9.	डोपान्त मेडिएटेड ऑग्मेंटेशन ऑफ़ नैनो ट्यूबिनिंग एंड अनोमलोउस एमिशन बेहेवियरfz	0022-2313	2022
10.	ऍप्लिकेशन्स ऑफ़ क्वांटम डॉट्स इन लाइट एमिटिंग देवीकेस	978-0-323-85279-1	2023
11.	CdS-बेस्ड फोटो डिटेक्टर्स फॉर विज़िबल -UV स्पेक्ट्रल रीजन	978-3-031-20510-1	2023
12.	II-VI सेमि कंडक्टर -बेस्ड ऑप्टिकल गैस सेंसर्स	978-3-031-23999-1	2023
13.	II–VI सेमि कंडक्टर -बेस्ड ऑप्टिकल टेम्परेचर सेंसर्स	978-3-031-23999-1	2023
14.	सब्सट्रेट -डिपेंडेंट फ्रैक्टल ग्रोथ एंड वेत्ताबिलिटी ऑफ़ N+ ion इम्प्लांटेड V2O5 थिन फिल्म्स	0169-4332	2023
15.	टोनिंग ऑफ़ स्ट्रक्चरल एंड मॉर्फोलॉजिकल चरक्टेरिस्टिक्स ऑफ़ V2O5 थिन फिल्म्स यूजिंग लौ एनर्जी 16 keV N+ for ऑप्टिकल एंड वेटिंग ऍप्लिकेशन्स	आईएसएसएन: 2754-2734	2023

16.	रीसेंट एडवांसेज एंड चैलेंजेज ऑफ़ कंडक्टिंग पॉलीमर - मेटल नैनो कंपोजिट्स फॉर द डिटेक्शन ऑफ़ इंडस्ट्रियल वास्ते गैसेस	2162-8769 (प्रिंट); 2162-8777 (वेब)	2023
17.	ए करेलशन बिटवीन फ्रैक्टल ग्रोथ , वाटर कांटेक्ट एंगल , एंड स इ र स इंटेंसिटी ऑफ़ R6G ऑन आयन बीम नैनो स्ट्रक्चर्ड अल्ट्रा -थिन गोल्ड (Au) फिल्म्स	2296-424X	2023
18.	ए रिव्यु ऑफ़ कम्पोजिट कंडक्टिंग पॉलीमर -बेस्ड सेंसर्स फॉर डिटेक्शन ऑफ़ इंडस्ट्रियल वास्ते गैसेस	2666-0539	2023
19.	सरस डिटेक्शन ऑफ़ रोडमीने -6G ऑन आयन बीम नैनो स्ट्रक्चर्ड अल्ट्रा -थिन गोल्ड (Au) फिल्म्स : ए करेलशन बिटवीन फ्रैक्टल ग्रोथ , वाटर कांटेक्ट -एंगल एंड रमन इंटेंसिटी	0022-2313	2023
20.	स्ट्रक्चरल , ऑप्टिकल , एंड इलेक्ट्रिकल प्रॉपर्टीज ऑफ़ V 2 O 5 थिन फिल्म्स : नाइट्रोजन इम्प्लांटेशन एंड रोले ऑफ़ डिफरेंट सुब्स्ट्रैटेस	2296-424X	2022
21.	प्रोजेक्टिले'स मास्स -डिपेंडेंट नैनो पाटर्निंग ऑफ़ सी (1 0 0) फॉर डिफरेंट इन्सिडेन्स एंगल्स	0167-577X	2022
22.	रिलेटिव कपाबिलिटी डेमोंस्ट्रेशन ऑफ़ लुमिनेसेन्ट Al-MOFs फॉर आइडियल डिटेक्शन ऑफ़ निट्रोएरोमैटिक एक्सप्लोसिव्स ,	1759-9660	2022
23.	ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज इवैल्यूएशन ऑन डी एंड फ मेटल ions बेस्ड डिसॉर्बोक्सीलिक MOFs फॉर पोलुतंत सेंसिंग	0250-4707	2022
24.	आइबूप्रोफेन टैग्ड इमिने RT-COF1 एस कस्टोमिसाबले व्हीकल फॉर कंट्रोल्ड ड्रग डिलीवरी एप्लीकेशन	1387-7003	2022
25.	प्रोग्रेसिव ट्रेंड्स इन हाइब्रिड मटेरियल -बेस्ड केमिरेसिस्टीवे सेंसर्स फॉर निट्रोएरोमैटिक कंपाउंड्स	2073-4360	2022
26.	प्रोग्रेसिव ट्रेंड्स ऑन द बिओमेडिकल ऍप्लिकेशन्स ऑफ़ मेटल आर्गेनिक फ्रेमवर्क्स	2073-4360	2022
27.	इफ़ेक्ट ऑफ़ टेम्परेचर ऑन वाटर सोलुबिलिटी एंड अब्सॉर्प्शन कैपेसिटी इन BTC-MOFs: ए फंडामेंटल स्टडी फॉर बिओमेडिकल ऍप्लिकेशन्स	0366-6352	2022
28.	रीसेंट ट्रेंड्स इन द डिज़ाइन , सिंथेसिस एंड बिओमेडिकल ऍप्लिकेशन्स ऑफ़ कवलेंट आर्गेनिक फ्रेमवर्क्स	2073-4360	2022
29.	ऑप्टिकल सेंसिंग कपाबिलिटी इवैल्यूएशन फॉर मेथ्य्लम्मोनियम बेस्ड परोव्स्किट्स फॉर एक्सप्लोसिव	1573-4994	2023

30.	इमिने लिंक्ड एंटी BSA @NUS-15 फॉर मॉलिक्यूलर सेंसिंग ऍप्लिकेशन्स	2041-6539	2023

10. - 2022-2023 के दौरान नई स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

क्रम संख्या	शीर्षक/स्वीकृति का वर्ष	निधीयन एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
1.	डिज़ाइन , सिंथेसिस एंड फेब्रिकेशन ऑफ़ मकैनिकल फ्लेक्सिबल सिंगल क्रिस्टल फोटो /थर्मल एक्टुएटर्स विद सेल्फ -हीलिंग ऍप्लिकेशन्स फॉर ओर्थपेडीक सॉफ्ट देवीकेस (Ref. No. PDF/2022/003392) अंडर डॉ . पवन कुमार / डॉ खुशबू यादव - २०२२	एसईआरबी, नई दिल्ली	जारी

जीव विज्ञान विद्यालय

- पर्यावरण विज्ञान विभाग
- प्राणि विज्ञान विभाग
- वनस्पति विज्ञान विभाग
- आणविक जीव विज्ञान केंद्र
- पृथ्वी विज्ञान विभाग

पर्यावरण विज्ञान विभाग

विभाग के संबंध में : – 2012 में स्थापित पर्यावरण विज्ञान विभाग (ईवीएस), प्रति वर्ष 30 प्रवेश क्षमता के साथ पर्यावरण विज्ञान में एमएससी की प्रस्तावित कर रहा है। चार बैच को अभी तक प्रवेश दिया गया है; दो पहले ही उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। विभाग पर्यावरण विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो बढ़ते विकास-स्थिरता संघर्षों को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण हो गया है, जो पृथ्वी ग्रह पर पौधे, पशु और मानव जीवन को बड़े पैमाने पर प्रभावित करता है। विभाग अपने छात्रों को पाठ्यक्रम की निरंतर समीक्षा, संशोधन और अद्यतन के माध्यम से रोजगार बाजार और अनुसंधान नवाचारों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि अनुशासन में हुई प्रगति, अनुसंधान और विकास के उभरते क्षेत्रों और नई प्रौद्योगिकियों को समझने में प्रगति हो सके। और पर्यावरणीय समस्याओं में सुधार लाना। वर्तमान पाठ्यक्रम यूजीसी द्वारा अनुशंसित विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप है जिसमें छात्रों को प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण भूविज्ञान और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में विशेषज्ञता का विकल्प दिया गया है। शिक्षण शिक्षाशास्त्र पारंपरिक कक्षा शिक्षण की तुलना में शिक्षार्थी-उन्मुख है। विभाग प्रयोगशाला और क्षेत्र में छात्रों के व्यावहारिक प्रशिक्षण पर जोर दे रहा है।

➢ **प्रस्तावित पाठ्यक्रम : –**

- ❖ एम.एससी . पर्यावरण विज्ञान
- ❖ पीएच.डी. पर्यावरण विज्ञान

➢ **संकाय विवरण:** –

क्रम सं	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	प्रो. सुनील धर	आचार्य	भूविज्ञान
2	प्रो. दीपक पठानिया	आचार्य	नैनो टेक्नोलॉजी
3	डॉ. ऋचा कोठारी	आचार्य	जैव ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, बायोरेमेडिएशन
4	डॉ. पंकज मेहता	सहायक आचार्य	मृदा भू-रसायन, जल रसायन
5	डॉ. श्वेता यादव	सहायक आचार्य	एरोसोल, वायु गुणवत्ता और जलवायु परिवर्तन

6	डॉ. दिनेश कुमार	सहायक आचार्य	मौसम प्रक्रियाएं, मॉडलिंग और पूर्वानुमान

➢ विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठियां/कार्यशालाएं/वेबिनार

पर्यावरण विज्ञान विभाग ने सतत पर्यावरण: जल-स्वास्थ्य-कृषि-जलवायु-नेक्सस पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 15 को किया और 16 सितंबर 2022

पर्यावरण विज्ञान विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू ने प्रो. संजीव जैन (माननीय कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय) के संरक्षण में 15 और 16 सितंबर 2022 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन का विषय सतत पर्यावरण: जल-स्वास्थ्य-कृषि-जलवायु-गठजोड़ है। दो पद्म श्री प्राप्तकर्ता आचार्य आरसी सोबती और डॉ. जनक पलटा मैकगिलिगन ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। डॉ. ए. के. सूद, सीजीएम- जम्मू, नाबार्ड और श्री पंकज वर्मा, विभागाध्यक्ष, ईएसजी, अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड इस कार्यक्रम के लिए सम्मानित अतिथि थे। सुनील धर (विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय) और आचार्य दीपक पठानिया (पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय) इस कार्यक्रम के अध्यक्ष हैं। आयोजन सचिव डॉ. अनीता सिंह, डॉ. पंकज मेहता, डॉ. श्वेता यादव और डॉ. दिनेश कुमार (पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय) के साथ डॉ. ऋचा कोठारी संयोजक हैं। सम्मेलन के सुचारू संचालन की तैयारियों में विभाग के शोधार्थी, छात्र और कार्यालय के कर्मचारी भी शामिल हैं।

पर्यावरण विज्ञान विभाग ने 20 से 25 तक फरवरी तक विंटर स्कूल 2023 का आयोजन किया

पर्यावरण विज्ञान विभाग ने "वायुमंडलीय एयरोसोल माप और स्रोत विभाजन अध्ययन के लिए उपकरण और विश्लेषणात्मक तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण" पर छह दिवसीय (20 - 25 फरवरी, 2023) कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यक्रम के मुख्य गणमान्य व्यक्ति उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा, श्री धीरज गुप्ता, आईएएस, सरकार के प्रमुख सचिव, श्री अरुण कुमार मेहता, आईएएस, मुख्य सचिव, जम्मू और कश्मीर, प्रो. सच्चिदा नंद त्रिपाठी एनकेएन समन्वयक, एनसीएपी थे; आईआईटी कानपुर, डॉ. बेंजामिन नॉल्ट और विलमिंगटन में सनसेट लेबोरेटरी इंक यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना के उपाध्यक्ष डॉ. जोशुआ डिक्सन। भारत भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कई छात्रों और शोधार्थी ने इस शीतकालीन स्कूल में भाग लिया और एयरोसोल माप और विश्लेषण से संबंधित विभिन्न उपकरणों पर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 20 अक्टूबर, 2022 को "बाहरी उपयोगकर्ता के रूप में पोर्टल से भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) डेटा तक कैसे पहुंचें" नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला शोधकर्ताओं और छात्रों को यह जानने की अनुमति देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी कि जीएसआई द्वारा प्रदान किए गए डेटा

का उपयोग बाहरी उपयोगकर्ता के रूप में कैसे किया जाए। कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष आचार्य सुनील धर के स्वागत भाषण से हुई। कार्यक्रम का नेतृत्व रिसोर्स पर्सन श्री विजय शिवगोत्रा, निदेशक/राजभाषा अधिकारी जीएसआई, एनआर, एसयू: जम्मू-कश्मीर यूटी, लद्दाख यूटी ने किया। इस कार्यक्रम में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग से आचार्य दीपक पठानिया, डॉ. ऋचा कोठारी, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. अनीता सिंह और कश्मीर विश्वविद्यालय, भूविज्ञान विभाग के डॉ. रणबीर सिंह ने भाग लिया। इस आयोजन में वक्ता ने विभिन्न भूवैज्ञानिक, भू-आकृतिविज्ञान और भूकंपीय अनुप्रयोगों के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के डेटा के उपयोग और पहुंच के बारे में चर्चा की। उन्होंने यह भी दिखाया कि जीएसआई वेबसाइट कैसे ब्राउज़ करें और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए विभिन्न टोपोशीट डाउनलोड करें। शोधकर्ता ने अपनी गहरी रुचि दिखाई और विषय के बारे में विभिन्न प्रश्न पूछे। वक्ता द्वारा उनके सभी प्रश्नों का उत्तर दिया गया। प्रदर्शन के दौरान आचार्य धर ने भी मदद की।कार्यक्रम बहुत इंटरैक्टिव थी। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुनील धर ने किया।

पर्यावरण विज्ञान विभाग ने सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र के सहयोग से पहला "अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस-2022" मनाया

जम्मू 20 जुलाई: पर्यावरण विज्ञान विभाग ने सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से 20 जुलाई 2022 को "चंद्र अन्वेषण, समन्वय और स्थिरता" विषय पर एक ऑफ़लाइन प्रश्नोत्तरी आयोजित करके पहला अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस मनाया। 60 बहुविकल्पीय प्रश्नों के साथ एक ऑफ़लाइन प्रश्नोत्तरी जिसमें विभिन्न विभागों (पर्यावरण विज्ञान, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग, लोक नीति एवं लोक प्रशासन, एनएसएस, अर्थशास्त्र, शैक्षिक अध्ययन, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, आदि विभाग) के छात्रों और शोधार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। माननीय कुलपति, प्रो. संजीव जैन केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू ने आयोजकों द्वारा किए गए प्रयासों की

सराहना की, और अपने संबोधन के दौरान, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चंद्रमा पर भविष्य के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए टॉप-बॉटम और बॉटम-अप दृष्टिकोण का उपयोग किया जाएगा। डॉ. विनय कुमार, संयोजक, सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र ने छात्रों को विकसित और विकासशील देशों द्वारा किए गए विभिन्न चंद्रमा मिशनों के बारे में जानकारी दी। पृथ्वी विज्ञान विभाग के आयोजन सचिव और समन्वयक लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता ने अपने संबोधन में छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस 2022 के इतिहास, महत्व और मनाए जाने के कारणों के बारे में जानकारी दी। औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा नियंत्रक (सीओई) डॉ. सुरम सिंह ने दिया।

फोटो कैप्शन: 20 जुलाई 2022 को "चंद्र अन्वेषण, समन्वय और स्थिरता" विषय पर आधारित ऑफ़लाइन क्विज़ में पहले अंतर्राष्ट्रीय चंद्रमा दिवस में भाग लेने वाले छात्र।

पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 22 अप्रैल, 2022 को जम्मू में 52 अंतर्राष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दिवस मनाया

पर्यावरण विज्ञान विभाग ने 22 अप्रैल, 2022 को जम्मू से 28 किमी उत्तर-पश्चिम में पीर पंजाल रेंज की तलहटी में चिनाब नदी के दाहिने किनारे पर स्थित मांडा का दौरा करके 52 अंतर्राष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दिवस मनाया, जो भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर में जम्मू जिले की अखनूर तहसील में एक पुरातात्विक स्थल है, जिसे 5500 साल बीपी की हड़प्पा सभ्यता की सबसे उत्तरी सीमा माना जाता है। साइट में भव्य और प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के अनमोल अवशेष हैं। औपचारिक स्वागत भाषण विभाग के विभागाध्यक्ष आचार्य सुनील धर ने दिया। पर्यावरण विज्ञान। धर ने सिंधु सभिता के विकासवादी इतिहास में जम्मू क्षेत्र के चिनाब बेसिन की भूमिका पर प्रकाश डाला। वर्ष 2022 के लिए अंतर्राष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दिवस का विषय "हमारे ग्रह में निवेश करें" था और तदनुसार विभाग के छात्रों को पृथ्वी दिवस के विषय के संदर्भ में प्राकृतिक संसाधनों के महत्व और उनके विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। पृथ्वी दिवस के अवसर पर विभाग के शैक्षिक दौरे के दौरान नदी के किनारे सभ्यताओं का विकास कैसे हुआ और कारण/कारक और ये क्यों गायब हो गए, इस पर भी विस्तार से चर्चा की गई। चिनाब नदी के जल गुणवत्ता

पहलुओं से संबंधित क्षेत्र प्रयोगों को संकाय सदस्यों (डॉ. ऋचा कोठारी, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. पंकज मेहता और डॉ. दिनेश कुमार) द्वारा भी प्रदर्शित किया गया था। प्रयोगशाला विश्लेषण के लिए पानी के नमूनों का व्यापक नमूना भी लिया गया था। छात्रों ने हिमालय की पर्वतमाला के मनोरम दृश्य के लिए स्थान के सबसे ऊंचे बिंदु अखनूर किले का भी दौरा किया। हिमालय की तलहटी (शिवालिक पर्वतमाला), त्रिकुटा पहाड़ियाँ (मध्य शिवालिक) और पीर पंजाल पर्वतमाला का एक हिस्सा स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। सुनील धर ने छात्रों को विभिन्न हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं के विकास के भूविज्ञान और सापेक्ष महत्व और ग्लेशियरों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में बताया, आचार्य धर ने उन तरीकों और कार्यप्रणाली का सुझाव दिया जिनके द्वारा ग्लेशियल मंदी से जुड़ी आसन्न आपदा का प्रबंधन और कमी की जा सकती है। डॉ. पंकज मेहता ने इस तथ्य पर जोर दिया कि धरती माता के पास मनुष्य की आवश्यकता के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन मनुष्य के लालच के लिए क्रम संख्या उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए, सभी हितधारकों के लिए एकजुट होकर काम करना अनिवार्य हो जाता है ताकि हिमालयी क्षेत्र के संवेदनशील भू-पर्यावरण की गिरावट को दूर किया जा सके।

फोटो कैप्शन: पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 22 अप्रैल, 2022 को 52 अंतर्राष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दिवस मनाया

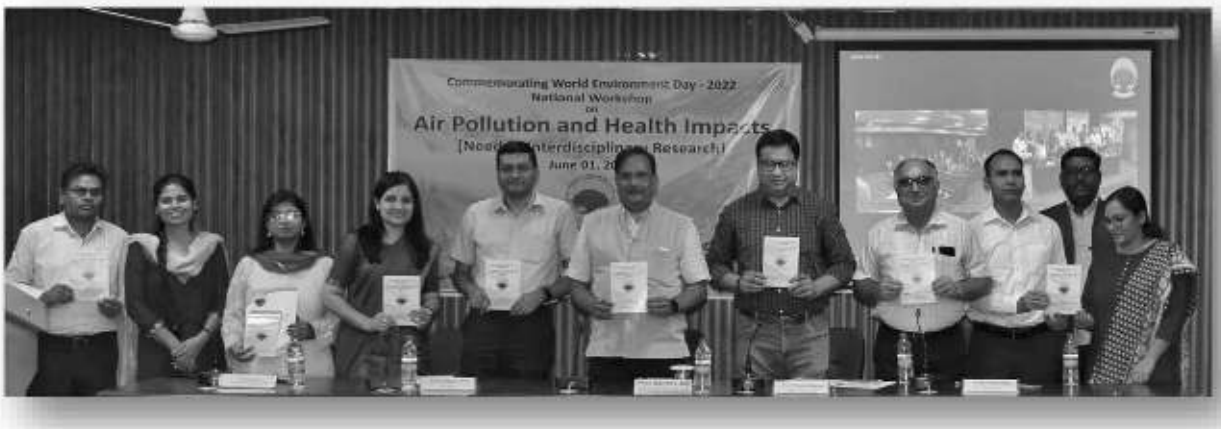

➢ प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन

'पर्यावरणीय स्थिरता' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया: नवीन कुमार अरोड़ा, विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बीबीएयू, लखनऊ द्वारा 3 को वर्तमान परिदृश्य, नवाचार और अवसर फरवरी 2023। 8 को "हिमालयी वन्यजीव और आर्द्रभूमि" विषय पर डॉ. पंकज चंदन द्वारा व्याख्यान आमंत्रित किया गया जून, 2022 समिति कक्ष, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में।

➢ क्षेत्र दौरा/औद्योगिक दौरा/ अध्ययन दौरा

पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विश्व आर्द्रभूमि दिवस-2023 मनाया

पर्यावरण विज्ञान विभाग ने 02 फरवरी, 2023 को यूटी के जिला सांबा में शिवालिक की तलहटी में देविका नदी के तट पर स्थित पुरमंडल उत्तर बाहनी में एमएससी सेमेस्टर II और IV के छात्रों के लिए एक क्षेत्र दौरा का आयोजन करके विश्व वेटलैंड दिवस मनाया। जम्मू और कश्मीर.

वर्ष 2023 के लिए विश्व वेटलैंड दिवस का विषय था "यह वेटलैंड बहाली का समय है" और तदनुसार छात्रों को वेटलैंड्स के महत्व और ग्रह पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। औपचारिक स्वागत भाषण पर्यावरण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील धर ने दिया। अपने संबोधन में प्रो. धर ने पर्यावरण के लिए आर्द्रभूमियों के महत्व और उनके कायाकल्प पर प्रकाश डाला। लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता क्षेत्र यात्रा के समन्वयक थे। उन्होंने उत्तरबेहनी पुरमंडल क्षेत्र में पर्यावरण संबंधी मुद्दों और अपशिष्ट प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। पर्यावरण विज्ञान विभाग के सभी संकाय सदस्य (प्रो. दीपक पठानिया, प्रो. ऋचा कोठारी, डॉ. श्वेता यादव और डॉ. दिनेश कुमार) भी छात्रों के साथ आए और उन्हें इस पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र के भूविज्ञान और जीव विज्ञान के बारे में जानकारी दी। छात्रों ने जीएचएसएस उत्तरबेहानी, पुरमंडल में भी पौधे लगाए।

2022-23 के दौरान संकाय उपलब्धियां

- सुनील धर ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से "जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण में हिमालय में ग्लेशियल झीलों के विकास और उनसे जुड़े जोखिमों पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। 21 - 23 सितंबर, 2022
- सुनील धर ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र, धर्मशाला के भूविज्ञान विभाग में धर्मशाला और उसके आस-पास के क्षेत्रों की भूकंपीयता और भूवैज्ञानिक विशिष्टताओं पर व्याख्यान दिया। 12.04.2022.
- सुनील धर ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र धर्मशाला के भूविज्ञान विभाग में हिमाचल प्रदेश के चिनाब बेसिन में ग्लेशियरों की मंदी पर व्याख्यान दिया। 01.07.2022.
- सुनील धर ने 04.03.2023 को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, जम्मू सर्कल के स्थापना दिवस समारोह में आमंत्रित अतिथि के रूप में भाग लिया और हिमालय के भूवैज्ञानिक पहलुओं पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

- स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी यूएस के सर्वेक्षण के अनुसार आचार्य दीपक पठानिया लगातार तीसरे साल (2020, 2021 और 2022) तक दुनिया के 2% वैज्ञानिकों में शामिल रहे।
- दीपक पठानिया 18 से पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के खतरनाक और अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन और सीमा पार आंदोलन) के तहत तकनीकी समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य हैं। अप्रैल, 2022 से अब तक।
- दीपक पठानिया को एशियन पॉलीमर एसोसिएशन द्वारा 24 को अपने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान समाज के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर योगदान के लिए सामाजिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। फरवरी, 2023।
- दीपक पठानिया ने भाषण दिया। 8 अगस्त, 2022 को हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान एनईपी-2020 की भूमिका और वैज्ञानिक अनुसंधान पर व्याख्याता आमंत्रित किए।
- दीपक पठानिया ने भाषण दिया। सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी, हिमाचल प्रदेश में जल शुद्धिकरण तकनीक पर व्याख्याता आमंत्रित 10 नवंबर, 2022 को।
- दीपक पठानिया ने भाषण दिया। आमंत्रित व्याख्याता सौर प्रकोष्ठ अवशोषक सामग्री और उपकरणों में हालिया प्रगति, जैव और सामग्री विज्ञान में हालिया रुझान, एसपीयू मंडी में 11-12 अक्टूबर, 2022।
- दीपक पठानिया ने भाषण दिया। शासकीय उपाधि कॉलेज धलारिया, जिला कांगड़ा में स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों पर व्याख्याता आमंत्रित किए गए हैं। कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश 6 को मार्च, 2023।
- दीपक पठानिया ने भाषण दिया। बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय, राजौरी, जम्मू एवं कश्मीर में 14 को बायोरेमेडिएशन: पर्यावरण संरक्षण के लिए एक आशाजनक दृष्टिकोण पर आमंत्रित व्याख्याता मार्च, 2023।
- दीपक पठानिया, अध्यक्ष, भारतीय परिप्रेक्ष्य में भौतिकी पाठ्यक्रम की सामग्री विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कार्यशाला 29-30 जून, 2022 को सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी, हिमाचल प्रदेश में आयोजित की गई।
- दीपक पठानिया 10-11 अक्टूबर, 2022 को हिमाचल प्रदेश के एसपीयू मंडी में आयोजित जैव और सामग्री विज्ञान में हाल के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के संरक्षक थे।
- डॉ. ऋचा कोठारी स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की वार्षिक सूची में शामिल हैं।
- डॉ. ऋचा कोठारी को एसोचैम जेएंडके वुमन अचीवर्स अवार्ड 2023 (जे एंड के वोमेन अचीवर्स अवार्ड 2023 की शिक्षा श्रेणी में, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 10 मार्च, 2023) से सम्मानित किया गया।
- डॉ. पंकज मेहता ने एनसीसी, 2 में एसोसिएट एनसीसी अधिकारी (रैंक लेफ्टिनेंट) के रूप में कमीशन प्राप्त करने के लिए ओटीए कैंपटी, नागपुर में तीन महीने का कठोर सेना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। भारत की रक्षा की रेखा।
- डॉ. पंकज मेहता ने प्रधानमंत्री मन की बात पर एक आमंत्रित भाषण दिया, जिसे ऑल इंडिया रेडियो (100.3 एफएम) (31-07-2022) पर प्रसारित किया गया था।
- डॉ. पंकज मेहता ने एनसीसी कैंपिंग ग्राउंड नगरोटा में सीएटीसी/प्री आरडीसी शिविर में "आपदा प्रबंधन और हरित भवन" विषय पर आमंत्रित भाषण दिया।
- डॉ. पंकज मेहता ने राष्ट्रीय एकता दिवस (31-10-2022) के अवसर पर सरकारी उपाधि कॉलेज पुंछ द्वारा आयोजित "एक राष्ट्र के रूप में भारत का एकीकरण" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- 4 पंकज मेहता के नेतृत्व में जेके बटालियन एनसीसी जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 25-11-2022 को सरकारी अस्पताल गांधीनगर, जम्मू द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में भाग लिया।
- 4 डॉ. पंकज मेहता के नेतृत्व में जेके बीएन एनसीसी जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 74 जन्मदिन मनाया। एनसीसी इकाई, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 27-11-2022 को एनसीसी दिवस का आयोजन
- 4 पंकज मेहता के नेतृत्व में जेके बटालियन एनसीसी जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 07-12-2022 को एनसीसी यूनिट, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सशस्त्र बल झंडा दिवस मनाया।
- डॉ. पंकज मेहता ने शिक्षा ओ अनुसंधान विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा द्वारा 3 को आयोजित "पंचमहाभूत-जीवन और प्रकृति का संतुलन" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।RD और 4 दिसंबर, 2022
- डॉ. पंकज मेहता ने 02-01-2023 को मुंबई विश्वविद्यालय के वीमीईटी द्वारा आयोजित "जलवायु परिवर्तन- शमन और अनुकूलन" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. पंकज मेहता ने पृथ्वी और जल पर आमंत्रित व्याख्यान दिया: *"जीवन और प्रकृति का संतुलन"* जीडीसी मिश्रीवाला द्वारा 22-03-2023 को आयोजित किया गया।
- डॉ. पंकज मेहता ने 24-02-2023 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "एक विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला की जीवन रेखा: व्यावसायिक उत्कृष्टता प्राप्त करने में क्यूए/क्यूसी" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. पंकज मेहता 07-12-2022 को नीलगिरि कॉलेज ऑफ आर्ट द्वारा आयोजित राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र अध्यक्ष थे।
- डॉ. पंकज मेहता ने 31-10-2022 को सरकारी उपाधि कॉलेज पुंछ, जम्मू-कश्मीर द्वारा आयोजित "एक राष्ट्र के रूप में भारत का एकीकरण" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. पंकज मेहता ने 14-02-2023 को पीडीके जम्मू द्वारा आयोजित "राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- कॉपीराइट कार्यालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता को "काशी 2 कश्मीर वाया जम्मू (के2केवीजे)" शीर्षक से एक आईपीआर प्रदान किया गया।
- कॉपीराइट कार्यालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता को "चाई ऑफ कैंपस, (मरेया कोएनिगी टी), केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू" नामक एक आईपीआर प्रदान किया गया।
- डॉ. श्वेता यादव भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएएस), आईएनएसए, नई दिल्ली (2023-2028) की सदस्य बन गई हैं।
- डॉ. श्वेता यादव पर भाषण दिया जीडीसी रामगढ़ द्वारा भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन, जम्मू चैप्टर के सहयोग से 24 को आयोजित "महिला सशक्तिकरण के साथ सतत विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "एसटीईएम गैप को समझना और इसे भरने के तरीके: विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में महिलाएं और लड़कियां" मार्च, 2023।
- डॉ. श्वेता यादव पर भाषण दिया 108 के महिला विज्ञान कांग्रेस में "महिला सशक्तिकरण के माध्यम से सतत विकास प्राप्त करने के लिए स्वच्छ वायु लक्ष्यों और स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण के लिए बहु-क्षेत्रीय रणनीतियां" आर.टी.टी.एम. नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर द्वारा आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस (3) – 7 जनवरी, 2023) 6 जनवरी, 2023।

- डॉ. श्वेता यादव 7 को राष्ट्रीय आपदा संस्थान, एमएचए, भारत सरकार द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर आयोजित एक ऑनलाइन वेबिनार में "परिवेशी एरोसोल की समझ से हिमालय पर जलवायु परिवर्तन की बेहतर समझ होगी" पर एक व्याख्यान दिया। दिसंबर, 2022।
- डॉ. श्वेता यादव 23 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (जम्मू एवं कश्मीर) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण में "हिमालय में जलवायु आपदा" पर एक व्याख्यान दिया[RD] सितंबर, 2022।
- डॉ. श्वेता यादव ने 21 से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, एमएचए, भारत सरकार के सहयोग से आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया -23[RD] सितंबर, 2022।
- डॉ. श्वेता यादव 7 को पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आयोजित "नीले आसमान के लिए स्वच्छ हवा का अंतर्राष्ट्रीय दिवस" पर राज्य स्तरीय समारोह में "भारत में स्वच्छ वायु लक्ष्य: स्रोत विभाजन अध्ययन का महत्व और स्थिति" विषय पर एक व्याख्यान दिया। सितंबर, 2022।
- डॉ. श्वेता यादव ने उत्तरी कैरोलिना के रैले में आयोजित 40 वें अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एरोसोल रिसर्च वार्षिक सम्मेलन [3 अक्टूबर - 7 अक्टूबर, 2022] में हिमालय में किए गए अपने शोध को प्रस्तुत किया।
- डॉ. श्वेता यादव ने 14 को भाषण दिया अक्टूबर, 2022 में पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग (ईएसई) और रसायन विज्ञान विभाग, गिलिंग्स स्कूल ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ, उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय में चैपल हिल में और आचार्य जेसन डी सुर्राट के साथ एक नया सहयोग स्थापित किया।
- विजिटिंग साइंटिस्ट के रूप में नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए की 22 दिवसीय शोध यात्रा के दौरान, डॉ. श्वेता यादव ने आइस न्यूक्लिटिंग पार्टिकल्स के ऑफ़लाइन माप के लिए कम लागत वाले अभिनव उपकरण विकसित करने पर काम किया। भारत में अपनी तरह की यह पहली आईएनपी माप सुविधा जल्द ही जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय कैंपस में कार्यात्मक होगा ।
- जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और स्मार्ट कृषि (आईसीएसएसए-2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. दिनेश कुमार – 7 अप्रैल 2023 (ऑनलाइन), कलिंग विश्वविद्यालय, नया रायपुर, भारत।
- डॉ. दिनेश कुमार प्रख्यात वक्ता के रूप में व्याख्यान देंगे डीएसटी-एसईआरबी ने 'पर्यावरणीय खतरों और आपदा प्रबंधन की निगरानी के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी', 2023 विषय पर पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा में 01-07 मार्च, 2023 तक कार्यशाला को प्रायोजित किया।

- **संकाय प्रकाशन**

क्रम सं	संकाय सदस्य का नाम	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईए न नंबर/आईएसबी एन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1	डॉ. सुनील धर	भूमि उपयोग/भूमि आवरण परिवर्तन और पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील हिमाचल हिमालयी वाटरशेड, उत्तरी भारत में मिट्टी के	2624-893X	2023

		कटाव पर इसका प्रभाव		
2	डॉ. सुनील धर	देहर वाटरशेड, हिमाचल हिमालय, उत्तर भारत की कटाव प्रवणता का निर्धारण करने के लिए हिप्सोमेट्रिक विश्लेषण	2455-1953	2022
3	डॉ. सुनील धर	उत्तर भारत के जम्मू में तवी नदी बेसिन के पूर्व और कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान क्लस्टर विश्लेषण का उपयोग करके प्रदूषित क्षेत्र में पानी की गुणवत्ता पर प्रभाव का आकलन	*2363-7692*	2022
4	डॉ. सुनील धर	तवी नदी बेसिन, पश्चिमी हिमालय, जम्मू एवं कश्मीर के नदी के पानी की गुणवत्ता पर कृषि प्रथाओं का प्रभाव	0971-7447	2022
5.	प्रो. दीपक पठानिया	टी के नदी के पानी की गुणवत्ता पर कृषि प्रथाओं का प्रभाव अवी नदी बेसिन, पश्चिमी हिमालय, जम्मू और कश्मीर	2455-6815	2022
6.	प्रो. दीपक पठानिया	सिस्प्लाटिन डिलीवरी के लिए ट्रैगाकैंथ गम पर आधारित स्मार्ट नैनोगेल की डिजाइनिंग	0959-8103	2022
7.	प्रो. दीपक पठानिया	एसीक्लोफेनाक के सौर सहायक फोटो-डिग्रेडेशन के लिए उच्च दृश्यमान प्रकाश सक्रिय LaFcO3/Cl-g-C3N4/RGO का निर्माण	2213-3437	2022
8.	प्रो. दीपक पठानिया	उत्तर भारत के जम्मू में तवी नदी बेसिन के पूर्व और कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान क्लस्टर विश्लेषण का उपयोग करके प्रदूषित क्षेत्र में पानी की गुणवत्ता पर प्रभाव का आकलन: एक पर्यावरण लचीलापन	2363-7692	2022
9.	प्रो. दीपक पठानिया	मैग्नेटाइज्ड और कार्बोनिलडिमिडाज़ोल-कार्यात्मक सेल्यूलोज नैनोफाइबर पर स्थिर लैक्केस का उपयोग करके बहुविध प्रदूषकों का बायोरेमेडिएशन	0048-9697	2023
10.	प्रो. दीपक पठानिया	चावल के पुआल व्युत्पन्न सेल्यूलोज नैनोफाइबर को जलीय माध्यम में सीआर	0959-6526	2023

		(VI) और Hg (II) के अल्ट्रा-ट्रेस फ्लोरोमेट्रिक परख के लिए एल-हिस्टिडाइन के साथ संशोधित किया गया		
11.	प्रो. दीपक पठानिया	*मोलिब्डेनम डिसल्फाइड-नाइट्रोजन ने एपिनेफ्रीन के इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसिंग के आधार पर ग्राफीन ऑक्साइड को कम कर दिया*	0254-0584	2023
12.	प्रो. दीपक पठानिया	विकासशील देशों में जैविक खतरनाक अपशिष्ट, अपशिष्ट प्रबंधन और संसाधनों के उपचार के लिए रासायनिक तरीके		2022
13.	प्रो. दीपक पठानिया	इलेक्ट्रोकेटेलिस्ट और ऊर्जा भंडारण, वॉल्यूम 1410, अमेरिकन केमिकल सोसाइटी, यूएसए		2022
14.	प्रो. दीपक पठानिया	विलवणीकरण और अपशिष्ट जल उपचार, खंड 1411, अमेरिकन केमिकल सोसाइटी, यूएसए		2022
15.	प्रो. ऋचा कोठारी	गर्मी भंडारण अनुप्रयोगों के लिए चरण परिवर्तन सामग्री पर एक व्यापक समीक्षा: विकास, लक्षण वर्णन, थर्मल और रासायनिक स्थिरता।	0927-0248	2022
16.	प्रो. ऋचा कोठारी	बायोमास और जैव रासायनिक प्रोफाइल के लिए खुले सीवेज दूषित चैनल अपशिष्ट जल में दो क्लोरेला प्रजातियों की खेती: तुलनात्मक प्रयोगशाला-पैमाने का दृष्टिकोण	0168-1656	2022
17.	प्रो. ऋचा कोठारी	बायोएथेनॉल उत्पादन के लिए लिग्नोसेलुलोसिक बायोमास वेलोराइजेशन: एक परिपत्र बायोइकोनॉमी दृष्टिकोण	1939-1234	2022
18.	प्रो. ऋचा कोठारी	सौर में प्रगति अभी भी चरण परिवर्तन सामग्री-आधारित टीईएस सिस्टम और पानी और अपशिष्ट जल उपचार अनुप्रयोगों के लिए नैनोफ्लुइड के साथ एकीकरण	1388-6150	2022

19.	प्रो. ऋचा कोठारी	एनारोबिक डिस्ट्रेसेट की उर्वरक क्षमता का विस्तार: मिट्टी के पोषक तत्व प्रोफाइल और सोलनम मेलोंगना एल के विकास पर प्रभाव	2352-1864	2022
20.	प्रो. ऋचा कोठारी	चरण परिवर्तन सामग्री एकीकृत सौर विलवणीकरण प्रणाली: टिकाऊ और स्वच्छ जल उत्पादन और भंडारण के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण	1364-0321	2022
21.	प्रो. ऋचा कोठारी	फ्रेंच बीन की जैव रासायनिक और उपज प्रतिक्रिया पर विभिन्न अपशिष्टों से प्राप्त बायोचार के पूरक का प्रभाव (फेजोलस वल्गरिस एल): एक प्रयोगात्मक अध्ययन	1878-8181	2022
22.	प्रो. ऋचा कोठारी	"बायोलिचिंग दृष्टिकोण का उपयोग करके समाप्त पेट्रोलियम और ऑटोमोबाइल उत्प्रेरक से प्लैटिनम समूह धातुओं का पुनर्चक्रण: संभावित, चुनौतियों और दृष्टिकोण पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा"।	1569-1705	2022
23.	प्रो. ऋचा कोठारी	कीटों पर कीटनाशकों की यंत्रवत कार्रवाई और उपचार रणनीतियों के साथ मछलियों और मानव स्वास्थ्य पर उनके परिणामी प्रभाव	2709-8028	2023
24.	प्रो. ऋचा कोठारी	"अनुकूलित पोल्ट्री उत्सर्जन लीचेट के साथ अलगल बायोमास विकास पर फोटोबायोरिएक्टर में विभिन्न कोणों का प्रभाव: एक बैच-स्केल अध्ययन"।	2311-5637	2023
25.	प्रो. ऋचा कोठारी	जेनेटिक इंजीनियर्ड अल्गल व्युत्पन्न बायोएक्टिव यौगिकों का संभावित एवेन्यू: मापदंडों, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं को प्रभावित करना। फाइटोकेमिस्ट्री की समीक्षा	1572-980X	2023
26.	प्रो. ऋचा कोठारी	आरएसएम और जीसी-एमएस-आधारित मेटाबोलॉमिक्स का उपयोग करके एक नए जीवाणु संघ सी 3 द्वारा ऑर्गनोफॉस्फोरस और पाइरेथ्रोइड अवक्रमण मार्गों का	1876-1070	2023

		अनुकूलन और स्पष्टीकरण		
20.	प्रो. ऋचा कोठारी	"अल्गल बायोमास कटाई के लिए फ्लोकुलेंट के रूप में बायोजेनिक और गैर-बायोजेनिक अपशिष्ट पदार्थों की क्षमता: तंत्र, पैरामीटर, चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं"।	1095-8630	2023
27.	प्रो. ऋचा कोठारी	बायोमास, बायोएनर्जी और बायोइकोनॉमी	978-981-19-2911-3	2023
28.	डॉ. पंकज मेहता	भारत के मध्य हिमालय के माणा बेसिन में सतोपंथ (एसपीजी) और भागीरथी-खड़क (बीकेजी) ग्लेशियरों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के संदर्भ में ग्लेशियर रिट्रीट विश्लेषण	2772-8838	2022
29.	डॉ. पंकज मेहता	भारत के जम्मू मैदानों में भूजल का मानव स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन और प्रदूषण सूचकांक: एक भू-स्थानिक दृष्टिकोण	1879-1298	2023
30.	डॉ. श्वेता यादव	जम्मू, भारत में पीएम 2.5 से जुड़े पानी में घुलनशील आयनिक प्रजातियों की एकाग्रता, स्रोत गतिविधि और वायुमंडलीय प्रसंस्करण में भिन्नता।	1573-2959	2022
31.	डॉ. श्वेता यादव	उत्तर में बायोएरोसोल विविधता और बर्फ न्यूक्लिटिंग कण-पश्चिमी हिमालय क्षेत्र	2169-8996	2022
32.	डॉ. श्वेता यादव	उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में कुल ओजोन स्तंभ के विभिन्न वर्गों में दीर्घकालिक रुझानों का विभाजन।	1573-2959	2022
33.	डॉ. श्वेता यादव	भारत में परिवेशी एरोसोल के स्रोत विभाजन की वर्तमान स्थिति	1352-2310	2022
34.	दिनेश कुमार	प्रकृति, पर्यावरण और प्रदूषण प्रौद्योगिकी: एक अंतरराष्ट्रीय त्रैमासिक वैज्ञानिक पत्रिका	2395-3454	2022
35.	दिनेश कुमार	पर्यावरण, फार्माकोलॉजी और जीवन विज्ञान के बुलेटिन:	2277-1808	

		जीवन विज्ञान की एक मासिक सहकर्मी-समीक्षा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका।		2022
36.	दिनेश कुमार	वैज्ञानिक स्वभाव: अंतःविषय अनुसंधान जर्नल	2231-6396	2022
37.	दिनेश कुमार	भारतीय उपमहाद्वीप में जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम की घटनाएं, (दिसंबर-2022 में स्वीकार किया गया, पृष्ठ 156-168 पर 2023 में मुद्रित)।	978-93-92239-58-8	2022
38.	दिनेश कुमार	उष्णकटिबंधीय चक्रवात: इसके प्रभाव और भविष्यवाणी, (दिसंबर-2022 में स्वीकार किया गया, पृष्ठ 112-120 पर 2023 में मुद्रित)	978-93-92239-58-8	2022
39.	दिनेश कुमार	कैनबिस सैटिवा और जलवायु परिवर्तन से निपटने की इसकी क्षमता: कैनबिस और इसके डेरिवेटिव के स्थायी लाभों को उजागर करना	9781668457184 (डीओआई: 10.4018/978-1-6684-5718-4.ch010)	2022

➤ अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

संस्तुत वर्ष	निधीयन एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
2022	आचार्य सुनील धर के तहत केएनपी (किश्तवाड़ हाई एल्टीट्यूड नेशनल पार्क) परियोजना	मंजूर
2023	डॉ. दिनेश कुमार (पीआई) के तहत डीएसटी एसईआरबी	वाहनों के उत्सर्जन और स्वास्थ्य प्रभावों का भू-स्थानिक मॉडलिंग और विश्लेषण: जम्मू का एक केस अध्ययन वित्त पोषित राशि: 44.7 लाख
2022	भारत के साथ त्रिपक्षीय कॉल - एसएनएसएफ-आईसीएसएसआर-एमओईएस के तहत प्रस्तुत भारत-	मंजूर

	स्विस संयुक्त अनुसंधान अनुदान: "उत्तर-पश्चिमी हिमालय (आईसीई-क्रंच) में आईसीई न्यूक्लिटिंग पैरिकल और क्लोडकंडेनसेशन न्यूक्ली गुण"	

प्राणि विज्ञान विभाग

संक्षिप्त परिचय:

1. प्राणि विज्ञान विभाग की स्थापना 2016 में प्राणि विज्ञान में पांच साल के एकीकृत बीएससी (ऑनर्स) एमएससी कार्यक्रम के शुभारंभ के साथ की गई थी। विभाग ने वर्ष 2019 से प्राणि विज्ञान में पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू किया।

विभाग एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के साथ गहन और गहन पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों के व्यावहारिक प्रशिक्षण और निरंतर आंतरिक मूल्यांकन पर जोर देता है।

2. प्रस्तावित पाठ्यक्रम :

(i) बी.एसी (ऑनर्स) एम.एस.सी प्राणि विज्ञान कार्यक्रम
(ii) प्राणी विज्ञान में पीएच.डी.

3. संकाय विवरण:

क्रम स.	**नाम**	**पदनाम**	**विशेषज्ञता का क्षेत्र**
1.	डॉ. श्वेताम्बरी जसरोटिया	हेड (आई/सी), सहायक आचार्य	जलीय जीव विज्ञान, जलीय कृषि, मत्स्य पालन, पारिस्थितिक प्रभाव मूल्यांकन
2.	डॉ. अंजलि धर	सहायक आचार्य	कीट विज्ञान, एप्लाइड टॉक्सिकोलॉजी, कीट जैव विविधता और संरक्षण, पर्यावरण क्षरण
3.	डॉ. विनीता शर्मा	सहायक आचार्य	पशु सिस्टमैटिक्स, वन्यजीव फोरेंसिक, संरक्षण जीवविज्ञान और एथोलॉजी
4.	सुश्री स्टैनज़िन लाडोल	सहायक आचार्य	न्यूरोबायोलॉजी

4. क्षेत्र दौरा / औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा

क) सत्र V, VII और IX का राज्य सरकार के पोल्ट्री फार्म, बेली चरणा का दौरा।

ख) 20/5/2022 को सत्र VII और IX के छात्रों द्वारा लाख संस्कृति और विश्व मधुमक्खी दिवस समारोह पर कार्यशाला में भाग लेने के लिए सुकास्ट का दौरा किया।

ग) मछली संस्कृति का अध्ययन करने के लिए सत्र VI के छात्रों द्वारा 15/12/2022 को मछली फार्म नोवाबाद का दौरा किया।

घ) आर्द्रभूमि दिवस समारोह के लिए 02/02/2023 को घराना वेटलैंड संरक्षण रिजर्व का दौरा किया।

ङ) एकीकृत बी.एसी (ऑनर्स) एम.एस.सी प्राणि विज्ञान के छात्रों द्वारा 12/11/2022 को "सुरिनसर पक्षी महोत्सव" मनाने के लिए सुरिनसर वेटलैंड का दौरा किया।

5. संकाय प्रकाशन

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1.	कश्मीर हिमालय, भारत की अरिपाल और वातलारा धाराओं के मैक्रोबेन्टिक अकशेरुकी घनत्व में मौसमी भिन्नता। जर्नल ऑफ इकोफिजियोलॉजी एंड ऑक्यूप्रस्तावित नल हेल्थ	आईएसएसएन 0974-0805	2022
2.	पारंपरिक मॉर्फोमेट्री की स्थिति और दायरा और जम्मू एवं कश्मीर (जे एंड के) मत्स्य पालन में बार कोडिंग के साथ इसका एकीकरण	आईएसएसएन: 0973-4929	2022
3.	उत्तर-पश्चिमी हिमालय के जम्मू क्षेत्र की इचिथियोफानेल विविधता और इसकी संरक्षण स्थिति।	आईएसएसएन – 0974-4517	2023
4.	रोग की रोकथाम में प्रेरित स्टेम कोशिकाओं के क्रांतिकारी दृष्टिकोण।	आईएसएसएन 283-296	2022
5.	पहाड़ी इलाकों और तलहटी में माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण: दूरदराज के क्षेत्रों में माइक्रोप्लास्टिक्स के स्रोत निष्कर्षण और वितरण पर एक समीक्षा	आईएसएसएन 0013-9351	2022
6.	माइक्रो (नैनो) प्लास्टिक प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य: प्लास्टिक मनुष्यों को कार्सिनोजेनेसिस कैसे प्रेरित कर सकता है।	आईएसएसएन 0045-6535	2022
7.	बंगाल की खाड़ी के सुंदरबन डेल्टा में माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण भार	आईएसएसएन 0304-3894	2022
8.	एवियन हेमोस्पोरिडियन (प्लाज्मोडियम और हेमोप्रोटियस) दो पक्षी समूहों में स्थिति भारत के पुरानी दुनिया के फ्लाईकैचर्स और थ्रशेस और दुनिया के अन्य वंशों के साथ उनके फाइटोलैनेटिक	आईएसएसएन 1896-1851	2022

	संबंध		
9.	गोजातीय सींग ट्रॉफी की पहचान करने के लिए एक अग्रणी विधि: वन्यजीव फोरेंसिक में एक संयुक्त मोर्फोमेट्रिक और डीएनए-आधारित दृष्टिकोण	आईएसएसएन 2666-9374	2022
10.	भारत के पिन वैली नेशनल पार्क में परिस्थितिजन्य साक्ष्य द्वारा सुझाए गए स्नो लेपर्ड पैंथेरा अनसिया और रेड फॉक्स वल्प्स के बीच क्लेप्टोपैरासिटिक इंटरैक्शन	आईएसएसएन0974-7907	2022
11.	टाइगर पेंथेर टाइग्रिस (लिनियस, 1758) और लायन पेंथेरा लियो (लिनियस, 1758) (मैमेलिया: कार्निवोरा: फेलिडे) की आयु का अनुमान: सीमेंटम वार्षिकी विश्लेषण विधि की प्रयोज्यता।	आईएसएसएन 0974-7907	2022
12.	ऑपरेशन सॉफ्ट गोल्ड - भारत में अवैध शहतूश व्यापार को रोकने में साइबर इंटेलिजेंस का एकीकरण	आईएसएसएन2666-9374	2022

-

वनस्पति विज्ञान विभाग

वनस्पति विज्ञान विभाग जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अस्थायी शैक्षणिक खंड में सत्र 2016-2017 में अस्तित्व में आया। यह कृषि से संबंधित समस्याओं की पहचान करने और समाज की भलाई के लिए वनस्पति विज्ञान के उपकरणों के हस्तक्षेप की पहचान करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रस्तावित किया गया था। वनस्पति विज्ञान विभाग को पादप विज्ञान से संबंधित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला जैसे आणविक मार्कर, जैव उर्वरक, अजैविक और जैविक तनाव से फसलों की रक्षा और दुर्लभ लुप्तप्राय औषधीय पौधों की रक्षा में शिक्षण और अनुसंधान में अनुभवी शिक्षकों की ताकत के साथ शुरू किया गया है। विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी आधुनिक उपकरणों और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके उच्च शिक्षण और अनुसंधान मानकों को स्थापित करना है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू एवं कश्मीर के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित है जहां कृषि विज्ञान के क्षेत्र में चुनौतियां हैं जो फसल उत्पादन को प्रभावित करती हैं। जम्मू एवं कश्मीर एक महत्वपूर्ण है जहां कई महत्वपूर्ण फसलों की खेती की जाती है जिसमें चावल, सेब, मक्का, गेहूं, आलू, अखरोट, बादाम, खुबानी, केसर और स्थानीय औषधीय पौधे शामिल हैं। वनस्पति विज्ञान विभाग का उद्देश्य पौधों से संबंधित स्थानीय समस्याओं की पहचान करना और पारंपरिक तकनीकों का अध्ययन करते हुए अत्याधुनिक अनुसंधान के माध्यम से समाधान खोजना है।

- **प्रस्तावित पाठ्यक्रम** : - एकीकृत बीएससी (एच) और एम.एस.सी वनस्पति विज्ञान और पीएचडी वनस्पति विज्ञान

- **संकाय विवरण:** –

	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	आचार्य बृजमोहन सिंह भाऊ	विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग	पादप जैव प्रौद्योगिकी
2.	डॉ. सामंथा वैष्णवी	सहायक आचार्य	आनुवंशिकी और आनुवंशिक मार्कर
3.	डॉ. दीपक भारद्वाज	सहायक आचार्य	पौधों में प्रकोष्ठ सिग्नलिंग, अजैविक और जैविक तनाव सहनशीलता।
4.	डॉ. विकास श्रीवास्तव	सहायक आचार्य	औषधीय पादप अनुसंधान, पादप जैव प्रौद्योगिकी, तनाव जीव विज्ञान

विभागीय गतिविधियाँ

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	विकास श्रीवास्तव	वरिष्ठ सहायक आचार्य	प्लांट बायोटेक्नोलॉजी और आणविक जीव विज्ञान, माध्यमिक चयापचय, संयंत्र तनाव जीव विज्ञान

➢ संकाय उपलब्धि

- रॉयल सोसाइटी साइंस पॉलिसी प्राइमर (27 - 29 सितंबर 2022 को द डी वेरे हॉर्सले एस्टेट, सरे, यूके में में भाग लिया।
- होराइजन-एमएससीए-2021-पीएफ-01-01 - एमएससीए पोस्टडॉक्टोरल छात्रवृत्ति 2021- उत्कृष्टता के साथ।

➢ "आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर" के साथ संकाय प्रकाशन

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1	सिंह, एस.के., श्री, ए., वर्मा, एस., सिंह, के., कुमार, के.श्रीवास्तव, वी., सिंह, आर., सक्सेना, एस., सिंह, ए.पी., पांडे, ए. और वर्मा, पी.के., 2023. नेक्रोट्रोफिक कवक एस्कोचिटाराबी से परमाणु प्रभावक एआरपीईसी 25 छोले प्रतिलेखन कारक सीए को लक्षित करता है।βएलआईएम 1 ए और लिग्निन बायोसिंथेसिस को नकारात्मक रूप से संशोधित करता है, जिससे मेजबान संवेदनशीलता बढ़ जाती है। प्लांट सेल, 35 (3), पीपी.1134-1159.https://doi.org/10.1093/plcell/koac372	1040-4651	2023
2	चौधरी, एए, मिश्रा, एस, मेहरोत्रा, एस, उपाध्याय, एसके, बागल, डी। श्रीवास्तव, वी।; "प्लांट ट्रांसक्रिप्शन कारक: पौधे के जीवन में उनकी भूमिका का अवलोकन"। प्लांट ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर, पीपी.3-20.	978-0-323-90613-5	2022
3	प्लांट ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर (संपादित करें) विकास श्रीवास्तवसोनल मिश्रा, शक्ति मेहरोत्रा, संतोष	9780323906135	2022

	उपाध्याय, एल्सेवियर (2022, आईएसबीएन: 9780323906135)।		

➢ **संकाय प्रकाशन**

क्रम सं	**आलेख/पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर**	**प्रकाशन का वर्ष**
1.	अजैविक और जैविक तनाव का मुकाबला करने के लिए पौधों में छोटे जीटीपेस और उनकी बातचीत की उभरती भूमिका।	1615-6102	2022

➢ **संकाय विवरण: –**

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
	सामंथा वैष्णवी	वरिष्ठ सहायक आचार्य	आनुवंशिकी और

➢ **प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन-**

i) आमंत्रित वार्ता' *बाजरा - हमारे पूर्वजों का सबसे अच्छा रहस्य* डॉ. दिनेश जोशी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप - विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा, उत्तराखंड द्वारा दिया गया।

➢ **जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन**

i) एक सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम, *'बाजरे की चौपालयह* आयोजन केंद्रीय विद्यालय-जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्राचार्य श्री अजीत के शर्मा के सहयोग से पंचायत घर, राया गांव में किया गया था।

➢ **संकाय प्रकाशन**

क्रम सं	**आलेख/पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर**	**प्रकाशन का वर्ष**
1	सार्स-सीओवी-2 जीनोम संरचना, उत्परिवर्तन, वंश और कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम का व्यापक विवरण	1746-0794 (प्रिंट); 1746-0808 (वेब)	2022
2	भारत में कोविड-19 संक्रमण की पहली और दूसरी लहर के दौरान सार्स-सीओवी-2 स्पाइक प्रोटीन के विकास का मानचित्रण	1746-0794 (प्रिंट); 1746-0808 (वेब)	2022

3	फसल विशेषता सुधार के लिए जीन संपादन प्लेटफार्मों के विकास को समझना	1664-8021 (ऑनलाइन)	2022

➢ **- 2022-2023 के दौरान नई स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण**

क्रम सं	**संस्तुत वर्ष**	**निधीयन एजेंसी**	**परियोजनाओं की स्थिति**
1.	2021	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार [रु. 33,60,480/-]	जारी
2.	2021	जम्मू एवं कश्मीर विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार परिषद, (जेकेएसटी और आईसी) जम्मू एवं कश्मीर डीएसटी [रु. 7,49,000/-]	जारी

- **संकाय विवरण: –**

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	प्रो. बी एस भाऊ	आचार्य	प्लांट-माइक्रोब इंटरैक्शन, आणविक विविधता, प्लांट डीएनए बारकोडिंग, ट्रांसजेनिक्स, प्लांट टिशू कल्चर, प्लांट स्ट्रेस बायोलॉजी

विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार

- **पादप विज्ञान में अनुप्रयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने पर राष्ट्रीय सम्मेलन (PARPS-2022)**

वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पादप विज्ञान में अनुप्रयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन (पीएआरपीएस -2022) का उद्घाटन 09 नवंबर 2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में किया गया। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव जैन इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे, जबकि शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेएयूएसटी), जम्मू के कुलपति आचार्य जेपी शर्मा, जम्मू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति आचार्य मनोज के धर और जम्मू-कश्मीर के सेवानिवृत्त पीसीसीएफ डॉ. सीएम सेठ सम्मानित अतिथि थे। इस अवसर पर आचार्य जेपी शर्मा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भूमि और जल संसाधनों में कमी के बावजूद, हमारे पास अधिशेष कृषि उत्पादन है। हालांकि, फसल कटाई के बाद की बर्बादी से काफी आर्थिक नुकसान होता है, और इन नुकसानों को कम करने के लिए प्रौद्योगिकियों को विकसित किया जाना चाहिए, जिससे किसान समृद्धि हो। प्रो.संजीव जैन ने पौधों के हमारे पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक रूप से प्रलेखित करने, संरक्षित करने और पेटेंट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने वैज्ञानिक संवाद और सामुदायिक बातचीत को बढ़ावा देने के लिए वनस्पति विज्ञान विभाग और इसके प्रमुख आचार्य बीएस भाऊ की सराहना की। आचार्य बीएस भाऊ ने आगे की कार्यवाही का अवलोकन करते हुए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई कि वनस्पति विज्ञान विभाग में, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय अनुसंधान आदर्श वाक्य 'थिंक ग्लोबल, द एक्ट लोकल' के साथ उन्मुख है।

- **संकाय प्रकाशन**

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1	हाइड्रोजन सल्फाइड-मध्यस्थता उन्मूलन और तापमान तनाव के दौरान अन्य सिग्नलिंग अणुओं के साथ इसकी परस्पर क्रिया, एस मिश्रा, ए ए चौधरी, बी एस भाऊ, वी श्रीवास्तव, प्लांट बायोलॉजी, 24, 569-575।	1438-8677	2022
2	पचौली के आनुवंशिक रूप से स्थिर पौधों में गैर-भ्रूण सिंथेटिक बीजों, आवश्यक तेल प्रोफाइलिंग और जीवाणुरोधी गतिविधि के अप्रत्यक्ष ऑर्गेनोजेनेसिस-मध्यस्थता उच्च आवृत्ति रूपांतरण। लालथाफम्किमी एल, भाऊ बीएस, कुमार एस, मुखिया एस, कुमार आर, बानिक डी, भट्टाचार्य पी, 3 बायोटेक, दिसंबर; 12(12):349.	2190-5738	2022
3	बबीता जोशी, लिपिका खतानियार, बीएस भाऊ, कृषि प्रणालियों में कार्बन डॉट्स की भूमिका: जैव प्रौद्योगिकी और नैनो टेक्नोलॉजी दृष्टिकोण, संपादक: राजू खान, एस. मुरली, सत्यव्रत गोगोई, कृषि प्रणालियों में कार्बन डॉट्स, अकादमिक प्रेस, पृष्ठ 225-240,	9780323902601	2022

- **- 2022-2023 के दौरान नई स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण**

क्रम संख्या	संस्तुत वर्ष	निधीयन एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
1.	2021	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार [रु. 33,60,480/-]	जारी
2.	2021	जम्मू एवं कश्मीर विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार परिषद, (जेकेएसटी और आईसी) जम्मू एवं कश्मीर डीएसटी [रु. 7,49,000/-]	जारी

- संकाय विवरण: –

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र

1	डॉ. अशोक कुमार	सहायक आचार्य	एंजियोस्पर्म का सिस्टमैटिक्स, जैव विविधता, घास के मैदान पारिस्थितिकी, पौधों का भूगोल

- **संकाय प्रकाशन**

क्रम सं	**आलेख/पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर**	**प्रकाशन का वर्ष**
1.	"पौधों में बोरॉन की जैव-रासायनिक चक्रण, सहिष्णुता तंत्र और फाइटोरेमेडिएशन रणनीतियों: एक महत्वपूर्ण समीक्षा"।	केमोस्फीयर वॉल्यूम 300	2022

आणविक जीव विज्ञान केंद्र

- आणविक जीव विज्ञान केंद्र का उद्देश्य बुनियादी और साथ ही वर्तमान जैविक विज्ञान में अनुसंधान करना है और जैविक दुनिया की हमारी समझ को आगे बढ़ाने और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए इस ज्ञान का उपयोग करना है। हमारा मिशन एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी अनुसंधान और शिक्षण वातावरण बनाना है जो छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों को जैविक विज्ञान के इस क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करेगा। इस केंद्र की शिक्षक बिरादरी उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने और शिक्षण और अनुसंधान के उच्चतम मानक को बनाए रखने के लिए सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से प्रतिबद्ध है। केंद्र का उद्देश्य आधुनिक जीव विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी अनुसंधान और प्रशिक्षण का संचालन करना है, और जीव विज्ञान के अंतर-अनुशासनात्मक क्षेत्रों में नई और आधुनिक तकनीकों के लिए केंद्रीकृत सुविधाओं को बढ़ावा देना है।
- **प्रस्तावित पाठ्यक्रम :** - 1. माइक्रोबायोलॉजी (4 क्रेडिट), 2. जैव सूचना विज्ञान (4 क्रेडिट), 3. निबंध (PGBTY4C001D) -18 क्रेडिट

- **संकाय विवरण: –**

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	प्रो. मुश्ताक अहमद	आचार्य	आणविक जीव विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान, टिकाऊ कृषि के लिए जैव-नियंत्रण एजेंट

- विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार : सीएमबी द्वारा 28-29 सितंबर, 2022 को आयोजित जेनेटिक इंजीनियरिंग और आणविक जीवविज्ञान में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन [ईटीजीएमबी - 2022]

- **प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन:**

- 30 सितंबर, 2022 को प्रख्यात व्याख्यान प्रो. एचबी सिंह, पूर्व प्रो. और विभागाध्यक्ष, माइकोलॉजी और प्लांट पैथोलॉजी विभाग, कृषि संस्थान, बीएचयू, वाराणसी-यूपी-221005 द्वारा दिया गया।

- **क्षेत्र दौरे / औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा :**

  दिसंबर, 2023 में डॉ. अशोक कुमार यादव और डॉ. शैली सहगल के नेतृत्व में एम.एस.सी जैव प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए औद्योगिक दौरा आयोजित किया गया।

- संकाय प्रकाशन

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1.	टिकाऊ कृषि प्रथाओं के लिए माइक्रोबियल बायोपेस्टिसाइड्स - पुस्तक में पुस्तक अध्याय - बायोपेस्टिसाइड्स, बायोइनोकुलेंट्स में प्रगति - एल्सेवियर	978-0-12-823355-9	2022

1. **संकाय का विवरण: –**

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	डॉ. अशोक कुमार यादव	सहायक आचार्य	प्रोबायोटिक, आंत माइक्रोबायोलॉजी, मेटाबोलॉमिक्स, मानव, स्वास्थ्य और आणविक जीव विज्ञान

2. विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार :
"जेनेटिक इंजीनियरिंग और आणविक जीव विज्ञान में उभरते रुझान" पर राष्ट्रीय सम्मेलन [ईटीजीएमबी - 2022] 28 - 29 सितंबर 2022।

3. **संकाय प्रकाशन**

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1.	Geobacillusthermoleovorans एमटीसीसी 13131: मणिकर्ण के गर्म झरने से अलग एक एमाइड-हाइड्रोलाइजिंग थर्मोफिलिक जीवाणु।	0046-8991	2022
2.	"बैक्टीरियल खाद्यजनित रोगजनकों की पहचान के लिए उन्नत नैदानिक तरीके: समकालीन और आगामी चुनौतियां"।	1549-7801	2022

3.	श्वसन पथ के रोगों के प्रबंधन और रोकथाम के लिए बायोथेरेप्यूटिक्स के रूप में प्रोबायोटिक्स।	1348-0421	2022
4.	एंजाइम-लिंक्ड इम्यूनोसॉर्बेंट परख द्वारा मायलोपेरोक्सीडेज गतिविधि का पता लगाना	978-1-0716-2509-5	2022
5.	प्रोबायोटिक्स के आसंजन गुणों के विवो मूल्यांकन में।	978-1-0716-2509-5	2022
6.	एर्गोट एल्कलॉइड और उनके चिकित्सीय अनुप्रयोगों का पता लगाना और प्रबंधन	978-1-003-24220-8	2023
7.	भोजन और फ़ीड में टी -2 विष और एचटी -2 विष की घटना, पता लगाना और प्रबंधन	978-1-003-24220-8	2023
8.	हेलिकोबैक्टर पाइलोरी की सतह पर हेटरोलॉगस हेपरन सल्फेट बाइंडिंग प्रोटीन की अभिव्यक्ति लैक्टोबैसिलस रेम्नोसस जीजी।	2190-5738	2023

4. **2022-2023 के दौरान नई स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण**

क्रम संख्या	संस्तुत वर्ष	निधीयन एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
1.	2023	आईसीएमआर-तदर्थ परियोजना	जारी

➢ **संकाय विवरण: –**

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
	डॉ. औदेश भट	सहायक आचार्य	आणविक जीव विज्ञान, गैर-संचारी रोगों के आनुवंशिकी

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशालाएं/वेबिनार :**

- एक सप्ताह की हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यशाला "प्रजनन स्वास्थ्य के मुद्दे और आनुवंशिक परीक्षण का महत्व 14 से 20 फरवरी 2023। आईसीएमआर-सीएआर परियोजना के तहत डॉ. औदेश भट द्वारा आयोजित

- **संकाय उपलब्धि**

- **"आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर" के साथ संकाय प्रकाशन**

क्रम सं	**आलेख/पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर**	**प्रकाशन का वर्ष**
1.	जीनोम स्थिरता में ट्रांसपोसेबल तत्वों की भूमिका: स्वास्थ्य और रोग के लिए निहितार्थ	1422-0067	2022
2.	कैनाग्लिफ्लोज़िन और डैपाग्लिफ्लोज़िन सोडियम-ग्लूकोज कोट्रांसपोर्टर -1 के निषेध के माध्यम से कार्डियोमायोसाइट्स में ग्लूकोलिपोटॉक्सिसिटी-प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव और एपोप्टोसिस को कम करते हैं।	2575-9108	2022
3.	पीसीओएस की प्रगति में आनुवंशिक, पर्यावरणीय और हार्मोनल कारकों की भूमिका: एक समीक्षा	2768-1114	2022

संकाय विवरण: –

क्रम संख्या	**नाम**	**पदनाम**	**विशेषज्ञता का क्षेत्र**
1.	डॉ. प्रवीण कुमार मेहता	सहायक आचार्य	माइक्रोबियल जैव प्रौद्योगिकी, जैव रसायन, एंजाइम प्रौद्योगिकी

- विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार : 28-29 सितंबर, 2022 को सीएमबी द्वारा आयोजित जेनेटिक इंजीनियरिंग और आणविक जीवविज्ञान में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन [ईटीजीएमबी - 2022]

- प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन: सिंह, पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, माइकोलॉजी और प्लांट पैथोलॉजी विभाग, कृषि संस्थान, बीएचयू, वाराणसी-यूपी-221005 द्वारा 30 को दिया गया प्रख्यात व्याख्यान सितंबर, 2022।

- **क्षेत्र दौरा / औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा:**

दिसंबर, 2023 में डॉ. अशोक कुमार यादव और डॉ. शैली सहगल के नेतृत्व में एम.एस.सी जैव प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए औद्योगिक दौरा आयोजित किया गया।

➢ **संकाय उपलब्धि**

"आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर" के साथ संकाय प्रकाशन

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1.	सिंह आर, किम डब्ल्यू सी, कुमारी ए और मेहता पी के, माइक्रोबियल पर एक सिंहावलोकन। -एमाइलेज और हाल के जैव प्रौद्योगिकी विकास, वर्तमान जैव प्रौद्योगिकी 2022; 11(1): 11-26	2211-5501	2022
	कुमार, ए., शाहुल, आर., सिंह, आर., कुमार, एस., कुमार, ए., और मेहता, पी.के. जियोबैसिलस थर्मोलियोवोरान्स एमटीसीसी 13131: मणिकर्ण के गर्म झरने से पृथक एक एमाइड-हाइड्रोलाइजिंग थर्मोफिलिक जीवाणु। इंडियन जे माइक्रोब्स 62, 618-626।	आईएसएसएन: 0046-8991	2022

संकाय विवरण: –

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	डॉ. शैली सहगल	सहायक आचार्य	माइक्रोबायोलॉजी, कैंसर बायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशालाएं/वेबिनार :**

सीएमबी द्वारा 28-29 सितंबर, 2022 को आयोजित जेनेटिक इंजीनियरिंग और आणविक जीवविज्ञान में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन [ईटीजीएमबी - 2022]।

➢ सिंह, पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, माइकोलॉजी और प्लांट पैथोलॉजी विभाग, कृषि संस्थान, बीएचयू, वाराणसी-यूपी-221005 द्वारा 30 को दिया गया प्रख्यात व्याख्यान सितंबर, 2022।

➢ **क्षेत्र दौरे / औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा:**

दिसंबर, 2022 में डॉ. अशोक कुमार यादव और डॉ. प्रवीण कुमार मेहता के नेतृत्व में एमएससी बायोटेक्नोलॉजी छात्रों के लिए औद्योगिक दौरा आयोजित किया गया।

➢ **संकाय उपलब्धि**

"आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर" के साथ संकाय प्रकाशन

क्रम सं	**आलेख/पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर**	**प्रकाशन का वर्ष**
1.	एमके मिश्रा, एस गुप्ता, शिवांगी और एस सहगल (2022), तंबाकू से जुड़े मौखिक कैंसर में लंबे समय तक गैर-कोडिंग आरएनए का आकलन, वर्तमान कैंसर ड्रग टारगेट्स 2022; 22(11).	1568-0096	2022
2.	शिवांगी, मनीष कुमार मिश्रा, सचिन गुप्ता, कोनिका राजदान, शशिसूदन, शैली सहगल, हेपेटाइटिस सी वायरस के आणविक वायरोलॉजी और निदान में प्रगति, मलेशियन जर्नल ऑफ बायोकैमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी 2022, (1), 68-76।	2600-9005	2022
3.	शिवांगी, के राजदान, एस सूदन, एम मिश्रा और एस सहगल (2022) उत्तर भारतीय तृतीयक देखभाल केंद्र में चिकित्सा बाह्य रोगी विभाग में भाग लेने वाले हेपेटाइटिस सी वायरस पॉजिटिव रोगियों के बीच वायरल लोड के विश्लेषण के लिए मात्रात्मक वास्तविक समय पीसीआर, रिसर्च जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, 17 (7): 139-148।	2278-4535	2022

पृथ्वी विज्ञान विभाग

विभाग के संबंध में :-

पृथ्वी विज्ञान विभाग एक नया विभाग है, जिसे 2020 में स्थापित किया गया था और यह पृथ्वी विज्ञान में पीएचडी की प्रस्तावित कर रहा है। शैक्षणिक सत्र 2020-2021.पृथ्वी विज्ञान पर सलाहकार समिति ने शैक्षणिक सत्र 2020-2021 के लिए पृथ्वी विज्ञान में पीएचडी पाठ्यक्रम कार्य को मंजूरी देकर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में अनुसंधान कार्यक्रम (पीएचडी/सहयोगी परियोजनाएं/परामर्श/अकादमिक उद्योग लिंकेज) शुरू करने के लिए स्वीकृत पृथ्वी विज्ञान विभाग को मंजूरी दे दी। पृथ्वी विज्ञान विभाग ने उपलब्ध बुनियादी ढांचे और संकाय सदस्यों के साथ अपना कामकाज शुरू किया।(प्रो. सुनील धर)(एचओडी, पृथ्वी विज्ञान विभाग), लेफ़्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता(समन्वयक, पृथ्वी विज्ञान विभाग). पृथ्वी विज्ञान विभाग हिमालय में प्राकृतिक खतरे के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें ग्लेशियरों, अपक्षय भू-रसायन पर मुख्य ध्यान केंद्रित किया जाता है। मृदा भू-रसायन,जल रसायनसामाजिक प्रासंगिकता वाली स्थानीय समस्याओं को समझने के लिए हिमालय की भूगतिकी पर जोर देकर हिमालय में उत्पन्न होने वाली रॉक-वाटर इंटरैक्शन और नदी प्रणालियां।

➢ **प्रस्तावित पाठ्यक्रम : –**

- ❖ पीएच.डी. पृथ्वी विज्ञान

➢ **संकाय विवरण: –**

क्रम सं	**नाम**	**पदनाम**	**विशेषज्ञता का क्षेत्र**
1.	प्रो. सुनील धर (एचओडी, पृथ्वी विज्ञान विभाग)	आचार्य	ग्लेशियोलॉजी, पृथ्वी की सतह की प्रक्रियाएं
2.	डॉ. पंकज मेहता(समन्वयक, पृथ्वी विज्ञान विभाग)	वरिष्ठ सहायक आचार्य	मृदा भू-रसायन, रॉक-वाटर इंटरैक्शन, जल रसायन विज्ञान, इंस्ट्रूमेंटेशन

➢ 2022 - 2023 **के दौरान संकाय उपलब्धियाँ**

- ➢ प्रो.सुनील धर ने **21 - 23** सितंबर, **2022** राष्ट्रीय आपदा संस्थान प्रबंधन, नई दिल्ली के सहयोग से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "आपदा जोखिम न्यूनीकरण" पर **3** दिवसीय प्रशिक्षण में हिमालय में हिमनद झीलों के विकास और उनके संबंधित जोखिमों पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- ➢ प्रो.सुनील धर ने **12.04.2022** को भूविज्ञान विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र, धर्मशाला में धर्मशाला और इसके आसपास के क्षेत्रों की भूकंपीयता और भूवैज्ञानिक विशिष्टताओं पर एक व्याख्यान दिया।

- प्रो.सुनील धर ने **01.07.2022** को भूविज्ञान विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र, धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश के चिनाब बेसिन में ग्लेशियरों की मंदी विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रो.सुनील धर ने **04.03.2023** को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, जम्मू सर्कल के स्थापना दिवस समारोह में आमंत्रित अतिथि के रूप में भाग लिया और हिमालय के भूवैज्ञानिक पहलुओं पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- लेफ्ट. डॉ. पंकज मेहता ने भारत की रक्षा की दूसरी पंक्ति एनसीसी में एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर (रैंक लेफ्टिनेंट) के रूप में नियुक्त होने के लिए ओटीए कैम्पटी, नागपुर में तीन महीने का कठोर सेना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता ने पीएम मन की बात पर एक आमंत्रित वार्ता दी, जिसे ऑल इंडिया रेडियो (**100.3** एफएम) (**31-07-2022**) पर प्रसारित किया गया था।
- लेफ्ट. डॉ. पंकज मेहता ने एनसीसी कैंपिंग ग्राउंड नगरोटा में सीएटीसी/प्री आरडीसी कैंप में "आपदा प्रबंधन और हरित भवन" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया (**15-22** दिसंबर, **2022**)
- लेफ्ट. डॉ. पंकज मेहता ने राष्ट्रीय एकता दिवस (**31-10-2022**) के अवसर पर सरकारी डिग्री कॉलेज पुंछ द्वारा आयोजित "भारत का एक राष्ट्र के रूप में एकीकरण" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता के नेतृत्व में चतुर्थ जेके बीएन एनसीसी सीयूजे ने **25-11-2022** को सरकारी अस्पताल गांधीनगर, जम्मू द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में भाग लिया।
- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता के नेतृत्व में चतुर्थ जेके बटालियन एनसीसी सीयूजे ने **27-11-2022** को एनसीसी यूनिट, सीयूजे द्वारा आयोजित **74**वां एनसीसी दिवस मनाया।
- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता के नेतृत्व में चतुर्थ जेके बटालियन एनसीसी सीयूजे ने **07-12-2022** को एनसीसी यूनिट, सीयूजे द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सशस्त्र बल झंडा दिवस मनाया।
- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता ने **3** और **4** दिसंबर, **2022** को शिक्षा ओ अनुसंधान विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा द्वारा आयोजित "पंचमहाभूत- जीवन और प्रकृति का संतुलन" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता ने **02-01-2023** को **VIMEET**, मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "जलवायु परिवर्तन- शमन और अनुकूलन" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता ने **22-03-2023** को जीडीसी मिश्रीवाला द्वारा आयोजित पृथ्वी और जल: "जीवन और प्रकृति का संतुलन" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता ने **24-02-2023** को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "विश्लेषणात्मक लैब की जीवन रेखा: व्यावसायिक उत्कृष्टता प्राप्त करने में क्यूए/क्यूसी" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता **07-12-2022** को नीलगिरि कॉलेज ऑफ आर्ट द्वारा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र अध्यक्ष थे।
- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता ने **31-10-2022** को गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज पुंछ, जम्मू-कश्मीर द्वारा आयोजित "एक राष्ट्र के रूप में भारत का एकीकरण" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता ने **14-02-2023** को पीडीके जम्मू द्वारा आयोजित "राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- कॉपीराइट कार्यालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता को "काशी 2 कश्मीर वाया जम्मू (**K2KVJ**)" शीर्षक से एक आईपीआर प्रदान किया गया।

- कॉपीराइट कार्यालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता को "कैंपस की चाय, (मुरैना कोएनिगी चाय), केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू" शीर्षक से एक आईपीआर प्रदान किया गया।

- 2022-23 **के दौरान "आईआईएसएन /आर आईएन सं/आईएसबीएन सं" के साथ संकाय प्रकाशन**

क्रम स.	**संकाय सदस्य का नाम**	**आलेख/पुस्तक का शीर्षक**	**आईआईएसएन नं/आरआईएन नं. / आईएसबीएन नंबर**	**प्रकाशन का नाम**
1.	डॉ. सुनील धर	भूमि उपयोग/भूमि आवरण परिवर्तन और पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील हिमाचल हिमालयी वाटरशेड, उत्तरी भारत में मिट्टी के कटाव पर इसका प्रभाव	2624-893X	2023
2.	डॉ. सुनील धर	देहर वाटरशेड, हिमाचल हिमालय, उत्तर भारत की कटाव प्रवणता का निर्धारण करने के लिए हिप्सोमेट्रिक विश्लेषण	2455-1953	2022
3.	डॉ. सुनील धर	उत्तर भारत के जम्मू में तवी नदी बेसिन के पूर्व और कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान क्लस्टर विश्लेषण का उपयोग करके प्रदूषित क्षेत्र में पानी की गुणवत्ता पर प्रभाव का आकलन	*2363-7692*	2022
4.	डॉ. सुनील धर	तवी नदी बेसिन, पश्चिमी हिमालय, जम्मू एवं कश्मीर के नदी के पानी की गुणवत्ता पर कृषि प्रथाओं का प्रभाव	0971-7447	2022
5.	डॉ. पंकज मेहता	भारत के मध्य हिमालय के माणा बेसिन में सतोपंथ (एसपीजी) और भागीरथी-खड़क (बीकेजी) ग्लेशियरों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के संदर्भ में ग्लेशियर रिट्रीट विश्लेषण	2772-8838	2022
6.	डॉ. पंकज मेहता	भारत के जम्मू मैदानों में भूजल का मानव स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन और प्रदूषण सूचकांक: एक भू-स्थानिक दृष्टिकोण	1879-1298	2023

व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय

- मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग
- पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग
- विपणन एवं श्रृंखला आपूर्ती प्रबंधन विभाग

मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग

➢ **संक्षिप्त परिचय :-**

विभाग छात्रों को व्यावसायिक स्थितियों से निपटने और उन्हें स्थापित निगमों की तरह हल करने के लिए तैयार करने में विश्वास रखता है। सीखना कक्षा के अंदर और बाहर दोनों जगह होता है, इसलिए, प्रौद्योगिकी मुख्य संस्कृति में एक बड़ी भूमिका निभाती हैं, और इसलिए वैश्विक प्रदर्शन, परियोजना प्रबंधन, महत्वपूर्ण तर्क और व्यावसायिक संचार कौशल होता है। एचआरएम एवं ओबी विभाग अनुभवात्मक सीखने के अवसरों, इंटर्नशिप, पाठ्यक्रम असाइनमेंट, उद्योग-अकादमिक बातचीत और अन्य उद्योग-संचालित परियोजनाओं के माध्यम से इन सभी पर जोर देता है।

➢ **प्रस्तावित पाठ्यक्रम :** – एमबीए और एमबीए (एचआरएम), पीएचडी (एचआरएम) और पीएचडी (बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन)

➢ **संकाय विवरण:** –

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	प्रो. जया भसीन	आचार्य, हेड और अधिष्ठाता, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय	मानव संसाधन प्रबंधन संगठनात्मक व्यवहार रणनीतिक प्रबंधन
2	डॉ. नीलिका अरोड़ा	सहायक आचार्य	व्यापार संचार और सकारात्मक संगठनात्मक व्यवहार
3	डॉ. गौहर रसूल	सहायक आचार्य	विपणन
4	सुश्री अंजलि पठानिया	सहायक आचार्य	सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन संगठनात्मक व्यवहार सूचना प्रणाली
5	श्री आसिफ अली	सहायक आचार्य	उद्यमिता, विपणन और वित्त

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार**

- 13.05.2022 को उद्यमिता विकास संस्थान जम्मू-कश्मीर के सहयोग से स्टार्टअप और ऊष्मायन के लिए उद्यमिता विकास पर कार्यशाला।

- बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के सहयोग से "निवेश के सिद्धांत" शीर्षक वाला वेबिनार 25.05.2022 को।
- 12.05.2022 को मेगा नियुक्ति ड्राइव का आयोजन किया गया।
- डेटा एनालिटिक्स के लिए आर-प्रोग्रामिंग पर 10 दिवसीय एफडीपी का आयोजन 19.07.2022 को किया गया।
- आईपी साक्षरता और जागरूकता के लिए कलाम कार्यक्रम (कपिला) के तहत आईपीआर पर29.07.2022 कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- रिसर्च स्कॉलर्स और छात्रों के लिए स्मार्ट-पीएलएस पर 12-14.09.2023 कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- ओणम उत्सव 15.09.2023
- सीवी बिल्डिंग कार्यशाला 28.09.2023
- लिंग संवेदीकरण पर परामर्श सत्र 28.09.2023
- संगठित व्यापार उत्सव "अनुभूति-द वाइब" 14.12.2022
- एनआईएसएम और सेबी द्वारा 22.012.2022 को वित्तीय शिक्षा पर कार्यशाला
- 17.01.2023 को कैरियर विकास कौशल पर सत्र का आयोजन
- स्टार हेल्थ द्वारा कैंपस नियुक्ति 19.01.2023
- औद्योगिक दौरा 09.02.2023
- नियुक्ति ड्राइव 17.02.2023
- अल्ट्राटेक नियुक्ति ट्रेनिंग 27.03.2023

- **प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन**

एमएससीएम के सहयोग से एचआरएम एंड ओबी विभाग ने 01.06.2022 को उत्पाद बंडलिंग और उपभोक्ता पसंद पर आचार्य बिथला आर आरएओ, सैमुअल कर्टिस जॉनसन ग्रेजुएट स्कूल ऑफ प्रबंधन, कारमेल विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया।
वीके गुप्ता, आईआईएम इंदौर द्वारा 26.07.2022 को बिजनेस स्टडीज और रिसर्च लेक्चर में उभरते मुद्दों पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।
प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला संगोष्ठी: आचार्य मुरली के मंत्राला, नेड फ्लेमिंग, आचार्य ऑफ मार्केटिंग यूनिवर्सिटी ऑफ कंसा, यूएसए द्वारा 02.02.2023

- समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।
  स्टार हेल्थ
- (01.04.2022 से 31.03.2023) के दौरान संकाय उपलब्धि प्रो. जया भसीन और श्री आसिफ अली ने एनपीटीईएल 2023 की परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया।

➢ (01.04.2022 से 31.03.2023) "आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर" के साथ संकाय प्रकाशन

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मार्केटिंग (एआईएम): गौहर रसूल और सैयस्ता अनायत द्वारा बिब्लियोमेट्रिक का उपयोग करके डॉट्स को कनेक्ट करना	1944-7175	अगस्त 2022
2	क्या ऑनलाइन समीक्षाएं नए चरवाहे हैं?' - पठानिया ए सौमिया डी द्वारा व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल के लिए पहनने योग्य प्रौद्योगिकी अपनाने में झुंड के व्यवहार की जांच करना। और रसूल, जी।	1466-4445	नवंबर 2022
3	ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म के प्रति उपयोगकर्ताओं का दृष्टिकोण और अपेक्षा अनुरूपता मॉडल और सक्षम लेंस सिद्धांत के माध्यम से अंतर्दृष्टि	24524552658	नवंबर 2022
4	पर्यटकों के साइट-विशिष्ट पर्यावरणीय रूप से उत्तरदायी व्यवहार के निर्धारक: एक पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र परिप्रेक्ष्य डॉ. नीलिका अरोड़ा द्वारा	0047-2875; 1552-6763	जुलाई 2022
5	उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों के बीच शांत अहंकार और कल्याण: प्रो.जया भसीन द्वारा कोविड निहितार्थ पर एक अध्ययन	978-81-950596-1-4	मई 2022
6	सतत विकास के लिए हरित मानव संसाधन प्रबंधन रामबाण : प्रो.जया भसीन और डॉ. शाहिद मुश्ताक द्वारा व्यवस्थित साहित्य समीक्षा	प्रकाशन के लिए प्राप्त स्वीकृति	दिसंबर 2022 में प्रकाशन के लिए प्राप्त स्वीकृति

➢ **- 2022-2023 के दौरान नई स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण**

क्रम संख्या	संस्तुत वर्ष	निधीयन एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
1	2022	आईसीएसएसआर	पूरा किया
2	2022	एनसीडब्ल्यू	पूरा किया
3	2022	एसटी जम्मू एवं कश्मीर सरकार का निदेशालय	जारी
4	2022	डीएसीई	जारी
5	2020	उच्च शिक्षा निदेशालय, जम्मू-कश्मीर सरकार	जारी

पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

संक्षिप्त परिचय:-

डीटीटीएम की स्थापना 2012 में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में की गई थी। अपनी स्थापना के दिन से, डीटीटीएम पर्यटन शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता केंद्र बनने का सपना देख रहा है।

डीटीटीएम ज्ञान के प्रसार के माध्यम से उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करके पर्यटन शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित करने की इच्छा रखता है और एक ऐसा पाठ्यक्रम प्रारंभ करने का प्रयास करता है जो उद्योग, समाज और पर्यावरण की जरूरतों के अनुरूप होगा।

➢ **संकाय विवरण: –**

क्रम संख्या	**नाम**	**पदनाम**	**विशेषज्ञता का क्षेत्र**
1.	डॉ. अमित गंगोटिया	वरिष्ठ सहायक आचार्य ; कार्यकारी अध्यक्ष	पर्यटन शिक्षा, समुदाय आधारित पर्यटन, स्मार्ट पर्यटन, अनुभवात्मक पर्यटन
2.	डॉ. भारती गुप्ता	वरिष्ठ सहायक आचार्य	सांस्कृतिक और रचनात्मक पर्यटन, सतत पर्यटन विकास, सैन्य पर्यटन, शांति पर्यटन, आध्यात्मिक और तीर्थयात्रा पर्यटन
3	डॉ. रंजीत कुमार रमन	वरिष्ठ सहायक आचार्य	गंतव्य प्रबंधन, पर्यटन स्थिरता, प्रभावशाली विपणन, पर्यटक व्यवहार
4.	श्री राहुल ठाकुर	सहायक आचार्य	समुदाय आधारित पर्यटन, पर्यटन भूगोल, सेवा विपणन, साहसिक पर्यटन, डिजिटल विपणन, इवेंट प्रबंधन

➢ **संकाय प्रकाशन**

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष

1.	जलवायु परिवर्तन और पर्यटन: एसआईडीएस में पर्यटन लचीलापन बढ़ाने के लिए एक प्रतिमान	आईएसएसएन: 1755-4217	2022
2.	सामाजिक उद्यमिता और गाय पर्यटन: अनुभवात्मक अर्थव्यवस्था के नए परिदृश्यों की खोज	आईएसएसएन: 1750-6204 आईएसएसएन ऑनलाइन: 1750-6212 (https://doi.org/10.1108/JEC-04-2022-0049)	2022
3.	कोविड संकट और पर्यटन स्थिरता: एक व्यावहारिक बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण	आईएसएसएन: 2071-1050 (https://doi.org/10.3390/su141912151)	2022
4.	हिमाचल प्रदेश, भारत में स्नातक स्तर पर पर्यटन में व्यावसायिक शिक्षा: उद्योग की अपेक्षाओं और अकादमिक वितरण के बीच अंतर की खोज	प्रिंट आईएसएसएन: 1448-0220 ऑनलाइन आईएसएसएन: 2204-0544 (https://doi.org/10.1080/14480220.2022.2152469)	2022
5.	हितधारकों के दृष्टिकोण से वित्तीय समावेशन के आयामों की खोज: जम्मू जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से साक्ष्य	2336-4297 (ऑनलाइन)	2022
6.	बौद्ध परिपथ (भारत) की छवि निर्धारित करने वाले कारक	1303-5150	2022
7.	सापेक्ष महत्व सूचकांक का उपयोग करके बौद्ध सर्किट की छवि का मूल्यांकन करना	0975-4954	2023
8.	गंतव्य प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में ट्रैवल व्लॉगर्स की भूमिका की खोज: सुला वाइनयार्ड (नासिक) से साक्ष्य	978-93-5890-932-6	2022

➢ - 2022-2023 के दौरान नई स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

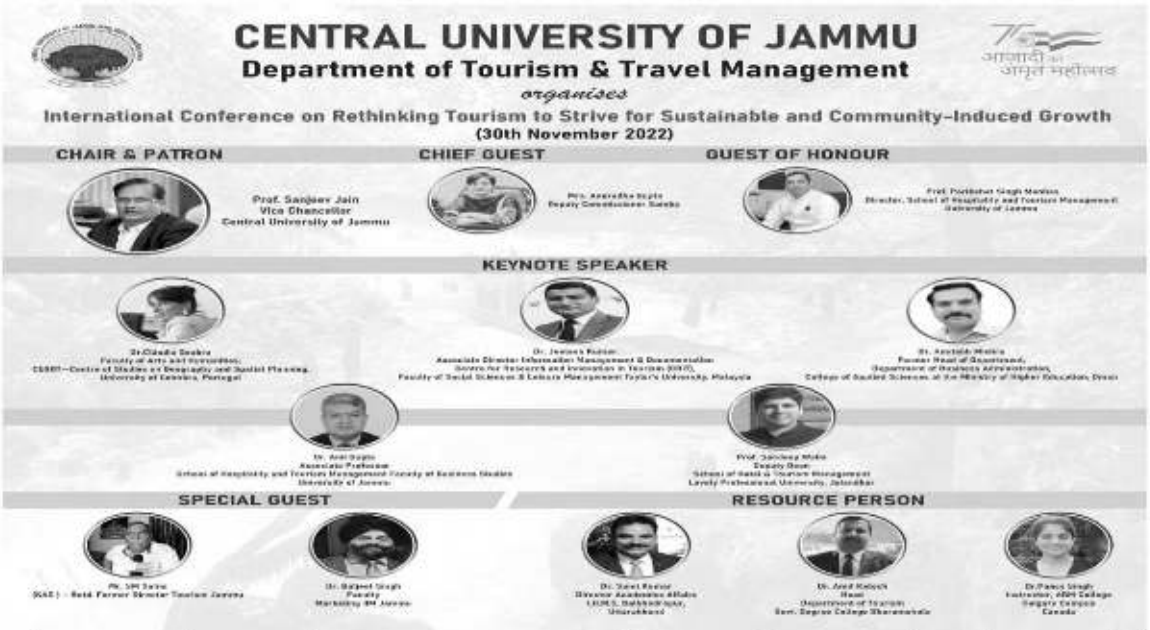

क्रम संख्या	संस्तुत वर्ष	निधीयन एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
1	21 नवंबर 2022	यूनेस्को	जारी

1. 2022 में पर्यटन पेशेवरों के लिए अवसर और चुनौतियों पर वेबिनार 4 को अप्रैल 2022 में श्री लोकेश बग्गा, सहायक उपाध्यक्ष, ली पैसेज टू इंडिया।
2. "स्थानीय समुदायों की पहचान को पुनर्जीवित करने के लिए कौशल आधारित रचनात्मक पर्यटन विकास" पर जीआईएएन (अकादमिक नेटवर्क के लिए वैश्विक पहल) ऑनलाइन पाठ्यक्रम 18 से – 24 अप्रैल 2022।
3. आर-सॉफ्टवेयर पर एक शोध पद्धति कार्यशाला 2 मई 2022 से 6 मई 2022 तक ऑनलाइन माध्यम पर आयोजित की गई, जिसमें 8 मई 2022 को एक विशेष सत्र आयोजित किया गया।
4. कोविड-19 के बाद की दुनिया में "नया पर्यटन" और "न्यू नॉर्मल" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन माध्यम) 26 से – 27 मई 2022।
5. पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 6 सितंबर, 2022 को "सीवी लेखन" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
6. 30 को नवंबर 2022 को सतत और समुदाय-प्रेरित विकास के लिए प्रयास करने के लिए पर्यटन पर पुनर्विचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन

1. जेके बोर्ड स्कूल एजुकेशन (बीओएसई) के अध्यक्ष आचार्य (डॉ) परीक्षित सिंह मन्हास द्वारा "आजादी का अमृत महोत्सव" के तत्वावधान में 14 जुलाई 2022 को गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाने के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया था।

2. पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय 5 सितंबर, 2022 को पूर्व छात्र वार्ता का आयोजन करता है। जिसमें, श्री चंद्र भूषण, प्रबंधक संचालन, एमआईसीई, टीएनवाई हॉलिडेज प्राइवेट लिमिटेड और श्री बाबर, पूर्व टूर मैनेजर, Yatra.Com (बैच 2015-2017) ने छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उद्योग द्वारा आवश्यक समकालीन कौशल सेटों के बारे में भी विस्तार से बताया।

3. डेस्टिनेशन ब्रांडिंग में सोशल मीडिया की भूमिका को समझने पर डॉ. मोनिसा कादिरी, सीनियर असिस्टेंट आचार्य, पत्रकारिता और जनसंचार, इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू एवं कश्मीर द्वारा व्याख्यान

4. श्री गुरजोत का व्याख्यान
5. पूर्व छात्रों के साथ स्वागत बातचीत और 11 को श्री शमिल द्वारा उद्योग के रुझान पर व्याख्यान अप्रैल 2022

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

1. डॉ. अमित गंगोटिया को इंटैक, जम्मू चैप्टर द्वारा रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया था। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग के रिसर्च स्कॉलर और छात्रों ने विरासत मंदिर गलियारे को सूचीबद्ध करने और दस्तावेज करने के लिए स्वयंसेवकों के रूप में भाग लिया। पुरमंडल के साथ मंगलवार, 20 सितंबर 2022 को संरक्षण आर्किटेक्ट्स।

डॉ. अमित गंगोटिया

1. विगन- फिलीपींस के डिवाइन वर्ड कॉलेज में कॉलेज ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म प्रबंधन द्वारा आयोजित आतिथ्य और पर्यटन (ऑनलाइन माध्यम) पर अफ्रीका और एशिया प्रशांत सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया और "आतिथ्य और पर्यटन उद्योग में सतत संचालन प्रबंधन - 2022" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

2. डीटीएचएम- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय वेबिनार में प्रमुख वक्ता के रूप में भाषण दिया: "पोस्ट-पैनडेमिक सस्टेनेबल टूरिज्म प्रबंधन : द न्यू रियलिटी ऑफ मैनेजिंग टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी" (24 मई, 2022) डीटीएचएम, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया।

3. 2 अप्रैल, 2022 को राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित, अटल बिहारी वाजपेयी गवर्नमेंट कॉलेज, तकीपुर, हिमाचल प्रदेश।

4. स्कूल ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म प्रबंधन, जम्मू विश्वविद्यालय में वाइवा के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

5. राजकीय उपाधि कॉलेज, धर्मशाला के यात्रा एवं पर्यटन विभाग द्वारा 8 सितंबर, 2022 को "टूरिज्मो त्रिगर्थ कार्निवल" के दौरान "हिमाचल प्रदेश के परिप्रेक्ष्य से पर्यटन पर पुनर्विचार" पर कार्यशाला में मुख्य वक्ता और संसाधन व्यक्ति।

6. परियोजना विरासत मंदिरों की लिस्टिंग के शुभारंभ के दौरान वक्ता के रूप में आमंत्रित
20 सितंबर 2022 को इंटैक जम्मू चैप्टर द्वारा पुरमंडल - उत्तरबेहनी का आयोजन किया गया।

7. राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला द्वारा 3 दिसंबर, 2022 को पर्यटन, व्यवसाय प्रबंधन, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

8. एचपीकेवी बिजनेस स्कूल, स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड प्रबंधन स्टडीज, शिक्षा विद्यालय, एमओओसी पार्कोशथ और हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी प्रकोष्ठ द्वारा 15 से 21 मार्च, 2023 तक यूजीसी कंसोर्टियम फॉर एजुकेशन कम्युनिकेशन (सीईसी) द्वारा प्रायोजित "मैसिव ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी) - निर्मित, विकास और वितरण" पर एक सप्ताह की कार्यशाला सह संकाय विकास को सफलतापूर्वक पूरा किया।

9. 03 शोध लेखों का प्रकाशन।

डॉ. भारती गुप्ता

1. नवंबर 2022 की "ग्रामीण भारत में महिला उद्यमिता में तेजी: आत्मनिर्भरता और लैंगिक समानता के लिए डिजिटल सशक्तिकरण की ओर" पर यूनेस्को द्वारा स्वीकृत एक अंतरराष्ट्रीय परियोजना के परियोजना निदेशकों में से एक।

2. सरकारी और निजी नर्सिंग कॉलेजों/जीएनएम/एएनएमटी विद्यालयों और जिला कठुआ के एमएलएचपी के लिए दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) में सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, कठुआ के सहयोग से एकेडमी ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (एएचए), भारत द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) में संसाधन संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया है। कठुआ।

3. स्कूल ऑफ होटल प्रबंधन एंड टूरिज्म, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा 03-04 फरवरी 2023 को "पुनर्योजी पर्यटन: नवाचार, रचनात्मकता और स्थिरता विषय पर सतत विकास लक्ष्य और प्रबंधन प्रथाएं" शीर्षक से अपने चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है।

4. ऑल इंडिया रेडियो द्वारा जम्मू को 2022 में तीन बार और जनवरी 2023 में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर तीन बार रेडियो वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

5. कोविड-19 के बाद की दुनिया में "नया पर्यटन" और "न्यू नॉर्मल" पर प्रतिबिंब पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के महासचिव सम्मेलन के महासचिव 26 को आयोजित[वा]-27 मई 2022।

6. 22 सितंबर और 27 सितंबर 2022 को आयोजित संस्थान नवाचार परिषद, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्टार्ट अप समन्वयक के रूप में आयोजित नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप पर एक कार्यशाला के समन्वयक।

7. मई 2022 में आयोजित एमएचआरडी के कार्यक्रम योजना ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क (जीआईएएन) के तहत स्वीकृत "स्थानीय समुदाय की पहचान को पुनर्जीवित करने के लिए कौशल आधारित रचनात्मक पर्यटन विकास" पाठ्यक्रम के समन्वयक के रूप में कार्य किया।

8. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी रिव्यूज के सेक्शन एडिटर (ट्रैवल एंड टूरिज्म) के रूप में प्रकाशित संपादकीय व्यापार और प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान में अनुक्रमित; और उन्नत विज्ञान सूचकांक।

9. 2022 में 01 शोध लेख, समाचार पत्र और पत्रिका में 08 लेख और 2023 में समाचार पत्र में 02 लेख प्रकाशित।

10. 2-4 दिसंबर 2022 तक चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय मीडिया चौपाल में "महिलाओं को डाउनग्रेड करने में मीडिया के प्रभाव" पर कार्य शोध पत्र प्रस्तुत किया।

11. मई 2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पीओजेके के मुख्य खिलाड़ी" पर प्रस्तुति दी।

12. 16 जून, 2022 को एनवीवो के साथ "शून्य से एनवीवो 12- गुणात्मक डेटा विश्लेषण" पर उडेमी से एक पाठ्यक्रम पूरा किया।

13. 6 फरवरी, 2022 को "गुणात्मक डेटा का विश्लेषण कैसे करें" पर उडेमी से एक पाठ्यक्रम पूरा किया।

14. मीरास्पा लर्निंग सॉल्यूशंस द्वारा 17 से आयोजित "स्मार्ट पीएलएस -4 का उपयोग करते हुए एसईएम" पर 06 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया दिसंबर - 1 जनवरी 2023।

15. "व्यवस्थित साहित्य समीक्षा" पर 03 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया 28 से मेरे मीराशपा लर्निंग सॉल्यूशंस का आयोजन किया[वां]-30 दिसंबर 2022।

16. COMMACAD द्वारा NVivo के साथ गुणात्मक अनुसंधान पर 02 दिवसीय कार्यशाला 15 से आयोजित की गई[वां]-16 अक्टूबर 2022।

17. 10-15 नवंबर, 2022 तक ह्यूमन बेहेवेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित बिब्लियोमेट्रिक और गुणात्मक डेटा विश्लेषण पर एक सप्ताह के ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

18. न्यूमेरिकल एनेटिक्स इंस्ट्रूमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित स्मार्ट पीएलए -4 पर 05 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया नवंबर 2022 से 11 नवंबर 2022।

डॉ. रंजीत कुमार रमन

1. 03 अप्रैल से 07 अप्रैल 2023 तक सूचना प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग विभाग, एमिटी विश्वविद्यालय, ताशकंद (उज्बेकिस्तान) द्वारा आयोजित "एआई/एमएल और डेटा एनालिटिक्स में स्मार्ट-फ्यूचर टेक्नोलॉजीज" पर एक सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय एफडीपी में भाग लिया।

2. आईआईएम बोधगया द्वारा 14 अप्रैल को आयोजित डिजिटल युग में विपणन उपभोक्ता अनुभव पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में गंतव्य प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में ट्रैवल व्लॉगर्स की भूमिका की खोज: सुला वाइनयार्ड (नासिक) से साक्ष्य शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया -15 2023.

3. 10 को आयोजित कॉनफैब 360 उपाधि अकादमिक एकीकरण द्वारा आयोजित उभरती प्रौद्योगिकियों, व्यापार, सतत अभिनव व्यापार प्रथाओं और सामाजिक कल्याण पर वैश्विक सम्मेलन में बौद्ध सर्किट परियोजना का एसएपी-एलएपी फ्रेमवर्क विश्लेषण नामक एक पेपर प्रस्तुत किया & 11 दिसंबर 2022।

4. 4. ई-सेवा गुणवत्ता और ग्राहक खुशी संबंध को समझना: उभरती प्रौद्योगिकियों, व्यापार, सतत अभिनव व्यापार प्रथाओं और सामाजिक कल्याण पर वैश्विक सम्मेलन में जम्मू एवं कश्मीर बैंक के ग्राहकों का एक अनुभवजन्य अध्ययन 10 को कॉनफैब 360 उपाधि द्वारा आयोजित पेपर प्रस्तुत किया गया & 11 दिसंबर, 2022।

5. 30 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सतत और समुदाय-प्रेरित विकास के लिए प्रयास करने के लिए पर्यटन पर पुनर्विचार करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पर्यटन में ग्राहक-आधारित ब्रांड इक्विटी अनुसंधान का एक दशक: पीछे देखना और आगे बढ़ना शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया नवंबर 2022।

श्री राहुल ठाकुर

1. 10 को आयोजित कॉन्फैब 360 उपाधि अकादमिक एकीकरण द्वारा आयोजित उभरती प्रौद्योगिकियों, व्यापार, सतत अभिनव व्यापार प्रथाओं और सामाजिक कल्याण पर वैश्विक सम्मेलन में "बौद्ध सर्किट परियोजना का एसएपी-एलएपी फ्रेमवर्क विश्लेषण" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया & 11 दिसंबर 2022।

2. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "कोविड-19 के बाद की दुनिया में नए पर्यटन और नए सामान्य पर विचार" में "ओवरटूरिज्म और भविष्य के अनुसंधान संभावनाओं की व्यवस्थित साहित्य समीक्षा" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

3. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "सतत और सामुदायिक - प्रेरित विकास के लिए पर्यटन पर पुनर्विचार " में "पर्यावरण पर पर्यटन के प्रभाव पर अनुसंधान प्रवृत्तियों का मानचित्रण: एक बिब्लियोमेट्रिक विज़ुअलाइज़ेशन और अवलोकन" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।

4. 2 से 4 मई 2022 तक अनुसंधान पद्धति (आर-सॉफ्टवेयर) पर 05 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

5. 6 से 8 मई 2022 तक "एएमओएस का उपयोग करके संरचनात्मक समीकरण मॉडल और पुष्टिकारक कारक विश्लेषण" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

6. 23 से 29 मई 2022 तक र फॉर हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म, बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय-राजौरी, जम्मू-कश्मीर द्वारा आयोजित "शिक्षण, सीखने और अनुसंधान में उभरते रुझान" पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

7. मानव कल्याण स्वैच्छिक संगठन, श्रीनगर द्वारा रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया और 26 और 27 नवंबर, 2022 को सतत पर्यटन: सहयोगी दृष्टिकोण और सीखने पर एक व्याख्यान दिया।

विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग

संक्षिप्त परिचय:

एमएससीएम विभाग अपने अस्तित्व के छह वर्षों से अधिक समय से उभरते प्रबंधकों और परिवर्तन निर्माताओं को तैयार कर रहा है जो समाज की चुनौतियों का अनुमान लगाने और उनसे निपटने के लिए एक दम तैयार है। मएससीएम विभाग एक ऐसी जगह है जहां अद्भुत चीजें होती हैं: प्रतिभाशाली दिमाग सामूहिक रूप से व्यापक मुद्दों पर सार्थक संवाद, चर्चा और व्याख्यान में संलग्न होते हैं और वास्तविक जीवन की समस्याओं के लिए अभिनव समाधान तलाशते हैं। एमएससीएम की शानदार वृद्धि हमारे मूल विश्वास में परिलक्षित होती है, कि सीखना तब सबसे अधिक फलदायी होता है जब विभिन्न विषयों और विविध पृष्ठभूमि के व्यक्तियों के ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा किया जाता है। विविधता हमेशा विभाग का मुख्य आधार रही है क्योंकि यह व्यावसायिक शिक्षा को अत्याधुनिक प्रदान करने का प्रयास करता है। आधुनिक दुनिया में प्रगति के लिए नवाचार महत्वपूर्ण है, और उत्कृष्टता की हमारी खोज ने हमारे कार्यक्रमों को और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए निरंतर उन्नयन और शिक्षा और अनुसंधान के नए क्षेत्रों को शामिल किया है। खुलेपन, भागीदारी और निष्पक्षता की भावना को बढ़ावा देने से विभाग को एक ऐसी संस्कृति बनाने में मदद मिली है जो सीखने और निरंतर विकास के लिए अनुकूल है। विभाग शिक्षार्थियों को उनकी चुनी हुई धाराओं में ज्ञान और कौशल से लैस करने, मूल्यों को विकसित करने, छिपी हुई प्रतिभाओं की पहचान करने और शिक्षार्थियों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास करने के अवसर प्रदान करने में विश्वास करता है। विभाग शिक्षार्थियों के बीच जांच की वैज्ञानिक भावना को बढ़ावा देने और मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करके उन्हें नेता और जिम्मेदार नागरिक बनाने पर विचार कर रहा है, जो आगे चलकर समाज में परिवर्तन लाने वालों की भूमिका निभाएंगे।

एमएससीएम विभाग दो साल के पूर्णकालिक एमबीए (विपणन प्रबंधन) और पीएचडी (विपणन प्रबंधन) कार्यक्रम प्रदान कर रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षार्थियों को सामान्य रूप से समकालीन व्यवसाय और विशेष रूप से विपणन प्रबंधन के लिए प्रासंगिक बहुमुखी कौशल से लैस करना है ताकि बदलते और चुनौतीपूर्ण सामाजिक / व्यावसायिक परिदृश्य की जरूरतों को पूरा किया जा सके। एमएससीएम विभाग ने 2016 से युवा लड़कों और लड़कियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के इरादे से काम करना शुरू कर दिया, जो विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन की प्रशासनिक, प्रबंधकीय और उद्यमशीलता चुनौतियों को लेने के लिए सबसे उपयुक्त होंगे। कार्यक्रम सामान्य प्रबंधन और उद्योग संचालित पाठ्यक्रम को कवर करता है जो छात्रों को वाणिज्यिक व्यावसायिक घरानों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों दोनों की सेवा के लिए विश्लेषणात्मक, रणनीतिक और नीति बनाने के कौशल से लैस करता है। लेन-देन शिक्षाशास्त्र में विभिन्न उत्कृष्टता केंद्रों के अधिकारियों और वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित लगातार सेमिनार ोां और कार्यशालाओं के माध्यम से केस प्रस्तुतियों, समूह चर्चा और वास्तविक जीवन की स्थिति के संपर्क के माध्यम से सक्रिय छात्र भागीदारी के साथ इंटरैक्टिव कक्षा सत्र शामिल हैं। पाठ्यक्रम और शिक्षण अध्यापन अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और तेजी से बदलते कारोबारी माहौल के अनुरूप सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। उत् कृष् टता के लिए अभियान चलाने के प्रयास में विभाग विभिन् न कार्यक्रमों के आयोजन के लिए अनेक पहल कर रहा है।

मुख्य विशेषताएं

साप्ताहिक क्लब गतिविधियाँ: शिक्षार्थियों के प्रस्तुति कौशल में सुधार के लिए शुरू की गई साप्ताहिक क्लब गतिविधियाँ। यह एक छात्र संचालित गतिविधि है जिसे संकाय सदस्यों द्वारा सलाह दी जाती है।

मेंटरिंग: सॉफ्ट स्किल्स के आधार पर प्रवेश से बाहर निकलने तक छात्रों की शैक्षणिक और व्यक्तित्व विकास प्रगति की निगरानी के लिए मेंटरशिप कार्यक्रम।

लर्निंग टीम्स और नॉलेज फोरम: शिक्षार्थियों को प्रबंधन और संबंधित डोमेन के व्यापक स्पेक्ट्रम में होने वाले समकालीन और व्यावहारिक परिवर्तनों का विश्लेषण करके 3 डी दृष्टिकोण 'खोज-गहरा-डू' के आधार पर ज्ञान निर्माण और इसके प्रसार के लिए टीमों में विभाजित किया जाता है।

छात्र-संचालित संस्कृति विघटनकारी प्रौद्योगिकियों और उभरते क्षेत्रों में सीखने की सुविधा प्रदान करती है।

पाठ्यचर्या की आवधिक समीक्षा: परिवर्तनों को एकीकृत करने के लिए पाठ्यचर्या निर्मित /पाठ्यक्रम का नियमित उन्नयन

प्रत्येक सत्र में एक एमओओसी पाठ्यक्रम चुनने के विकल्प के साथ उद्योग संचालित पाठ्यक्रम

शिक्षण-अधिगम में भारतीय ज्ञान प्रणालियों का एकीकरण

अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण: विभाग द्वारा प्रस्तावित किए गए विश्वविद्यालय व्यापी खुले वैकल्पिक पाठ्यक्रम

शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षा

छात्र संवर्धन कार्यक्रम: कार्यशालाएं, सेमिनार, अतिथि व्याख्यान / विशेषज्ञ वार्ता आदि

प्रौद्योगिकी सक्षम शिक्षण-अधिगम

2017-18 से एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित एआईसीटीई :कार्यक्रम

अनुभवात्मक और परियोजना आधारित शिक्षा

नवाचार और उद्यमिता: पहल शिक्षार्थियों को उत्कृष्ट समस्या बनने के लिए तैयार करती है

इंटर्नशिप और अंतिम नियुक्ति के समन्वय के लिए प्रशिक्षण और नियुक्ति प्रकोष्ठ

कॉर्पोरेट-अकादमिक तालमेल: उद्योग-अकादमिक अंतराफलक विविध पेशेवर अवसर प्रदान करता है

प्रस्तावित पाठ्यक्रम – एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन) और पीएचडी (मार्केटिंग प्रबंधन)

संकाय विवरण: –

क्रम.सं	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
01	डॉ. शाहिद मुश्ताक	कार्यकारी विभागाध्यक्ष	एमचारएम/विपणन
02	डॉ. नरेश शर्मा	सहायक आचार्य	विपणन/वित्त
03	डॉ. सलिल सेठ	सहायक आचार्य	विपणन /
04	डॉ. अंजू थापा	सहायक आचार्य	विपणन/एससीएम
05	सुश्री परमदीप कौर	अतिथि संकाय	वित्त/विपणन

विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार

8-04-2022 को सीवी बिल्डिंग पर कार्यशाला

कॉर्पोरेट दुनिया के लिए तैयार छात्रों को तैयार करने के लिए एक मजबूत और कुरकुरा रिज्यूमे की आवश्यकता होती है। इसके लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के एचआरएम एवं ओबी विभाग की वरिष्ठ संकाय डॉ. नीलिका अरोड़ा द्वारा एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन) द्वितीय सत्र के छात्रों के लिए सीवी बिल्डिंग कार्यशाला आयोजित की गई है। उन्होंने उम्मीदवार की योग्यता और उपलब्धियों को उजागर करने वाले सबसे महत्वपूर्ण तत्वों को फीता करने के तरीके के बारे में शिक्षार्थी की युक्तियों का मूल्यांकन किया।

08-04-2022 को एसपीएसएस-28.00 का उपयोग करते हुए डेटा विश्लेषण पर कार्यशाला

सांख्यिकीय ज्ञान और डेटा विश्लेषण प्रदान करने के लिए, विभाग द्वारा 08-04-2022 को छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए एसपीएसएस 28.0 पर एक कार्यशाला आयोजित की गई है। सर्वेक्षण और डेटा विश्लेषण के लिए आगे बढ़ने से पहले शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए एसपीएसएस का बुनियादी ज्ञान महत्वपूर्ण है। आईबीएम एसपीएसएस 28.00 प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर डेटा का विश्लेषण करने और इसमें सार्थक पैटर्न खोजने में मदद करने के लिए उपयोग में आसान पैकेज में उन्नत तकनीक प्रदान करता है। विभाग ने एसपीएसएस साउथ एशिया (पी) लिमिटेड के सहयोग से कार्यशाला आयोजित की।

23-04-2022 को आयोजित निवेशक जागरूकता कार्यक्रम

उद्योग-शिक्षा आउटरीच को मजबूत करने के प्रयास में, विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग और एचआरएम एवं ओबी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के सहयोग से 'धन सृजन के माध्यम से वित्तीय सशक्तिकरण' पर निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय। प्रबंधन के छात्रों के लिए वित्तीय सशक्तिकरण रणनीतियों की दिशा में निर्धारित छात्र-केंद्रित जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत प्रो.जया भसीन, अधिष्ठाता, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुई। उन् होंने उपस्थित जनसमूह को सूचित किया कि यह उद्योग-शिक्षा जगत के बीच लगातार 35 आयोजन है। मुख्य वक्ता श्री. आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी लिमिटेड के एमडी और सीईओ ए. बालासुब्रमण्यन ने वित्तीय संसाधनों के इष्टतम उपयोग, बाजार व्यवहार की गतिशीलता और जिस तरह से बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रॉक्सी के रूप में कार्य करता है, पर जोर दिया। एएमएफआई के सीईओ श्री एन. एस. वेंकटेश ने छात्रों को 'पावर ऑफ कंपाउंडिंग' की अवधारणा के साथ जोड़ा और जिस तरह से मैनुअल लेजर आधारित बैंकिंग से ई-बैंकिंग में प्रतिमान परिवर्तन हुआ है। एएमएफआई के वरिष्ठ सलाहकार श्री सूर्यकांत शर्मा ने व्यापार और निवेश, स्टार्ट-अप और उद्योग जनशक्ति की आवश्यकता और रोजगार के बीच अंतर को भरने के लिए विचार सृजन का सार पूरी तरह से उचित ठहराया था। आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड के निवेशक शिक्षा और वितरण विकास के प्रमुख श्री के. एस. राव के इनपुट से दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए, जिन्होंने सीटीसी की अवधारणा को लागत-से-कंपनी से योगदान-से-देश में बदल दिया। आचार्य देवानंदपाधा के अध्यक्षीय वक्तव्य में सभी वक्ताओं द्वारा किए गए विचार-विमर्श को समाहित किया गया है। एएमएफआई और आदित्य बिड़ला लाइफ एएमसी लिमिटेड द्वारा पूरी तरह से प्रायोजित जागरूकता कार्यक्रम को छात्रों और संकाय द्वारा सराहा गया, जिसमें 250 से अधिक दर्शकों ने विचार-विमर्श से लाभ उठाया। एमएससीएम विभागाध्यक्ष डॉ. शाहिद मुश्ताक ने अधिष्ठाता, एसबीएस की समग्र देखरेख में इस कार्यक्रम का समन्वय किया। कार्यक्रम के संचालन में डॉ. गौहर रसूल, डॉ. आसिफ अली, सुश्री अंजलि पठानिया, डॉ. सलिल सेठ और डॉ. नरेश शर्मा शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजुथापा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आसिफ अली ने किया।

आईपी साक्षरता और जागरूकता के लिए कलाम कार्यक्रम के तहत आईपीआर जागरूकता कार्यक्रम 28-04-2022 को आयोजित किया गया

एमएससीएम विभाग और एचआरएम एवं ओबी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आईपी साक्षरता और जागरूकता के लिए कलाम कार्यक्रम (कपिला) के तहत 'राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (एनआईपीएएम) के सहयोग से "बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता कार्यक्रम" पर कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आवश्यक आईपी फाइलिंग पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना है, इस प्रकार राष्ट्रीय और वैश्विक प्रासंगिकता वाले नए विचारों, अनुसंधान और नवाचार की व्यवस्थित रूप से रक्षा करने की संस्कृति का निर्माण करना है। कार्यशाला जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.संजीव जैन के सक्षम मार्गदर्शन और समर्थन में आयोजित की गई थी। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के दौरान, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य देवानंद ने उच्च शिक्षा के केंद्र के रूप में विश्वविद्यालयों की भूमिका के बारे में कुछ प्रासंगिक मुद्दों को उठाया। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रणालियों में प्रौद्योगिकी, ज्ञान को एकीकृत करने और बुद्धि को और विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि छात्रों को स्व-नियोजित उद्यमों पर ध्यान केंद्रित करना शुरू करना चाहिए। उन्होंने उद्यमिता को विश्वविद्यालयों के एक अनुमानित, प्रासंगिक परिणाम के रूप में भी जोर दिया जो बड़े पैमाने पर समाज और देश को लाभान्वित करता है। इस अवसर पर रिसोर्स पर्सन ऑफ द डे अर्पित जोशी ने कहा कि देश की आत्मनिर्भरता के लिए न केवल आविष्कार करना आवश्यक है, बल्कि आविष्कारों को पेटेंट करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पेटेंट आविष्कार भारत को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएंगे। भारत में नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालयों का गौरवशाली इतिहास रहा है, इसलिए हमारे पास पहले से ही हमारी संस्कृति के भीतर विरासत में मिली बौद्धिक संपदा थी। भारत को पेटेंट के क्षेत्र में विश्वगुरु के रूप में फिर से विश्व का नेतृत्व करना है। उन्होंने श्रोताओं को बताया कि एआईसीटीई-एमआईसी-कंट्रोलर सामान्य ऑफ पेटेंट्स, निर्मित एंड ट्रेडमार्क द्वारा संयुक्त रूप से पहल की गई है ताकि छात्रों/विद्वानों/संकाय सदस्यों के बीच अपने आविष्कार को पेटेंट कराने के लिए आवेदन प्रक्रिया के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके और उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि भारत को पेटेंट के क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने की जरूरत है। इससे पहले प्रो.जया भसीन ने प्रतिभागियों और अतिथि वक्ता का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमें बौद्धिक संपदा की रक्षा के लिए और अधिक जागरूक होना होगा। अनुसंधान और विकास में लगे अनुसंधान छात्रों और वैज्ञानिकों को अपने आविष्कारों को संरक्षित करने और सुरक्षित रखने के लिए आवेदन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान कार्यशाला बौद्धिक संपदा साक्षरता सप्ताह के तहत हितधारकों के बीच प्रणाली और पेटेंट/कॉपीराइट के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित की जाती है।

एमओई द्वारा प्रायोजित जागरूकता कार्यक्रम को छात्रों और संकाय द्वारा सराहा गया, जिसमें 250 से अधिक दर्शकों ने विचार-विमर्श से लाभ उठाया। सत्रों को प्रतिभागियों द्वारा अच्छी तरह से प्राप्त किया गया था, जिसके बाद उत्साही प्रश्न और उत्तर सत्र आयोजित किए गए थे। कार्यक्रम एचआरएम और ओबी के प्रमुख और एमएससीएम के प्रमुख की देखरेख में आयोजित किया गया था। डॉ. नीलिका अरोड़ा और डॉ. सलिल सेठ ने कार्यक्रम का समन्वय किया। कार्यक्रम के संचालन में सुश्री अंजलि पठानिया, डॉ. सलिल सेठ, डॉ. अंजूथापा और डॉ. नरेश शर्मा शामिल थे। डॉ. सलिल सेठ ने कार्यक्रम का संचालन किया और डॉ. नीलिका अरोड़ा ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

29-04-2022 को नए श्रम संहिता में परिवर्तन- कार्यान्वयन और निष्पादन पर कार्यशाला

नई श्रम संहिता में परिवर्तन- कार्यान्वयन और निष्पादन पर कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम में आयोजित की गई थी। छात्रों, रिसर्च स्कॉलर्स और संकाय सदस्यों ने यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया द्वारा आयोजित कार्यशाला में

भाग लिया। श्री जतिंदर सिंह, सहायक महासचिव, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, दिल्ली और श्री प्रभाकर मिश्रा, पूर्व उप श्रम आयुक्त, उत्तर प्रदेश सरकार, सत्रों के लिए मुख्य वक्ता थे।

उद्यमिता जागरूकता शिविर (ईएसी) 13-05-2022 को आयोजित किया गया

एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन) के चौथे सत्र के छात्रों/रिसर्च स्कॉलर्स/फैकल्टी सदस्यों के लिए उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया ताकि उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके और इस तरह के रोजगार विकल्प को आगे बढ़ाने के गुणों पर प्रकाश डाला जा सके। इस शिविर में, शिक्षार्थियों को उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया, जिसमें अवसर मार्गदर्शन, सहायता प्रणाली की एजेंसियों द्वारा दी जाने वाली सेवाएं, उद्यम का पंजीकरण, वित्तपोषण के स्रोत आदि शामिल हैं। ईएसी ने सरकारी प्रक्रियात्मक सहायता के अनुसार एसएसआई इकाई शुरू करने के लिए संभावित व्यावसायिक अवसरों की खोज के अलावा उद्यमी बनने के लिए विचारों और सूचनाओं के मुफ्त और फलदायी आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान किया। जम्मू एवं कश्मीर उद्यमिता विकास संस्थान (जेकेईडीआई), जम्मू के डॉ. विशाल रे ने एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया।

29-07-2022 को कपिला के तहत आईपीआर जागरूकता पर संकाय विकास कार्यक्रम

एमएससीएम विभाग और व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के एचआरएम एवं ओबी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आईपी साक्षरता और जागरूकता के लिए कलाम कार्यक्रम (कपिला) चरण-II के तहत 'राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (एनआईपीएएम) के सहयोग से बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता कार्यक्रम पर एक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आवश्यक आईपी फाइलिंग पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना है, इस प्रकार राष्ट्रीय और वैश्विक प्रासंगिकता वाले नए विचारों, अनुसंधान और नवाचार की व्यवस्थित रूप से रक्षा करने की संस्कृति का निर्माण करना है। एफडीपी जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.संजीव जैन के सक्षम मार्गदर्शन और समर्थन में आयोजित किया गया था। एफडीपी के उद्घाटन सत्र के दौरान, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय के अधिष्ठाता, आचार्य देवानंद ने नवाचार, अनुसंधान और रचनात्मकता की नींव के रूप में बौद्धिक संपदा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने साझा किया कि विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय में एक मजबूत नवाचार और आईपीआर संस्कृति बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। इस अवसर पर रिसोर्स पर्सन श्री दीप्रस्तावित कुमार मीणा ने कहा कि देश की आत्मनिर्भरता के लिए न केवल आविष्कार करना आवश्यक है, बल्कि आविष्कारों को पेटेंट करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पेटेंट आविष्कार भारत को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएंगे। भारत में नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालयों का गौरवशाली इतिहास रहा है, इसलिए हमारे पास पहले से ही हमारी संस्कृति के भीतर विरासत में मिली बौद्धिक संपदा थी। भारत को पेटेंट के क्षेत्र में विश्वगुरु के रूप में फिर से विश्व का नेतृत्व करना है। उन्होंने श्रोताओं को बताया कि एआईसीटीई-एमआईसी-कंट्रोलर सामान्य ऑफ पेटेंट्स, निर्मित एंड ट्रेडमार्क द्वारा संयुक्त रूप से पहल

की गई है ताकि छात्रों/विद्वानों/संकाय सदस्यों के बीच अपने आविष्कार को पेटेंट कराने के लिए आवेदन प्रक्रिया के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके और उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि भारत को पेटेंट के क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने की जरूरत है। इससे पहले प्रो.जया भसीन ने प्रतिभागियों और अतिथि वक्ता का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमें बौद्धिक संपदा की रक्षा के लिए और अधिक जागरूक होना होगा। अनुसंधान और विकास में लगे अनुसंधान छात्रों और वैज्ञानिकों को अपने आविष्कारों को संरक्षित करने और सुरक्षित रखने के लिए आवेदन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान एफडीपी पेटेंट/कॉपीराइट के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया के बारे में हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए स्कूल द्वारा आयोजित की जा रही श्रृंखला में दूसरा है।

एमओई द्वारा प्रायोजित जागरूकता कार्यक्रम को छात्रों और संकाय द्वारा सराहा गया, जिसमें 150+ से अधिक दर्शकों ने विचार-विमर्श से लाभ उठाया। सत्रों को प्रतिभागियों द्वारा अच्छी तरह से प्राप्त किया गया था, जिसके बाद उत्साही प्रश्न और उत्तर सत्र आयोजित किए गए थे। कार्यक्रम एचआरएम और ओबी की प्रमुख प्रो.जया भसीन और एमएससीएम के प्रमुख डॉ. शाहिद मुश्ताक की देखरेख में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के संचालन में डॉ. नीलिका अरोड़ा, श्री आसिफ अली, डॉ. सलिल सेठ और डॉ. नरेश शर्मा शामिल थे। डॉ. अंजुथापा ने कार्यक्रम का संचालन किया और श्री आसिफ अली ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

29 सितंबर 2022 को सीवी बिल्डिंग पर कार्यशाला

कॉर्पोरेट दुनिया के लिए तैयार छात्रों को तैयार करने के लिए एक मजबूत और कुरकुरा रिज्यूमे की आवश्यकता होती है। इसके लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण और नियुक्ति अधिकारी श्री विराज मगोत्रा द्वारा एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन) तीसरे सत्र के छात्रों के लिए सीवी बिल्डिंग कार्यशाला आयोजित की गई है। उन्होंने प्रबंधकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए उम्मीदवार की योग्यता और उपलब्धियों को उजागर करने वाले सबसे महत्वपूर्ण तत्वों को फीता करने के तरीके के बारे में शिक्षार्थी की युक्तियों का मूल्यांकन किया। श्री विराज मगोत्रा ने छात्रों के साथ अपने आनंदमय समृद्ध अनुभवों को साझा किया।

और जीवन के सपने देखने और उन पेशेवर सपनों को साकार करने की दिशा में काम करने के सार पर प्रकाश डाला। कार्यशाला विभागाध्यक्ष डॉ. शाहिद मुश्ताक की देखरेख में आयोजित की गई। डॉ. अंजूथापा ने कार्यशाला की कार्यवाही का संचालन किया और डॉ. नरेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

सामाजिक विज्ञान संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान पद्धति पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम 10 से 25 अक्टूबर आईसीएसएसआर

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित सामाजिक विज्ञान संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान पद्धति पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के तत्वावधान में एचआरएम एवं ओबी विभाग और एमएससीएम विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाता है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के भीतर और बाहर के प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। देश के विभिन् न भागों से आए जाने-माने संसाधन व् यक्तियों ने इन सत्रों का संचालन किया। सत्रों में मात्रात्मक अनुसंधान पर आधारित विषय और एसपीएसएस, एएमओएस, मेंडली, एंडनोट, टर्निटिन आदि जैसे विभिन्न सॉफ्टवेयरों के प्रशिक्षण शामिल थे। इस कार्यक्रम में लगभग 41 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. ऋतु बक्षी ने कार्यक्रम की कार्यवाही का समन्वय किया।

10 से 25 अक्टूबर 2022 तक अनुसंधान पद्धति और डेटा विश्लेषण तकनीकों पर राष्ट्रीय कार्यशाला

एमएससीएम, एचआरएम और ओबी, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय और फैकल्टी इंडक्शन डेवलपमेंट सेल, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभागों द्वारा अनुसंधान पद्धति और डेटा विश्लेषण तकनीकों पर दो सप्ताह की राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला 10-25 अक्टूबर 2022 तक आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य रोजगार के शुरुआती चरणों में शोधकर्ताओं और देश भर में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में लगे संकाय सदस्यों को लाभ पहुंचाना था। कार्यक्रम ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में नवीनतम सॉफ्टवेयर तकनीकों के अनुप्रयोग के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए मंच प्रदान किया। आयोजन टीम ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया और मूल और गुणवत्ता अनुसंधान करने के महत्व पर जोर दिया। एसबीएस की अधिष्ठाता, डॉ. जया भसीन ने दर्शकों को अवगत कराया कि यह कार्यशाला व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय की एक पहल है, जहां शोधार्थियों की क्षमता निर्माण प्राथमिक फोकस में से एक है। आयोजन दल द्वारा इस कार्यशाला के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों और राष्ट्रीय ख्याति के विभिन्न अन्य विश्वविद्यालयों के संसाधन व्यक्तियों को शामिल किया गया है। यह कार्यशाला जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव जैन के संरक्षण में आयोजित की गई थी। कार्यशाला एचआरएम और ओबी के प्रमुख और एमएससीएम के प्रमुख की देखरेख में आयोजित की गई थी।

11 नवंबर 2022 को "डिजिटल रचनात्मकता कौशल" पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया

यूजीसी से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के संकाय सदस्यों के लिए डिजिटल रचनात्मकता कौशल पर एक एफडीपी का आयोजन फैकल्टी इंडक्शन डेवलपमेंट प्रकोष्ठ और विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग और मानव संसाधन प्रबंधन विभाग और ओबी द्वारा संयुक्त रूप से एडोब और एआईसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षण अकादमी (एटीएएल) के साथ साझेदारी में मिश्रित मोड में किया गया था। संकाय सदस्यों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम का उद्देश्य संकाय के डिजिटल रचनात्मकता कौशल को बढ़ाना था ताकि छात्रों को भविष्य की नौकरियों के लिए रोजगार कौशल के लिए और तैयार किया जा सके। एफडीपी एडोब एक्सप्रेस पर आयोजित किया गया था - शिक्षकों और छात्रों को अपने रचनात्मक कौशल सेट को समृद्ध करने, अपने ज्ञान और रचनात्मकता को गहरा करने में मदद करने के लिए एक डिजिटल उपकरण, जबकि वास्तविक दुनिया की परियोजनाओं में दृश्य कहानियों को शामिल करना और किसी भी विषय में और किसी भी शैक्षिक चरण में सीखने के परिणामों को बढ़ाने के लिए पाठ योजनाएं। एफडीपी में संकाय सदस्यों के लिए हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण सत्र शामिल थे, जिसके बाद स्नातकोत्तर एजुकेटर या एडोब क्रिएटिव एजुकेटर के रूप में प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए पात्र होने के लिए इसे पूरा करने के लिए आवश्यक असाइनमेंट प्रस्तुत करना शामिल था। उद्योग जगत के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के साथ सत्रों का संचालन किया। पाठ्यक्रम ने प्रतिभागियों को लाभान्वित किया और मुफ्त शिक्षा टेम्पलेट्स के साथ आकर्षक शिक्षण संसाधनों और डिजिटल सामग्री बनाने के बारे में अपने अभिविन्यास को समृद्ध किया और छात्रों के लिए अभिनव गतिविधियों और मूल्यांकन तकनीकों को प्रस्तावित करने के लिए आत्मविश्वास हासिल किया जो रचनात्मकता के लिए सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास डिजिटल टूल का लाभ उठाते हैं। इससे पहले एसबीएस की अधिष्ठाता, डॉ. जया भसीन ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और प्रतिभागियों को एफडीपी के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। एफडीपी एचआरएम और ओबी के प्रमुख और एमएससीएम के प्रमुख की देखरेख में आयोजित किया गया था। डॉ. अंजू थापा ने कार्यक्रम का संचालन किया और डॉ. सलिल सेठ ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन), बैच 2022-24 के लिए इंडक्शन कार्यक्रम 09-11-2022 से 10-11-2022 तक आयोजित किया गया

एमएससीएम के 2022-24 के एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन) बैच के लिए इंडक्शन कार्यक्रम 9-10 नवंबर, 2022 तक आयोजित किया गया था। इंडक्शन कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सामान्य रूप से विश्वविद्यालय और विशेष रूप से विभाग से परिचित कराना था, सुविधाएं जो यह नीतियों और परिसर के जीवन के शिष्टाचार प्रदान करती है और कॉर्पोरेट दुनिया में एक झलक प्रदान करती है। शिक्षार्थियों को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर वातावरण में अंतर्दृष्टि मिली। इसका उद्देश्य न केवल नए बैच का स्वागत करना था, बल्कि सौहार्द की भावना पैदा करना था जो छात्रों के बीच टीम भावना पैदा करेगा। डॉ. शाहिद मुश्ताक ने अपने स्वागत भाषण में खोज, विश्लेषण और विशेषज्ञता प्राप्त करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे समय, ज्ञान का उपयोग करें और सीखते रहें, लेकिन साथ ही विभिन्न क्लब गतिविधियों में संलग्न होकर अपने समय को संतुलित करें। उन्हें विश्वास था कि समूह अपने कौशल को तेज करेगा और कॉर्पोरेट के लिए तैयार हो जाएगा। उन्होंने संकाय सदस्यों का परिचय दिया और शिक्षार्थियों को विभाग और विश्वविद्यालय के बारे में अवगत कराया। एमएससीएम विभाग के समन्वयक डॉ. नरेश कुमार ने एक स्वस्थ जीवन और एक सफल कैरियर का प्रबंधन करने की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्रों को प्रतिदिन व्यायाम करने की आदत डालनी चाहिए। यह एक स्वस्थ शरीर और एक स्वस्थ मन की ओर ले जाएगा। डॉ. सलिल सेठ ने बताया कि कैसे सफल पेशेवर अक्सर अपनी उपलब्धियों का श्रेय अपने व्यावहारिक गुणों और सकारात्मक लक्षणों को देते हैं। उन्होंने उभरते प्रबंधकों के बीच अनुशासन और अखंडता की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. अंजूथापा ने सभी छात्रों को इस अवसर पर आगे बढ़ने और अपने अकादमिक और कॉर्पोरेट रोजगार में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। सभी संकाय सदस्यों ने नए प्रवेशित छात्रों के साथ बातचीत की और उनके प्रश्नों का समाधान किया। प्रेरण कार्यक्रम के अंत में, छात्रों को आवधिक आधार पर अकादमिक और व्यक्तित्व विकास प्रगति की निगरानी के लिए सलाहकार आवंटित किए गए थे, इसके अलावा उन्हें बिजनेस वर्ल्ड के व्यापक स्पेक्ट्रम में होने वाले समकालीन और व्यावहारिक परिवर्तनों को समझने की सुविधा प्रदान की गई थी।

स्टार्ट-अप उद्योग कनेक्ट कार्यक्रम 13-12-2022 को आयोजित किया गया

सीआईआई की विशेष पहल आईकॉन-2022, स्टार्टअप्स के लिए इंडस्ट्री कनेक्ट प्लेटफॉर्म के तहत स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र और स्टार्टअप के लिए वित्त पोषण विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए एक आभासी सत्र आयोजित किया गया था। सत्र के दौरान पैनलिस्टों ने सरकारी नीतियों, प्रोटोकॉल, सर्वोत्तम प्रथाओं, प्रौद्योगिकी तक पहुंच, धन और कई अन्य पर इनपुट प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया। एरीज एग्रो लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. राहुल मीरचंदानी, रिसर्जेंट इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री ज्योति प्रकाश गाडिया, कल्टिनो के सह-संस्थापक श्री जैकब जॉय, सुश्री ताबिश हबीब क्यूरियो लाइफस्टाइल और अन्य सहित प्रख्यात पैनलिस्टों ने विचार-विमर्श में भाग लिया और प्रतिभागियों को स्टार्ट-अप के सामने आने वाली चुनौतियों और अवसरों के बारे में जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, रिसर्च स्कॉलर्स और एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन) के पहले और तीसरे सत्र के छात्रों ने भाग लिया। डॉ. नरेश कुमार, डॉ. सलिल सेठ और डॉ. अंजूथापा ने एमएससीएम विभागाध्यक्ष की समग्र देखरेख में इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

एमएससीएम, एचआरएम एवं ओबी विभाग और फैकल्टी इंडक्शन डेवलपमेंट प्रकोष्ठ ने एनआईपीएएम, भारत सरकार के तहत आईपीआर पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया

'बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता' पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन एमएससीएम, एचआरएम एवं ओबी विभाग और फैकल्टी इंडक्शन डेवलपमेंट प्रकोष्ठ द्वारा बौद्धिक संपदा कार्यालय और एमओई के नवाचार प्रकोष्ठ, भारत सरकार के सहयोग से संयुक्त रूप से राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (एनआईपीएएम) के तहत किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आईपी फाइलिंग पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में छात्रों / विद्वानों / संकाय सदस्यों के बीच जागरूकता पैदा करना है, इस प्रकार राष्ट्रीय और वैश्विक प्रासंगिकता वाले नए विचारों, अनुसंधान और नवाचार की व्यवस्थित रूप से रक्षा करने की संस्कृति का निर्माण करना है। यह कार्यक्रम जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.संजीव जैन के सक्षम मार्गदर्शन और समर्थन में आयोजित किया गया था। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के दौरान, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के अधिष्ठाता, प्रो.जया भसीन ने नवाचार, अनुसंधान और रचनात्मकता की रक्षा की नींव के रूप में बौद्धिक संपदा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने साझा किया कि विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय में एक मजबूत नवाचार और आईपीआर संस्कृति बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। इस अवसर पर रिसोर्स पर्सन ऑफ द डे रीवा भारद्वाज ने कहा कि देश की आत्मनिर्भरता के लिए न केवल आविष्कार करना आवश्यक है, बल्कि आविष्कारों को पेटेंट करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पेटेंट आविष्कार भारत को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएंगे। भारत को नए विचारों को पेटेंट करवाकर एक नेता के रूप में उभरना होगा। उन्होंने श्रोताओं को बताया कि एआईसीटीई-एमआईसी-कंट्रोलर सामान्य ऑफ पेटेंट्स, निर्मित एंड ट्रेडमार्क द्वारा संयुक्त रूप से पहल की गई है ताकि छात्रों/विद्वानों/संकाय सदस्यों के बीच उनके आविष्कार को पेटेंट कराने के लिए आवेदन प्रक्रिया के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके और उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा दौर में भारत को पेटेंट के क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने की जरूरत है। इससे पहले एमएससीएम विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अंजुथापा ने प्रतिभागियों और अतिथि वक्ता का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमें बौद्धिक संपदा की रक्षा के लिए और अधिक जागरूक होना होगा। अनुसंधान और विकास में लगे

अनुसंधान छात्रों और वैज्ञानिकों को अपने आविष्कारों को संरक्षित करने और सुरक्षित रखने के लिए आवेदन करना चाहिए। उन्होंने पेटेंट/कॉपीराइट के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया के बारे में हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने पर जोर दिया।

एमओई द्वारा प्रायोजित जागरूकता कार्यक्रम को छात्रों और संकाय द्वारा सराहा गया, जिसमें 150+ से अधिक दर्शकों ने विचार-विमर्श से लाभ उठाया। सत्रों को प्रतिभागियों द्वारा अच्छी तरह से प्राप्त किया गया था, जिसके बाद उत्साही प्रश्न और उत्तर सत्र आयोजित किए गए थे। कार्यक्रम एचआरएम और ओबी की प्रमुख प्रो.जया भसीन और एमएससीएम के प्रमुख डॉ. शाहिद मुश्ताक की देखरेख में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के संचालन में डॉ. अंजुथापा, डॉ. सलिल सेठ और डॉ. नरेश कुमार शामिल थे। डॉ. अंजू थापा ने कार्यक्रम का संचालन किया और डॉ. सलिल सेठ ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

2 फरवरी 2023 को "ऑफलाइन, ऑनलाइन और ओमनीचैनल रिटेलिंग का भविष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को बढ़ावा देने और वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने के प्रयास में, विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग द्वारा एचआरएम एवं ओबी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से मिश्रित मोड में एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। प्रो.संजीव जैन , माननीय कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुशल नेतृत्व में, सत्र का नेतृत्व आचार्य मुरली के. मंत्राला, नेड फ्लेमिंग आचार्य, मार्केटिंग विश्वविद्यालय, कंसास विश्वविद्यालय (यूएसए) ने किया, जो संगोष्ठी के लिए आमंत्रित वक्ता थे। आचार्य मुरली की अध्यक्षता में आयोजित इंटरैक्टिव सत्र 'द फ्यूचर ऑफ ऑफलाइन, ऑनलाइन एंड ओमनीचैनल रिटेलिंग' विषय पर केंद्रित था, जिसने रिटेलिंग के क्षितिज पर आंखें खोलने वाली सीमाओं के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आचार्य मुरली द्वारा अपनाए गए विषय के प्रति समकालीन दृष्टिकोण ने खूबसूरती से शिक्षा और अनुसंधान दोनों को एक आम मंच पर लाया। संगोष्ठी का मुख्य आकर्षण इसका मजबूत प्रश्नोत्तर सत्र था, जिसने भारत भर के संकाय और विद्वानों को सीखने की बेहतर अवधारणा और अकादमिक एम्बोलिज्म की सुविधा प्रदान करने में मदद की। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय की अधिष्ठाता, प्रो.जया भसीन ने संगोष्ठी सभा का स्वागत किया, जबकि डॉ. नीलिका अरोड़ा ने विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ. शाहिद मुश्ताक के सहयोग से समग्र संगोष्ठी को एक वैचारिक दिशा प्रदान की। प्रो.जया भसीन ने प्रबंधन के दृष्टिकोण के लिए एक अनुसंधान-आधारित दृष्टिकोण को बढ़ाने के लिए इस तरह के गहन बातचीत सत्रों की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रश्नोत्तर सत्र का नेतृत्व डॉ. सलिल सेठ ने किया, जिन्होंने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के संचालन में डॉ. अंजुथापा, डॉ. नरेश कुमार, श्री राहुल ठाकुर और श्री आसिफ अली शामिल थे।

आईसीएसएसआर प्रायोजित सामाजिक विज्ञान संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान पद्धति पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम 7 से 21 फरवरी, 2023 तक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव जैन के संरक्षण में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के अधिष्ठाता, प्रो.जया भसीन द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा देश में अनुसंधान की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अपनी राष्ट्रव्यापी पहल के भाग के रुप में क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत समर्थित है। इस कार्यक्रम में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्वानों सहित केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर के भीतर और बाहर के प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया जा रहा है। देश भर के प्रशंसित सांख्यिकीविद् और शोधकर्ता कार्यक्रम के आगामी दो हफ्तों में व्याख्यान देंगे जो प्रतिभागियों के अनुसंधान कौशल और ज्ञान को बढ़ाएगा। जया भसीन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में गुणवत्ता और मूल अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने शोधार्थियों से आग्रह किया कि वे निरंतर सीखने की दिशा में आगे बढ़ें। डॉ. शाहिद मुश्ताक, विभागाध्यक्ष, विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय

विश्वविद्यालय ने मुख्य भाषण दिया, जहां उन्होंने अनुसंधान के महत्व और आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने शोधकर्ताओं को अनुसंधान के लिए जुनून पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे पहले, डॉ. अंजू थापा ने व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के तहत विपणन और एससीएम विभाग और एचआरएम एवं ओबी विभाग द्वारा अतीत में की गई विभिन्न पहलों के बारे में सम्मानित सभा का स्वागत किया और अवगत कराया। डॉ. सलिल सेठ ने आगे बताया कि कार्यशाला में उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों जैसे संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग और यहां तक कि प्रख्यात शोधकर्ताओं द्वारा गुणात्मक विश्लेषण से संबंधित पहलुओं को शामिल किया जाएगा। सत्र का समापन डॉ. नीलिका अरोड़ा द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

"बौद्धिक संपदा जागरूकता कार्यक्रम" पर राष्ट्रीय कार्यशाला ने संयुक्त रूप से 17 फरवरी 2023 को इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट चंडीगढ़ चैप्टर और विपणन विभाग और एससीएम विभाग का आयोजन किया

इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट चंडीगढ़ चैप्टर और विपणन विभाग और एससीएम ने संयुक्त रूप से "बौद्धिक संपदा अधिकार" पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन श्री हिमांशु चांराकर, पेटेंट और निर्मित परीक्षक, आरजीएनआईआईपी, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया था।

श्री हिमांशु छात्रों, संकाय सदस्यों, रिसर्च स्कॉलर्स और आईएसटीडी चंडीगढ़ चैप्टर के सदस्यों के साथ आईपीआर के बारे में प्रासंगिक विवरण साझा करने के लिए संस्थान से लाइव जुड़े हुए थे। श्री हिमांशु ने प्रासंगिक उदाहरणों के साथ पेटेंट, निर्मित, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, भौगोलिक संकेत और व्यापार रहस्यों के बारे में विस्तार से बात की। ये था
एक अद्भुत सत्र, जहां 300 से अधिक छात्र (ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से) सत्र में शामिल हुए और भारत में आईपीआर के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत हुए। उन्होंने कम समय में सत्र का संचालन करने के लिए अपना समय निकालने के लिए श्री हिमांशु की सराहना की। इस कार्यशाला का आयोजन एसबीएस की अधिष्ठाता, प्रो.जया भसीन और एमएससीएम के प्रमुख और आईएसटीडी चंडीगढ़ चैप्टर के उपाध्यक्ष डॉ. शाहिद मुश्ताक की देखरेख में किया गया। डॉ. सलिल सेठ और डॉ. अंजू थापा ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

एसपीएसएस, स्मार्टपीएलएस और जामोवी का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर राष्ट्रीय कार्यशाला 15-22 फरवरी 2023 तक आयोजित की गई

एसपीएसएस, स्मार्टपीएलएस और जमोवी का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन एमएससीएम के विभाग और संकाय प्रेरण विकास प्रकोष्ठ, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 15 से 22 फरवरी 2023 तक किया गया था। कार्यशाला ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में नवीनतम सॉफ्टवेयर तकनीकों के अनुप्रयोग के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए एक मंच प्रदान किया। प्रतिभागियों को मात्रात्मक डेटा विश्लेषण के लिए उपयोग किए जाने वाले वैकल्पिक सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर से अवगत कराया गया था। शिक्षार्थियों को सामान्य और उन्नत विश्लेषण तकनीकों से अवगत कराया गया जो शोधकर्ताओं के लिए आवश्यक हैं। आयोजन टीम ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया और करके सीखने के महत्व पर जोर दिया। एसबीएस की अधिष्ठाता, डॉ. जया भसीन ने दर्शकों को अवगत कराया कि यह कार्यशाला एमएससीएम विभाग और एफआईडीसी की एक पहल है, जहां रिसर्च स्कॉलर्स और फैकल्टी सदस्यों का क्षमता निर्माण प्राथमिक फोकस में से एक है। आयोजक टीम द्वारा कार्यशाला के लिए प्रतिष्ठित रिसोर्स पर्सन को शामिल किया गया है। यह कार्यशाला जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव जैन के संरक्षण में आयोजित की गई थी। कार्यशाला एसबीएस की अधिष्ठाता, प्रो.जया भसीन

और एमएससीएम के प्रमुख डॉ. शाहिद मुश्ताक की देखरेख में आयोजित की गई थी। डॉ. सलिल सेठ और डॉ. अंजू थापा ने कार्यक्रम का संयोजन किया और डॉ. नरेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

10 अप्रैल 2023 को "बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)" पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई

रचनात्मक दिमाग उत्कृष्ट विचार उत्पन्न करते हैं, लेकिन यह कई बार देखा गया है कि किसी व्यक्ति का एक विचार किसी अन्य व्यक्ति या संगठन द्वारा चुरा लिया जाता है। इस प्रकार किसी व्यक्ति के निर्माण की रक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, भारत सरकार ने राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (एनआईपीएएम) शुरू किया। किसी व्यक्ति के किसी भी अद्वितीय विचार या निर्माण, उसकी रचनात्मकता के परिणामस्वरूप, बौद्धिक संपदा के रूप में जाना जाता है उदाहरण के लिए पेटेंट और कॉपीराइट। कई लेखक और रचनाकार अपनी रचनाओं के कॉपीराइट और पेटेंट बनाते हैं ताकि कोई अन्य व्यक्ति उन्हें चुरा न सके। राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (एनआईपीएएम 2.0) के तहत "बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)" पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन विपणन और एससीएम विभाग में आईपी सेल, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय , पेटेंट, निर्मित और ट्रेड मार्क महानियंत्रक (सीजीपीडीटीएम), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से किया जाता है। जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के सभी क्षेत्रों के बीच बौद्धिक संपदा के लाभों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता पैदा करना, बौद्धिक संपदा अधिकारों की विभिन्न श्रेणियों को समझना और यह जांचना है कि पेटेंट और निर्मित के संदर्भ में एक अभिनव विचार कैसे दर्ज किया जाएबौद्धिक संपदा (आईपी) नवाचार और रचनात्मकता का पोषण और प्रोत्साहित करता है, जिससे समाज के सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में योगदान होता है। इस जागरूकता कार्यक्रम के वक्ता डॉ. भरत एन. सूर्यवंशी, डॉ. भरत एन. सूर्यवंशी, पेटेंट और निर्मित के सहायक नियंत्रक, आरजीएनआईपीएम, नागपुर हैं। उन्हें बौद्धिक संपदा अधिकारों के नवाचार और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने में प्रशिक्षित किया गया है। वह भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में कई आईपीआर जागरूकता सत्रों में वक्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं। इस जागरूकता कार्यक्रम से, संकाय और छात्र यह समझने में सक्षम थे कि पेटेंट, और औद्योगिक निर्मित के संदर्भ में अपने अभिनव विचारों को कैसे दर्ज किया जाए। कार्यक्रम का आयोजन जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव जैन के संरक्षण में किया गया था। कार्यशाला एसबीएस की अधिष्ठाता, प्रो.जया भसीन और एमएससीएम के प्रमुख डॉ. शाहिद मुश्ताक की देखरेख में आयोजित की गई थी। डॉ. अंजूथापा और डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम का संयोजन किया और डॉ. सलिल सेठ ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग ने 18 मई 2023 को आयोजित गुरुवार माइंड मीट की सह-मेजबानी की

विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग ने 18 मई 2023 को व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के अन्य विभागों के साथ

गुरुवार माइंड मीट की सह-मेजबानी की। 'थर्सडे माइंड मीट' मंच जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा युवा दिमागों को अपने ज्ञान को उन्नत करने, अपने महत्वपूर्ण कौशल को विकसित करने और अपनी क्षमता को उजागर करने का अवसर प्रदान करने के लिए बनाया गया है। दूसरे गुरुवार के माइंड मीट का विषय सतत व्यापार प्रथाओं: एजेंडा जी 20 पर था।

माननीय कुलपति, प्रो.संजीव जैन जी ने इस अवसर पर सांबा के उपायुक्त श्री अभिषेक शर्मा और पावर ग्रिड, एनआर-2 के मानव संसाधन प्रमुख श्री विनोद प्रकाश बक्सला के साथ रिसर्च स्कॉलर एमएससीएम विभाग श्री प्रवीण यादव, एचआरएम एवं ओबी विभाग की सुश्री नीतू और टीटीएम विभाग के सचिव महाजन भी पैनलिस्ट थे। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री अभिषेक शर्मा ने युवा मन को आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता के बारे में बताया। उन्होंने टिकाऊ प्रथाओं के साथ नए व्यावसायिक उद्यमों के निर्माण की दिशा में युवाओं को शामिल करने पर भी जोर दिया। उन्होंने मौजूदा पर्यटन सर्किट पर प्रकाश डाला और युवाओं से अन्य स्थानीय क्षेत्रों के विकास पर काम करने का आग्रह किया। श्री विनोद प्रकाश बक्सला, हेड एचआर, पावर ग्रिड, एनआर-2 ने ऊर्जा के नए और नवीकरणीय स्रोतों के महत्व पर बात की। शोधार्थियों ने सतत विकास प्रथाओं पर विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी प्रस्तुतियां दीं। एचआरएम एवं ओबी विभाग की डॉ. नीलिका अरोड़ा ने पैनल चर्चा का संचालन किया। इससे पहले, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय की अधिष्ठाता, और गुरुवार माइंड मीट की सह-संयोजक प्रो.जया भसीन ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और बैठक के विषय से अवगत कराया। टीटीएम विभागाध्यक्ष और गुरुवार माइंड मीट के समन्वयक डॉ. अमित गंगोटिया ने अपने उद्घाटन भाषण में पर्यटन और आतिथ्य उद्योग से सतत पर्यटन प्रथाओं के बारे में अंतर्दृष्टि पर प्रकाश डाला। वंदना शर्मा, अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज और संयोजक, 'गुरुवार माइंड मीट' ने दिन की कार्यवाही को समाप्त किया और टीटीएम विभाग की सुश्री करिश्मा राणा ने कार्यक्रम की कार्यवाही का संचालन किया। एमएससीएम विभाग के सहायक आचार्य और गुरुवार माइंड मीट के समन्वयक डॉ. नरेश कुमार ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन दिया। बैठक के संचालन में डॉ. गौहर रसूल, सुश्री अंजलि पठानिया, श्री आसिफ अली, डॉ. भारती गुप्ता, डॉ. रंजीत कुमार रमन, श्री राहुल ठाकुर, डॉ. सलिल सेठ, डॉ. शाहिद मुश्ताक और डॉ. अंजू थापा शामिल थे।

प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन

04-04-2022 को "कैंपस टू कॉर्पोरेट" पर सत्र

04-04-2022 को एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन) के छात्रों के लिए उनकी नियुक्ति आवश्यकताओं को संबोधित करने के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कैंपस टू कॉर्पोरेट पर एक सत्र आयोजित किया गया था। सत्र का आयोजन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) जम्मू-कश्मीर द्वारा ऑनलाइन माध्यम में किया गया था। सत्र का फोकस छात्रों के अपने कैंपस जीवन से कॉर्पोरेट दुनिया में संक्रमण पर

था। श्री बेनी केहना सत्र के लिए मुख्य वक्ता थे। उन्होंने कॉर्पोरेट वातावरण के लिए तैयार होने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल पर अपनी बात केंद्रित की।

30-04-2022 को विश्व स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम

छात्रों, शोधार्थियों और विभाग के संकाय सदस्यों ने यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया (जीसीएनआई) द्वारा आयोजित वेबिनार में भाग लेकर विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया। यह दिन विश्व स्वास्थ्य संगठन के उद्देश्य से स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने और दुनिया भर के लोगों से संबंधित विशिष्ट स्वास्थ्य मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस वर्ष के विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय "हमारा ग्रह - हमारा स्वास्थ्य" है। इस अवसर पर, छात्रों/ विद्वानों / संकाय सदस्यों ने भारत में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में पारदर्शिता और मूल्य-आधारित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए भ्रष्टाचार विरोधी सामूहिक कार्रवाई को मजबूत करने के विषय पर अपने विचार और अंतर्दृष्टि साझा की। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के वरिष्ठ अधिकारियों/प्रख्यात पैनलिस्टों ने भाग लिया और इस विषय पर साझा की गई अंतर्दृष्टि छात्रों के लिए एक बड़ी सीख होगी।

11-12 मई 2022 को सीआईआई का बिजनेस समिट 2022

छात्रों/विद्वानों/संकाय सदस्यों ने 11-05-2022 से 12-05-2022 तक सीआईआई के व्यापार शिखर सम्मेलन 2022 में भाग लिया। शिखर सम्मेलन का विषय "भविष्य के लिए तैयार होना" था और भविष्य के भारतीय उद्योग के लिए परिवर्तन के अवसरों के आसपास बातचीत थी। सीआईआई बिजनेस समिट भारतीय उद्योग की यात्रा में रुचि रखने वाले हितधारकों की सबसे बड़ी सभाओं में से एक है। यह प्रख्यात नेताओं, रणनीतिक विचारकों, प्रमुख अर्थशास्त्रियों, विभिन्न क्षेत्रों के युवा आइकन, उद्योग के कप्तानों और मीडिया को भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र, प्रतिस्पर्धात्मकता, प्रौद्योगिकी, स्थिरता, स्वास्थ्य देखभाल, समुदाय और बी 2 बी जैसे प्रमुख ट्रैक पर उनके दृष्टिकोण को पकड़ने के लिए एक साथ लाता है। सत्र ट्रैक भारतीय व्यवसायों के लिए विचारों, रुझानों और समाधानों को इकट्ठा करने के लिए आयोजित किए गए थे ताकि भविष्य के लिए विकास रणनीति विकसित की जा सके। उद्योग और अन्य क्षेत्रों के 1000 से अधिक नेताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। शिक्षार्थी व्यापार की दुनिया की बारीकियों और उभरती गतिशीलता को समझने के लिए प्रख्यात पैनलिस्टों के साथ बातचीत करने में सक्षम थे।

विपणन और एससीएम विभाग और एचआरएम और ओबी ने 1 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया

अपने ज्ञान के विस्तार का विस्तार करने और प्रबंधन की प्रमुख अवधारणाओं को उन्नत करने के लिए, विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग ने एचआरएम एवं ओबी विभाग, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से वक्ताओं की एक वैश्विक लाइन के साथ अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला शुरू की, जो अपने संबंधित क्षेत्रों में दिग्गज हैं। कारोबारी माहौल की गतिशील जरूरतों को पूरा करने के लिए, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय ने अपने छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षण बिरादरी को समग्र प्रदर्शन प्रदान करने के प्रयास में

राष्ट्रीय सीमाओं को पार करने का प्रयास किया। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय की अधिष्ठाता, प्रो.जया भसीन के स्वागत भाषण के साथ अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला शुरू हुई। श्रृंखला के लिए पहले सम्मानित वक्ता सैमुअल कर्टिस जॉनसन ग्रेजुएट स्कूल ऑफ प्रबंधन, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, न्यूयॉर्क से आचार्य बिथला आर राव थे। आचार्य राव पांच दशकों से अधिक के समृद्ध शिक्षण और अनुसंधान अनुभव के साथ आते हैं और विपणन और मात्रात्मक तरीकों में विशेषज्ञता रखते हैं। 'प्रोडक्ट बंडलिंग एंड कंज्यूमर चॉइस' विषय पर उनके विचार-विमर्श को शोधार्थियों और छात्रों के साथ शिक्षण बिरादरी द्वारा बहुत सराहा गया। आचार्य राव द्वारा बताए गए उदाहरणों के माध्यम से 'प्रोडक्ट बंडलिंग रिसर्च' की बारीकियों को सीखने में रिसर्च स्कॉलर्स ने काफी दिलचस्पी ली। यह व्याख्यान जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव जैन के कुशल नेतृत्व में और एचआरएम एवं ओबी विभाग की प्रमुख प्रो.जया भसीन और विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ. शाहिद मुश्ताक की देखरेख में मिश्रित मोड में आयोजित किया गया था। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के डॉ. सलिल सेठ और आसिफ अली ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया। अंतर्राष् ट्रीय व् याख् यान श्रृंखला का पहला विचार-विमर्श श्री आसिफ अली के धन् यवाद ज्ञापन के साथ समाप् त हुआ।

21-09-2022 को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया

एमएससीएम विभाग ने 21-09-2022 को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस विश्व स्तर पर मनाया जाता है। इस वर्ष का विषय "नस्लवाद को समाप्त करना" है। शांति का निर्माण करें। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, सच्ची शांति में न केवल हिंसा की अनुपस्थिति शामिल है, बल्कि "समाजों का निर्माण जहां सभी सदस्य महसूस करते हैं कि वे फल-फूल सकते हैं। यह एक ऐसी दुनिया का निर्माण करना चाहता है जहां हर किसी को उनकी जाति की परवाह किए बिना समान रूप से व्यवहार किया जाता है। 1981 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित, यह दिन "सभी मानवता के लिए, सभी मतभेदों से ऊपर शांति के लिए प्रतिबद्ध होने और शांति की संस्कृति के निर्माण में योगदान करने के लिए विश्व स्तर पर साझा तिथि" प्रदान करता है। संकाय सदस्यों, रिसर्च स्कॉलर्स और एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन) तीसरे सत्र के छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

5 अक्टूबर 2022 को शिक्षक दिवस मनाया गया।

एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन) के तीसरे सत्र के शोधार्थियों/छात्रों द्वारा शिक्षक दिवस बहुत उत्साह और उत्साह के साथ मनाया गया। इस संबंध में छात्रों और शोधार्थियों ने विभाग में एक प्रभावशाली समारोह की व्यवस्था की, जिसमें सभी संकाय सदस्यों की भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षकों द्वारा केक काटने के साथ हुई। छात्रों ने शिक्षण और अपने शिक्षकों को समर्पित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का

आयोजन किया, कई खेलों का आयोजन किया जिसमें शिक्षकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत प्रहसन, प्रस्तुतियां, नृत्य और गीत, दोहे प्रस्तुत किए गए, जिनका संकाय सदस्यों और छात्रों ने बहुत आनंद लिया। छात्रों ने शिक्षकों के प्रति आभार और प्रशंसा व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में संकाय सदस्यों ने सभी छात्रों/शोधार्थियों को कार्यक्रम आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया और उन्हें अपनी पढ़ाई के प्रति समान उत्साह और भावना दिखाने की सलाह दी।

14 नवंबर 2022 को उभरते बाजार के रुझान और अवसरों पर इंटरैक्टिव सत्र

एडोब के प्रशिक्षण समन्वयक श्री ओजस्वी आनंद खरे ने विपणन और एससीएम विभाग के रिसर्च स्कॉलर्स और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की। उनकी बातचीत का फोकस उभरते बाजार के रुझानों और उभरते प्रबंधकों के लिए उपलब्ध अवसरों पर था। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति उभरते बाजारों में नीति निर्माताओं की क्षमता का परीक्षण करेगी ताकि वे एक बदलते परिदृश्य को नेविगेट कर सकें, अपने नीतिगत व्यापार-बंद का प्रबंधन कर सकें और एक टिकाऊ परिणाम प्राप्त कर सकें। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों और शोधार्थियों ने भाग लिया।

22 नवंबर 2022 को आयोजित बातचीत सत्र के माध्यम से शिक्षा-उद्योग बांड का निर्माण

उद्योग और शिक्षाविदों के बीच बंधन को मजबूत करने के उद्देश्य से, विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग ने 22 नवंबर 2022 को डॉ. सौरभ कृष्णा, संकाय, आईएचएम औरंगाबाद के साथ एक बातचीत सत्र का आयोजन किया। डॉ. नरेश शर्मा ने एमएससीएम विभागाध्यक्ष आई/सी डॉ. शाहिद मुश्ताक की उपस्थिति में छात्रों को अतिथि यों का परिचय दिया। शिक्षाविदों और उद्योग दोनों में 14 वर्षों के विशाल अनुभव के साथ, डॉ. सौरभ ने उद्यमियों, प्रभावी नौकरी प्रदाताओं और राष्ट्र निर्माताओं के रूप में एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन) के छात्रों के लिए रोजगार के मोर्चे और संभावित कार्य विकल्प खोले। उन्होंने नौकरी चाहने वालों की विचारधारा से दूर जाने और नौकरी प्रदाता बनने की भावना को बढ़ाने के सार पर प्रकाश डाला। डॉ. सौरभ कृष्णा ने वास्तविक दुनिया के उदाहरणों का हवाला देते हुए काम-जीवन संतुलन और कॉर्पोरेट जीवन में इसकी आवश्यकता पर जोर दिया, जिसके साथ छात्र तुरंत जुड़ सकते हैं। डॉ. अंजूथापा ने बातचीत सत्र की अवधारणा की सराहना की और प्रश्न

उत्तर देने के दौर की सुविधा प्रदान की। संवाद सत्र का समापन डॉ. सलिल सेठ के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ सत्र को आकर्षक बनाया।

फ्रेशर्स पार्टी 2022 का आयोजन 09-12-2022 को किया गया

विपणन विभाग और एससीएम ने बैच 2022-24 के छात्रों के लिए "फ्रेशर्स पार्टी" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस विभाग में परंपरा के अनुसार, हर साल विभाग के वरिष्ठ छात्र विभाग में प्रवेश पाने वाले नए छात्रों को फ्रेशर्स पार्टी देकर उनका स्वागत करते हैं। फ्रेशर्स पार्टी का उद्देश्य एक दोस्ताना माहौल में नए छात्रों का स्वागत करना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए उनके रचनात्मक आवेगों को प्रोत्साहित करना था। यह वह दिन है जहां वरिष्ठ और जूनियर अंततः विभाग का हिस्सा होने का जश्न मनाने के लिए एकजुट होते हैं। एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन) प्रथम वर्ष के छात्रों का वरिष्ठ बैच द्वारा शिक्षण और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की उपस्थिति में पूरे उत्साह और उत्साह के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संकाय सदस्यों द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुई, जिसके बाद नए प्रवेशित छात्रों का संक्षिप्त परिचय दिया गया। साथ ही, समारोह को मुश्किल और मजेदार बनाने के लिए छोटे खेलों का आयोजन किया गया था जिसमें बॉलीवुड ट्रिविया, गेस हू, स्पिन द व्हील और जस्ट इन टाइम आदि शामिल थे। 'बॉलीवुड ट्रिविया' गतिविधि में, छात्रों को बॉलीवुड गीतों और व्यक्तित्वों को चित्रित किया गया था, जिसके आधार पर उन्हें संबंधित प्रश्नों का उत्तर देना था। 'गेस हू' गतिविधि में, छात्रों को प्रसिद्ध व्यक्तित्वों के कुछ चित्रात्मक सुराग दिखाए गए थे, जिनका उन्हें अनुमान लगाना था और जवाब देना था। विद्यार्थियों ने सभी खेलों का भरपूर आनंद लिया। इस गतिविधि के बाद 'स्पिन द व्हील' का आयोजन किया गया, जिसमें प्रत्येक छात्र को नंबरिंग आवंटित की गई, जिसके अनुरूप स्पिन के आधार पर प्रत्येक छात्र द्वारा एक गतिविधि की गई। व्यापक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए, 'जस्ट इन टाइम' नामक एक गतिविधि भी आयोजित की गई थी, जिसमें जिन छात्रों को पिछली गतिविधियों में कोई अवसर नहीं मिला था, उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया गया था। इसके बाद, फ्रेशर और उनके सीनियर्स को मिस्टर फ्रेशर और मिस फ्रेशर, 2022 के लिए शानदार डांस परफॉर्मेंस देकर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। छात्रों ने पूरे उत्साह और समन्वय के साथ भाग लिया। श्री जिधान अबूबकर वीवी और सुश्री विनया पीवी को क्रमशः मिस्टर फ्रेशर और सुश्री फ्रेशर, 2022 के रूप में घोषित किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों और सभी गतिविधियों के विजेताओं के बीच प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम एक सत्र के साथ समाप्त हुआ, जहां सभी संकाय सदस्यों और छात्रों ने सभी तनाव को दूर करते हुए ताल पर नृत्य किया और शुद्ध आनंद का आनंद लिया। पूरे कार्यक्रम का प्रबंधन और आयोजन संकाय सदस्यों की समग्र देखरेख में बैच 2021-23 के वरिष्ठ छात्रों द्वारा किया गया था।

संकाय सदस्यों, छात्रों और शोधार्थियों ने 27-01-2023 को परीक्षा पे चर्चा 2023 में भाग लिया

संकाय सदस्यों, छात्रों और शोधार्थियों ने 27-01-2023 को परीक्षा पे चर्चा 2023 के छठे संस्करण में भाग लिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन् द्र मोदी प्रतिवर्ष परीक्षा पे चर्चा के सत्र के माध् यम से छात्रों के साथ बातचीत करते हैं, जो उन छात्रों के लिए बेहद मददगार साबित होता है, जो परीक्षा की तैयारी के दौरान भारी दबाव और तनाव से गुजरते हैं। इस बातचीत के माध्यम से, छात्रों को दबाव से निपटने और जीवन के कई अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में पता चलता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन् द्र मोदी के अनुसार जीवन को हमेशा 'उत् सव' के रूप में मनाया जाना चाहिए। इसके कई चरण हैं और हर चरण का अपना करिश्मा है जिसे युवाओं के समग्र विकास के लिए संजोने की आवश्यकता है। छात्रों को आसान बनाने के लिए बातचीत आयोजित की गई थी, जो शिक्षकों और माता-पिता के लिए भी मददगार साबित होती है। 'परीक्षा पे चर्चा' अपने उद्घाटन के बाद से न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर के छात्रों के लिए फायदेमंद साबित हुई है। पीएम ने बातचीत को बहुत जीवंत बनाया जिसने शिक्षार्थियों को सही दिशा में परीक्षा के दबाव से निपटने में मदद की। पीएम ने विभिन्न दबावों से निपटने के लिए रचनात्मक और अद्वितीय विचारों को साझा किया, जो एक छात्र कई पहलुओं में खुद को साबित करने की प्रक्रिया में गुजरता है। उन्होंने लड़कियों को शिक्षित करने पर भी जोर दिया, क्योंकि वे राष्ट्र निर्माण के प्रमुख स्तंभों में से एक हैं। 'परीक्षा पे चर्चा' पहल के माध्यम से, पीएम छात्रों के उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने छात्रों के जीवन के विभिन्न पहलुओं से निपटा और उनके व्यक्तित्व के समग्र विकास में मदद की परीक्षा पे चर्चा एक ऐसा आंदोलन है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छात्रों, माता-पिता, शिक्षकों और समाज को एक साथ लाने के प्रयासों से प्रेरित है ताकि एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा दिया जा सके जहां प्रत्येक बच्चे की अनूठी व्यक्तित्व का जश्न मनाया जाता है, प्रोत्साहित किया जाता है और विभिन्न तरीकों से खुद को व्यक्त करने की अनुमति दी जाती है। इस निबंध से उभरकर सामने आया मुख्य बिंदु यह है कि अपने तनाव और घबराहट को पीछे छोड़ दें और उन तितलियों को अपने पेट में मुक्त करने के लिए तैयार हो जाएं। इस पहल के छठे संस्करण में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के एमएससीएम विभाग के सभी हितधारकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

विपणन एवं एससीएम विभाग और एचआरएम और ओबी ने 3 फरवरी 2023 को अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया

अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक-अनुसंधान संबंधों को बढ़ावा देने और संकाय और छात्रों के बीच अकादमिक कठोरता, उद्यमिता, छात्रवृत्ति को सक्रिय करने के लिए, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के तत्वावधान में विपणन और एससीएम विभाग और एचआरएम एवं ओबी विभाग ने शिक्षार्थियों को विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करने और शिक्षार्थियों को शुरू करने का अवसर प्रदान करने के अलावा अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन प्राप्त करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला शुरू की। सहयोगपूर्ण शोध उभरते क्षेत्रों और अन्य शैक्षिक गतिविधियों में। श्रृंखला का दूसरा व्याख्यान आचार्य मुरली कृष्ण मंत्राला, नेड फ्लेमिंग आचार्य, कैनसस विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका से "मार्केटिंग में प्रभावशाली अनुसंधान करना और प्रकाशित करना" विषय पर आयोजित किया गया था।

व्याख्यान की शुरुआत जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय की अधिष्ठाता, प्रो.जया भसीन के औपचारिक स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने श्रोताओं को अवगत कराया कि आचार्य मुरली एक समृद्ध शिक्षण और अनुसंधान अनुभव के साथ आते हैं। उन्होंने खुदरा मूल्य निर्धारण, श्रेणी प्रबंधन, विज्ञापन और बिक्री संसाधन आवंटन, बिक्री बल मुआवजा, और दो तरफा मंच विपणन रणनीतियों जैसे विषयों पर बड़े पैमाने पर प्रकाशित किया है, इसके अलावा वह कई पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता हैं। इस विषय पर उनके विचार-विमर्श ने युवा मन को गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान करने के लिए उत्साहित किया। शोधार्थियों ने विपणन में प्रभावशाली अनुसंधान करने और प्रकाशित करने की बारीकियों को सीखने में अत्यधिक रुचि ली। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव जैन के मार्गदर्शन और सक्षम नेतृत्व में और एचआरएम एवं ओबी विभाग की प्रमुख प्रो.जया भसीन और विपणन एवं

आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ. शाहिद मुश्ताक की देखरेख में इस कार्यक्रम की संकल्पना की गई। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के डॉ. सलिल सेठ, डॉ. अंजूथापा, श्री आसिफ अली और डॉ. नरेश कुमार ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया। अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला का विचार-विमर्श डॉ. नीलिका अरोड़ा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुआ।

विपणन और एससीएम विभाग और प्रशिक्षण और नियुक्ति प्रकोष्ठ ने मई 2023 को रोजगार काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया

डिपार्टमेंट ऑफ मार्केटिंग एंड एससीएम और ट्रेनिंग एंड नियुक्ति प्रकोष्ठ ने एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन) द्वितीय सत्र के छात्रों के लिए मई 2023 को रोजगार काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण और नियुक्ति अधिकारी विराज मंगोत्रा ने छात्रों को मार्केटिंग प्रबंधन के छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप करने के लिए उपलब्ध विभिन्न विकल्पों से परिचित कराया। छात्रों को उपलब्ध अवसरों की खुली अधिकता के बारे में जानकारी होने पर बहुत खुशी हुई। यह प्रश्न और उत्तर सत्र के साथ समाप्त हुआ और छात्रों ने सत्र को दोहराने का अनुरोध किया जो फिर से इच्छुक लोगों के लिए आयोजित किया जाएगा। एमएससीएम विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अंजू थापा ने विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ. शाहिद मुश्ताक की समग्र देखरेख में डॉ. सलिल सेठ और डॉ. नरेश कुमार के साथ सत्र का समन्वय किया।

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

डॉ. नरेश कुमार शर्मा ने 12 मई, 2022 को जम्मू विश्वविद्यालय के कठुआ परिसर में एमबीए के छात्रों के लिए भगवान हनुमान के जीवन से प्रबंधन पाठ पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. शाहिद मुश्ताक ने 27 जुलाई 2022 को "राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे के तहत कौशल आधारित शिक्षा" पर आमंत्रित वार्ता दी। 26-27-07-2022 से पद्मश्री पद्मा सचदेव, गवर्नमेंट पीजी कॉलेज फॉर वुमेन, गांधीनगर में उच्च शिक्षा विभाग, जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा आयोजित नई शिक्षा नीति (एनईपी) - 2020 पर 2 दिवसीय सम्मेलन में 27 जुलाई 2022 को "राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे के तहत कौशल आधारित शिक्षा" पर एक आमंत्रित भाषण दिया। सम्मेलन उच्च शिक्षा विभाग की एक पहल थी और संयुक्त रूप से गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वीमेन, परेड ग्राउंड, पीएसपीएस गवर्नमेंट पीजी कॉलेज फॉर वुमेन, गांधी नगर, एमएएम कॉलेज, एसपीएमआर कॉलेज ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित किया गया था।

डॉ. शाहिद मुश्ताक से क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू के स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज में अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला ने 19 से 20 जुलाई 2022 तक अनुसंधान पद्धति पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस तरह की कार्यशाला के आयोजन का प्राथमिक उद्देश्य संकाय सदस्यों और स्नातकोत्तर छात्रों को आवश्यक अनुसंधान कौशल, ज्ञान और पद्धतिगत समझ से लैस करना था जो उन्हें अपने शोध कार्य के लिए सबसे उपयुक्त पद्धति विकसित करने में सक्षम बनाता है। उपयुक्त उपकरणों की उनकी समझ को बढ़ाने के अलावा, इसने प्रतिभागियों को डेटा संग्रह, डेटा के प्रबंधन, इसके विश्लेषण और उचित रूप में अंतिम आउटपुट की प्रस्तुति के लिए तकनीकों के बारे में उन्मुख किया।

डॉ. शाहिद मुश्ताक ने सरकारी उपाधि कॉलेज में रोजगार कौशल पर एक आमंत्रित भाषण दिया। 13 अगस्त 2022 को सिधरा। इस अवसर पर उन् होंने जनजातीय युवा सहभागिता परियोजना प्रायोजित जनजातीय मामलों के विभाग, केन् द्र शासित प्रदेश जम् मू-कश् मीर के पहले चरण का उद्घाटन किया। यहां यह उल्लेख करना उचित है कि जनजातीय युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.संजीव जैन के मार्गदर्शन में जनजातीय युवा सहभागिता परियोजना संचालित की जा रही है। परियोजना टीम में प्रो. देवानंद, प्रो. जया भसीन, डॉ. शाहिद मुश्ताक और डॉ. नीलिका अरोड़ा शामिल हैं।

विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ. शाहिद मुश्ताक ने 9 सितंबर 2022 को पद्म श्री पद्म सचदेव गवर्नमेंट पीजी कॉलेज फॉर वुमन गांधीनगर में कौशल आधारित कार्यक्रम एनईपी 2020 के कार्यान्वयन पर एक आमंत्रित भाषण दिया।

30-09-2022 से 04-10-2022 तक कौशल आधारित पाठ्यक्रमों के कार्यान्वयन पर अभिविन्यास कार्यक्रम

डॉ. शाहिद मुश्ताक ने 30-09-2022 से 04-10-2022 तक सरकारी स्नातकोत्तर कॉलेज, राजौरी में कॉलेजों में विभिन्न धाराओं में कौशल आधारित पाठ्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए संकाय सदस्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया।

लिंग संवेदीकरण पर परामर्श सत्र 20 अक्टूबर 2022 को

डॉ. शाहिद मुश्ताक ने 20 अक्टूबर 2022 को यौन उतपीड़न के निवारण हेतु लिंग संवेदीकरण समिति (जीएससीएएसएच) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग के छात्रों, शोध विद्वानों, संकाय और प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए लिंग संवेदीकरण पर एक परामर्श सत्र आयोजित किया। वर्तमान सत्र उस श्रृंखला का हिस्सा था।
एमएससीएम विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अंजुथापा ने 31 अक्टूबर, 2022 को वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से इग्नू के कर्मचारियों और छात्रों के लिए "डिजिटल ऑफिस रिकॉर्ड प्रबंधन " पर आमंत्रित वार्ता दी।

डॉ. शाहिद मुश्ताक ने 5-6 और 12-13 नवंबर, 2022 को जम्मू के क्लस्टर विश्वविद्यालय में एसपीएसएस का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण सत्रों की श्रृंखला आयोजित की। सत्र के लिए चुने गए विषयों का उद्देश्य सामाजिक विज्ञान के शिक्षार्थियों की पद्धतिगत दक्षताओं को गहराई से बढ़ाना और समृद्ध करना है। सत्र ने शिक्षार्थियों को डेटा विश्लेषण के लिए सॉफ्टवेयर पैकेज एसपीएसएस का उपयोग करने के लिए हाथों पर प्रशिक्षण अनुभव के लिए एक अवसर प्रदान किया। सत्र ने शिक्षार्थियों को लागू सांख्यिकीय तकनीकों की मान्यताओं को समझने में मदद की।

डॉ. शाहिद मुश्ताक ने 24 नवंबर 2022 को गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू में बीई प्रथम वर्ष के लिए इंडक्शन कार्यक्रम 2022 के दौरान सत्र आयोजित किए। उन्होंने "कैंपस टू कॉर्पोरेट" विषय पर नव

प्रवेशित छात्रों के साथ बातचीत की, जिसमें उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि संक्रमण हर किसी के जीवन में एक सतत प्रक्रिया है जो विभिन्न चरणों में होती है। कैंपस से रोजगार में संक्रमण पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि इसमें बहुत सारी योजना शामिल है। योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना चाहिए कि व्यक्ति के पास कॉर्पोरेट संस्कृति और जलवायु का सामना करने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक कौशल है। सत्र ने शिक्षार्थियों को बेहतर कैरियर विकल्प बनाने और एक मजबूत कैरियर पथ बनाने के लिए आवश्यक कैंपस से कॉर्पोरेट और रोजगार कौशल की गतिशीलता को समझने में मदद की। उन्होंने संक्रमण की प्रारंभिक अवधि के दौरान सफल होने के लिए कुछ सुझाव साझा किए।

गृहिणियों के लिए काम के प्रचार पर बूट शिविर: 29-30 नवंबर 2022 तक होम मेकर्स के लिए कैरियर-काउंसलिंग सत्र

गृहिणी निस्संदेह एक कार्यात्मक परिवार में सबसे मजबूत स्तंभ हैं। उनकी मल्टीटास्किंग क्षमता यही कारण है कि एक घर कभी बिखरता नहीं है। मौका मिलने पर ये महिलाएं आर्थिक रूप से भी अपना और परिवार का भरण-पोषण करने का काम कर सकती हैं। उन्हें बस थोड़े मार्गदर्शन की जरूरत

है। गृहिणियों की आवश्यकता को पहचानते हुए, एमएससीएम के विभागों और एचआरएम और ओबी द्वारा व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के तत्वावधान में संयुक्त रूप से एक राष्ट्रीय महिला आयोग प्रायोजित बूट कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें यौन उतपीड़न के निवारण हेतु लिंग संवेदीकरण समिति (जीएससीएएसएच), जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर के आस-पास के गांवों के होम मेकर्स के लिए शामिल किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 60 गृहिणियों ने भाग लिया। वर्तमान बूट शिविर के परिणामस्वरूप सफलता कौशल विकसित करने के लिए अनुभवों को साझा किया गया जो गृहिणियों के लिए पुरस्कृत रोजगार बनाने के लिए आवश्यक हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गृहिणियों को उन व्यवसायों की तलाश, विकास और बनाए रखने के लिए सशक्त बनाना था जो सामाजिक आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप सह-अस्तित्व में हैं। बूट शिविर के लिए चुने गए विषयों का उद्देश्य व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य से गहराई से प्रतिभागियों की प्रबंधकीय दक्षताओं को बढ़ाना और समृद्ध करना है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के भीतर और बाहर के संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न सत्र आयोजित किए गए।

5 दिसंबर 2022 को जीसीडब्ल्यू गांधीनगर में आदिवासी छात्रों के लिए बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं पर कौशल विकास पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया गया। व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के तत्वावधान में एमएससीएम विभाग और एचआरएम और ओबी ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर के आदिवासी समुदाय से संबंधित महिला छात्रों के लिए कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू किया। यह कार्यक्रम कौशल वृद्धि प्रदान करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के जनजातीय मामलों के विभाग द्वारा प्रायोजित है।

क्षेत्र के जनजातीय युवाओं को प्रशिक्षण। यहां यह उल्लेख करना उचित है कि परियोजना के चरण-I के तहत शिक्षार्थियों के लाभ के लिए कई रोजगार उन्मुख व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को प्रस्तावित किया जा रहा है। विभाग उद्योग और शिक्षा प्रशिक्षण भागीदारों के सहयोग से इन कार्यक्रमों की प्रस्तावित कर रहा है। बीएफएस कार्यक्रम का उद्घाटन जीसीडब्ल्यू, गांधीनगर की प्रिंसिपल आचार्य मीनू महाजन की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिक्षा मॉडल के केंद्र में प्रत्येक छात्र को उनकी उपलब्धि में आत्मविश्वास और गर्व करने में मदद करने की इच्छा है। उन्होंने कौशल पहल टीवाईईपीपी-1 के तहत बीएफएस पर कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव जैन को धन्यवाद दिया। यह परियोजना प्रो.संजीव जैन और आचार्य देवानंद, सह-अध्यक्ष-सह-प्रशासक के मार्गदर्शन और मार्गदर्शन में कार्यान्वित की जा रही है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय डॉ. जया भसीन, डीएसीई की समन्वयक डॉ. नीलिका अरोड़ा और व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के मार्केटिंग एंड सप्लाई चेन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शाहिद मुश्ताक ने छात्रों को संबोधित किया। कौशल पाठ्यक्रम की पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अंजू कौल रैना ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

31 जनवरी 2023 को जम्मू के क्लस्टर विश्वविद्यालय के श्री प्रताप मेमोरियल राजपूत कॉलेज ऑफ कॉमर्स में जनजातीय युवाओं के लिए पर्यटन प्रबंधन पर व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किया गया

एमएससीएम विभाग और एचआरएम एवं ओबी विभाग ने व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के तत्वावधान में जनजातीय युवा जुड़ाव कार्यक्रम चरण -1 के तहत पर्यटन प्रबंधन पर व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किया। इस कार्यक्रम के तहत शिक्षार्थियों को सेक्टर कौशल परिषद द्वारा पहचाने गए यात्रा सलाहकार नौकरी की भूमिका के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद छात्रों को एनएसक्यूएफ स्तर 4 प्रमाणन से सम्मानित किया जाएगा। इससे पहले कार्यक्रम में एसपीएमआर कॉलेज ऑफ कॉमर्स जम्मू के प्रिंसिपल आचार्य सुरिंदर कुमार उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि व्यावसायिक पाठ्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाना है। उन्होंने कौशल पहल टीवाईईपीपी-1 के तहत पर्यटन प्रबंधन पर कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव जैन को धन्यवाद दिया। यह परियोजना टीवाईईपी के अध्यक्ष प्रो.संजीव जैन और सह-अध्यक्ष-सह-प्रशासक आचार्य देवानंद के संरक्षण में कार्यान्वित की जा रही है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय डॉ. जया भसीन, डीएसीई की समन्वयक डॉ. नीलिका अरोड़ा और जम्मू के व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के मार्केटिंग एंड सप्लाई चेन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शाहिद मुश्ताक, वाणिज्य विभाग की प्रमुख डॉ. बारबरा कौल ने छात्रों को संबोधित किया। स्किल पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम कोऑर्डिनेटर डॉ. चरणदीप हांडा ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और डॉ. फैजा चौधरी ने कार्यक्रमों की कार्यवाही का संचालन किया। कार्यक्रम में डॉ. सविता जम्वाल, सुश्री आशु जम्वाल, श्री शमीम, श्री अनवर-उल-हक, डॉ. सुरेश सहित अन्य संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

क्षेत्र दौरे / औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा

स्थानीय औद्योगिक इकाइयों का औद्योगिक/एक्सपोजर दौरा, 06-05-2022

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग ने 06 मई, 2022 को अपने छात्रों को औद्योगिक यात्रा के लिए ले जाकर अपने उद्योग-अकादमिक आउटरीच को बढ़ाने का कार्य किया। विभाग द्वारा छात्रों को प्रतिष्ठित पांच अलग-अलग संगठनों अर्थात् टीवीएस सुपर फिल्टर्स, जय बेवरेजेज लिमिटेड, यूफ्लेक्स अल्टीमेट

लिमिटेड, जेकेईडीआई और बाड़ी ब्राह्मणा औद्योगिक एसोसिएशन, जम्मू में औद्योगिक यात्रा के लिए ले जाने का प्रयास किया गया था। एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन) के छात्र यह देखकर रोमांचित थे कि कैसे उद्योगों ने सैद्धांतिक प्रबंधन ज्ञान को व्यवहार में लाया। छात्रों के लिए कक्षा व्याख्यान को अधिक व्यवहार्य उद्योग उन्मुख समाधानों में अनुवाद करने में सीखने का एक लंबा रास्ता तय करने की उम्मीद है। जया भसीन, अधिष्ठाता, व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय के कुशल मार्गदर्शन में, विपणन और एससीएम विभागाध्यक्ष डॉ. शाहिद मुश्ताक द्वारा औद्योगिक दौरे को औपचारिक रूप दिया गया। सभी संकाय सदस्यों ने इस प्रयास में छात्रों की सहायता की।

सीआईआई ने 27 फरवरी 2023 को एमएससीएम, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय छात्रों के साथ कॉर्पोरेट लर्निंग साझा की

एमबीए (मार्केटिंग प्रबंधन) चौथे सत्र के छात्रों की एक टीम ने 27 फरवरी 2023 को होटल रेडिसन, जम्मू में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) जम्मू-कश्मीर के वार्षिक सत्र में भाग लिया। इस वर्ष के वार्षिक सत्र के भाग के रूप में, सीआईआई ने जम्मू-कश्मीर @75 से 100 "जम्मू-कश्मीर को भविष्य के लिए तैयार बनाना" पर एक सत्र का आयोजन किया। सीआईआई जम्मू-कश्मीर परिषद केंद्र

शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के सतत विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में एक सक्रिय भूमिका निभा रही है और "जम्मू-कश्मीर @ 75 से 100" के लिए एक बहुत ही स्पष्ट दृष्टिकोण है। छात्रों ने स्थानीय रूप से उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों और उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के लिए सीआईआई जम्मू-कश्मीर टीम, पैनलिस्ट और स्थानीय औद्योगिक इकाइयों, कॉर्पोरेट घरानों के अन्य सदस्यों के साथ बातचीत की। "आजादी का अमृत महोत्सव" के चल रहे उत्सव के एक भाग के रुप में, सीआईआई जम्मू-कश्मीर सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी के साथ जम्मू-कश्मीर के लिए एक व्यापक रोडमैप विकसित करने पर काम कर रहा है, जो सक्रिय निवेश और रोजगार का मार्ग प्रशस्त करता है, सूचना प्रौद्योगिकी और इन्फोटेक के उन्नत बुनियादी ढांचे के सक्रिय उपयोग के माध्यम से जीवन की आसानी के माहौल में भी सुधार करता है। बेहतर कौशल-आधारित शिक्षा, अच्छे रोजगार के अवसर, स्थायी बुनियादी ढांचे, व्यापार करने में आसानी और एक पसंदीदा पर्यटन केंद्र के संदर्भ में जीवन की उत्कृष्ट गुणवत्ता के माध्यम से जम्मू-कश्मीर के भविष्य को तैयार करने की इच्छा है। सत्र ने जम्मू एवं कश्मीर में व्यवसाय करने की गतिशीलता को समझने के लिए शिक्षार्थियों को उपयोगी अंतर्दृष्टि प्रदान की।

संकाय उपलब्धियॉं

- डॉ. अंजु थापा, वरिष्ठ सहायक आचार्य, एमएससीएम विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को आईएनएससी इंस्टीट्यूट ऑफ स्कॉलर्स द्वारा अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार 2022 (उच्च शैक्षिक संस्थागत स्तर) मिला।
- डॉ. सलिल सेठ, वरिष्ठ सहायक आचार्य, एमएससीएम विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 18 मार्च 2023 को शिक्षाविदों और अनुसंधान के लिए शोधकर्ताओं के उत्थान के उद्देश्य से भारत सरकार के तहत पंजीकृत एडुवेद फाउंडेशन ऑफ एकेडमिक्स एंड रिसर्च द्वारा शिक्षाविदों और अनुसंधान में उनके बहुमूल्य योगदान की मान्यता में एशियन बेस्ट टीचर अवार्ड 2023 से सम्मानित किया।
- विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ. शाहिद मुश्ताक को जुलाई 2022 से दूसरे कार्यकाल के लिए इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट चंडीगढ़ चैप्टर के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया। यहां यह उल्लेख करना उचित है कि अप्रैल 1970 में स्थापित इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (आईएसटीडी), सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत एक राष्ट्रीय स्तर की पेशेवर और गैर-लाभकारी सोसायटी है। इसमें सरकार, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों और उद्यमों से मानव संसाधन के प्रशिक्षण और विकास के क्षेत्र में शामिल व्यक्तियों और संस्थानों की एक बड़ी सदस्यता है; शैक्षिक और प्रशिक्षण संस्थान और अन्य व्यावसायिक निकाय। सोसाइटी इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (आईएफटीडीओ), जिनेवा से संबद्ध है। आईएसटीडी अध्याय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर पूरे देश में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

संकाय सदस्यों की उपलब्धियाँ

क्रम सं	संकाय का नाम	कार्यशालाएं/एफडीपी	ऑनलाइन पाठ्यक्रम	संगोष्ठी/सम्मेलन (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)
01	डॉ. नरेश कुमार	04	01	03
02	डॉ. सलिल सेठ	04	03	08
03	डॉ. अंजू थापा	06	03	02
04	डॉ. शाहिद मुश्ताक	05	05	03

"आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर"

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
01	उत्तराखंड में स्टार श्रेणी के होटलों की पर्यटक संतुष्टि प्राप्त करने में डिजिटल मार्केटिंग रणनीतियों की भूमिका	23235233	2023
02	ग्रीन विज्ञापन को वास्तविक बनाने के लिए कैस्केडिंग सस्टेनेबल इंजीनियरिंग ने पर्यावरण-केंद्रित जैव-अर्थव्यवस्था की सहायता की।	2265-6294	2023
03	इको-केंद्रित गणना के माध्यम से स्थिरता के लिए बेहतर अनुकूलित ग्रीन विज्ञापन ढांचे का संख्यात्मक सिमुलेशन और निर्मित	2147-6799	2023
04	कोविड-19 महामारी के दौरान उच्च शिक्षा संस्थानों के चयन में छात्रों की धारणा पर डिजिटल मार्केटिंग का प्रभाव।	2231-1009	2022
05	महामारी की अवधि के दौरान नर्सों के टर्नओवर इरादे और संगठनात्मक प्रतिबद्धता पर वेतन स्तर की संतुष्टि और तनाव का प्रभाव	24546802	2022
06	सोशल मीडिया का उपयोग करके तनाव को कम करना: कोलकाता में विभिन्न आयु वर्ग के व्यक्तियों का एक अध्ययन	2231-5756.	2022
07	प्रतिस्पर्धी लाभ प्राप्त करने के लिए स्थिरता और कॉर्पोरेट पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीच पर्यावरण-केंद्रित गठजोड़	1226-4741	2022
08	न्यूरो-मार्केटिंग: चुनौतियों को स्वीकार करना और अवसरों का लाभ उठाना	1226-4741	2022
09	सतत विपणन के अग्रदूत के रूप में ग्रीन विज्ञापन।	1671- 5497	2022
10	सामाजिक पर्यावरणीय जिम्मेदारी: प्रतिभा प्रबंधन के लिए एक नया प्रतिस्पर्धी हथियार शुरू करना	2277-7067	2022
11	पर्यावरण-केंद्रित सतत विपणन के लिए ग्रीनवाशिंग बाधाएं	0378-4568	2022
12	ग्रीन विज्ञापन: मिथक या वास्तविकता?	978-93-94779-75-4	2022
13	स्वतंत्रता के बाद के भारतीय युग में पारंपरिक विज्ञापन से हरित विज्ञापन तक कायापलट	978-93-94336-09-4	2022

11 **नई स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण - 2022-2023**

क्रम.सं	संस्तुत वर्ष	निधीयन एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
01	2023	एनसीडब्ल्यू, नई दिल्ली	जारी
02	2022	आईसीएसएसआर, नई दिल्ली	पूरा किया
03	2022	एनसीडब्ल्यू, नई दिल्ली	पूरा किया

04	2021	जनजातीय मामलों का विभाग, जम्मू-कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र	जारी
05	2020	उच्च शिक्षा विभाग, जम्मू-कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र	जारी

मानवकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय

- अर्थशास्त्र विभाग
- लोकनीति एवं लोक प्रशासन विभागा
- समाज कार्य विभाग
- तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र

अर्थशास्त्र विभाग

विभागीय गतिविधियां

संक्षिप्त परिचय :- विभाग का दीर्घकालिक उद्देश्य वैश्विक/राष्ट्रीय/ग्रामीण मुद्दों को हल करने और आर्थिक मॉडलिंग और संबंधित माध्यमों से स्थानीय स्तर पर उनके अनुप्रयोगों का प्रसार करने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना है। छात्रवृत्ति के उच्चतम मानकों के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप शिक्षा विभाग का लक्ष्य है। पारंपरिक पाठ्यक्रम के अलावा, विभाग का उद्देश्य छात्रों को प्रासंगिक सामाजिक और आर्थिक मुद्दों के बारे में पढ़ाना है।

➢ प्रस्तावित पाठ्यक्रम : – अर्थशास्त्र में एम. ए कार्यक्रम; पीएचडी पाठ्यक्रम

➢ **संकाय विवरण:** –

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ. श्वेता कोहली	सह आचार्य	विकास अर्थशास्त्र, लिंग और विकास, ग्रामीण विकास, कृषि विकास
2	डॉ. सुशांत नाग	सहायक आचार्य	स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, एप्लाइड इकोनोमेट्रिक्स, टाइम सीरीज़ इकोनोमेट्रिक्स, गणितीय अर्थशास्त्र
3	सुश्री प्रीति गुप्ता	सहायक आचार्य	विकास अर्थशास्त्र, सार्वजनिक वित्त।
4	श्री अनिल कुमार भारती	सहायक आचार्य	ग्रामीण विकास का अर्थशास्त्र, श्रम अर्थशास्त्र

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार**

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 8 दिसंबर, 2022 को "भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस तक पहुंच" पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। डॉ. मोहम्मद अनवर, सहायक सलाहकार डीएसआईएम, आरबीआई, कार्यशाला के लिए वक्ता थे। कार्यशाला में भारतीय रिजर्व बैंक के सार्वजनिक डोमेन पर उपलब्ध भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटा एक्सेस करने पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सत्र के दौरान विभिन्न क्षेत्रों जैसे रियल सेक्टर, बैंकिंग क्षेत्र, कॉर्पोरेट क्षेत्र, बाहरी क्षेत्र और वित्तीय क्षेत्र पर डेटाबेस का पता लगाया गया।

रिज्यूम बिल्डिंग पर एक दिवसीय कार्यशाला अर्थशास्त्र विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा मंगलवार, 14 फरवरी, 2023 को दोपहर 12:00 बजे से 1:00 बजे तक आयोजित किया गया था। कार्यशाला के लिए वक्ता एम. ए अर्थशास्त्र के चौथे सत्र के छात्रों के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण और नियुक्ति अधिकारी श्री विराज मगोत्रा थे।

➢ **प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन**

नमस्कार करें और मिलें: अर्थशास्त्र विभाग द्वारा विभाग के पूर्व छात्र के साथ स्नातकोत्तर के छात्रों के लिए द्वि-मासिक बातचीत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस महीने का कार्यक्रम 24 को आयोजित किया गया था विभाग की पूर्व छात्रा मिस अनन्या खजूरिया बैच 2017-19 के साथ नवंबर 2022। उसने 1 के चल रहे

बैच के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र किया और अर्थशास्त्र विभाग के तीसरे सत्र के छात्र। बैठक का विषय यूजीसी-नेट पर चर्चा और अंतर्दृष्टि थी, जहां उन्होंने इस परीक्षा की तैयारी के लिए टिप्स और ट्रिक्स साझा किए।

बजट का व्याख्यान 2023: अर्थशास्त्र विभाग ने 2 फरवरी 2023 को ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह सभागार में केंद्रीय बजट 2023 पर एक चर्चा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में आर्थिक विभाग के छात्रों और शोधार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम बजट की वीडियो स्ट्रीमिंग के साथ शुरू हुआ और इसके बाद चर्चा हुई जहां प्रत्येक संकाय ने बजट पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम छात्रों को केंद्रीय बजट, इसमें चर्चा किए गए विभिन्न आर्थिक सुधारों और आर्थिक और औद्योगिक विकास में बजट की भूमिका के बारे में जानकारी दी।

➢ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

आरबीआई का दौरा: अर्थशास्त्र विभाग ने विभाग के छात्रों, विद्वानों और शिक्षकों के लिए गुरुवार, 13 अक्टूबर 2022 को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू के दौरे की व्यवस्था की। हालाँकि दौरे का मुख्य उद्देश्य निर्देशात्मक था, वास्तविक कार्यात्मक संपर्क में आने से छात्रों की समझ पाठ्यपुस्तकों से जो कुछ भी सीखा जा सकता था उससे कहीं अधिक बढ़ गई। छात्रों को भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस, विशेष रूप से बैंकिंग डेटा और मौद्रिक निर्माण के लिए किए गए सर्वेक्षण-आधारित अनुसंधान के अन्य पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों और शोधार्थियों के लिए उन लोगों के साथ सीधे बातचीत करना एक ज्ञानवर्धक अनुभव था जो मौद्रिक प्रणाली में इस तरह के काफी हद तक योगदान करते हैं।

➢ क्षेत्र दौरे / औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा:

अंतर्राष्ट्रीय सीमा यात्रा: अर्थशास्त्र विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 6 मई, 2023 को सुचेतगढ़ सीमा के लिए एक दिवसीय शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया है। छात्रों के लिए एक मनोरंजक गतिविधि प्रदान करने के उद्देश्य से दिन भर की यात्रा की योजना बनाई गई थी। यात्रा ने छात्रों में देशभक्ति और उत्साह की भावना भी पैदा की। इस सूचनात्मक भ्रमण ने छात्रों को भू-राजनीति, क्रॉस-सांस्कृतिक संचार और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के बारे में कई उपयोगी विचार प्रदान किए हैं। क्षेत्र दौरा का उद्देश्य छात्रों को सीमा की गतिशीलता और देशों में मौजूद संबंधों की पहली समझ प्रदान करना था। अपनी यात्रा के दौरान, छात्रों को सीमा के इतिहास और महत्व के बारे में सूचनात्मक कार्यशालाओं में भाग लेने का अवसर मिला। उन्हें शाम की परेड में भी शामिल होने का मौका मिला।

➢ संकाय प्रकाशन

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1	भारत में लिंग अंतर: रुझान और विश्लेषण	0975-8380	2022
2	भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय व्यापार की क्षमता की खोज: एक अनुभवजन्य विश्लेषण	*1681-899*	2022
3	मातृ स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का उपयोग: जम्मू एवं कश्मीर का एक अंतर-जिला विश्लेषण	2456-3315	2022

लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग

- **संक्षिप्त परिचय**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग की स्थापना जुलाई 2013 में हुई थी।

  लोकनीति एक अनुशासन है जो राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर सरकारों के लिए नीति पेशेवरों की आपूर्ति करता है जो समस्या की पहचान, एजेंडा सेटिंग, नीति निर्माण, निर्णय लेने, नीति कार्यान्वयन और नीति मूल्यांकन से विभिन्न नीति गतिविधियों में सहायता प्रदान करते हैं। वे नीति विश्लेषण में सरकार की सहायता भी करते हैं।

  विभाग का मुख्य ध्यान लोक प्रशासन के दृष्टिकोण से लोकनीति का अध्ययन करना है।
  इसलिए पाठ्यक्रम को इस तरह से निर्माण किया गया है कि यह तीन मुख्य क्षेत्रों को कवर करता है:

  1. लोकनीति
  2. लोक प्रशासन
  3. पालन

- **प्रस्तावित पाठ्यक्रम**
  - लोक नीति एवं लोक प्रशासन में एमए
  - लोक नीति एवं लोक प्रशासन में पीएच.डी.

- **संकाय विवरण**

क्रम सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	डॉ. रौची चौधरी	सह आचार्य	शासन और नीतिगत मुद्दे
2.	डॉ. मोहित शर्मा	सहायक आचार्य	अनुसंधान पद्धति और शासन
3.	डॉ. सुशील साहेबराव कांबले	सहायक आचार्य	

- **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार**

- **"अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस" के अवसर पर 'बिल्डिंग स्ट्रिंग एजुकेशनल फाउंडेशन' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया**

इस सत्र में, सुनील कुमार (सरकारी माध्यमिक विद्यालय, जाकर टिकरी, उदमपुर में शिक्षक); राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेता, 2020 और आशीष बहल (सरकारी प्राथमिक विद्यालय, चंबा, हिमांचल प्रदेश में शिक्षक); राष्ट्रीय शिक्षक

नवाचार पुरस्कार विजेता, 2019 और 2020 ने पीपीपीए के छात्रों के साथ बातचीत की और इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

- 15 सितंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस' के अवसर पर मॉक संसद का आयोजन किया। छात्रों ने सक्रिय रूप से संसद की कार्यवाही को लागू किया और शिक्षा, मुद्रास्फीति, बिजली, पर्यावरण संरक्षण, राज्य के पुनर्गठन, साइबर सुरक्षा, नई शिक्षा नीति और महिला सुरक्षा जैसे विभिन्न समकालीन मुद्दों पर बहस की। अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस की स्थापना 2007 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से की गई थी और 15 सितंबर, 2008 को 46 राष्ट्रीय संसदों द्वारा पहला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाया गया था। अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाने के पीछे का उद्देश्य सरकारों को लोकतंत्र को मजबूत और मजबूत करने के लिए प्रेरित करना है। मानव अधिकारों के संरक्षण और प्रभावी प्राप्ति के लिए लोकतंत्र आवश्यक है। यह दिन संसद की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है और न्याय, शांति, विकास और मानव अधिकारों को देने के लिए उनकी क्षमता और जनादेश का जश्न मनाता है। मॉक पार्लियामेंट ने सत्तारूढ़ और विपक्ष दोनों दृष्टिकोणों को प्रदर्शित किया। उन्होंने भारत की संसद पर सवाल उठाने और प्रतिबिंबित करने की अपनी महत्वपूर्ण क्षमता व्यक्त की। छात्रों ने राजनीति, संसदीय सदन के कामकाज की गहन समझ हासिल की और नीति निर्माण का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। इस कार्यक्रम ने प्रायोगिक शिक्षा का एक उदाहरण स्थापित किया।
- 21 को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस समारोह के भाग के रुप में एक संगोष्ठी का आयोजन किया अंतर्राष्ट्रीय शांति

दिवस का विषय "नस्लवाद को समाप्त करना" है। शांति का निर्माण". इस आयोजन का उद्देश्य नस्लवाद और नस्लीय भेदभाव से मुक्त दुनिया की दिशा में काम करना है। एक ऐसी दुनिया जहां करुणा और सहानुभूति संदेह और घृणा को दूर करती है। एक ऐसी दुनिया जिस पर हम वास्तव में गर्व कर सकते हैं। इस दिन, विभाग में वृक्षारोपण अभियान का पालन किया गया।

- 24-26 नवंबर, 2022 तक संविधान दिवस मनाने के लिए तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका विषय था- भारत: लोकतंत्र की जननी।

संविधान दिवस हर साल 26 नवंबर को मनाया जाता है। आधिकारिक तौर पर इसे 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता था। यह हमारे भारतीय संविधान की महिमा और इसकी अंतिम संरचना के पीछे की कहानियाँ बताता है। संविधान दिवस, भारत में राष्ट्रीय कानून दिवस (या संविधान दिवस) के रूप में भी मनाया जाता है, और भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में हर साल 26 नवंबर को मनाया जाता है। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने औपचारिक रूप से भारत के संविधान को अपनाया। औपचारिक रूप से, यह 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ जिसे गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। जैसा कि 19 नवंबर 2015 के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है, 2015 से इस दिन का जश्न नियमित वार्षिक कार्यक्रम रहा है। संयोगवश, वर्ष 2015 में डॉ. बीआर अंबेडकर की 125 वीं जयंती भी मनाई गई, जिन्हें भारतीय संविधान का निर्माता माना जाता है।

- पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता

5. प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन

- 25 को नवंबर में एक आमंत्रित व्याख्यान प्रख्यात आचार्य के.एल.भाटिया द्वारा दिया गया था।

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन:

26 नवंबर, 2022 को केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू, केंद्रीय विद्यालय में संविधान दिवस या संविधान दिवस का जश्न मनाएगा।

6. क्षेत्र दौरा /औद्योगिक दौरा /अकादमिक दौरा

7. संकाय प्रकाशन

डॉ. रौची चौधरी

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन नंबर/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर.	प्रकाशन का वर्ष
1.	भारतीय कृषि और ग्रामीण सतत आजीविका में महिलाओं की भूमिका: एक नीतिगत परिप्रेक्ष्य (सह-लेखक)	वन अनुसंधान के इतिहास (एक स्कोपस इंडेक्स्ड इंटरनेशनल जर्नल; विज्ञान का वेब) आईएसएसएन: 18448135	2022
2.	भारतीय कृषि से अलग होने के लिए युवाओं के बीच एक उभरती हुई प्रवृत्ति: नीतिगत हस्तक्षेप की गंभीर आवश्यकता (सह-लेखक)	मत्स्य विज्ञान में सर्वेक्षण के जर्नल (स्कोपस अनुक्रमित, विज्ञान का वेब) आईएसएसएन: 2368-7487	2023

डॉ. मोहित शर्मा

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन नंबर/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर.	प्रकाशन का वर्ष

1.	अनुसंधान लेख 'सतत में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना विकास लक्ष्य' जर्नल "पर्यावरण, विकास और स्थिरता" में	1573-2975	2022
2.	अध्याय का शीर्षक 'महामारी के दौरान मानवाधिकारों की स्थिति' एक संपादित पुस्तक जिसका शीर्षक है "कोविड-19 महामारी के बीच मानव मूल्य और मानवाधिकार"	978-93-91377-16-8	2022

8. 2022-23 के दौरान स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

एस. क्रम संख्या	**संस्तुत वर्ष**	**निधियन एजेंसी**	**परियोजना की स्थिति**
1.	2023- सह आचार्य डॉ. रौची चौधरी को प्रमुख अनुसंधान परियोजना मंजूर	आईसीएसएसआर	मंजूर

समाज कार्य विभाग

संगोष्ठियां/सम्मेलन

- विभाग ने सेव द चिल्ड्रेन के सहयोग से और यूएनएचसीआर द्वारा समर्थित 11 और 12 अक्टूबर 2022 को "समावेशी सामाजिक व्यवस्था का सह-निर्माण: कोविड 19 से प्रतिबिंब" पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
- विभाग ने 22 अगस्त 2022 को "समसामयिक दुनिया में सामाजिक कार्य की प्रासंगिकता @2030" विषय पर आधारित "तीसरा सामाजिक कार्य सप्ताह" मनाया। विषय पर वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर मेकिंग का आयोजन किया गया।

चल रही परियोजनाएं:

- जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के जम्मू संभाग में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) का प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन, पीडब्ल्यू (आर एंड बी), जम्मू एवं कश्मीर सरकार द्वारा वित्त पोषित।
- जेकेएसीएस, जम्मू एवं कश्मीर सरकार द्वारा वित्त पोषित जम्मू में ड्रग उपयोगकर्ताओं को इंजेक्शन देने पर ओएसटी (ओपिओइड प्रतिस्थापन थेरेपी) कार्यक्रम का प्रभाव।
- ग्रामीण भारत में महिला उद्यमिता में तेजी लाना: यूनेस्को द्वारा वित्त पोषित और समर्थित आत्मनिर्भरता और लैंगिक समानता के डिजिटल सशक्तिकरण की ओर।

संकाय अद्यतन:

डॉ. नैन्सी मेंगी

- "अंतःविषय समाज कार्य अभ्यास" नामक पुस्तक - रावत प्रकाशन द्वारा प्रकाशित।
- ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर), जम्मू में "महिला सशक्तिकरण" पर एक व्याख्यान दिया

डॉ. इकबाल मजीद

- जम्मू एवं कश्मीर में बच्चों के लिए सुरक्षात्मक वातावरण को मजबूत करने के लिए शांति शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए रिसोर्स पर्सन, समाज कार्य विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया। (01 दिसंबर 2022)

डॉ. विनय कुमार

- राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू), नई दिल्ली के निमंत्रण पर हरियाणा के बीएसएफ कैंप में कांगो में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के लिए "लैंगिक संवेदनशीलता" पर व्याख्यान आमंत्रित किया। (01 मार्च 2023)
- पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएएस), भारत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पांच दिवसीय शीतकालीन स्कूल -2023 में "जीवन शैली और वायु प्रदूषण: भारत में ग्रामीण शहरी व्यापार-बंद और तालमेल" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। (22 फरवरी 2023)

- जम्मू के सरकारी अस्पताल गांधी नगर में "हीलिंग हार्ट्स एंड कम्युनिटीज" विषय पर विश्व प्रशामक देखभाल दिवस के अवसर पर एक मुख्य व्याख्यान दिया। (08 अक्टूबर 2022)
- पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित टेक वन डिजिटल नेटवर्क द्वारा आयोजित शीदीबात में "गांधी जयंती- महात्मा को श्रद्धांजलि"। (02 अक्टूबर 2022)
- इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्कूल्स ऑफ सोशल वर्क (IASSW) द्वारा आयोजित वेबिनार में "इंटरजेनेरेशनल सॉलिडैरिटी: एक सतत भविष्य के लिए एक आशा" पर आमंत्रित पैनलिस्ट: सभी उम्र के लिए एक दुनिया बनाना, सभी पीढ़ियों का बेहतर लाभ उठाना। (20 अगस्त 2022)
- शेर-ए-कश्मीर पुलिस अकादमी (एसकेपीए), उधमपुर, जम्मू-कश्मीर में 28 जुलाई को जम्मू-कश्मीर पुलिस के उप निरीक्षक और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों के लिए मानव तस्करी पर 03 दिवसीय पाठ्यक्रम में "मानव तस्करी, बाल तस्करी, कारण, उद्देश्य और समाधान" और "मानव तस्करी- सामाजिक और कानूनी आयामों की अवधारणा" पर आमंत्रित वक्ता (28-30 जुलाई 2022)

डॉ. रणवीर सिंह

- जेएनयू के र फॉर सोशल मेडिसिन एंड कम्युनिटी हेल्थ में "बेहतर स्वास्थ्य के लिए भू-स्थानिक समाधान" पर व्याख्यान। (30 जनवरी 2023)
- जम्मू एवं कश्मीर में बच्चों के लिए सुरक्षात्मक वातावरण को मजबूत करने के लिए शांति शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए रिसोर्स पर्सन, समाज कार्य विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया। (01 दिसंबर 2022)
- 25 फरवरी, 2023 को पीएसपीएस गवर्नमेंट पीजी कॉलेज फॉर वूमेन, गांधी नगर में जिला पड़ोस युवा संसद में "जी 20 में वाई 20" पर व्याख्यान दिया।

ग्रामीण शिविर

- विभाग ने -17 फरवरी 2023 को "ग्रामीण जीवन को समझना" विषय पर रूरकाकलां, जालंधर, पंजाब में (13) के बीच ग्रामीण शिविर का आयोजन किया।

छात्रों का अद्यतन

- रमेश कृष्णन पी., पीएचडी स्कॉलर को आईसीएसएसआर डॉक्टरेट छात्रवृत्ति (दिसंबर 2022) से सम्मानित किया गया है।

विभाग के छात्रों ने (21-23 सितंबर 2022) को तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय तरंग राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लिया। टीम को 1 के साथ सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार मिला वाद-विवाद में पुरस्कार, माइम और 3 प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त किया।

तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र

विभाग के संबंध में

उन्नीसवीं सदी के विद्वानों द्वारा धर्मों के अकादमिक अध्ययन को अन्य विज्ञानों की तरह ही अवलोकन और वस्तुनिष्ठ विश्लेषण पर आधारित एक 'वैज्ञानिक' अनुशासन माना गया था। धर्म विज्ञान, सभी की निष्पक्ष और वास्तव में वैज्ञानिक तुलना पर आधारित है, या सभी घटनाओं पर, मानव जाति के सबसे महत्वपूर्ण, धर्मों की, अब केवल समय का सवाल है। यह उन लोगों का कर्तव्य बन जाता है जिन्होंने अपने मूल दस्तावेजों में दुनिया के प्रमुख धर्मों के अध्ययन के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है, और जो इसे किसी भी रूप में महत्व देते हैं और सम्मान करते हैं, चाहे वे उन्हें स्वयं प्रस्तुत करें, सच्चे विज्ञान के नाम पर इस नए क्षेत्र पर कब्जा कर लें। तुलनात्मक धर्मों और सभ्यताओं के अध्ययन के लिए केंद्र इस देश में अपनी तरह के बहुत कम संस्थानों में से एक है और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में हमें इसे चालू रखने पर गर्व है। केंद्र की स्थापना जुलाई, 2016 में हुई थी।

02. मिशन

तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र का मिशन छात्रों, अन्य क्षेत्रों के संकाय और बड़े पैमाने पर लोगों के लाभ के लिए एक गैर-सांप्रदायिक, शैक्षणिक तरीके से धार्मिक परंपराओं के विकास, विश्वदृष्टि और प्रथाओं का वर्णन और व्याख्या करना है। एक सार्वजनिक विश्वविद्यालय के भीतर, धर्म को अकादमिक निष्पक्षता के साथ और किसी एक परंपरा के लिए पक्षपात के बिना संपर्क किया जाना चाहिए। फिर भी, धर्म का अध्ययन उन लाखों विश्वासियों के लिए संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ किया जाना चाहिए, जिनके जीवन को उनके विश्वास द्वारा आकार दिया जाता है। तुलनात्मक धर्म मानव जाति की आध्यात्मिक खोज की जांच करता है, खासकर क्योंकि यह दुनिया के जीवित धर्मों में प्रकट हुआ है। इनमें हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, ईसाई धर्म, इस्लाम सिख धर्म, यहूदी धर्म और अन्य कम परिचित परंपराएं शामिल हैं। कोई अन्य शैक्षणिक क्षेत्र अध्ययन के किसी अन्य क्षेत्र के एक पहलू के बजाय विभिन्न धर्मों की उत्पत्ति, पवित्र लेखन, अनुष्ठानों, विश्वासों और विश्व विचारों को अपने स्वयं के लिए नहीं देखता है। केंद्र भारत के बहु-सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक लोकाचार का उत्सव होना है।

03. प्रस्तावित पाठ्यक्रम : -

केंद्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए जाते हैं:

01. विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा जैसे:

- भारतीय रहस्यमय विचार
- भारतीय लिपियाँ ब्राह्मी और शारदा
- शैव धर्म

02. विद्यावाचस्पिति (पीएच.डी.)

03. एम. ए पाठ्यक्रम /स्नातकोत्तर उपाधि

04. संकाय विवरण

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
01.	डॉ. अजय कुमार सिंह	वरिष्ठ सहायक आचार्य	धर्मों, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, गांधीवादी और शांति अध्ययन, कश्मीर शैव दर्शन, वैदिक दर्शन, भारतीय धर्म और संस्कृति, पाली भाषा और साहित्य, डायस्पोरा और ट्रांस-नेशनल सांस्कृतिक अध्ययन, समकालीन भारतीय राजनीतिक दर्शन का तुलनात्मक अध्ययन।
02.	डॉ. अमिता गुप्ता	सहायक प्रो.	नई जॉइनिंग (27-03-2023)
03.	डॉ. अश्विनी कुमार	सहायक प्रो.	नई जॉइनिंग (22-03-2023)

➢ विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार

- मई 8, को 2022आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित आजादी का अमृत महोत्सव के तहत स्वतंत्र भारत " विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। "और जम्मू या कश्मीर

- भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद और जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से 28 से 30 सितंबर, 2022 तक केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान लेह में एक संगोष्ठी की सह-अध्यक्षता की, जिसका विषय लद्दाख: इतिहास, संस्कृति और विरासत था

- 2 फरवरी से 6 फरवरी, 2023 तक "कश्मीर शैव धर्म के संदर्भ में योग और ध्यान" विषय पर एक सप्ताह की कार्यशाला सह संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया गया।

- आईसीएचआर द्वारा प्रायोजित कश्मीर विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से 23 मार्च से 24 मार्च, 2023 तक "कश्मीर में बौद्ध धर्म: ऐतिहासिक और साहित्यिक स्रोत" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

➢ **प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन**

क) संवाद

- केंद्र ने व्याख्यान श्रृंखला, संवाद के तहत शैव सिद्धांत में ईश्वर का दर्शन और कश्मीर शैव धर्म विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया है। यह व्याख्यान 15 जुलाई, 2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सीसीआरसी के रिसर्च स्कॉलर सोहेल कयूम द्वारा दिया गया था।

- केंद्र ने व्याख्यान श्रृंखला, संवाद के तहत मध्ययुगीन कनानोर में पुर्तगाली शहरीकरण का पैटर्न विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया है। यह व्याख्यान 12 अगस्त, 2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सीसीआरसी की रिसर्च स्कॉलर ऐनी मारिया मैथ्यू द्वारा दिया गया था।

- केंद्र ने लद्दाख के सामाजिक-सांस्कृतिक विकास में बौद्ध संस्थानों की भूमिका विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया है। व्याख्यान श्रृंखला के तहत, संवाद। यह व्याख्यान 23 सितंबर, 2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सीसीआरसी के रिसर्च स्कॉलर मनीष भारती द्वारा दिया गया था।

- केन् द्र ने व् याख् यान श्रृंखला संवाद के तहत जम् मू-कश् मीर के पहाड़ी लोगों के बीच विवाह संस् कृति विषय पर एक व् याख् यान का आयोजन किया है। यह व्याख्यान 28 अक्टूबर, 2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सीसीआरसी की रिसर्च स्कॉलर सलमा जाविद द्वारा दिया गया था।

- केंद्र ने व्याख्यान श्रृंखला, संवाद के तहत जम्मू एवं कश्मीर की अन्य धार्मिक परंपराओं पर बौद्ध धर्म का प्रभाव विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया है। यह व्याख्यान 18 नवंबर, 2022 को नरोत्तम कुशवाहा, रिसर्च स्कॉलर, सीसीआरसी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया था।

ख) अपने देश और इसकी संस्कृति को जानें

- केंद्र ने व्याख्यान श्रृंखला, अपने देश और इसकी संस्कृति को जानें, के तहत शास्त्रीय भारत में दार्शनिक और धार्मिक परंपराओं पर एक व्याख्यान आयोजित किया है। यह व्याख्यान 8 जुलाई, 2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सीसीआरसी के निदेशक डॉ. अजय कुमार सिंह द्वारा दिया गया था।

- केंद्र ने व्याख्यान श्रृंखला, अपने देश और इसकी संस्कृति को जानें, के तहत वैदिक और अगामिक परंपराओं पर एक व्याख्यान आयोजित किया है। व्याख्यान 26 अगस्त, 2022 को डॉ. नरेंद्र भारती, अतिथि संकाय, सीसीआरसी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया था।

- केंद्र ने व्याख्यान श्रृंखला के तहत प्राचीन भारतीय लेखन कला का इतिहास, अपने देश और इसकी संस्कृति को जानें, विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया है। यह व्याख्यान 9 सितंबर, 2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सीसीआरसी के निदेशक डॉ. अजय कुमार सिंह द्वारा दिया गया था।

- केंद्र ने व्याख्यान श्रृंखला के तहत ब्राह्मी और शारदा लिपियों: एक परिचय, अपने देश और इसकी संस्कृति को जानें, विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया है। यह व्याख्यान 21 अक्टूबर, 2022 को

डॉ. नरेंद्र भारती, अतिथि संकाय, सीसीआरसी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया था।

5. जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

संकाय: डॉ. अजय कुमार सिंह

- 25 जुलाई, 2022 को प्रसार भारती में भारतीय भाषाओं के बारे में जागरूकता विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

- 27 जुलाई, 2022 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में मानव जीवन में अष्टांग योग का महत्व विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

- 3 अगस्त, 2022 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया, जिसका विषय था, वैश्विक जीवन और संस्कृति में डायस्पोरा

- 6 दिसंबर, 2022 को डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोशल एक्सक्लूजन एंड इंक्लूसिव पॉलिसी (सीएसएसईआईपी) और जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा अंबेडकर पर बौद्ध धर्म का प्रभाव विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

- जम्मू कला केंद्र, 11 दिसंबर 2022 में जम्मू कला केंद्र में दो दिवसीय कार्यक्रम में डेल्फिक काउंसिल ऑफ जम्मू एंड कश्मीर द्वारा सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

- अलगप्पा विश्वविद्यालय, शिक्षक पर्व 2022: राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला 08 सितंबर, 2022 को आजीवन शिक्षा विभाग द्वारा पूर्ण वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

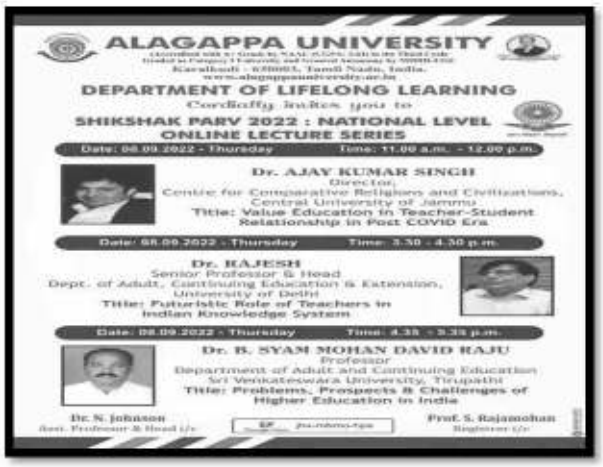

- डॉ. अजय कुमार सिंह ने सांची बौद्ध और भारतीय अध्ययन में अनुसंधान विकास परिषद की बैठक के सदस्य के रूप में भाग लिया।

संकाय प्रकाशन

2022-2023 के दौरान नई स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

1. डॉ. अजय कुमार सिंह

क्रम संख्या	**संस्तुत वर्ष**	**निधीयन एजेंसी**	**परियोजनाओं की स्थिति**
01.	2023	आईसीएसएसआर, सरकार भारत के बारे में	चलते रहते हैं
02.	2023	एनबीसीडीसी, सरकार भारत के बारे में	चलते रहते हैं

शिक्षा विद्यालय

- शैक्षिक अध्ययन विभाग

शैक्षिक अध्ययन विभाग

- विभाग के संबंध में : –जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षिक अध्ययन विभाग शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में खड़ा है। एक समृद्ध इतिहास और एक स्पष्ट मिशन के साथ, इस विभाग ने इस क्षेत्र में शिक्षा के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्नातक (बीए, बीएड), स्नातकोत्तर (एमएड), और शिक्षा में डॉक्टरेट की उपाधि (पीएचडी) सहित शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला की प्रस्तावित करते हुए, विभाग छात्रों को एक व्यापक और विविध सीखने का अनुभव प्रदान करता है। इसके समर्पित संकाय, जिसमें विभिन्न शैक्षिक डोमेन के विशेषज्ञ शामिल हैं, शिक्षा के क्षेत्र में ज्ञान को आगे बढ़ाते हुए अत्याधुनिक अनुसंधान में संलग्न हैं। विभाग की अनुसंधान पहल, सहयोगी परियोजनाओं और शैक्षिक साहित्य में योगदान ने इसे एक अच्छी तरह से योग्य प्रतिष्ठा अर्जित की है। आधुनिक कक्षाओं, अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं और व्यापक पुस्तकालयों सहित अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ, छात्रों के पास उन संसाधनों तक पहुंच है जो उनके शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देते हैं। आउटरीच कार्यक्रमों और सामुदायिक जुड़ाव में संलग्न, विभाग सक्रिय रूप से स्थानीय शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देता है। उल्लेखनीय पूर्व छात्र इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति करना जारी रखते हैं, और विभाग चुनौतियों का सामना करने और निरंतर सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि यह जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के भीतर शैक्षिक उत्कृष्टता के एक आशाजनक भविष्य की शुरुआत करता है।

- **प्रस्तावित पाठ्यक्रम : – बीए बीएड, इंटीग्रेटेड, एमएड और पीएचडी।**

- संकाय विवरण: –

क्रम सं	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	आचार्य असित के मंत्री	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शैक्षिक नेतृत्व और प्रशासन, शिक्षा में दार्शनिक परिप्रेक्ष्य, मूल्य शिक्षा
2	जे.एन. बालिया	आचार्य	ई-सामग्री विकास, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, पाठ्यक्रम विकास, मात्रात्मक अनुसंधान तकनीक
3	प्रो. ऋतु बक्शी	आचार्य	शैक्षिक समाजशास्त्र, सामाजिक

			नृविज्ञान, लिंग अध्ययन
4	डॉ. किरण	सहायक आचार्य	समावेशी शिक्षा, शिक्षक शिक्षा, समावेशी शिक्षा, किशोर शिक्षा, ओडीएल
5	डॉ. अमन	सहायक आचार्य	शैक्षिक माप और मूल्यांकन, जनजातीय शिक्षा, मात्रात्मक अनुसंधान
6	डॉ. रवि वंगुरी	सहायक आचार्य	शिक्षक शिक्षा, भाषा शिक्षा और शैक्षिक शोध

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशालाएं/वेबिनार**

➢ प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन-

(1) व्यावसायिक विकास के लिए कार्रवाई अनुसंधान का अभ्यास: दो दिवसीय कार्यशाला 14 और 15 जुलाई 2022

दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला व्यावसायिक विकास के लिए कार्रवाई अनुसंधान का अभ्यास इसका आयोजन भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तत्वावधान में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यालय के मूल्यांकन और मूल्यांकन केंद्र द्वारा किया गया था। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य क्या है? शिक्षकों को अपने शिक्षण विधियों के पूरक के लिए अभिनव रूप से उपयोग किए जाने वाले कार्रवाई अनुसंधान में सक्षम बनने में सक्षम बनाता है और इस तरह छात्र सीखने को बढ़ाता है.

(ii) भारत केन्द्रित अनुसंधान पर पांच दिवसीय कार्यशाला (12) 16 तक सितंबर, 2022)

12 को सितंबर 2022: जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यालय ने भारत केंद्रित अनुसंधान: निर्मित और दृष्टिकोण पर कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य इस तरह के शोध डिजाइनों को विकसित करने में अनुभवों के साथ-साथ विभिन्न शोध डिजाइनों की तैयारी का ज्ञान और समझ होना है। पूरी कार्यशाला माननीय कुलपति के मार्गदर्शन और समर्थन में आयोजित की गई है।
पूरे कार्यक्रम का संचालन शैक्षिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य और कार्यशाला के संयोजक डॉ. अमन ने किया। ऋतु बक्शी , डॉ. किरण, डॉ. अमन, डॉ. असित मांट्री और डॉ. रवि वांगुरी।

(iii) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के सहयोग से राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे पर परामर्श कार्यशाला। अगस्त 2022

17 अगस्त 2022 को शिक्षा विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के सहयोग से स्कूल में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे के मुख्य उद्देश्यों को समझने के उद्देश्य से राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे पर परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें ईसीसीई, प्रारंभिक, मध्य और माध्यमिक चरणों के साथ-साथ उच्च शिक्षा स्तर भी शामिल है।

➤ **जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन**

क्रम सं	गतिविधि का नाम	दिनांक /अवधि
i)	एमएड सत्र 3 की क्षेत्र दौरा -कम-इंटरेक्शन छात्र (बैच 2021-23) से जेआईजीईआर: वंचित और विकलांग बच्चों के साथ काम करने वाला एनजीओ (गंग्याल जम्मू)	21-12-2022 (दोपहर)

➢ क्षेत्र दौरा/औद्योगिक दौरा/ अध्ययन दौरा

क्रम सं	गतिविधि का नाम	दिनांक /अवधि
i)	एमएड सत्र 3 की यात्रा-सह-बातचीतजम्मू के चन्नी में रेडियो मिर्ची (98.3 एफएम) स्टेशन के लिए छात्र (बैच 2021-23)	21-12-2022 (पूर्वाह्न)
ii)	एमएड सत्र 3 की यात्रा-सह-बातचीत छात्र (बैच 2021-23) और बीए बीएड 7 सत्र छात्र (बैच 2018-22) सरकारी उपाधि कॉलेज, रामगढ़ (जिला सांबा)	01-09-2022 (पूर्वाह्न)
iii)	एमएड सत्र 3 की यात्रा-सह-बातचीत[R] छात्र (बैच 2021-23) और बीए बीएड 7 सत्र छात्र (बैच 2018-22) जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), सांबा (जम्मू और कश्मीर)	01-09-2022 (दोपहर)

➢ 2022-23 के दौरान संकाय उपलब्धियां

शुरू की गई परियोजनाएं

क्रम सं.	संकाय का नाम	संस्तुत वर्ष	निधीयन एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
1	आचार्य असित के. मंत्री	2022	आईसीएसएसआर	डेटा संग्रह पूरा हुआ
2	जे.एन. बालिया	2023	एससीइआरटी	पूरा किया
3	जे.एन. बालिया	2023	एआईसीटीई, आईकेएस	जारी
4	प्रो. ऋतु बक्शी	2022	यूनेस्को	नवंबर 2023 में प्रस्तुत किया जाना है

➢ संकाय प्रकाशन

(i) प्रो. असित मंत्री के प्रकाशन

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन नंबर/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर.	वर्ष के साथ अंक संख्या
1.	जम्मू एवं कश्मीर में सरकारी विद्यालयों में	आईएसएसएन. 2347-	13 (50), 2022

	व्यावसायिक शिक्षा की स्थिति	5048	
2.	जम्मू-कश्मीर में सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच भूमिका संघर्ष	आईएसएसएन. 0970- 7247	36(429), 2022
3.	उच्च शिक्षा संस्थानों में संघर्षों का प्रबंधन करने के लिए आध्यात्मिक दृष्टिकोण: जम्मू एवं कश्मीर का एक महत्वपूर्ण अध्ययन	आईएसएसएन. 2348-8425	37(2), 2022
4.	"हाई विद्यालयों के हेडमिस्ट्रेस की निर्णय लेने की शैली: एक अंत:-अनुभागीय अध्ययन"।	आईएसएसएन. 2278-2435	11(4), 2022
5.	एनईपी 2020 के प्रकाश में शिक्षा के समग्र, बहु-अनुशासनात्मक और भविष्य के पहलू	आईएसबीएन.978-93-5324- 963-2	2023

2. प्रो. जे.एन.बालिया

क्रम स.	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन नं/आरआईएन नं. / आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1)	पीआईएसए में जम्मू-कश्मीर के छात्रों के गणित में कम प्रदर्शन के लिए प्रमुख कारकों की खोज	0976-8203	2022
2)	केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उच्च शिक्षण संस्थान में कोविड-19 के दौरान वर्चुअल शिक्षण और सीखने का विश्लेषणात्मक अध्ययन	1309-4653	2022
3)	डिजिटल प्रौद्योगिकियां: वृद्धि, मूल्य, मानदंड और प्रभाव	0975-5289	2022
4)	सामाजिक और व्यावसायिक संदर्भों में शिक्षकों की तकनीकी-शैक्षणिक दक्षताएं	0975-5289	2022
5)	मिश्रित शिक्षण दृष्टिकोण के माध्यम से टीपैक फ्रेमवर्क की प्रभावकारिता: पोस्ट कोविड-19 युग में एक अभिनव एकीकृत मॉडल	0976-0997	2022
6)	विभिन्न वास्तविक जीवन डेटासेट पर लगातार पैटर्न	2278-2435	2022

	माइनिंग एल्गोरिदम का प्रदर्शन विश्लेषण		
7)	सामाजिक अध्ययन का अध्ययन करने वाले प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के बीच अवधारणा प्राप्ति पर मिश्रित शिक्षण की रणनीतियों का प्रभाव	2502-4752	2023
8)	स्नातक छात्रों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ाने के लिए मिश्रित शिक्षण दृष्टिकोण को लागू करना खंड **13** अंक संख्या **1**	0976-0997	2023
9)	छवि संक्रामक ऑटो-एनकोडर और मल्टी-लेबल समर्थन वेक्टर मशीन का उपयोग कर के भू-साइट आकलन	0976-8203	2023
10)	शिक्षा में मानव मूल्यों को एकीकृत करना: इस तकनीकी युग में एक बहुत आवश्यक दृष्टिकोण	978-93-91377-16-8	2022
11)	प्रौद्योगिकी के लाभकारी उपयोग को सुनिश्चित करना: आवश्यक मूल्यों को बहाल करने के लिए कदम	978-93-91377-16-8	2022
12)	शिक्षकों के बीच मूल मूल्यों को मजबूत करना: 209 के लिए रोडमैप एनपीएसटी को लागू करना	978-93-91377-16-8	2022
13)	कोविद 19 के बीच छात्रों के बीच साझाकरण और सहयोग: उपचारात्मक हस्तक्षेप के रूप में 84 ऑनलाइन सहयोगी शिक्षा	978-93-91377-16-8	2022
14)	मूल्यांकन के लिए उभरते आईसीटी मध्यस्थता उपकरण और 37 शिक्षा में मूल्यांकन	978-81-952023-3-1	2022
15)	पारख: एनईपी 2020 द्वारा एक अभिनव पहल	978-81-952023-3-1	2022

3. **प्रो. ऋतु बक्शी**

क्रम सं.	**पत्रिकाएं**		
1.	जागरूकता और दृष्टिकोण निर्माण: भारत में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की दिशा में शक्तिशाली मध्यस्थता।	0976-0997	2023
2.	शिक्षा में उभरते सहयोगी दृष्टिकोण की खोज: भविष्य के समाधान के रूप में मिश्रित मोड के लिए शिक्षकों की क्षमता ओं का निर्माण		

		1308-5581	2022
3.	स्वच्छ भारत अभियान: सतत विकास के लिए एक उत्प्रेरक	2717-7564	2022
	पुस्तक के अध्याय		
1	सह-शिक्षण के माध्यम से सेवा-पूर्व शिक्षक शिक्षकों का व्यावसायिक विकास	978-81-952023-6-2	2023
	एनईपी 2020 के प्रकाश में शिक्षा में प्रतिमान परिवर्तन: विशेष बच्चों के लिए प्रावधान और संभावनाएं	978-81-959344-5-4	2023
	सतत विकास के लिए शिक्षा: रोड मैप	978-93-93166-11-1	2022

4. डॉ. किरण

पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन:

क्रम सं.	**शोध लेख/पत्रों का शीर्षक**	**आईएसबीएन/ आईएसएसएन नं.**	**प्रकाशन का वर्ष**
1.	अनुसंधान पद्धति में मूल्यों और तकनीकी हस्तक्षेप के निहितार्थ: एक महत्वपूर्ण विश्लेषण	2717-7564	जनवरी 2023
2.	बी.एड. स्तर पर 'आईसीटी और अनुप्रयोग को समझना' विषय में ई-सामग्री मॉड्यूल का विकास और प्रभावशीलता को मापना	1308-5581	सितंबर, 2022
3.	कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षण-शिक्षण प्लेटफार्मों का उपयोग: उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के अनुभवों की खोज	0976-0997	अगस्त 2022

जर्नल के अलावा अन्य प्रकाशन (किताबें, पुस्तकों में अध्याय):

क्रम सं.	**पुस्तक अध्याय का शीर्षक**	**आईएसएसएन/ आईएसबीएन सं.**	**प्रकाशन का वर्ष**
1.	तकनीकी रूप से प्रमुख शैक्षिक परिदृश्य में नैतिकता और मूल्य समावेश: समुदाय और शैक्षिक संस्थानों के	978-93-91377-16-8	अगस्त 2022

	घटकों की भूमिका की खोज		
2.	स्कूल पाठ्यक्रम में मूल्यों का एकीकरण: एक भविष्य का परिप्रेक्ष्य	978-93-91377-16-8	अगस्त 2022
3.	समानता के लिए मूल्य	978-93-91377-16-8	अगस्त 2022
4.	आधुनिक युग में प्रौद्योगिकी का हस्तक्षेप: भारत में महिलाओं को सशक्त बनाने में एक शक्तिशाली कारक	978-93-94819-09-02	सितंबर 2022
5.	समग्र शिक्षा योजना के तहत आईसीटी पहल और डिजिटल उपकरणों की खोज	978-93-94-964-04-4	जनवरी 2023
6.	कार्यस्थल पर प्रौद्योगिकी का एकीकरण: पेशेवरों के लिए एक वरदान अगर ठीक से संभाला जाए	978-93-91654-01-6	फरवरी, 2023
7.	एक आधुनिक दुनिया में प्रौद्योगिकी की घुसपैठ: महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक परिवर्तनकारी उपकरण	978-93-93066-06-0	मार्च 2023
8.	महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दे और चुनौतियां: एक कोविड -19 परिप्रेक्ष्य	978-93-93066-06-0	मार्च 2023

5 **डॉ. अमन**

क्रम सं	**पेपर का शीर्षक**	**आईएसएसएन नं.**	**प्रकाशन की तिथि**
1.	"विकलांगों के लिए जम्मू रेड क्रॉस होम" का कामकाज: एक केस-स्टडी	2583-438X	जुलाई 2023
2.	11 की शैक्षणिक उपलब्धि के साथ पेरेंटिंग शैली का एक सहसंबंधी अध्ययन[a]जिला सांबा के मानक छात्र	आईएसएसएन: 2583-438X	2023
3.	ओएलवीएस के माध्यम से अमूर्त अवधारणाओं की समझ को बढ़ाना: विज्ञान में गुणवत्ता प्रयोग की दिशा में एक मार्ग।	आईएसएसएन: 0976-0997	-2023
4.	किशोरों के बीच आत्मविश्वास और आक्रामकता के साथ अकादमिक उपलब्धि का सहसंबंधी अध्ययन	आईएसएसएन: 2582-2160	2023

2. **अध्याय संप्रेषित/प्रकाशित:**

अध्याय का शीर्षक	आईएसबीएन नं.	प्रकाशन की तिथि
माध्यमिक शिक्षा पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव	आईएसबीएन: 978-93-90953-42-4	2021
कोविड 19 महामारी के दौरान मानवाधिकारों के मुद्दे: महिलाओं की स्थिति पर विचार	आईएसबीएन: 978-93-91377-16-8	2022
सहकारी शिक्षा: मानव मूल्यों को बढ़ाने में एक शैक्षणिक दृष्टिकोण	आईएसबीएन: 978-93-91377-16-8	2022
समावेशी कक्षाओं में विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं वाले छात्रों का मूल्यांकन	978-81-952023-1	2023
सामाजिक विज्ञान विषय और भविष्य की अंतर्दृष्टि में कोविड-19 अवधि के दौरान मूल्यांकन और मूल्यांकन के रुझान	978-81-952023-1	2023
शिक्षा में कम्प्यूटिंग के हालिया नवाचार: भारत में उभरते सहयोगी मिश्रित शिक्षण मॉडल	आईएसएसएन 1876-1119 / आईएसबीएन 978-981-19-9876-8 (eBook)	मई 2023
प्रभावी सह-शिक्षण: समावेश करने का एक सफल तरीका	आईएसबीएन: 978-81-952023-6-2	मई 2023
सह-शिक्षण: समावेशी कक्षा सेटिंग में विविध शिक्षार्थियों की जरूरतों को पूरा करने की एक विधि	आईएसबीएन: 978-81-952023-6-2	मई 2023
विकलांग बच्चों के अधिकारों की प्राप्ति पर कोविड-19 के प्रभाव की खोज	आईएसबीएन: 978-93-91377-16-8	2022
कोविड-19 के दौरान संदर्भ के रूप में मानव मूल्यों को बनाने वाली शिक्षण प्रक्रिया का परिवर्तन	आईएसबीएन: 978-93-91377-16-8	2022

6. डॉ. रवि वंगुरी

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन नंबर/आरआईएन	वर्ष के साथ अंक संख्या

		नंबर/आईएसबीएन नंबर	
01	शिक्षण पेशे के प्रति चार वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम के शिक्षक प्रशिक्षुओं की धारणा पर एक अध्ययन	आईएसएसएन: 2454-4469	दिसंबर-2022
02	आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता: सागर विश्वविद्यालय के छात्रों का अध्ययन	978-93-91978-32-7	दिसंबर-2022

ज्ञान, प्रबंधन, सूचना एवं मीडिया अध्ययन विद्यालय

- जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग

जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग

विभागीय गतिविधियां

1. जनसंचार और न्यू मीडिया विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में जनसंचार और न्यू मीडिया में स्नातकोत्तर कार्यक्रम। जनसंचार एक ऐसा क्षेत्र है जो विभिन्न संचार प्रक्रियाओं की कला और विज्ञान से संबंधित है।

2. प्रस्तावित पाठ्यक्रम:

• एमसीएनएम में एम.ए.

• एमसीएनएम में पीएच.डी.

3. संकाय विवरण :

क्रम सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
01	डॉ.बच्चा बाबू	विभागाध्यक्ष	संचार अनुसंधान/मीडिया विधी और नैतिकता।
02	श्री मनीश प्रकाश	सहायक प्रोफेसर	फिल्म
03.	श्री अश्वनी	सहायक फैकल्टी	टी.वी प्रोडक्शन
04.	डॉ.भास्कर भोसले	सहायक आचार्य	प्रिंट

4. विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशाला/वेबिनार:

• फोटोग्राफी पर एक दिवसीय कार्यशाला।

• तीन दिवसीय मोबाइल फिल्म निर्माण कार्यशाला।

5. प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन:

• टेलीविजन प्रोडक्शन पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यशाला 15 से 19 नवंबर, 2022 तक।

6. आउटरीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन:

• 19-कोर 12 से 16 नवंबर, 2022 तक उधमपुर में वृत्तचित्र निर्माण।

7. फ़ील्ड यात्राएं/औद्योगिक यात्रा? शैक्षिक दौरा:

• सुचेतगढ़ बॉर्डर (क्षेत्र दौरा)

8. **संकाय प्रकाशन (01.04.2022 से 31.03.2023.)**

क्रम सं	आलेख /पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन नंबर/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर।	प्रकाशन वर्ष

01	भारत में फिल्मी सितारे और सोशल मीडिया: आभासी प्रशंसकों के क्षेत्र की खोज (मास कम्युनिकेटर जर्नल में)	0973- 9688	2022
02	सामुदायिक मीडिया, भारत में महिला सशक्तिकरण का एक नया चरण: कंचनजंगा 91.2FM का एक केस अध्ययन। मीडया स्वतत्रा मिथक व यघाय. भारत में ओटीटी प्लेटफार्मों को अपनाने की दर में रुझान और इसे इनोवेशन थ्योरी के प्रसार के साथ सहसंबंधित करना।	1556-5068	1 फरवरी, 2023. जुलाई 2022 से सितंबर 2022। 7 नवंबर, 2022।

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय

- राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग

➢ संक्षिप्त परिचय:-

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग की स्थापना वर्ष 2013 में सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के जनादेश के साथ की गई थी। चूंकि भारत अपनी आर्थिक वृद्धि और सामाजिक विकास को बनाए रखने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है, इसलिए इसे विभिन्न स्तरों से उत्पन्न कई सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

विभाग सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन पर विद्वानों, विशेषज्ञों और नेताओं की अगली पीढ़ी तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। जम्मू एवं कश्मीर राज्य (J & K) में स्थित, जिसे दक्षिण एशिया के सुरक्षा और रणनीतिक हॉट स्पॉट के रूप में माना जाता है, इसमें राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर अकादमिक अनुसंधान के साथ-साथ नीति विश्लेषण को बढ़ावा देने की अंतर्निहित क्षमता है।

यह सभी हितधारकों को रचनात्मक बातचीत में शामिल होने और राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीति से संबंधित मुद्दों पर बहस करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। विशिष्ट रूप से निर्मित किए गए पाठ्यक्रम के अलावा, विभाग के छात्रों और शोधार्थियों को क्षेत्र के दौरे के साथ-साथ अभिनव शिक्षण और अनुसंधान कौशल का उपयोग करके नीति विश्लेषण से परिचित कराया जाता है।

विजन और मिशन

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग कठोर अनुसंधान और शिक्षण को बढ़ावा देकर देश में सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में उभरने की इच्छा रखता है। इसका उद्देश्य अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से वैकल्पिक और अभिनव राष्ट्रीय सुरक्षा निबंध उत्पन्न करना और विभिन्न हितधारकों (नीति निर्माताओं, सशस्त्र बलों, मीडिया और नागरिक समाज) को भारत की सुरक्षा और विदेश नीति से संबंधित मुद्दों पर बौद्धिक रूप से संलग्न करने के लिए मंच प्रदान करना है।

➢ प्रस्तावित पाठ्यक्रम :-

- राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन में एम.ए.
- प्रत्यक्ष पीएच.डी.पाठ्यक्रम

- अंशकालिक पीएच.डी.

➢ **संकाय विवरण: –**

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ. जे. जे. नाथन	सहायक आचार्य	चीन, सीमा सुरक्षा प्रबंधन, विदेश नीति के मुद्दे
2.	डॉ. नीता रानी	सहायक आचार्य	मध्य एशियाई सुरक्षा मामले, ऊर्जा सुरक्षा
3.	डॉ. सुधाकर र.	सहायक आचार्य	गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरे, समुद्री सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा
4.	डॉ. एकता मन्हास	सहायक आचार्य	कट्टरता, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद और संघर्ष गतिशीलता
5.	डॉ. रंजन शर्मा (अतिथि संकाय)	सहायक आचार्य	आतंकवाद, पुलिस और पुलिसिंग, दक्षिण एशिया की भू-राजनीति, विशेष रूप से अफगान-पाक क्षेत्र

➢ **विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/वेबिनार**

- राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग ने किस पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया? जम्मू-कश्मीर: अनुच्छेद 370 हटने के 3 साल बाद शांति, सुरक्षा और विकास का रोडमैप खोजना 5 अगस्त 2022 को यूएसएएनएस फाउंडेशन के सहयोग से।
- राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग ने पुलिस तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान (पीटीटीआई) विजयपुर के सहयोग से इस विषय पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। "उभरती 5 जी प्रौद्योगिकी के मद्देनजर प्रमुख सुरक्षा चुनौतियां" 14-15 अक्टूबर 2022 को। कार्यक्रम के दौरान, 5 जी प्रौद्योगिकी पर जोर दिया गया और प्रतिभागियों को इससे जुड़ी विभिन्न चुनौतियों और अवसरों के बारे में विस्तार से बताया गया।

➢ प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान का आयोजन

- राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग ने इस विषय पर बीएसएफ (सेवानिवृत्त) के एडीजी श्री नरिंदर सिंह जामवाल द्वारा विशेष व्याख्यान आयोजित किया। अपनी सीमा को जानें 26 मई, 2022 को। वक्ता अपने पड़ोसियों के साथ भारत की सीमाओं के बारे में अवलोकन देता है और बीएसएफ भारत की सीमाओं की रक्षा में अपनी भूमिका कैसे निभा रहा है।

- यूजीसी का विशेष व्याख्यान भारत: लोकतंत्र की जननी डॉ. मोहिंदर सिंह, आचार्य और निदेशक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पंजाब स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा 24 को "लोकतांत्रिक आदर्श और सिखों की संस्था" विषय पर दिया गया नवंबर 2022।

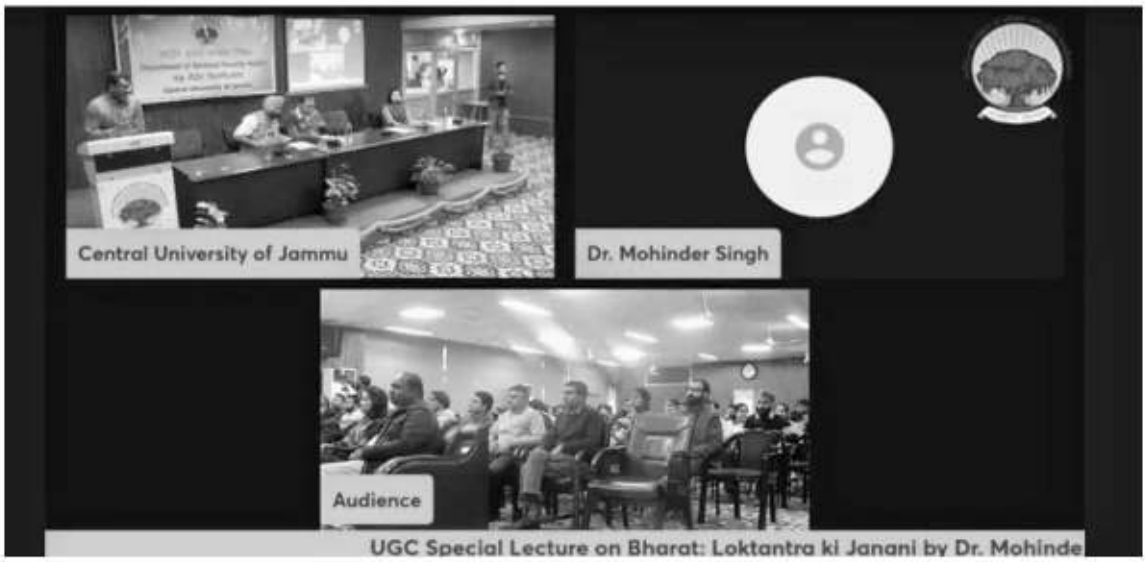

- राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग ने 14 को विदेश मंत्रालय (बाहरी प्रचार और सार्वजनिक कूटनीति प्रभाग) के सहयोग से 'विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला' के तहत एक व्याख्यान का आयोजन किया। मार्च 2023। पुस्तक पर एक विशिष्ट व्याख्यान "भुला दिया गया कश्मीर: नियंत्रण रेखा का दूसरा ओर"ईरान में भारत के राजदूत (सेवानिवृत्त) दिनकर पी. श्रीवास्तव ने यह बात कही। विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति राजदूत (सेवानिवृत्त) जी. पार्थसारथी कार्यक्रम के अतिथि थे। वही कश्मीर विवाद से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया है, जिन पर स्पीकर द्वारा लिखित पुस्तक में विस्तार से चर्चा की गई है।

➢ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

- 20 अक्टूबर 2022 को, छात्रों, शोधार्थियों और विभाग के संकाय को संवेदनशील बनाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय में यौन उतपीड़न के निवारण हेतु लिंग संवेदीकरण समिति (जीएससीएएसएच) के तहत एक परामर्श सत्र आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न स्तरों पर उपलब्ध विभिन्न उपायों पर छात्र समुदाय के लिए अधिक जागरूकता लाना था - विश्वविद्यालय के भीतर, यूजीसी, समुदाय और राज्य में - इससे उत्पन्न होने वाले मुद्दों का निवारण करने के लिए। लिंग उत्पीड़न और हिंसा।

- विभाग ने छात्रों और शोधार्थियों के लिए भारत-पाकिस्तान सीमा, चाम्बलियाल पर एक सीमा यात्रा का आयोजन किया ताकि उन्हें बाहरी खतरों का मुकाबला करने के लिए भारतीय सेना द्वारा उपयोग की जाने वाली तकनीकों और तरीकों के बारे में संवेदनशील बनाया जा सके। मई 2022।

- सिखों के लोकतांत्रिक आदर्शों और संस्थानों पर यूजीसी का विशेष व्याख्यान (भारत: लोकतंत्र की जननी) 24 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित नवंबर 2022 का उद्देश्य छात्रों, शोधार्थियों और संकाय के बीच सिखों के संस्थानों के बारे में विस्तार से जागरूकता फैलाना था।

➢ **क्षेत्र दौरे / औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा:**

बाबा चंबलयाल की क्षेत्र दौरा

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग के छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा का दौरा किया। बाबा चम्बलयाल 27 को मई 2022। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी क्षेत्रों पर निगरानी रखने के लिए उपयोग की जाने वाली नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन किया।

शैक्षिक यात्रा

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग ने 26 को एक शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया फरवरी 2023 में अखनूर सेक्टर के पल्लनवाला के लिए भारतीय सेना की एक प्रमुख पहल "नो योर बॉर्डर्स" के तहत नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ अग्रिम क्षेत्र तक। प्रेजेंटेशन और ग्राउंड दौरा के जरिए एलओसी की गतिशीलता के बारे में विस्तार से बताया गया। चंभ की लड़ाई पर एक वृत्तचित्र भी दिखाया गया। छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को नियंत्रण रेखा पर दुश्मन के किसी भी दुस्साहस को विफल करने के लिए भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए जाने वाले नवीनतम उपकरणों और तकनीकों से परिचित कराया गया। यात्रा के अंत में भारतीय सेना की नामित इकाई द्वारा एक हथियार प्रदर्शन भी किया गया।

नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ अग्रिम क्षेत्र का शैक्षिक दौरा

➢ संकाय उपलब्धि

संकाय का नाम	विवरण
(क) डॉ. जे. जेगनाथन	➢ 4 अप्रैल से 9 मई 2022 तक भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान, इसरो, देहरादून द्वारा आयोजित एसएआर डेटा प्रोसेसिंग और इसके निहितार्थ पर मैसिव ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी) में भाग लिया।
	➢ 6 से 19 सितंबर 2022 तक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन (जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली) में एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पूरा किया।
	➢ साइबर सुरक्षा खतरों पर मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय -जेकेपी संयुक्त टास्कफोर्स में शामिल
	➢ "उभरती हुई 5जी प्रौद्योगिकी के मद्देनजर प्रमुख सुरक्षा चुनौतियां" पर कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा पीपीपीटी, विजयपुर, जम्मू के सहयोग से 14 को जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के पुलिस कर्मियों के लिए राज्य स्तरीय दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। -15 अक्टूबर 2022।
	➢ सिखों के लोकतांत्रिक आदर्शों और संस्थानों पर यूजीसी विशेष व्याख्यान का आयोजन (भारत: लोकतंत्र की जननी)
(ख) डॉ. नीता रानी	➢ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) द्वारा 7 से 16 नवंबर 2022 तक आयोजित "विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए एनईपी-2020 के कार्यान्वयन" पर एक ऑनलाइन यूजीसी-अनुमोदित अल्पकालिक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
	➢ **14** नवंबर **2022** को व्यावसायिक शिक्षा अध्ययन विद्यालय और संकाय इंडक्शन सेल, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से "अखिल भारतीय शिक्षक शिक्षा परिषद-एडोब द्वारा आयोजित डिजिटल कौशल" पर संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

	➢
	➢ **20-25** फरवरी, **2023** तक पर्यावरण विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंस (आईएनवाईएएस) द्वारा आयोजित शीतकालीन स्कूल-**2023** में जी **20** और एजेंडा कम जलवायु परिवर्तन पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया, जिसका शीर्षक वायुमंडलीय एरोसोल माप और स्रोत विभाजन अध्ययन के लिए इंस्ट्रूमेंटेशन और विश्लेषणात्मक तकनीकों पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण था।
	➢ स्वयंम पोर्टल पर रूसी भाषा की मूल बातें पर एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया (परीक्षा 25 फरवरी 2023 को आयोजित हुई)।
	➢ यूजीसी और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), दूरस्थ शिक्षा के कर्मचारी प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तावित "विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए एनईपी-2020 के कार्यान्वयन" पर यूजीसी द्वारा अनुमोदित अल्पकालिक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम पूरा हुआ, पाठ्यक्रम 31 दिसंबर 2022 को पूरा हुआ। .
(ग) डॉ. आर सुधाकर	➢ लर्निंग प्रबंधन सिस्टम मूडल, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च द्वारा प्रस्तावित किया जाता है।, स्वयं पोर्टल पर चेन्नई (परीक्षा **26** को आयोजित फरवरी **2023)** ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया।
	➢ यूजीसी और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), दूरस्थ शिक्षा के कर्मचारी प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तावित "विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए एनईपी-2020 के कार्यान्वयन" पर यूजीसी द्वारा अनुमोदित अल्पकालिक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम पूरा हुआ, पाठ्यक्रम 31 दिसंबर 2022 को पूरा हुआ।
	➢ सेमिनार का आयोजन: ➢ "उभरती हुई **5**जी प्रौद्योगिकी के मद्देनजर प्रमुख सुरक्षा चुनौतियां" पर कार्यशाला के सह-संयोजक जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के पुलिसकर्मियों के लिए

	राज्य स्तरीय दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा पीपीपीटी, विजयपुर, जम्मू के सहयोग से **14** को किया गया। **-15** अक्टूबर **2022**।
	➢ विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग द्वारा **14** को "भूले हुए कश्मीर-नियंत्रण रेखा के दूसरी तरफ" पर सह-संयोजक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। मार्च **2023**।
	➢ **14-15** अक्टूबर, **2022** को जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के पुलिस तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग द्वारा "उभरती हुई **5** जी प्रौद्योगिकी के मद्देनजर प्रमुख सुरक्षा चुनौतियों" पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला पर एक तकनीकी सत्र का संचालन किया।
	➢ सेव द चिल्ड्रन और यूएनएचसीआर के सहयोग से **11** को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा आयोजित "एक समावेशी नई सामाजिक व्यवस्था का सह-निर्माण: कोविड-**19** से प्रतिबिंब" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में कमजोर अल्पसंख्यकों पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।वां**& 12** अक्टूबर **2022**
	➢ रिसोर्स पर्सन ने **12** को एलुमनी एसोसिएशन, गुरु नानक कॉलेज, चेन्नई द्वारा आयोजित एलुमनी एसोसिएशन-एलुमनी टॉक ऑनलाइन सीरीज में जम्मू एवं कश्मीर में सीमा पार आतंकवाद पर एक व्याख्यान दिया। जनवरी **2023**

➢ **(01.04.2022 से 31.03.2023) "आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर" के साथ संकाय प्रकाशन**

संकाय का नाम- डॉ. नीता रानी

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1.	मध्य एशियाई क्षेत्र में भू-राजनीति: भारत के लिए निहितार्थ, इंडियन स्टडीज जर्नल, (ए जर्नल ऑफ र फॉर स्टडी ऑफ पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस, दिल्ली), खंड 3, नंबर 1, पीपी- 115-130।	2583-004X	2022
2.	चीन'दक्षिण चीन सागर पर क्षेत्रीय दावा: भारत के लिए एक आकलन, कलकत्ता जर्नल ऑफ ग्लोबल अफेयर्स, खंड 6, अंक 1, पीपी- 50-79।	2582-2241	2022
3.	अनीता सिंह, ऋचा किठारी, सोमवीर बजार, विनीत वीर त्यागी में जैव ईंधन उत्पादन की विभिन्न पीढ़ियों पर वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावना टिकाऊ बुटानॉल जैव ईंधन, सीआरसी प्रेस (रूटलेज), पृष्ठ 272	9780367760779	2022

संकाय का नाम- डॉ. आर सुधाकर

क्रम सं	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन एन0/आरआईएन नंबर/आईएसबीएन नंबर	प्रकाशन का वर्ष
1.	हिंद-प्रशांत की उभरती भू-राजनीति - भारत की नीतियों की समीक्षा, कानपुर के दार्शनिक	2348-8301	2022
2.	सोशल मीडिया और ऑनलाइन कट्टरता- जम्मू एवं कश्मीर का एक केस स्टडी, एनालाइजेशन पर टिप्पणी करना	2455-0817	2022
3.	डब्ल्यूएमडी आतंकवाद और दक्षिण एशियाई सुरक्षा: चुनौतियां और विकल्प, मुंबई की एशियाटिक सोसाइटी के जर्नल	0972-0766	2022
4.	"भारत और दक्षिण पूर्व एशिया की भू-राजनीति- एक्ट ईस्ट से एक्ट इंडो-पैसिफिक तक" सम्मेलन की कार्यवाही: शिक्षा, अनुसंधान और सामाजिक विज्ञान में वर्तमान रुझान और चुनौतियों पर सार की पुस्तक द्वारा प्रकाशित: इंटरनेशनल काउंसिल फॉर एजुकेशन, रिसर्च एंड ट्रेनिंग (आईसीईआरटी) संपादक: डॉ. संदीप कुमार प्रो. (डॉ) अरुणा आंचल।	978-93-95789-02-8	21 मई, 2022

छात्रावास की सुविधाएं

लड़कों के हॉस्टल के कमरे आराम से सुसज्जित हैं और घर से दूर एक अच्छा घर बनाते हैं। छात्रावास में, छात्रों को टीवी रूम, गर्म, ठंडे और सामान्य पेयजल के लिए एक्वा गार्ड और छात्रावास परिसर के भीतर अन्य खेल गतिविधियों तक पहुंच है, जैसा कि नीचे बताया गया है:

- छात्रावास परिसर में 24x7 वाई-फाई कनेक्टिविटी उपलब्ध है।
- हॉस्टल के अंदर और प्रवेश द्वार पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।
- छात्रावास में 24x7 बिजली और पानी की आपूर्ति।
- छात्रावास में दिन-रात केयरटेकर और हाउसकीपिंग सेवाएं प्रदान की जाती हैं।
- 24x7 एम्बुलेंस सेवाएं प्रदान की जाती हैं।
- छात्रों के लिए जिम की सुविधा है।
- छात्रों के लिए कंप्यूटर प्रयोगशाला।
- छात्रों के लिए अलग अध्ययन कक्ष।
- फोटोकॉपी के लिए फोटोस्टेट मशीन।
- बीटिंग रिट्रीट समारोह देखने के लिए सुचेतगढ़ बॉर्डर की मुफ्त सप्ताहांत यात्रा
- विशेष आमंत्रित व्याख्यानों के लिए सभागार

छात्रावास के भीतर खेल बुनियादी ढांचा:

- वॉली बॉल कोर्ट
- क्रिकेट का मैदान
- खो खो कोर्ट
- आउटडोर बैडमिंटन कोर्ट
- टेबल टेनिस
- शतरंज
- कैरम
- सुबह योग के लिए हरा लॉन

क्षमता विवरण:

लड़कों के हॉस्टल	क्षमता	अधिभोग	अनुसूचित जाति		ओबीसी	पीएच	यूआर	इडब्लूएस	रिक्त
01	145	129	7	1	63		52	06	16

गर्ल्स हॉस्टल से संबंधित अद्यतन डेटा निम्नानुसार है:

छात्रावास के लिए पूछे गए छात्रों की कुल संख्या	कुल हॉस्टल बेड उपलब्ध हैं	छात्रावास बिस्तर का % उपलब्ध
148	140	94.59

क्रम संख्या कुल छात्रावास से लड़कियों के छात्रावास की संख्या	कुल संख्या। विश्वविद्यालय में कमरों की संख्या छात्रावास	कुल संख्या। विश्वविद्यालय के छात्रावासों में निवासियों की संख्या	सामान्य ।	अनुसूचित जाति		ओबीसी	इडब्लूएस	कुल
3	44	140	84	11	6	38	1	140

लड़कों के छात्रों के लिए छात्रावास में सुविधाएं उपलब्ध

लड़कों के हॉस्टल के कमरे आराम से सुसज्जित हैं और घर से दूर एक अच्छा घर बनाते हैं। छात्रावास में, छात्रों को टीवी रूम, गर्म, ठंडे और सामान्य पेयजल के लिए एक्वा गार्ड और छात्रावास परिसर के भीतर अन्य खेल गतिविधियों तक पहुंच है। निम्नलिखित सुविधाएं भी शामिल हैं:

- छात्रावास परिसर में 24x7 वाई-फाई कनेक्टिविटी प्रदान की गई।
- हॉस्टल के अंदर और प्रवेश द्वार पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।
- छात्रावास में 24x7 बिजली और पानी की आपूर्ति।
- छात्रावास में दिन-रात केयरटेकर और हाउस कीपिंग सेवाएं प्रदान की जाती हैं।
- 24x7 एम्बुलेंस सेवाएं प्रदान की जाती हैं।
- छात्रों के लिए जिम की सुविधा है।
- छात्रों के लिए कंप्यूटर प्रयोगशाला।
- छात्रों के लिए अलग अध्ययन कक्ष।
- फोटोकॉपी के लिए फोटोस्टेट मैचिन।

छात्रावास के भीतर खेल बुनियादी ढांचा:

- बास्केटबॉल कोर्ट

- क्रिकेट का मैदान
- आउटडोर बैडमिंटन कोर्ट
- टेबल टेनिस
- शतरंज
- कैरम

क) अधिभोग का विवरण:-

लड़कों के हॉस्टल का नाम	क्षमता	अधिभोग	अनुसूचित जाति		ओबीसी	पीडब्ल्यूडी	इडब्लूएस	यूआर	रिक्त
अभिनवगुप्त पुरुष छात्रवास	152	152	12	10	43	-	18	69	शून्य
स्वामी विवेकानंद पुरुष छात्रवास I	52	60	03	02	12	-	09	26	08
श्यामा प्रसाद मुखर्जी पुरुष छात्रवास I	101	102	19	05	39	22	-	17	शून्य

लड़कियों के हॉस्टल

गर्ल्स हॉस्टल का नाम	क्षमता	अधिभोग	सामान्य	अनुसूचित जाति		ओबीसी	पीडब्ल्यूडी	यूआर	रिक्त
जीएचआर1	89	76	46	7	5	20	0	0	11
जीएचआर2	40	37	20	2	4	11	0	0	3
जीएचआर3	21	21	15	2	1	3	0	0	0
जीएचआर4	68	68	31	7	5	25	0	0	0

छात्रों के लिए छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं का विवरण: –

फर्नीचर:-

1 पढ़ने का कमरा
2 खेल, जिम और मनोरंजन सुविधाएं (कार्डियो मशीन, स्पिनिंग साइकिल, डंबल, योगा मैट, मेडिसिन बॉल, केतली बेल, हैंड बॉल, फुटबॉल, क्रिकेट सेट, कैरम बोर्ड, लूडो, शतरंज, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, स्किपिंग रस्सी, हुलाहूप)

3 जनरेटर की सुविधा
4 24 घंटे एंबुलेंस की सुविधा
5 सुरक्षा 24 घंटे
6 कंप्यूटर की सुविधा
7 इंटरनेट की सुविधा
8 मेस की सुविधा
9 फ्रिज
10 आरओ (वाटर प्यूरिफायर)
11 प्रवेश
12 बिस्तर
13 तकिया
14 अलमारी
15 अध्ययन तालिका
16 पंखा
17 अखबार का स्टैंड
18 गीजर की सुविधा
19 कीट हत्यारा
20 एलईडी टीवी
21 टाटा स्काई डिश
22 वाशिंग मशीन
23 स्टैंड के साथ लोहा
24 स्टीमर
25 प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स
26 सुरक्षा के लिए कैमरे
27 इन्वर्टर
28 वाई-फाई
29 कपड़े धोने के लिए लोहे के स्टैंड पोल
30 कूड़ेदान

इंजीनियरिंग विंग

क. भवन निर्माण समिति

वर्ष 2022-23 में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की विश्वविद्यालय भवन समिति की कुल 04 बैठकें शुरू हुईं। बैठकों का विवरण नीचे दिया गया है:-

1) 22 भवन समिति की बैठक 23/06/2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई थी।
2) 23RD भवन समिति की बैठक 18/10/2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई थी।
3) 24 भवन समिति की बैठक 20/12/2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई थी।
4) 25 भवन समिति की बैठक 27/02/2023 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई थी।

उपर्युक्त बैठकों के दौरान लिए गए मुख्य निर्णय निम्नलिखित थे:-

1) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय कैंपस के विकास के लिए नए पीएमसी मेसर्स मेकॉन लिमिटेड को नियुक्त किया।

2) डीआरडीओ भवन के नए स्थान और निर्मित को 7.03 करोड़ रुपये की अनुमोदित लागत के साथ अनुमोदित किया गया था।

3) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने डीआरडीओ द्वारा वित्त पोषित डीआईए-केसीओई परियोजना के लिए आर्किटेक्चरल कंसल्टेंट के रूप में मेसर्स मीमार एसोसिएट्स को नियुक्त किया।
4) भवन समिति ने गेट कॉम्प्लेक्स, माननीय कुलपति निवास को आधुनिक सुरक्षा विशेषताओं और आकर्षक ऊंचाई के साथ बनाने की मंजूरी दी। 3 को समायोजित करने के लिए प्रीफैब्रिकेटेड अकादमिक खंड के निर्माण को भी मंजूरी दी गई थी[RD] & 4 सत्र इंजीनियरिंग के छात्र। उपरोक्त तीन परियोजनाओं की कुल लागत 7.28 करोड़ रुपये है।
5) 2x10 एमवीए, 33/11 केवी रिसीविंग स्टेशन जेपीडीसीएल (पीडीडी) विभाग द्वारा पूरा किया गया है।

6) मैसर्स एकेसी द्वारा अधूरे छोड़े गए विश्वविद्यालय के शेष विद्युतीकरण कार्यों को विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग विंग द्वारा प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाना था और इसे विश्वविद्यालय भवन समिति द्वारा अनुमोदित किया गया था।
7) समिति ने शिक्षा विद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, 100 बेड वाले पुरुष छात्रवास और विश्वविद्यालय के कंप्यूटर लैब के लिए फर्नीचर खरीदने को मंजूरी दी। फर्नीचर पुरुष छात्रवास , इंजीनियरिंग कॉलेज सहित शिक्षा विद्यालय और किराए के बॉयज एंड गर्ल्स हॉस्टल में स्थापित किए गए हैं।
8) भवन समिति ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 में 100 बिस्तरों वाले कन्या छात्रावास के संचालन के लिए फर्नीचर, पर्दे, घरेलू विद्युत उपकरणों जैसे वाटर कूलर, आरओ, वाशिंग मशीन आदि के लिए 1.10 करोड़ रुपये की मंजूरी दी।

ख. निम्नलिखित बुनियादी ढांचे के विकास कार्य पूरे किए गए हैं

(करोड़ रुपये में)

क्रम सं	काम का नाम	एजेंसी का नाम	अनुमानित/आबंटित लागत	आज तक की प्रगति	
				आर्थिक	शारीरिक (%)
1.	जम्मू बागला केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के लिए संकाय के लिए आवासीय ब्लड, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय और गेट परिसर का निर्माण	मैसर्स नागरजुआना कांस्टेंट Co.Ltd	116.29 *(28.00 को कम प्राथमिकता वाले कार्यों के रूप में स्थगित कर दिया गया)। अनुबंध का शुद्ध मूल्य = 88.29 करोड़ रुपये)*	77.83	100
2.	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय बागला के स्थायी परिसर के लिए सड़क कार्य, पुल-पुलिया और अन्य संबद्ध कार्यों का निर्माण	मैसर्स एसईडब्ल्यू इन्फ्रास्ट। लिमिटेड	264.98 *(64.98 को कम प्राथमिकता वाले कार्यों के रूप में स्थगित कर दिया गया। अनुबंध का शुद्ध मूल्य = 200 करोड़ रुपये)*	195.76	100
3.	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय बागला के स्थायी परिसर के लिए गेस्ट हाउस के निर्माण का आंशिक कार्य	मेसर्स परसेप्ट बिल्डर्स	4.91	4.28	100
4.	जम्मू बागला केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के लिए 11/0.433 केवी इनडोर/आउटडोर इलेक्ट्रिक सबस्टेशन की आपूर्ति, परीक्षण, कमीशनिंग और अन्य संबंधित बाहरी विद्युत कार्य	मैसर्स अनिल कुमार एंड कंपनी	43.99 *(10.20 को कम प्राथमिकता वाले कार्यों के रूप में स्थगित कर दिया गया। अनुबंध का शुद्ध मूल्य = 33.79 करोड़ रुपये)*	17.48	54
5.	दो नंबर 11/0.433 केवी इनडोर इलेक्ट्रिक सबस्टेशन (ईएसएस-1 और 2) की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का शेष कार्य। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के लिए आउटडोर प्रकार 11/0.433 केवी कॉम्पैक्ट सबस्टेशन (सीएसएस - 1, 2 और 3) और अन्य संबंधित बाहरी विद्युत कार्य	मैसर्स सिविकॉन हाई-टेक प्राइवेट लिमिटेड, जम्मू	*Cमैसर्स अनिल कुमार एंड कंपनी (एकेसी) की स्थापना 08.01.18 को समाप्त कर दी गई। मैसर्स एकेसी के जोखिम और लागत पर शेष कार्य की निविदाएं आमंत्रित की जा रही हैं*	4.97	100.00

6.	ओबीसी लड़कों के लिए 2 नंबर 100 बेड वाले हॉस्टल (पूर्ण) और लड़कियों के हॉस्टल (निर्माणाधीन)	CPWD		19.29	लड़कों का छात्रावास पूरा हो गया और 15.10.2022 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को सौंप दिया गया, लड़कियों का छात्रावास 80% पूरा हो गया है
7.	शिक्षा विद्यालय (पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत)	CPWD	5.91	5.91	100
8.	चारदीवारी		25.00	17.32	32.00

ग. सांबा के बागला गांव परिसर स्थल पर एचईएफए वित्त पोषित परियोजनाओं की प्रगति

क्रम सं.	काम का नाम	एजेंसी का नाम	अनुमानित लागत	भौतिक प्रगति
1)	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	मेसर्स मेकॉन लिमिटेड	123.00 करोड़ रुपये।	12%
2)	500 बिस्तर वाले लड़कों के छात्रावास			
3)	500 बिस्तरों वाला गर्ल्स हॉस्टल			
4)	पुस्तकालय सह प्रशासनिक ब्लॉक			

इंजीनियरिंग उपलब्धियों की झलक:

1) स्थान की कमी के कारण 22 आचार्य क्वार्टर पूरे हो चुके हैं और 22 क्वार्टरों का उपयोग विभिन्न विषयों के विभिन्न पाठ्यक्रमों/कक्षाओं को चलाने के लिए किया जा रहा है।
2) गेस्ट हाउस भवन जिसमें 24 कमरे शामिल हैं, पूरा हो गया है और प्रशासन कार्य के लिए उपयोग किया जाता है।
3) 45,00,000 गैलन जल भंडारण क्षमता वाले चार प्रमुख पुलों और जल निकायों सहित 830 किमी सड़क की लंबाई पूरी हो चुकी है।
4) एक 300 केएलडी और एक 120 केएलडी क्षमता का एसटीपी पूरा हुआ।
5) 12,60,000 लीटर क्षमता के केन्द्रीय जल प्राप्ति केन्द्र (सीडब्ल्यूआरएस) का कार्य पूरा हो चुका है।
6) 11,88,000 लीटर क्षमता के एलिवेटेड वाटर स्टेशन-I (ईडब्ल्यूएस-I) का कार्य पूरा हो चुका है।

7) 2,40,000 लीटर क्षमता का एलिवेटेड वाटर स्टेशन-II (ईडब्ल्यूएस-II) पूरा हो गया है।

8) ईएसएस -1 और ईएसएस -2, और कॉम्पैक्ट सबस्टेशन (सीएसएस -1, 2 और 3) पूरा हो गया

9) शिक्षा विद्यालय भवन पूरा हो गया है और सीपीडब्ल्यूडी द्वारा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को सौंप दिया गया है। भवन की प्रथम मंजिल में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की संख्या 02 चल रही है और शिक्षा विभाग भवन के भूतल का संचालन कर रहा है।

10) 100 बिस्तरों वाला बालक छात्रावास भी पूरा हो गया है और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण कर लिया गया है और 17.10.2022 से 120 कैदियों के आवास के साथ कार्य कर रहा है।

11) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, रह्या-सुचानी (बागला) जिला में इसरो द्वारा वित्त पोषित सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र (एसडीसीएसएस) का निर्माण। सांबा पूरा हो गया है और भवन 15.03.2022 से चालू और कार्यात्मक है।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण

- **अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय**

अधिष्ठाता, छात्र कल्याण का कार्यालय विश्वविद्यालय के जीवन में प्रवेश करने वाले छात्रों के समग्र विकास में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। यह छात्रों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करता है।

घटनाएँ और गतिविधियाँ:

- एक ऑनलाइन कार्यक्रम (वस्तुतः) आयोजित किया गया था अप्रैल, 2022 में डीएसडब्ल्यू के कार्यालय द्वारा माननीय प्रधानमंत्री के साथ "परीक्षा पे चर्चा-2022" मनाने के लिए और इसकी अध्यक्षता प्रो.संजीव जैन , कुलपति ने की, जिसमें संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की बड़ी भागीदारी थी।
- 4 को एक ऑनलाइन कार्यक्रम (वस्तुतः) आयोजित किया गया था। अगस्त, 2022 में डीएसडब्ल्यू के कार्यालय द्वारा "नशा मुक्त भारत अभियान" मनाने के लिए डॉ. वीरेंद्र कुमार, एमओएसजेई के साथ अध्यक्षता की गई और संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की बड़ी भागीदारी के साथ प्रो.संजीव जैन , कुलपति की अध्यक्षता की गई।
- केंद्रीय विश्वविद्यालय मुख्य परिसर में अगस्त 2022 ''संगम- द एलुमनी मीट -2022" का आयोजन 28 को किया गया था । विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग के प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों को सुविधा प्रदान की गई। इस आयोजन में पूर्व छात्रों के लिए अपने विश्वविद्यालय के दिनों को फिर से जीने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम और कार्यक्रम हैं।

डीएसडब्ल्यू के कार्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), जम्मू एवं कश्मीर शाखा कार्यालय के सहयोग से 14 अक्टूबर 2022 को विश्वविद्यालय परिसर में "रन फॉर क्वालिटी" का आयोजन किया। इस अवसर पर पुरस्कार, टी-शर्ट, टोपी और जलपान वितरित किए गए, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की भारी भागीदारी थी।

- नवंबर 2022 में नए प्रविष्ठ छात्रों के लिए एक प्रेरण और अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था ताकि उन्हें परिसर की सुविधाओं और परिसर के जीवन से परिचित कराया जा सके।

पैनल चर्चा

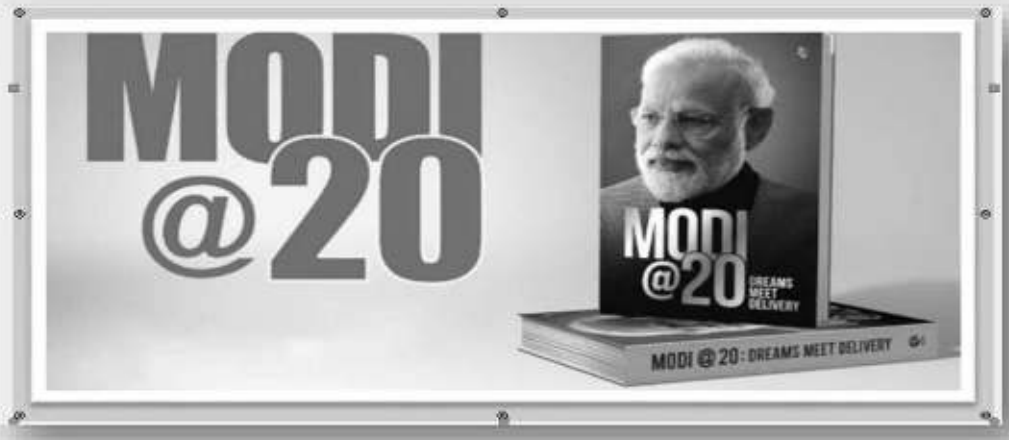

30 जुलाई, 2022 को ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह ऑडिटोरियम में कार्यक्रम शुरू किया गया था। दीपक की पारंपरिक बिजली से। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव जैन अतिथियों को गुलदस्ते भेंट किए; डॉ. जितेंद्र सिंह, श्री सुरजीत सिंह भल्ला, जी. पार्थसारथी और आचार्य प्रदीप श्रीवास्तव। कार्यक्रम के समन्वयक, डॉ. जे. जेगनाथन ने स्वागत भाषण दिया और इसके बारे में संक्षिप्त परिचय भी दिया किताब "Modi@20 ड्रीम्स मिलते हैं डिलीवरी". जबकि कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित किया गयामाननीय प्रधान मंत्री मोदी जी की गतिशील शासन शैली, एक वृत्तचित्र नाम रखा 'पहले लोग' कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था कि मोदी जी के जीवन को दर्शाया। कार्यक्रम के पैनलिस्ट डॉ. जितेंद्र सिंह थे।, श्री सुरजीत सिंह भल्ला, G. पार्थसारथी, प्रोफ़ेसर। प्रो.संजीव जैन और प्रोफ़ेसर। प्रदीप श्रीवास्तव. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 10.08.2022 को राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर एक वार्ता का आयोजन किया

कार्यक्रम 'राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका' जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा अधिष्ठाता, स्टूडेंट्स वेलफेयर के बैपुरुष तले विश्व मंगलय छात्र सभा के सहयोग से रहस्तर के साथ संस्कृति की बात विषय पर आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव जैन , डीएसडब्ल्यू आचार्य रशल सिंह, विश्व मंगलय छात्र सभा की समन्वयक सुश्री श्रुति देशपांडे उपस्थित थीं। कार्यक्रम की शुरुआत जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो.रसाल सिंह डीएसडब्ल्यू के संबोधन से हुई।

मुख्य वक्ता सुश्री श्रुति देशपांडे ने कहा कि यह युवा पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वे हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाएं। यह वार्ता "नारीत्व की विशिष्टता" विषय पर केंद्रित थी और इस बात पर चर्चा की गई कि महिला पहचान को बरकरार रखना होगा। लैंगिक समानता की तुलना में सभी लिंगों के लिए समान अवसरों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। छात्रों को उत्कृष्ट मार्गदर्शन और समग्र विकास प्रदान करने के लिए विश्व मंगल छात्र सभा और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव जैन ने अपने संबोधन में उल्लेख किया कि हमें अपने आधुनिक समाज की आवश्यकता के अनुसार अपने ज्ञान को अद्यतन करना चाहिए, लेकिन हमें अपनी संस्कृति और मूल्यों को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने छात्रों को कविता, लेख, अध्यायों के रूप में अपनी संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए भी प्रेरित किया जो हमारी संस्कृति को संरक्षित करने में मदद करेंगे और इसे प्रसारित करने में भी मदद करेंगे। पूरे कार्यक्रम का संयोजन डॉ. ऋतु बक्शी सांस्कृतिक अधिकारी ने किया।

संकाय की सूची

आचार्यों की सूची

क्रम सं	नाम	विभाग
1.	प्रो. जया भसीन	मानव संसाधन प्रबंधन और ओबी
2.	प्रो. दीपक पठानिया	पर्यावरण विज्ञान
3.	प्रो. बृजमोहन सिंह भाऊ	वनस्पति विज्ञान
4.	प्रो.वंदना शर्मा	अंग्रेज़ी
5.	प्रो. सुनील धर	पर्यावरण विज्ञान
6.	प्रो. मुश्ताक अहमद	आणविक जीव विज्ञान
7.	प्रो. विनय कुमार	भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान
8.	प्रो. अजय कुमार शर्मा	गणित
9.	प्रो. यशवंत सिंह	कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी
10.	प्रो. वी श्रीधरन	रसायन शास्त्र एवं रसायन विज्ञान
11.	प्रो. ऋचा कोठारी	पर्यावरण विज्ञान
12.	प्रो. सूरम सिंह	भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान
13.	प्रो. संताप संहरी मिश्रा	लोक नीति एवं लोक प्रशासन
14.	प्रो.असित कुमार मंत्री	शैक्षिक अध्ययन
15.	प्रो. अश्विनी कुमार नंदा	अर्थशास्त्र
16.	प्रो. अजय पाल शर्मा	विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
17.	प्रो. भारत भूषण	हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएं
18.	प्रो. बालाजी राव रावुरी	नैनो विज्ञान एवं सामग्री
19.	प्रो. कुसुम कुमारी	भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान

सहआचार्यों की सूची

क्रम सं	नाम	विभाग
1.	डॉ. ज्योति नारायण बालिया	शैक्षिक अध्ययन
2.	डॉ. ऋतु बक्शी	शैक्षिक अध्ययन
3.	डॉ. रौची चौधरी	लोक नीति एवं लोक प्रशासन
4.	डॉ. नीरेन्द्र कुमार	कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी
5.	डॉ. श्वेता कोहली	अर्थशास्त्र

6.	डॉ. नैन्सी मेंगी	समाज कार्य
7.	डॉ. कंभमपति राजेश	अंग्रेज़ी
8.	डॉ. कमलेश कुमार	रसायन शास्त्र एवं रसायन विज्ञान
9.	डॉ. शंकर शर्मा	आणविक जीव विज्ञान
10.	डॉ. नरेंद्र कुमार बैरवा	आणविक जीव विज्ञान
11.	डॉ. योगेश कुमार	वनस्पति विज्ञान
12.	डॉ. उमेश कुमार	जनसंचार एवं नवीन मीडिया
13.	डॉ. नीलिका अरोड़ा	विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
14.	डॉ. रंजीत कुमार रमन	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन
15.	डॉ. उदय प्रताप सिंह	गणित
16.	प्रवीण कुमार	नैनो विज्ञान एवं सामग्री
17.	अभय एसडी राजपूत	जनसंचार एवं नवीन मीडिया
18.	डॉ. महेंद्र सिंह	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन
19.	डॉ. अशोक कुमार यादव	प्राणि विज्ञान
20.	डॉ. आशीष कुमार	भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान
21.	डॉ. बिजेंदर कुमार	हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएं
22.	डॉ. धनंजय कुमार	प्राणि विज्ञान
23.	डॉ. प्रदीप कुमार सिंह	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
24.	डॉ. भावना अरोड़ा	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
25.	डॉ. सचिन कुमार गुप्ता	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग

सहायक आचार्य

क्रम सं	नाम	विभाग
1.	डॉ. नीना गुप्ता विज	अंग्रेज़ी
2.	डॉ. भावना अरोड़ा	कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी
3.	डॉ. नीलिका अरोड़ा	मानव संसाधन प्रबंधन एवं ओबी
4.	डॉ. पविंदर सिंह	गणित
5.	सुश्री अंजलि पठानिया	मानव संसाधन प्रबंधन एवं ओबी
6.	डॉ. भारती गुप्ता	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन
7.	डॉ. गौहर रसूल	मानव संसाधन प्रबंधन एवं ओबी
8.	डॉ. अमित गंगोटिया	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन
9.	डॉ. नीता रानी	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन
10.	डॉ. अनीता सिंह	पर्यावरण विज्ञान
11.	श्री रंजीत कुमार रमन	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन
12.	डॉ. पंकज मेहता	पर्यावरण विज्ञान

13.	डॉ. जे. जे. नाथन	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन
14.	डॉ. राज ठाकुर	अंग्रेज़ी
15.	डॉ. दुर्गा राव गंटा	लोक नीति एवं लोक प्रशासन
16.	डॉ. दीप सिंह	गणित
17.	श्री सुशांत नाग	अर्थशास्त्र
18.	डॉ. किरण म.	शैक्षिक अध्ययन
19.	डॉ. श्वेता यादव	पर्यावरण विज्ञान
20.	डॉ. अफ़ज़ल अहमद अफ़ज़ल फ़रोक	अंग्रेज़ी
21.	श्री अरविन्द कुमार सेलवाल	कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी
22.	डॉ. गोविंद कुमार सिंह	लोक नीति एवं लोक प्रशासन
23.	डॉ. दीप्ति मल्होत्रा	कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी
24.	सुश्री प्रीति गुप्ता	अर्थशास्त्र
25.	श्री अनिल कुमार भारती	अर्थशास्त्र
26.	डॉ. दिनेश कुमार	पर्यावरण विज्ञान
27.	श्री राहुल ठाकुर	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन
28.	डॉ. सुधाकर र.	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन
29.	श्री आसिफ अली	मानव संसाधन प्रबंधन एवं ओबी
30.	डॉ. मोहित शर्मा	लोक नीति एवं लोक प्रशासन
31.	डॉ. कमलेश कुमार	गणित
32.	श्री राशिद अली	जनसंचार एवं नवीन मीडिया
33.	डॉ. बच्चा बाबू	जनसंचार एवं नवीन मीडिया
34.	सुश्री अर्चना कुमारी	जनसंचार एवं नवीन मीडिया
35.	श्री मनीष प्रकाश	जनसंचार एवं नवीन मीडिया
36.	डॉ. शाहिद मुश्ताक	विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
37.	डॉ. अंजलि धर	प्राणि विज्ञान
38.	डॉ. नरेश कुमार	विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
39.	डॉ. विशाल सिंह	नैनो विज्ञान एवं सामग्री
40.	डॉ. वंदना शर्मा	हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा
41.	डॉ. श्वेताम्बरी जसरोटिया	प्राणि विज्ञान
42.	डॉ. अरबिंद कुमार यादव	हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा
43.	डॉ. अजय कुमार सिंह	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यताएं
44.	डॉ. अंजू थप्पा	विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
45.	श्री भट इकबाल मजीद	समाज कार्य
46.	डॉ. रत्नेश कुमार यादव	हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा
47.	डॉ. औदेश कुमार भट	आणविक जीव विज्ञान
48.	डॉ. मुरुगेसन आ.	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यताएं
49.	डॉ. रणवीर सिंह	समाज कार्य

50.	डॉ. प्रगति कुमार	नैनो विज्ञान एवं सामग्री
51.	डॉ. दीपक कुमार	वनस्पति विज्ञान
52.	डॉ. विनय कुमार शुक्ला	हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ
53.	डॉ. तनुज कुमार	नैनो विज्ञान एवं सामग्री
54.	डॉ. दीपक भारद्वाज	वनस्पति विज्ञान
55.	डॉ. पवन कुमार	नैनो विज्ञान एवं सामग्री
56.	डॉ. अशोक कुमार यादव	आणविक जीव विज्ञान
57.	डॉ. प्रिंसी गुप्ता	रसायन शास्त्र एवं रसायन विज्ञान
58.	डॉ. वेंकट रमना डोड्डी	रसायन शास्त्र एवं रसायन विज्ञान
59.	डॉ. विनीता शर्मा	प्राणि विज्ञान
60.	डॉ. विकास श्रीवास्तव	वनस्पति विज्ञान
61.	श्री विनय कुमार	समाज कार्य
62.	डॉ. सलिल सेठ	विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
63.	सुश्री स्टैनज़िन लाडोल	प्राणि विज्ञान
64.	डॉ. प्रवीण कुमार मेहता	आणविक जीव विज्ञान
65.	डॉ. सामंथा वैष्णवी	वनस्पति विज्ञान
66.	डॉ. कंचन रॉय	रसायन शास्त्र एवं रसायन विज्ञान
67.	डॉ. सुजाता कुंदन	रसायन शास्त्र एवं रसायन विज्ञान
68.	डॉ. अमित तोमर	भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान
69.	डॉ. अविनाश चंद यादव	भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान
70.	डॉ. जेहोवा जीरे एल. हमार	भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान
71.	डॉ. सहगल सहगल	आणविक जीव विज्ञान
72.	डॉ. अमन म. शाह	शैक्षिक अध्ययन
73.	डॉ. असित कुमार सिंह	शैक्षिक अध्ययन
74.	डॉ. संजय कुमार	गणित
75.	श्री रवि वंगुरी	शैक्षिक अध्ययन
76.	डॉ. प्रवीण कुमारी	अंग्रेज़ी
77.	डॉ. अक्षय कुमार	रसायन शास्त्र एवं रसायन विज्ञान
78.	डॉ. अशोक कुमार	वनस्पति विज्ञान
79.	डॉ. राम राम	शैक्षिक अध्ययन
80.	डॉ. अमिता गुप्ता	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र
81.	डॉ. अश्विनी कुमार	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र
82.	डॉ. एकता मन्हास	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन
83.	डॉ. सुशील साहेबराव कांबले	लोक नीति एवं लोक प्रशासन
84.	फतेह लाल भील	समाज कार्य
85.	डॉ. मोहन गलगोत्रा	शैक्षिक अध्ययन
86.	डॉ. गौरव कुमार	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग

87.	डॉ. शफी शफी	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग
88.	अरुण कुमार शर्मा	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
89.	गौरव ठाकुर	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
90.	हरनैन कौर	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
91.	पलक महाजन	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
92.	विशाल	अर्थशास्त्र
93.	इंद्र प्रताप	लोक नीति एवं लोक प्रशासन
94.	जसविंदर पाल सिंह	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
95.	डॉ. ओंकार नाथ वर्मा	भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान
96.	राजीव कुमार	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग
97.	डॉ. प्रियांक शर्मा	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग

शिक्षण कर्मचारियों की सूची

क्रम स.	**कर्मचारी का नाम**	**पदनाम**
1	श्रीमती शफला परिहार	उप कुलसचिव
2	मोहम्मद इकबाल	उप कुलसचिव
3	श्री विशाल बरगोत्रा	कार्यकारी अभियंता
4	डॉ. हरप्रीत सिंह	चिकित्सा अधिकारी
5	डॉ. विजय पुरी	चिकित्सा अधिकारी
6	सुश्री प्रेरणा	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
7	श्री रोमेश चंदर	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
8	श्री विकास गुप्ता	सहायक कुलसचिव
9	श्री शैलेन्द्र सलाथिया	सहायक कुलसचिव
10	श्री अजय शर्मा	सहायक कुलसचिव
11	डॉ. प्रियंजन	सहायक निदेशक (ओएल)
12	श्री ध्रुब कुमार	सूचना वैज्ञानिक
13	श्री उदित महाजन	सिस्टम विश्लेषक
14	श्री राजन बडयाल	जनसंपर्क अधिकारी
15	श्री अंकुश शर्मा	निजी सचिव
16	सुश्री आरती पुरी	निजी सचिव
17	श्री साहिल कुमार	निजी सचिव
18	श्री संजीव गुप्ता	निजी सचिव
19	सुश्री रचना गुप्ता	अनुभाग अधिकारी
20	सुश्री मीनाक्षी गुप्ता	अनुभाग अधिकारी
21	श्री जतिन देव रन्याल	अनुभाग अधिकारी

22	श्री आशीष कुमार सिंह	अनुभाग अधिकारी
23	सुश्री अलका सैनी	नर्स/नर्सिंग अधिकारी
24	श्री बलवान सिंह	सुरक्षा अधिकारी
25	श्री रोहित थापा	सहायक अभियंता
26	श्री अविनाश कांधवाल	सहायक
27	सुश्री मोनिका कलसी	सहायक
28	सुश्री सुलक्षणा शर्मा	सहायक
29	श्री अर्जुन गौतम	सहायक
30	श्री कुमार आयुष	जूनियर इंजीनियर (सिविल)
31	श्री अनमोल गुप्ता	जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)
32	सुश्री राधा कुमारी	निजी सहायक
33	श्री रामजी	वरिष्ठ तकनीकी सहायक
34	सुश्री महक महाजन	वरिष्ठ तकनीकी सहायक
35	श्री रोहित गुप्ता	व्यावसायिक सहायक
36	सुश्री पूजा शर्मा	व्यावसायिक सहायक
37	श्री अभिनंदन कोतवाल	कानूनी सहायक
38	श्री सतीश प्रसाद	हिंदी अनुवादक
39	श्री तलविंदर सिंह	तकनीकी सहायक
40	श्री प्रणव गुप्ता	तकनीकी सहायक
41	श्री रोमी राजपूत	सुरक्षा निरीक्षक
42	श्री अभिषेक कुमार	कैमिस्ट
43	श्री शिव सरन सिंह	अर्ध-व्यावसायिक सहायक
44	सुश्री दिव्या शर्मा	सांख्यिकीय सहायक
45	श्री रोहित जसरोटिया	प्रवर श्रेणी लिपिक
46	सुश्री हरिंदर कौर	प्रवर श्रेणी लिपिक
47	श्री पुष्प संब्याल	प्रवर श्रेणी लिपिक
48	सुश्री शुम्मू सलाथिया	प्रवर श्रेणी लिपिक
49	सुश्री ख्यामा शर्मा	प्रवर श्रेणी लिपिक
50	श्री बृज भूषण	प्रवर श्रेणी लिपिक
51	सुश्री शिपू महाजन	पुस्तकालय सहायक
52	श्री विवेक गुलेरिया	पुस्तकालय सहायक
53	श्री मनोज कुमार	प्रयोगशाला सहायक
54	श्री सुरिंदर सिंह	रसोइया
55	श्री नरेश शर्मा	रसोइया
56	श्री केवल सिंह	रसोइया
57	श्री सुरेश चौधरी	चालक
58	श्री बंसी लाल	चालक

59	श्री जितिंदर सलाथिया	चालक
60	श्री प्रवीण कुमार	चालक
61	श्री कुलदीप सिंह	ड्राइवर
62	श्री राकेश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक
63	एस कमलजीत सिंह अरोड़ा	अवर श्रेणी लिपिक
64	एस. गर्जेंद्र सिंह	अवर श्रेणी लिपिक
65	सुश्री अंजलि सिंह	अवर श्रेणी लिपिक
66	श्री विनीत कुमार	हिंदी टंकक
67	श्री अमित कुमार	अवर श्रेणी लिपिक
68	श्रीमती प्रतिमा अनूप बांगरू	अवर श्रेणी लिपिक
69	श्री रूपेंदर	अवर श्रेणी लिपिक
70	श्री। अंकुश मगोत्रा	अवर श्रेणी लिपिक
71	श्री रिशु कुमार	अवर श्रेणी लिपिक
72	श्री राजिंदर कुमार	अवर श्रेणी लिपिक
73	श्री साहिल सिंह संब्याल	अवर श्रेणी लिपिक
74	श्री हरीश बड़घाल	अवर श्रेणी लिपिक
75	श्री रहीश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक
76	सुश्री वसुधा खजूरिया	अवर श्रेणी लिपिक
77	श्रीमती नीतू गुप्ता	अवर श्रेणी लिपिक
78	श्री मुकेश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक
79	श्रीमती सुनेहा दबगोत्रा	अवर श्रेणी लिपिक
80	श्री पपी सिंह	परिचारक
81	श्री अंकुर शर्मा	मेडिकल ड्रेसर
82	श्री रवि कुमार	मल्टी टास्किंग कर्मचारी
83	सुश्री सोनिया	प्रयोगशाला परिचर
84	श्री विनोद जामवाल	चपरासी
85	श्री शिवा कौल	छात्रावास परिचारक
86	श्री कीमती लाल	छात्रावास परिचारक
87	श्री भारत भूषण शर्मा	पुस्तकालय परिचारक
88	सुश्री सुकन्या वैद	पुस्तकालय परिचारक
89	श्री प्रदीप कुमार	पुस्तकालय परिचारक
90	श्री परियास शर्मा	पुस्तकालय परिचारक
91	सुश्री कविता चोपड़ा	प्रयोगशाला परिचारक
92	श्री राजेश्वर सिंह	प्रयोगशाला परिचारक
93	श्री संजीव कुमार	रसोई परिचारक
94	श्री अंकुर बाली	रसोई परिचारक

उत्तीर्ण छात्रों का डेटा 2021-22 (पास-प्रतिशत और ग्राफ के साथ उपस्थित और उत्तीर्ण)

22 अंतिम वर्ष उत्तीण डेटा

क्रम सं	विषय	उपस्थित	पास	पुन: उपस्थित	प्रतिशत	आयोजित
1	वनस्पति विज्ञान	17	17	0	100	Jul-22
2	रसायन शास्त्र	17	17	0	100	Jul-22
3	भौतिक विज्ञान	19	19	0	100	Jul-22
4	प्राणि विज्ञान	24	24	0	100	Jul-22
5	बी. वॉक (बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ)	27	25	2	92.59	Jun-22
6	बी.वॉक (खुदरा प्रबंधन)	14	13	1	92.86	Jul-22
7	बी. वॉक (पर्यटन प्रबंधन)	18	15	3	83.33	Jul-22
8	अर्थशास्त्र	30	27	3	90.00	Jul-22
9	अंग्रेज़ी	29	23	6	79.31	Jul-22
10	पर्यावरण विज्ञान	39	37	2	94.87	Jul-22
11	हिंदी	19	18	1	94.74	Jul-22
12	एम.एड.	34	32	2	94.12	Jul-22
13	जनसंचार एवं नवीन मीडिया	26	24	2	92.31	Jul-22
14	व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर	28	26	2	92.86	Jul-22
15	सामग्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	13	11	2	84.62	Jul-22
16	गणित	31	28	3	90.32	Jul-22
17	एमबीए - विपणन प्रबंधन	41	36	5	87.80	Jul-22
18	एमबीए-मानव संसाधन प्रबंधन	43	42	1	97.67	Jul-22
19	एमबीए-पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	29	25	4	86.21	Jul-22
20	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	11	10	1	90.91	Jul-22
21	लोक नीति एवं लोक प्रशासन	40	22	18	55.00	Jul-22
22	सामाज कार्य	28	23	5	82.14	Jul-22
23	योग	19	19	0	100.00	Jan-22

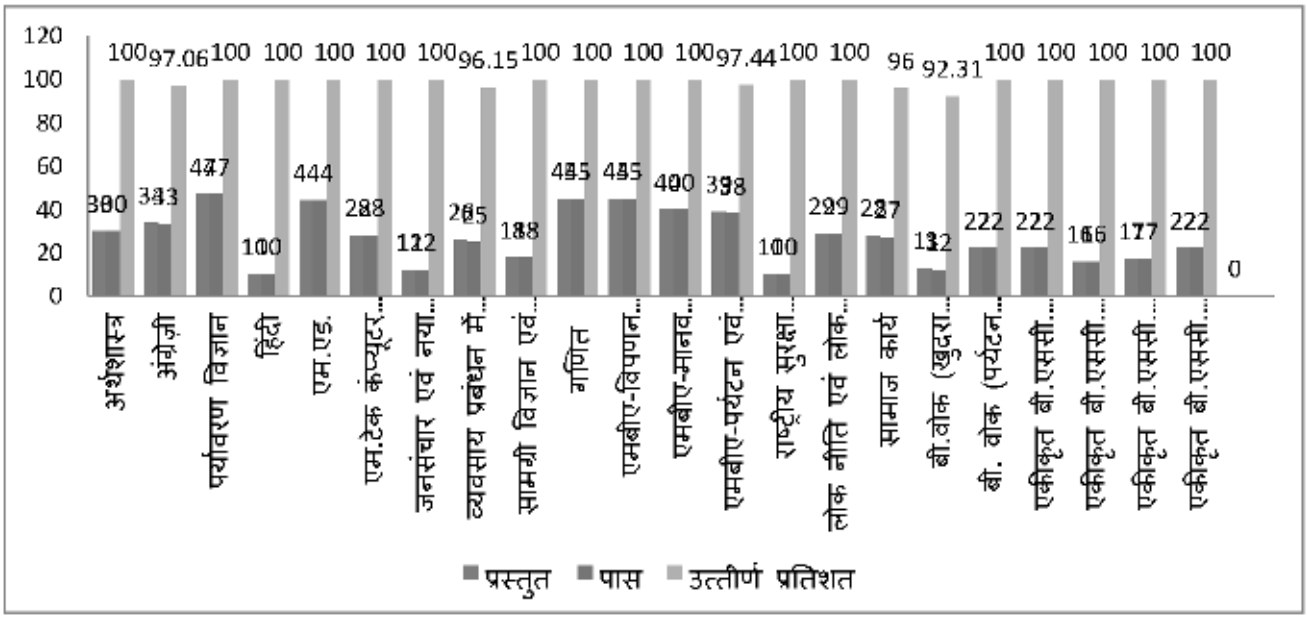

वार्षिक प्रतिवेदन

-: समन्वयक:-

डॉ. वंदना शर्मा

प्रोफेसर, अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग

-: सदस्य:-

डॉ. प्रियंजन, सहायक निदेशक (रा.भ)

-: हिंदी अनुवादक:-

सतीश प्रसाद, हिंदी अनुवादक